भारत सरकार

सत्यमेव जयते

वार्षिक रिपोर्ट
2017–18

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय

विषय सूची

विषय सूची

Organisation i-vi

युवा कार्यक्रम विभाग

1.	प्रस्तावना	2
2.	राष्ट्रीय युवा नीति, 2014 (एनवाईपी–2014)	3
3.	विभाग की योजनाओं का पुनर्गठन	5
4.	नेहरु युवा केंद्र संगठन (एनवाईकेएस)	8
5.	राष्ट्रीय युवा कोर (एनवाईसी)	22
6.	राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस)	23
7.	राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान (आरजीएनआईवाईडी)	31
8.	राष्ट्रीय युवा एवं किशोर विकास कार्यक्रम (एनपीवाईएडी)	40
9.	अंतर्राष्ट्रीय सहयोग (आईसी)	44
10.	राष्ट्रीय युवा नेता कार्यक्रम (एनवाईएलपी)	47
11.	युवा छात्रावास	48
12.	स्काउटिंग और गाइडिंग संगठनों को सहायता	49

विषय सूची

विषय सूची

खेल विभाग

13.	खेल	54
14.	भारतीय खेल प्राधिकरण	55
15.	लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय भारीरिक शिक्षा संस्थान, ग्वालियर	108
16.	खेलो इंडिया योजना	114
17.	खेलों में उत्कृष्टता के संवर्धन से संबंधित योजनाएं	121
18.	खिलाड़ियों को प्रोत्साहन से संबंधित योजनाएं	129
19.	राष्ट्रीय डोप रोधी एजेंसी	135
20.	राष्ट्रीय डोप परीक्षण प्रयोगशाला	145
21.	अंतर्राष्ट्रीय सहयोग	160
22.	2017–18 के दौरान खेल विभाग की उपलब्धियाँ व पहल	161

विषय सूची

विषय सूची

अनुबंध

I	संगठनात्मक चार्ट	171
II	वित्तीय परिव्यय	173
III	भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक के बकाया पैरा और उनकी वर्तमान स्थिति दर्शाने वाला विवरण	175
IV	विभाग के सीधे नियंत्रण में युवा छात्रावासों की सूची	177
V	एन.वाई.के.एस/एस.ए.आई/राज्य सरकारों को स्थानान्तरित युवा छात्रावासों की सूची	178
VI	निर्माणाधीन युवा छात्रावासों की सूची	178
VII	आवर्ती और गैर आवर्ती दोनों प्रकार के अनुमानित व्यय से संबंधित एक सांकेतिक विस्तृत आंकड़ा	179
VIII (i)	यूएसआईएस के तहत मंजूरी प्राप्त परियोजना के लिए जारी राशि	180
VIII (ii)	खेलो इडिया के तहत मंजूरी प्राप्त परियोजना के लिए जारी राशि	181
VIII (iii)	विगत वर्षों के दौरान आयोजित खेल प्रतिस्पर्धाओं से संबंधित प्रतिबद्ध देयता के लिए जारी राशि	184
VIII (iv)	पुनर्स्थापित खेलो इंडिया योजना के अन्य उन्नयनों के तहत जारी किया गया अनुदान	184
IX	दिनांक 01.01.2018 की स्थिति के अनुसार पूर्व आरजीकेए, पूर्व पीवाईकेकेए, पूर्व यूएसआईएस व खेलो इंडिया के तहत बकाया उपयोगिता प्रमाणपत्र का राज्यवार ब्यौरा	185
X	खेल विकास निदेशालय मिशन से संबंधित दिसंबर 2017 माह के लिए मासिक रिटर्न से संबंधित लेखा परीक्षा पैरा पुनरीक्षा	187

संगठन

सचिवालय

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय वर्ष के दौरान युवा कार्यक्रम और खेल राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) के समग्र दिशा–निर्देशों के तहत कार्य करता है। अप्रैल, 2008 में मंत्रालय के तहत दो पृथक विभाग नामतः युवा कार्यक्रम विभाग और खेल विभाग सृजित किए गए थे, इनमें से प्रत्येक विभाग भारत सरकार के एक सचिव के प्रभार के अंतर्गत कार्य करता है।

31.12.2017 के अनुसार मंत्रालय में तीन संयुक्त सचिव है। एक संयुक्त सचिव युवा कार्यक्रम विभाग का कार्य देखता है और दो संयुक्त सचिव खेल विभाग का कार्य देखते हैं। लेखा एवं लेखापरीक्षा से संबंधित मामले अपर सचिव एवं वित्तीय सलाहकार के प्रभार के अंतर्गत हैं।

31.12.2017 की स्थिति के अनुसार, युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय की संस्वीकृत संख्या 203 थी जिसमें 33 समूह 'क' पद, 96 समूह 'ख' पद (32 राजपत्रित और 64 अराजपत्रित), 74 समूह 'ग' पद हैं। मंत्रालय का संगठनात्मक चार्ट **अनुबंध–1** में दिया गया है।

'''''

मंत्रालय के कार्य

भारत सरकार (कार्यों का आबंटन) नियमावली, 1961 की द्वितीय अनुसूची में उल्लिखित दोनों विभागों अर्थात युवा कार्यक्रम विभाग और खेल विभाग के अंतर्गत निम्नलिखित कार्य आते हैं :–

क. युवा कार्यक्रम विभाग

1. युवा कार्यक्रम/युवा नीति
2. नेहरू युवा केन्द्र संगठन
3. राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान
4. राष्ट्रीय सेवा योजना
5. स्वयंसेवी युवा संगठन, उनको वित्तीय सहायता सहित (युवा एवं किशोर विकास के लिए युवा संगठनों को वित्तीय सहायता)
6. राष्ट्रीय युवा कोर
7. राष्ट्रमंडल युवा कार्यक्रम तथा संयुक्त राष्ट्र स्वयंसेवक
8. युवा कल्याण कार्यकलाप, युवा महोत्सव इत्यादि (राष्ट्रीय युवा महोत्सव)
9. बाल स्काउट्स तथा बालिका गाइड
10. युवा छात्रावास
11. राष्ट्रीय युवा पुरस्कार (राष्ट्रीय युवा पुरस्कार और तेनजिंन नॉर्गे राष्ट्रीय साहस पुरस्कार)
12. पूर्ववर्ती राष्ट्रीय अनुशासन योजना के शेष कार्य
13. विदेशों के साथ युवा प्रतिनिधिमंडलों का आदान–प्रदान

ख. खेल विभाग

1. खेल नीति
2. खेल–कूद
3. खिलाड़ियों के लिए राष्ट्रीय कल्याण कोष
4. नेताजी सुभाश राष्ट्रीय खेल संस्थान
5. भारतीय खेल प्राधिकरण
6. भारतीय ओलंपिक संघ तथा राष्ट्रीय खेल परिसंघों से जुड़े मामले
7. विदेशों में टूर्नामेंटों में भारतीय खेल टीमों की भागीदारी तथा भारत में अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंटों में विदेशी खेल टीमों की भागीदारी
8. अर्जुन पुरस्कार सहित राष्ट्रीय खेल पुरस्कार
9. खेल छात्रवृत्तियां
10. विदेशों के साथ खिलाड़ियो, विशेषज्ञों तथा टीमों का आदान–प्रदान
11. खेल अवसंरचना के सृजन व विकास के लिए सहायता सहित खेल अवसंरचना
12. कोचिंग, टूर्नामेंटों, उपकरण इत्यादि के लिए वित्तीय सहायता
13. संघ राज्य क्षेत्रों से जुड़े खेल मामले
14. भाारीरिक शिक्षा

अधीनस्थ कार्यालय/स्वायत्तषासी संगठन

युवा कार्यक्रम विभाग

इस विभाग का एक अधीनस्थ कार्यालय अर्थात राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) और दो स्वायत्तशासी संगठन अर्थात नेहरू युवा केन्द्र संगठन (एनवाईकेएस), नई दिल्ली और राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान (आरजीएनआईवाईडी) श्रीपेरम्बदूर, तमिलनाडु है, (जिसे 2012 में संसद के अधिनियम द्वारा राष्ट्रीय महत्व के संस्थान के रूप में अधिसूचित किया गया है)।

खेल विभाग

निम्नलिखित स्वायत्तशासी संगठन, खेल विभाग के प्रशासनिक नियंत्रण के तहत कार्य करते हैं :–

(i) भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई),

(ii) लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय भारीरिक शिक्षा संस्थान (एलएनआईपीई), ग्वालियर, मध्य प्रदेश

(iii) राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा)।

(iv) राष्ट्रीय डोप परीक्षण प्रयोगशाला (एनडीटीएल)।

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछड़ा वर्ग का प्रतिनिधित्व

मंत्रालय में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछड़ा वर्ग से संबंधित 48 कार्मिक हैं। समूह ''क'' के पदों में 2 अधिकारी अनुसूचित जाति तथा 2 अधिकारी अनुसूचित जनजाति और एक अन्य पिछड़ वर्ग से संबद्ध है। समूह ''ख'' के पदों में 08 अधिकारी अनुसूचित जाति श्रेणी से, 04 अधिकारी अनुसूचित जनजाति श्रेणी से और 08 पदाधिकारी अन्य पिछड़ा वर्ग श्रेणी से हैं। समूह ''ग'' के पदों में 9 पदाधिकारी अनुसूचित जाति श्रेणी से और 2 पदाधिकारी अनुसूचित जनजाति श्रेणी और 12 पदाधिकारी अन्य पिछड़ा वर्ग से हैं।

बजट आबंटन

2017–18 के लिए मंत्रालय का कुल बजट आबंटन (बीई) 1,943.21 करोड़ रूपए था और 2017–18 के लिए संशोधित बजट आबंटन (आरई) 1,938.16 करोड़ है। 2018–19 के लिए प्रस्तावित बजट आकलन (बीई) 2,196.35 करोड़ रूपए है जिसमें राजस्व के लिए 2,138.31 करोड़ रूपए पूंजीगत के लिए 58.04 करोड़ रूपए शामिल है। ब्यौरा **अनुबंध–II** में दिया गया है।

हिन्दी का प्रगामी प्रयोग

युवा कार्यक्रम और खेल विभाग में दैनिक सरकारी कामकाज में राजभाषा हिन्दी के प्रगामी प्रयोग में वृद्धि करने के लिए और संघ में राजभाषा नीति तथा उसके तहत बनाए गए नियमों का कार्यान्वयन करने के लिए उप–निदेशक (रा.भा.) का एक पद, सहायक निदेशक (रा.भा.) का एक पद, वरिष्ठ अनुवादक के दो पद, कनिष्ठ अनुवादक के दो पद और अन्य सहायक कर्मचारियों की संस्वीकृत संख्या के साथ एक हिन्दी अनुभाग है। मंत्रालय में संयुक्त सचिव (युवा कार्यक्रम) की अध्यक्षता में एक राजभाषा कार्यान्वयन समिति का गठन किया गया है और नियमित रूप से इसकी बैठकें आयोजित की जा रही है।

वर्ष के दौरान 14–28 सितम्बर, 2017 तक हिन्दी पखवाड़े का आयोजन किया गया। इस अवधि के दौरान 8 हिन्दी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया और 48 अधिकारियों/कर्मचारियों को पुरस्कार दिए गए। इसके अतिरिक्त मंत्रालय में वर्ष दर वर्ष आधार पर मूल रूप से हिंदी में नोटिंग/ड्राफटिंग के लिए प्रोत्साहन योजना कार्यान्वित की गयी है! वर्ष के दौरान योजना के तहत 10 अधिकारियों/कर्मचारियों को पुरस्कार दिए गए। हिंदी में अधिकतम सरकारी कामकाज करने के लिए कर्मचारियों को माननीय राज्य मंत्री, युवा कार्यक्रम और खेल (स्वतंत्र प्रभार) की ओर से एक संदेश परिचालित किया गया!

वर्ष के दौरान संसदीय राजभाषा समिति की पहली उप समिति ने मंत्रालय के 5 अधीनस्थ और संबद्ध कार्यालयों का निरीक्षण किया है।

मंत्रालय की अपनी स्वयं की वेबसाइट है जिसे हिन्दी तथा अंग्रेजी के द्विभाषी रूप में बनाया गया है और इसे नियमित रूप से अद्यतन किया जाता है।

सतर्कता प्रकोष्ठ

मंत्रालय में अवधि (जनवरी, 2017 से दिसंबर, 2017) के दौरान निदेषक (खेल)/सीवीओ सचिव (युवा कार्यक्रम) तथा सचिव (खेल) के अधीन एक सतर्कता प्रकोष्ठ ने कार्य किया।

मंत्रालय का मुख्य सतर्कता अधिकारी मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण में अधीनस्थ तथा स्वायतशासी संगठनों के लिए नोडल अधिकारी के रूप में भी कार्य करता है और इन संगठनों से संबंधित सतर्कता के मामले सीवीओ, युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय की सिफारिश के साथ सीवीसी को भेजे जाते हैं। सीवीओ इन सभी मामलों में सीवीसी को संबद्ध संगठन के परामर्श से

आव   यक स्पष्टीकरण प्रदान करता है। मंत्रालय के तहत संबद्ध संगठनों के पुराने सतर्कता मामलों की समीक्षा हेतु सीवीसी द्वारा आयोजित बैठकों में मंत्रालय के सीवीओ द्वारा भाग लिया जाता है तथा सीवीसी के निर्देशानुसार मामलों को भीघ्रता से निपटाया जाता है।

इस अवधि के दौरान सीडब्लयूजी, 2010 से संबंधित 3 मामले बंद किए गए हैं और सीडब्लयूजी से संबंधित कुछ मामलों में सीवीसी को अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत की गयी है। इस अवधि के दौरान सतर्कता प्रकोष्ठ में केन्द्रीय सतर्कता आयोग तथा अन्य से अन्य स्रोतों से 5 शिकायतें प्राप्त हुईं थी। इन सभी मामलों में समुचित कार्रवाई की गयी है। अवधि के दौरान प्राप्त शिकायतों पर निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार कार्रवाई की गयी और आगे समुचित कार्रवाई के लिए अनुवर्ती कार्रवाई की गयी।

सार्वजनिक प्रापण में पारदर्शिता, जवाबदेही पर जोर देने के लिए तथा जागरूकता फैलाने के लिए मंत्रालय में 30 अकतूबर, 2017 से 4 नवंबर, 2017 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन किया गया। मंत्रालय के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा भापथ ली गयी। इस सप्ताह के दौरान सर्तकता जागरूकता के संबंध में बैनर और पोस्टर प्रदर्शित किए गए। (i) राजपत्रित अधिकारियों के लिए: भ्रष्टाचार रोकने के लिए विमुद्रीकरण का प्रभाव और पारदर्शिता लाने तथा भ्रष्टाचार को रोकने के साधन के रूप में डिजीटीकरण (ii) अराजपत्रित अधिकारियों के लिए: भ्रष्टाचार मुक्त भारत का मेरा दृष्टिकोण और भ्रष्टाचार के उन्मूलन में प्रशासन/सतर्कता इकाई की भूमिका, विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

महिला कर्मचारियों के यौन उत्पीड़न संबंधी शिकायत समिति

विशाखा एवं अन्य बनाम राजस्थान राज्य तथा अन्य के मामले में माननीय उच्चतम न्यायालय के निर्णय में दिए गए निर्देशों के अनुसरण में मंत्रालय में महिला कर्मचारियों के यौन उत्पीड़न की शिकायतों के निवारण के लिए युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय में एक शिकायत समिति गठित की गई है। मंत्रालय के मुख्य सचिवालय के संबंध में समिति को वर्ष 2017–18 के दौरान कोई शिकायत प्राप्त नहीं हुई है।

सूचना का अधिकार और जन शिकायत प्रकोष्ठ

सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के अंतर्गत सभी आवेदनों को इस मंत्रालय के सूचना अधिकार प्रकोष्ठ में केन्द्रीय रूप से प्राप्त किया जाता है जिसके प्रभारी एक अनुभाग अधिकारी हैं और इसका समन्वय अवर सचिव द्वारा किया जाता है। आवेदन, निर्धारित समय के भीतर याचिकाकर्ता को उचित उत्तर भेजने के लिए संबंधित सीपीआईओ को अग्रेषित किए जाते हैं। चालू वित्त वर्ष के दौरान मंत्रालय द्वारा 313 आरटीआई आवेदन प्राप्त और निपटाए गए। इसी प्रकार मंत्रालय में 29 अपीलें प्राप्त हुई और तदनुसार निपटाई गई। सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 की धारा 5(1) में विहित प्रावधानों के अनुसरण में मंत्रालय ने उक्त अधिनियम के अंतर्गत निदेशक/उप सचिव और अवर सचिव के स्तर पर जन सूचना अधिकारियों तथा निदेशक/संयुक्त सचिव के स्तर पर अपीलीय प्राधिकारियों को नियुक्त किया है। ब्यौरों को मंत्रालय की आधिकारिक वेबसाइट पर भी डाला गया है। इसी प्रकार, सभी जन शिकायतें केन्द्रीय रूप से जन शिकायत प्रकोश्ठ में प्राप्त की जाती हैं। श्री दया नंद उप सचिव (आरटीआई/पीजी) को मंत्रालय में जन शिकायत अधिकारी के रूप में नामित किया गया है।

लंबित लेखा परीक्षा पैरा

भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक के बकाया लेखापरीक्षा पैरा/टिप्पणियों का विवरण **अनुबंध–III** में दिया गया है।

सीएंडएजी के लेखापरीक्षा पैरा/टिप्पणियां

मार्च, 2016 को समाप्त वर्ष के लिए सीएंडएजी की हाल की लेखापरीक्षा रिपोर्ट में दर्शाई गई महत्वपूर्ण लेखापरीक्षा

पैराओं/टिप्पणियों का सार नीचे दिया गया है:.

केन्द्रीय सरकार (सिविल)

अनुपालन लेखापरीक्षा टिप्पणी

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय

2017 की संख्या 12

नेहरू युवा केन्द्र संगठन (एनवाईकेएस) में वित्तीय प्रबंधन

सामान्य उद्देश्य के अनुदानों में वर्ष 2007–08 से 2014–15 तक 46.73 करोड़ रूपए का अव्ययित भोष समायोजन के बगैर पड़ा था जिसे युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय द्वारा भविष्य के अनुदानों से समायोजित किया जाना अपेक्षित था। एनवाईकेएस में चिन्हित निधियों के खराब उपयोग के मामले देखे गए थे, जिससे निधियां बेकार पड़ी रहीं। एनवाईकेएस ने 12 से 19 माह की देरी से 2012–13 से 2014–15 के लिए वार्षिक लेखों को अंतिम रूप दिया। लेखों को अंतिम रूप देने में शामिल समय को कम करने के उद्देश्य से खरीदा गया टेली सॉफटवेयर का एनवाईकेएस द्वारा इष्टतम उपयोग नहीं किया गया। 338 जिलों में जिला युवा समन्वयकों और लेखा कलर्क–सह–टंककों की अत्यधिक कमी थी। अलीपुर और भुवनेश्वर के वेतन और लेखा कार्यालयों में 13 महीने से 9 वर्ष तक की अवधि के लिए 1.66 करोड़ रूपए धनराशि के निश्क्रिय होने के मामले प्रकाश में आए (पैराग्राफ नं. 23.1)।

೨

अध्याय – 1

प्रस्तावना

युवा जनसंख्या के अत्यधिक उत्साही और गतिशील वर्ग का प्रतिनिधित्व करते हैं। भारत विश्व के सबसे युवा राष्ट्रों में एक है जिसकी कुल जनसंख्या का लगभग 65 प्रतिशत 35 वर्ष की आयु से नीचे है। 15–29 वर्ष के आयु समूह में युवा कुल जनसंख्या का 27.5 प्रतिशत है। भारत के 2025 तक संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन और जापान के बाद चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की संभावना है जो कि विश्व जीडीपी में लगभग 5.5%–6% का योगदान है। जबकि अधिकांश विकसित देश प्रौढ़ होते हुए कार्यबल के जोखिम का सामना कर रहे हैं, भारत में एक अत्यधिक अनुकूल डेमोग्राफिक लाभ की संभावना है। यह अनुमान है कि वर्ष 2020 तक संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए 38 वर्ष, चीन के लिए 42 वर्ष तथा जापान के लिए 48 वर्ष की तुलना में भारत की जनसंख्या की मध्यम आयु केवल 28 वर्ष होगी। यह "डेमोग्राफिक लाभ" एक सुनहरा अवसर प्रदान करता है। इस डेमोग्राफिक लाभ को लेने के लिए यह अनिवार्य है कि अर्थव्यवस्था में श्रम बल में वृद्धि का समर्थन करने की योग्यता हो और युवाओं को समुचित शिक्षा, कौशल, स्वास्थय जागरूकता और अन्य कारक उपलब्ध हो जिससे वे देश की अर्थव्यवस्था में प्रभावी योगदान दे सकें।

भारत सरकार विभिन्न मंत्रालयों/विभागों के माध्यम से युवाओं के लिए कार्यक्रमों पर महत्वपूर्ण निवेश करती है। इसके अतिरिक्त, राज्य सरकारें और कई अन्य प्रतिभागी भी युवा विकास में सहायता देने और उत्पादक युवा भागीदारी सुकर बनाने में कार्यरत हैं।

अध्याय –2

राष्ट्रीय युवा नीति, 2014

राष्ट्रीय युवा नीति, 2014 (एनवाईपी–2014) भारत के युवाओं के समग्र विकास के लिए पूरे राष्ट्र की वचनबद्धता को दोहराती है ताकि वे अपनी क्षमता का पूरा लाभ उठा सके और राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में उत्पादक रूप से योगदान दे सकें।

राष्ट्रीय युवा नीति, 2014 (एनवाईपी–2014) पूर्ववर्ती राष्ट्रीय युवा नीति, 2003 को प्रतिस्थापित करते हुए फरवरी, 2014 में आरंभ की गई थी। राष्ट्रीय युवा नीति, 2014 को सभी पणधारियों के साथ गहन परामर्शों के पश्चात् अंतिम रूप दिया गया है। यह नीति "युवा" को 15–29 वर्ष के आयु समूह में व्यक्तियों के रूप में परिभाषित करती है।

विजन, उद्देश्य और वरीयता के क्षेत्र

एनवाईपी–2014 भारत के युवाओं के लिए एक समग्र "दृष्टिकोण" का प्रस्ताव करती है जो *"देश के युवाओं को अपनी पूर्ण क्षमता प्राप्त करने हेतु सशक्त बनाना तथा उनके माध्यम से भारत को राष्ट्रों के समुदाय में अपना सही स्थान पाने के लिए समर्थ बनाना है।"*

इस विजन को प्राप्त करने के लिए एनवाईपी–2014 स्पष्ट रूप से परिभाषित 5 'उद्देश्यों' व प्रत्येक उद्देश्य के अंतर्गत 'वरीयता क्षेत्र' की पहचान करता है। एनवाईपी–2014 के अंतर्गत अभिज्ञात उद्देश्य और वरीयता क्षेत्र निम्नानुसार हैः

उद्देश्य	वरीयता क्षेत्र
1. ऐसा उत्पादक कार्यबल तैयार करना जो भारत के आर्थिक विकास में सतत रूप से योगदान दे सकता है	1. शिक्षा 2. रोजगार और कौशल विकास 3. उद्यमशीलता
2. भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए सुसज्जित एक मजबूत और स्वस्थ पीढ़ी तैयार करना	4. स्वास्थ्य एवं स्वस्थ जीवन शैली 5. खेल
3. राष्ट्रीय स्वामित्व का निर्माण करने के लिए सामाजिक मूल्यों को समाविष्ट करना तथा समुदाय सेवा का संवर्धन करना	6. सामाजिक मूल्यों का संवर्धन 7. समुदाय भागीदारी
4. अभिशासन के स्तरों पर भागीदारी तथा नागरिक सहयोग को सुकर बनाना	8. राजनीति और अभिशासन में भागीदारी 9. युवा भागीदारी
5. जोखिम में युवाओं की सहायता करना तथा सभी लाभ वंचित और वंचित युवाओं के लिए समान अवसर पैदा करना	10. समावेशन 11. सामाजिक न्याय

एनवाईपी–2014 के अंतर्गत सिफारिश किए गए नीतिगत उपाय

एनवाईपी–2014 सभी 11 अभिज्ञात वरीयता क्षेत्रों के तहत नीतिगत उपायों की सिफारिश करता है। यह वर्तमान स्थिति के सावधानीपूर्वक विश्लेषण और भविष्य की आवश्यकताओं पर आधारित है। संक्षिप्त रूप में इन्हें नीचे दिया गया हैः

क्र.सं.	वरीयता क्षेत्र	सुझाए गए उपाय
1.	शिक्षा	• तंत्र की क्षमता और गुणवत्ता का निर्माण • कौशल विकास और जीवन पर्यन्त अधिगम का संवर्धन
2.	रोजगार और कौशल विकास	• लक्षित युवा आउटरिच और जागरूकता • तंत्र और पणधारियों के बीच संपर्क बनाना • अन्य भागीदारों की तुलना में सरकार की भूमिका परिभाषित करना
3.	उद्यमशीलता म्दजतमचतमदमनतीपच	• लक्षित युवा आउटरिच कार्यक्रम • क्षमता निर्माण के लिए प्रभावी कार्यक्रमों में वृद्धि करना • युवा उद्यमशीलता के लिए कार्यक्रम तैयार करना • वृहत मॉनीटरिंग तथा मूल्यांकन प्रणाली क्रियान्वित करना
4.	स्वास्थ्य एवं स्वस्थ जीवन शैली	• सेवा प्रदायगी में सुधार करना • स्वास्थ्य, पोषण और उपचारात्मक देखभाल के प्रति जागरूकता • युवाओं के लिए लक्षित रोग नियंत्रक कार्यक्रम
5.	खेल	• खेल सुविधाओं और प्रशिक्षण तक अधिक पहुंच • युवाओं में खेल संस्कृति का संवर्धन • प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के लिए सहायता और विकास
6.	सामाजिक मूल्यों का संवर्धन	• मूल्य शिक्षा प्रणाली को औपचारिक बनाना • युवाओं के लिए भागीदारी कार्यक्रमों को सुदृढ़ बनाना • मूल्यों और सद्भावना के प्रसार के लिए कार्यरत गैर–सरकारी संगठनों और लाभ संगठनों को सहायता प्रदान करना
7.	समुदाय भागीदारी	• मौजूदा समुदाय विकास संगठनों का प्रसार करना • सामाजिक उद्यमशीलता का संवर्धन करना
8.	नीति और अभिशासन में भागीदारी	• राजनीतिक तंत्र से बाहर युवाओं की भागीदारी • ऐसा अभिशासन तंत्र तैयार करना जिसका युवा सदुपयोग कर सके • शहरी अभिशासन में युवा भागीदारी का संवर्धन करना
9.	युवा भागीदारी	• युवा विकास योजनाओं की प्रभाविता के उपाय और निगरानी • युवाओं के साथ भागीदारी के लिए मंच तैयार करना
10.	समावेशन	• लाभ वंचित युवाओं के लिए भागीदारी और क्षमता निर्माण • संघर्ष प्रभावित क्षेत्रों में युवाओं के लिए आर्थिक अवसर सुनिश्चित करना • दिव्यांग युवाओं को सहायता के लिए एक बहुआयामी दृष्टिकोण प्रदान करना • युवाओं को जोखिम से बचाने के लिए जागरूकता एवं अवसर प्रदान करना
11.	सामाजिक न्याय	• सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए युवाओं को समर्थ बनाना • सभी स्तरों पर न्याय तक पहुंच को सुदृढ़ करना

अध्याय–3

योजनाओं का पुनर्गठन

पुनर्गठन से पहले योजनाओं की स्थिति

2015–16 तक, विभाग 10 योजनाओं का कार्यान्वयन कर रहा था, नामतः

क) नेहरू युवा केन्द्र संगठन (एनवाईकेएस)

ख) राष्ट्रीय युवा कोर (एनवाईसी)

ग) राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस)

घ) राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान (आरजीएनआईवाईडी)

ड.) राष्ट्रीय युवा एवं किशोर विकास कार्यक्रम (एनपीवाईएडी)

च) अंतर्राष्ट्रीय सहयोग

छ) युवा छात्रावास (वाईएच)

ज) स्काउटिंग एवं गाइडिंग संगठनों को सहायता

झ) राष्ट्रीय अनुशासन योजना (एनडीएस)

ञ) राष्ट्रीय युवा नेता कार्यक्रम (एनवाईएलपी)

उपरोक्त योजनाओं में से, राष्ट्रीय अनुशासन योजना (एनडीएस) एक योजनेतर स्कीम थी और बाकी 9 स्कीमें योजनागत स्कीम थी। राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) 2015–16 तक केन्द्र द्वारा प्रायोजित योजना थी परंतु इसे 01.04.2016 से केन्द्रीय क्षेत्र की योजना बना दिया गया है। बाकी सभी योजनाएं केन्द्रीय क्षेत्र की योजनाएं है। राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान (आरजीएनआईवाईडी) आरजीएनआईवाईडी अधिनियम, 2012 (संसद का अधिनियम) द्वारा एक सांविधिक निकाय है। इन योजनाओं में से कुछ योजनाएं काफी छोटी योजनाएं हैं जिनमें परिव्यय 10 करोड़ रूपए से कम है।

01.04.2016 से योजनाओं का पुनर्गठन

मानव संसाधन विकास संबंधी विभागीय संसदीय स्थायी समिति विभाग की योजनाओं के आमेलन/समेकन पर जोर देती रही है ताकि उनकी प्रभाविता में वृद्धि की जा सके। वित्त मंत्रालय, भारत सरकार ने भी विभाग को बेहतर तालमेल और संसाधनों के अधिक प्रभावी उपयोग के लिए योजनाओं को कुछ सुसंगत योजनाओं में पुनर्गठित करने की सलाह दी थी। तदनुसार, समुचित विचार करने के पश्चात युवा कार्यक्रम विभाग ने विभाग द्वारा कार्यान्वित सभी योजनाओं को 04.04.2016 से निम्नानुसार 3 योजनाओं में पुनर्गठित/समेकित कर दिया है:

क्रम सं.	योजनाओं का नाम (पुनर्गठन से पहले)	योजनाओं का नाम (पुनर्गठन के बाद)
1.	नेहरु युवा केंद्र संगठन (एनवाईकेएस)	''राष्ट्रीय युवा सशक्तीकरण कार्यक्रम (आरवाईएसके)'' नामक एक नई 'अम्ब्रेला' योजना में आमेलित
2.	राष्ट्रीय युवा कोर (एनवाईसी)	
3.	राष्ट्रीय युवा एवं किशोर विकास कार्यक्रम (एनपीवाईएडी)	
4.	अंतर्राष्ट्रीय सहयोग (आईसी)	
5.	युवा छात्रावास	
6.	स्काउटिंग और गाइडिंग संगठनों को सहायता	
7.	राष्ट्रीय अनुशासन योजना (एनडीएस)	
8.	राष्ट्रीय युवा नेता कार्यक्रम (एनवाईएलपी)	
9.	राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस)	राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस)

10.	राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान (आरजीएनआईवाईडी)	राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान (आरजीएनआईवाईडी)

इस प्रकार, यह उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) और राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान (आरजीएनआईवाईडी) को उनके संचालनात्मक फ्रेमवर्क की विशिष्ट प्रकृति के कारण अलग योजनाओं के रूप में रखा गया है, बाकी सभी योजनाओं को ''राष्ट्रीय युवा सशक्तिकरण कार्यक्रम (आरवाईएसके)'' नामक एकछत्र योजना में आमेलित कर दिया गया है, जो अब युवाओं के सशक्तिकरण के लिए विभाग के प्रमुख कार्यक्रम के रूप में कार्य करेगी ताकि युवाओं को राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में योगदान हेतु उनकी क्षमताओं के दोहन में समर्थ बनाया जा सके। कई योजनाओं को एकल योजना में आमेलित करने के अन्यों के साथ–साथ निम्नलिखित लाभ होंगे:

क) पूर्व में केवल एनवाईकेएस और एनवाईसी (जिन्हें प्रशासनिक रूप से पहले ही समेकित कर दिया गया था) की फील्ड स्तर पर प्रशासनिक उपस्थिति थी। अन्य कार्यक्रमों की जमीनी उपस्थिति नहीं थी। अतः उनका अकेले कार्यक्रम के रूप में कार्यान्वयन करने से उनके प्रभावी कार्यान्वयन और पर्यवेक्षण में समस्या उत्पन्न करता था। कार्यक्रमों को नई अम्ब्रेला योजना में आमेलित करने से विभाग को अन्य कार्यक्रमों के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए एनवाईकेएस/एनवाईसी के प्रशासनिक ढ़ांचे का प्रयोग करने में समर्थ बनाता है।

ख) एनपीवाईएडी के तहत युवा विकास कार्यक्रमों के लिए एनजीओ को सहायता दी जाती है। इस कार्यक्रम का एनवाईकेएस/एनवाईसी के साथ समेकन करने से विभाग को एनजीओ को दी गयी सहायता में की गयी गतिविधियों की प्रभावी निगरानी हेतु एनवाईकेएस सेटअप तैयार करने में समर्थ बनाती है। इसके अलावा यह सुनिश्चित करना भी संभव होगा कि एनवाईकेएस सेटअप (एनवाईकेस कार्यालय/राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक तथा युवा कलब) और एनजीओ एक दूसरे के घनिष्ट सहयोग में कार्य करें जो कार्यक्रम के कार्यान्वयन की प्रभाविता में सुधार करेगा। विभाग द्वारा सहायित स्काउटिंग और गाइडिंग संगठनों की गतिविधियों की नजदीक से निगरानी करना भी संभव हो सकेगा।

ग) विभाग में 83 संचालनरत युवा छात्रावास हैं जिनका गठन देश में युवा यात्रा का संवर्धन करने के उद्देश्य से किया गया है। युवा छात्रावासों का प्रबंधन सीधे विभाग से किया जाता है। इसके परिणामस्वरूप निकट पर्यवेक्षण संभव नहीं हो पाया है। छात्रावासों की क्षमता का पूरी तरह से प्रयोग नहीं किया जा रहा है। एनवाईकेएस के साथ युवा छात्रावास कार्यक्रम का समेकन जमीनी स्तर पर एनवाईकेएस कार्यकर्ताओं के जरिए युवा छात्रावासों के प्रभावी प्रबंधन में सहायक होगा।

घ) 'अंतर्राष्ट्रीय सहयोग' में विभिन्न देशों के साथ युवा आदान–प्रदान कार्यक्रम शामिल है। विभिन्न देशों के युवा प्रतिनिधिमंडलों ने भारत का दौरा किया और उन्हें दर्शनीय स्थान दिखाने के लिए और भारतीय युवाओं के साथ सम्पर्क का प्रबंधन करने के लिए विभिन्न शहरों को ले जाया जाता था। इन कार्यक्रमों को एनवाईकेएस के साथ समेकन जमीनी स्तर पर अधिक प्रभावी तरीके से इन कार्यक्रमों का आयोजन करने में सहायक होगा।

ड.) राष्ट्रीय युवा नेता कार्यक्रम (एनवाईएलपी) जिसमें पड़ोस में युवा संसद, श्रमदान और राष्ट्रीय युवा विकास निधि की सहायता से युवा विकास सहित महत्वपूर्ण घटक हैं, भी एनवाईकेएस के पूर्ण समेकन से लाभांवित होंगे, चूंकि एनवाईकेएस प्रशासनिक सेटअप तब इस कार्यक्रम के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए पूरी तरह से प्रयोग किया जा सकेगा।

च) चूंकि पूर्ण प्रशासनिक/कार्यान्वयन ढ़ांचा विभाग को इस प्रमुख योजना के भाग के रूप में उपलब्ध होगा, भविष्य में युवा विकास/सशक्तीकरण के

लिए आवश्यक माने जाने वाला कोई नया कदम अकेले नई छोटी योजना आरंभ करने के बजाय इस अम्ब्रेला योजना के भाग के रूप में किया जा सकता है।

'राष्ट्रीय युवा सशक्तिकरण कार्यक्रम (आरवाईएसके)' और अन्य योजनाओं (एनएसएस और आरजीएनआईवाईडी) के विभिन्न घटकों के कार्यान्वयन के ब्यौरे अगले अध्यायों में दिया गया है।

''''

अध्याय – 4

नेहरू युवा केंद्र संगठन

प्रस्तावना

1972 में आरंभ किया गया नेहरु युवा केंद्र संगठन (एनवाईकेएस) विश्व में सबसे बड़े युवा संगठनों में से एक है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं के व्यक्तित्व और नेतृत्व गुणों का विकास करना तथा उन्हें राष्ट्र निर्माण की गतिविधियों में शामिल करना है।

एनवाईकेएस की गतिविधियों के संकेंद्रित क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य और स्वच्छता तथा पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक मुद्दों पर जागरूकता, महिला सशक्तिकरण, मितव्ययता और सहयोग, कौशल विकास और स्वरोजगार, उद्यमशीलता विकास, नागरिक शिक्षा, आपदा राहत एवं पुनर्वास इत्यादि शामिल हैं। नेहरु युवा केंद्रों से जुड़े युवा न केवल सामाजिक रूप से जागरूक और प्रेरित हैं बल्कि स्वयंसेवा प्रयासो के माध्यम से सामाजिक विकास के कार्यों के प्रति भी समर्पित हैं।

एनवाईकेएस के कार्यक्रम/गतिविधियां

किए गए कार्यक्रमों/गतिविधियों को वृहत रूप से निम्न श्रेणियों में वर्गीकृत किया जा सकता है, नामतः

क) एनवाईकेएस द्वारा अपने स्वयं के बजटीय संसाधनों (विभाग द्वारा जारी ब्लॉक अनुदान) से क्रियान्वित कोर कार्यक्रम।

ख) एनपीवाईएडी (राष्ट्रीय युवा एवं किशोर विकास कार्यक्रम) से वित्त पोषण के साथ आयोजित कार्यक्रम।

ग) राष्ट्रीय युवा कोर

घ) अन्य मंत्रालयों/संगठनों के सहयोग/वित्त–पोषण से आयोजित कार्यक्रम।

ड) विभिन्न विकास विभागों/एजेंसियों के समन्वय से कार्यक्रम/गतिविधियां।

एनवाईकेएस के सभी कार्यक्रम राज्य सरकारों के चुने हुए स्थानीय निकायों और विभिन्न विकास विभागों/एजेंसियों के समन्वय/सक्रिय भागीदारी से क्रियान्वित किए जाते हैं।

क. एनवाईकेएस के कोर कार्यक्रम

2017–18 (31.12.2017 तक) के दौरान कोर कार्यक्रमों के आयोजन में एनवाईकेएस का प्रदर्शन निम्नानुसार रहा है:

1. **युवा क्लब विकास कार्यक्रम (वाईसीडीपी):** इस कार्यक्रम का उद्देश्य समाज के सभी वर्गों से प्रतिनिधित्व के साथ युवा क्लबों के मौजूदा नेटवर्क को सुदृढ़ बनाना, नए युवा क्लब बनाना और नए सदस्य बनाना है। यह 10 प्रचारकों को शामिल करते हुए 5 दिवसीय कार्यक्रम है जिसमें 50 युवा क्लब शामिल होते हैं। टीम के सदस्य युवा नेताओं, ग्राम पंचायत प्रधानों और सदस्यों तथा गांव में अन्य मत नेताओं के साथ मेल–मिलाप करते हैं। प्रत्येक कार्यक्रम के आयोजन के लिए 15,000 रुपए आबंटित किए गए हैं। 2017–18 (31.12.2017 तक) के दौरान **1,87,388** युवाओं को शामिल करते हुए **2,238** कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं।

2. **युवा नेतृत्व एवं समुदाय विकास संबंधी प्रशिक्षण (टीवाईएलसीडी):** इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं की अन्यों को एक अर्थपूर्ण जीवन जीने में सहायता करने तथा राष्ट्र निर्माण में योगदान देने में नेतृत्व लेने के लिए क्षमताओं का विस्तार करना है। यह तीन दिवसीय कार्यक्रम है जिसमें 20 युवा क्लबों के समूह से 40 भागीदार शामिल होते हैं। प्रत्येक कार्यक्रम के आयोजन के लिए 64,000 रुपए आबंटित किए गए हैं। 2017–18 (31.12.2017 तक) के दौरान **19,332** युवाओं को शामिल करते हुए **459** कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं।

3. **खेलों का संवर्धन (ब्लॉक और जिला स्तरीय खेल आयोजन):** इस कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण युवाओं

में खेल संस्कृति का विकास करना है। कार्यक्रम में प्रत्येक जिला स्तर के आयोजन के लिए 30,000 रुपए की दर से अंतर युवा क्लब खेल आयोजन तथा प्रत्येक क्लस्टर स्तर के आयोजन के लिए 18,000 रुपए प्रदान करने का प्रावधान है। 2017–18 (31.12.2017 तक) के दौरान ब्लॉक स्तर पर **2,77,959** युवाओं को शामिल करते हुए **1,920** खेल आयोजन और जिला स्तर पर **39,901** युवाओं को शामिल करते हुए **190** खेल आयोजन आयोजित किए गए।

4. **कौशल उन्नयन प्रशिक्षण कार्यक्रम (एसयूटीपी):** इस कार्यक्रम का उद्देश्य (i) ग्रामीण युवाओंके व्यावसायिक कौशल का विकास करना तथा उन्हें अपनी परिवार की आय को अनुपूरित करने में समर्थ बनाना तथा उन्हें आत्म निर्भर बनाना (ii) युवाओं को उनके दैनिक जीवन में मुददों तथा चिंताओं का सामना करने में सशक्त बनाना है। मास्टर ट्रेनर और सम्मानित/मान्यता प्राप्त कौशल विकास एजेंसियों की सहायता से विभिन्न रोजगार योग्य कौशल आधारित प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। प्रत्येक पाठ्यक्रम में कौशल प्रशिक्षण के लिए 25 युवाओं का नामांकन किया जाता है। पाठ्यक्रमों की पहचान प्रतिभागियों की स्थानीय आवश्यकताओं के आधार पर की जाती है। बजट प्रावधान 3 माह के पाठ्यक्रम के लिए 26,000 रुपए रखा गया है। 2017–18 (31.12.2017 तक) के दौरान **97,498** युवाओं को शामिल करते हुए **3,186** कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है।

5. **लोक कला और संस्कृति का संवर्धन:** इस कार्यक्रम का उद्देश्य लोक थियेटर, लोक गीतों, लोक नृत्यों, लोक–साहित्य इत्यादि के विशेष संदर्भ के साथ लोक कला और संस्कृति का संवर्धन करना है। यह एक दिवसीय कार्यक्रम हैं जिसे अधिकतम 120 युवाओं को उनकी लोक कला और संस्कृति का प्रदर्शन करने का अवसर प्रदान करते हुए जिला स्तर पर आयोजित किया जाता है। बजट प्रावधान प्रत्येक जिले के लिए 20000 रुपए पर रखा गया है। 2017–18 (31.12.2017 तक) के दौरान 29,953 युवाओं को शामिल करते हुए **154** कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है।

6. **राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय महत्व के दिवसों का आयोजन:** इस कार्यक्रम का उद्देश्य राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय महत्व के महत्वपूर्ण मुद्दों के प्रति जागरूकता पैदा करना है। प्रत्येक 623 जिला एनवाईकेएस को राष्ट्रीय युवा दिवस सहित राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय महत्व के न्यूनतम 25 दिनों का आयोजन करना आवश्यक होता है। प्रत्येक कार्यक्रम में न्यूनतम 100 युवा को भाग लेना चाहिए। इस उद्देश्य के लिए प्रत्येक जिला एनवाईकेएस को 75,000 रुपए प्रदान किए जाते हैं। 2017–18 (31.12.2017 तक) के दौरान **12,59,893** युवाओं को शामिल करते हुए **10,090** कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है।

7. **जिला युवा सम्मेलन:** यह कार्यक्रम सभी जिला एनवाईकेएस द्वारा युवा नेताओं को उनके उत्पादों का प्रदर्शन करने तथा स्वयं को अभिव्यक्त करने, अनुभवों को साझा करने तथा युवा सशक्तिकरण के लिए सर्वोच्च पद्धतियों का सुझाव देन हेतु अवसर तथा मंच प्रदान करने के लिए और व्यापक योग प्रदर्शनों में शामिल होने के लिए वार्षिक रूप से आयोजित किया जाता है। यह एक दिवसीय कार्यक्रम है जिसमें कार्यक्रम के आयोजन के लिए अधिकतम 100 युवा समान संख्या में युवा क्लबों के साथ शामिल होते है, 30,000 रुपए प्रति जिले को बजटीय सहायता प्रदान की गई है। 2017–18 (31.12.2017 तक) के दौरान **2,06,392** युवाओं को शामिल करते हुए **304** कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं।

8. **उत्कृष्ट युवा क्लबों को पुरस्कार:** इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवा क्लबों द्वारा प्रदान की गई स्वयंसेवी सेवाओं को मान्यता प्रदान करना और उन्हें समुदाय विकास तथा कल्याण गतिविधियां करने के लिए प्रेरित करना है। सभी 623 जिला एनवाईकेएस और प्रत्येक राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सर्वोच्च उत्कृष्ट युवा क्लबों को पुरस्कार प्रदान करता है। पुरस्कार में एक प्रमाण–पत्र तथा पुरस्कार राशि (जिला स्तरीय पुरस्कार के लिए 25,000/– रुपए और राज्य स्तरीय पुरस्कार के लिए 1,00,000/– रुपए) है। इसके अतिरिक्त, राष्ट्रीय स्तर पर तीन पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं (5,00,000/– रुपए, 3,00,000/– रुपए

और 2,00,000/– रुपए)। 2017–18 (31.12.2017 तक) के दौरान उत्कृष्ट युवा कलबों को पुरस्कार की योजना (एओवाईसी) के अंतर्गत जिला स्तरीय युवा कलब पुरस्कार के लिए **176** युवा कलबों को चुना गया था।

9. **महात्मा गांधी युवा स्वच्छता अभियान एवम श्रमदान कार्यक्रम:** इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में स्वच्छता और जल संरक्षण की आवश्यकता और महत्व के बारे में जागरूकता पैदा करना है। यह एक वर्ष भर चलने वाला कार्यक्रम है जिसे 2017–18 के दौरान 150 चुने हुए जिलों में आयोजित किया जाएगा। इस उद्देश्य के लिए 1.00 लाख रूपए प्रति जिले का प्रावधान किया गया है। 2017–18 (31.12.2017 तक) के दौरान यह कार्यक्रम 62 चुने गए जिलों में संचालित किया गया है।

10. **युवा आदर्श ग्राम विकास कार्यक्रम:** इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं के लिए युवा द्वारा आदर्श ग्राम के रूप में चुने गए जिलों में एक गांव विकसित करना है। गतिविधियों में गांवों को खुले में शौच मुक्त बनाना, 100 प्रतिशत टीकाकरण, बच्चों का प्राथमिक स्कूलों में 100 प्रतिशत दाखिला, सफाई, रोकथाम स्वास्थ्य देखभाल, सरकार के प्रमुख कार्यक्रमों को लोकप्रिय बनाना इत्यादि शामिल होंगे। यह वर्ष भर चलने वाला कार्यक्रम है जिसे 2017–18 के दौरान 200 चुने हुए जिलों में आयोजित किया जाएगा। इस उद्देश्य के लिए प्रति जिला 50,000 रूपए का प्रावधान किया गया है। 2017–18 (31.12.2017 तक) के दौरान यह कार्यक्रम **78** चुने गए जिलों में संचालित किया गया है।

ख. विकास विभागों/एजेंसियों के सहयोग से कार्यक्रम/गतिविधियां:

एनवाईकेएस विभिन्न विभागों/एजेंसियों के सहयोग से विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करता है। जिला एनवाईकेएस और एनवाईसीएस स्वयंसेवी अन्य विकास विभागों/एजेंसियों के घनिष्ठ सहयोग से कार्य करते हैं और युवा क्लबों/महिला मंडलों को सक्रिय रूप से शामिल करते हुए गतिविधियां चलाते हैं। 2017–18 (31.12.2017 तक) की प्रमुख उपलब्धियां निम्नानुसार थीं:

क्र.सं.	कार्यक्रम	माप की ईकाई	उपलब्धि
1.	युवा क्लब सदस्यों को रोजगार कौशल विकास प्रशिक्षणों से जोड़ना	युवाओं की संख्या	71554
2.	गांववासियों का संवर्धन और सुविधा देना ताकि वे प्रधान मंत्री वित्तीय समावेशन और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं (प्रधान मंत्री जन धन योजना, प्रधान मंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधान मंत्री जीवन ज्योति योजना, अटल पेंशन योजना), मुद्रा बैंक, प्रधान मंत्री फसल बीमा योजना, डिजिटल इंडिया, मेक इन इंडिया–कौशल विकास, स्टार्ट अप इंडिया, स्टैंड अप इंडिया इत्यादि के तहत लाभ उठा सकें।	गांववासियों की संख्या	220644
3.	नई जल इकाईयों की संख्या	जल इकाईयों की संख्या	3998
4.	मौजूदा जल इकाईयों का अनुरक्षण/मरम्मत/सुधार	जल ईकाइयों की संख्यो	5394
5.	सफाई, खुदाई, रख–रखाव और नालों की डी–स्लिटिंग, प्राकृतिक पेयजल जल संसाधन, छोटे सिंचाई चैनल, जल टैंक इत्यादि	संख्या	7934
6.	भावगृह और खेल मैदान का रख–रखाव और मरम्मत	संख्या	6945

क्र.सं.	कार्यक्रम	माप की ईकाई	उपलब्धि
7.	कुओं की रिचार्जिंग/डी–स्लिटिंग	संख्या	2273
8.	गांवों में जल सिंचाई	संख्या	3476
9.	गांव में बोरी बदास का निर्माण	संख्या	1160
10.	कृषि भूमि मृदा कार्डस	संख्या	66950
11.	ब्लॉक, जिला और राज्य स्तर पर स्वच्छता राजदूतों का चयन	राजदूतों की संख्या	7205
12.	स्कूलों/कॉलेजों की सफाई	स्कूलों/कॉलेजों की संख्या	14972
13.	पीएचसी/उप केन्द्रों/अस्पतालों की सफाई	संख्या	11144
14.	सड़कों और आम स्थानों की सफाई	संख्या	12795
15.	कार्यालय परिसर, भौचालयों और जिले तथा राज्य कार्यालयों के कूड़े की सफाई	संख्या	5780
16.	सार्वजनिक स्थानों की सफाई	संख्या	25066
17.	खुले में भौच मुक्त ;ओडीएफद्ध भौचालयों के निर्माण की प्रेरणा	शौचालयों की संख्या	44075
18.	पौधरोपण और उनकी उत्तरजीविता	पौधों की संख्या	819324
19.	जागरूकता फैलाने और पर्यावरण के संरक्षण में सुविधा के लिए पॉलीथीन बैग का संग्रह	गांवों की संख्या	32441
20.	घासफूस इत्यादि का उन्मूलन (गाजर घासा, लैंटाना, जल हाईसिंथ)	गांवों की संख्या	9333
21.	रक्तदान	रक्तदान करने वाले युवाओं की संख्या	32734
22.	स्वंयसेवी रक्त दाताओं का नामांकन और उनका रक्त समूहीकरण	युवाओं की संख्या	36794
23.	किशोर बालिकाओं को आयरन फोलिक एसिड टेबलेट तक पहुंच प्रदान करना	किशोरियों की संख्या	84452
24.	बालिकाओं और उनके अभिभावकों को 18 वर्ष की आयु तक उनका विवाह स्थगित करने के लिए प्रेरित करना	बालिकाओं की संख्या	41491
25.	संस्थागत डिलिवरी को प्रेरित तथा सुकर बनाना	महिलाओं की संख्या	44668
26.	गर्भवती माताओं का टीकाकरण	गर्भवती माताओं की संख्या	43103
27.	बच्चों की प्रेरणा और टीकाकरण (0–5 वर्ष)	बच्चों की संख्या	1,84,728
28.	कैटरेक्ट (आंख) ऑपरेशन	व्यक्तियों की संख्या	12419
29.	स्वास्थ्य चैक–अप कैम्प (डॉटस, हाइपरटेंशन, मधुमेह और अन्य)	कैम्पों की संख्या	10285
30.	स्कूलों में बच्चों का दाखिला	बच्चों की संख्या	65872
31.	बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ	संख्या	59375
32.	मतदाता पहचान पत्र बनवाने में सहायता करना	व्यक्तियों की संख्या	81846
33.	स्थानीय आव यकता के अनुसार अन्य कार्यक्रम और योजना में लक्ष्यों के साथ कृपया वरीयता जोड़ी जा सकती है		9180

नए अतिरिक्त मुख्य कार्यक्रम 2017–18

1. स्लम युवा दौड़

केन्द्र सरकार द्वारा दिल्ली एनसीआर में झुग्गी बस्तियों की परिस्थिति में सुधार करने के लिए कई कार्यकलाप किए गए हैं। हाल ही में, युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, भारत सरकार की सहायता से विभिन्न समुदाय आधारित संगठनों (सीबीओ), सिविल सोसायटियों और विभिन्न प्रतिभागियों के साथ झुग्गी बस्तियों में विशेषकर युवाओं के लिए स्वस्थ वातावरण का सृजन करने के लिए जागरूकता सृजन हेतु एक योजना तैयार की गयी है।

इस प्रक्रिया में कई पहलों की योजना बनाई गयी है अर्थात स्लम आंदोलन, जागरूकता सृजन के लिए स्लम युवा दौड़ और ''एक झुग्गी बस्ती को अपनाएं'' का नवाचारी कार्यक्रम। एनवाईकेएस ने मुख्यतः स्लम क्षेत्रों के लगभग 34,200 युवाओं की भागीदारी के साथ मई–जुलाई, 2017 के दौरान दिल्ली में **12 स्लम युवा दौड़ कार्यक्रमों** का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में युवाओं का उत्साही समर्थन प्राप्त हुआ और भागीदारों को टी–शर्ट, पदक और भागीदारी का प्रमाण–पत्र प्रदान किया गया। दिल्ली में इस कार्यक्रम की सफलता को देखते हुए, अब युवा दौड़ कार्यक्रम को पूरे देश तक बढ़ाने का प्रस्ताव है।

2. देश भर में राज्य, जिला, ब्लॉक और गांव के स्तर पर 21 जून, 2017 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन

नेहरू युवा केन्द्र संगठन (एनवाईकेएस) ने देश भर में राज्य, जिला, ब्लॉक और गांव के स्तर पर 21 जून, 2017 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया।

यह कार्यक्रम **384 जिला** स्तरीय समारोह द्वारा आयोजित किया गया जिसमें **2,55,474** युवाओं ने भाग लिया। एनवाईकेएस के युवा कलबों द्वारा **37,286** गांवों में योग किया जिसमें **10,44,518** युवाओं ने भाग लिया। इसके अतिरिक्त 14 राज्यों में **34,007** प्रशिक्षित युवाओं के साथ राज्य स्तरीय मेगा योग कार्यक्रम का संचालन किया गया। राज्य स्तरीय कार्यक्रमों के दौरान **104 योग गुरूओं** को सम्मानित किया गया।

उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय युवा स्वंयसेवकों और युवा कलबों की सक्रिय भागीदारी के साथ जिला नेहरू युवा केन्द्रों ने **जम्मू और कश्मीर घाटी के अत्यधिक कठिन क्षेत्रों** में भी योग व्यायाम का संचालन किया इसमे **नागालैंड, मिजोरम, अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह** के अत्यधिक जोखिम भरे क्षेत्र भी शामिल थे।

3. स्वच्छता पखवाड़े का आयोजन (1 से 15 अगस्तए 2017)

एनवाईकेएस ने राष्ट्रीय युवा स्वंयसेवकों, संबद्ध युवा कलबों, स्थानीय युवाओं और जिलों में अन्य प्रमुख हितधारकों को शामिल करते हुए नेहरू युवा केन्द्रों के माध्यम से 1 से 15 अगस्त, 2017 तक **स्वच्छता पखवाड़े** के अंतर्गत एक राष्ट्र–वार गहन अभियान का आयोजन किया। उन्हें अपने आसपास की सफाई के प्रति अपने दैनिक कार्यों में से कुछ घंटे समर्पित करने के लिए शामिल और प्रेरित किया गया।

देशभर में निम्नलिखित गतिविधियां और साथ साथ **पर्यावरण निर्माण गतिविधियों** का संचालन किया गया। सभी गतिविधियों का आयोजन एनवाइकेएस के युवा कलबों, जीवन के विभिन्न क्षेत्रों के स्थानीय युवाओं और राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवकों के स्वैच्छिक प्रयासों के माध्यम से संचालित की गयी थी। इसके साथ ही अधिक से अधिक ग्रामवासियों को लोगों के इस आंदोलन को स्वच्छता बनाने के लिए प्रेरित किया गया।

संचालित मुख्य कार्यकलाप

- **92,280** लेकचर, सेमीनारों और स्वच्छता शपथ का आयोजन किया गया जिसमें **6,21,211** युवाओं ने भाग लिया।
- **1,04,279 युवा कलबों** ने अपने गांवो में **स्वच्छता अभियान** चलाया जिसमें **8,72,813 युवाओं** ने भाग लिया।

- **भारत में ओडीएफ और स्वच्छता के संबंध में 1,85,201 गांवो में डोर टू डोर अभियान चलाया** और आईईसी सामग्री का वितरण किया गया जिसके दौरान **5,32,269 व्यक्तियों** ने भाग लिया।
- **1,95,545 युवाओं की भागीदारी के साथ 8,237 रेलवे स्टेशनों, बस स्टैंड, मार्केट स्थानों और ऐतिहासिक स्थानों** की सफाई की गयी।
- **2,15,058 युवाओं** की भागीदारी के साथ **सार्वजनिक संस्थाओं, स्वास्थ्य उप केन्द्रों, पीएचसी** इत्यादि की सफाई हेतु 13,171 कार्यक्रमों का संचालन किया।
- **4,21,080 युवाओं** की भागीदारी के साथ **33,006 स्कूलों, आंगनवाड़ी, सार्वजनिक मूर्तियों** और पंचायत भवनों की सफाई की गयी।
- स्वच्छता के संबंध में संदेश प्रसारित करने के लिए **3,37,106 युवाओं** की भागीदारी के साथ **15,157 रैलियों** का आयोजन किया गया।
- **उपरोक्त के अतिरिक्त 16,085** स्थानीय आवश्यकता आधारित **कार्यकलाप** अर्थात क्विज प्रतियोगिता, पेंटिंग, पोस्टर मेकिंग, प्रस्ताव और स्लोगन, लेखन, इच्छुक युवाओं के नुक्कड़ नाटकों का भी आयोजन किया गया जिसमें **3,05,519 युवाओं** ने भाग लिया।
- समग्र रूप से स्वच्छता पखवाड़े के अंतर्गत **59,74,990 युवाओं** की भागीदारी के साथ **कुल 9,29,737 कार्यक्रमों, गतिविधियों और इवेंटों** का आयोजन किया गया।

4. **'स्वच्छता ही सेवा' अभियान का आयोजन** (सितंबर 15 से अक्तूबर 2, 2017)

माननीय प्रधान मंत्री, श्री नरेन्द्र मोदी ने हाल के अपने **'मन की बात' कार्यक्रम** लोगों से 15 सितंबर से 2 अक्तूबर, महात्मा गांधी की जन्म जयंती पर **सफाई अभियान** चलाने पर जोर दिया।

उपरोक्त को देखते हुए, एनवाईकेएस ने राष्ट्रीय युवा स्वंयसेवकों, संबद्ध युवा कलबों, स्थानीय युवाओं और जिलें में अन्य प्रमुख प्रतिभागियों को शामिल करते हुए जिला नेहरू युवा केन्द्रों के माध्यम से **'स्वच्छता ही सेवा' अभियान'** के अतर्गत एक राष्ट्र–वार गहन अभियान का आयोजन किया। उन्हें अपने आसपास के सफाई के लिए कुछ घंटे देने हेतु शामिल और प्रेरित किया गया।

सभी राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों में **'स्वच्छता ही सेवा' अभियान की गतिविधियों** के साथ **जागरूकता अभियान** का आयोजन किया गया जिसके दौरान सफाई, स्वच्छता के मुख्य मुद्दों को उजागर करते हुए 15066 बैनर प्रदर्शित किए गए, स्वच्छता ही सेवा अभियान के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए सक्रिय सहायता और मार्गदर्शन हेतु प्रख्यात नागरिकों के साथ 6453 बैठकें आयोजित की गयी जिसमें जीवन के हर क्षेत्र से 58,925 व्यक्तियों ने भाग लिया। 7395 युवाओं की भागीदारी के साथ लोागों को सफाई के महत्व के संबंध में शिक्षित करने के लिए 906 रैलियों और नाटकों का संचालन किया गया। संसाधन व्यक्तियों द्वारा 3973 लेकचरों, सेमीनारों, विचार–विमर्शों तथा स्वच्छता शपथ का आयोजन किया गया जिसमें 1,18,450 युवाओं ने भाग लिया। 20,384 युवा कलबों ने समाज के हर वर्ग के ग्रामवासियों को शामिल करते हुए अपने गांवो में सफाई अभियान चलाया। भारत में 20,384 गांवों में युवाओं और ग्रामवासियों को ओडीएफ तथा स्वच्छता के बारे में जागरूकता पैदा की गयी और प्रेरित किया गया तथा आईईसी सामग्री का वितरण किया गया। अभियान के भाग के रूप में ग्रामवासियों में हाथ धोने का संवर्धन किया गया। स्कूलों, आंगनवाड़ियों, सार्वजनिक मूर्तियों, मार्केट स्थानों और ऐतिहासिक स्थानों की सफाई के लिए 6,779 कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

गांधी जयंती का आयोजन– स्वच्छता ही सेवा अभियान का 2 अक्तूबर, 2017 को समापन हुआ। जिला नेहरू युवा केन्द्रों से संबद्ध युवा कलबों द्वारा गांधी जयंती का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम ने लोगों विषेशकर युवाओं में स्वच्छता, बेहतरी, भाईचारे की बेहतर समझ और भावना तथा राष्ट्रीय एकता के संदेश के प्रसार के उद्देश्य से संचालित किया गया।

शांति और सामाजिक एकता के प्रतीक युवा कलबों के हजारों युवाओं ने विभिन्न स्तरों पर विभिन्न समारोहों में भाग लिया। यह कार्यक्रम युवा गायकों द्वारा प्रस्तुत **सर्व धर्म प्रार्थना** के साथ आरंभ हुआ। गांधीजी के लोकप्रिय गानों और भजनों **''वैश्नव जन तो तेने कहिए जो पीड़ पराइ जाने रे''** गाए गए।

कार्यक्रम के भाग के रूप में प्रभात फेरी, सर्व धर्म प्रार्थना, गांधी के जीवन और कार्यों की फोटो प्रदर्शनी, जागरूकता अभियान, वॉल राइटिंग, प्रस्ताव लेखन, पेंटिंग, सफाई अभियान, कार्य कैम्प (समुदाय विकास कार्यक्रम) इत्यादि जैसी गतिविधियों का आयोजन किया गया।

5. **स्वच्छ संकल्प से स्वच्छ सिद्धि** (निबंध लेखन और लघु फिल्म बनाने की प्रतियोगिताएं)

स्वच्छ भारत मिशन और संबंधित मुद्दों में व्यापक भागीदारी पैदा करने के लिए और स्वच्छता को लोगों का आंदोलन बनाने और शिक्षाविदों के अलावा प्रतिभागियों के ज्ञान का परीक्षण करने के लिए, जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर निबंध लेखन और लघु फिल्म निर्माण प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। **''मैं स्वच्छता के लिए क्या करूंगा'' और ''मेरे देश को साफ करने में मेरा योगदान''** क्रमशः निबंध लेखन और लघु फिल्म बनाने की प्रतियोगिताओं के विषय थे। इन प्रतियोगिताओं ने भारत भर में गंदगी और अस्वच्छता से मुक्त होने के लिए युवाओं के नेतृत्व में आंदोलन को गति प्रदान करने में स्वच्छ भारत मिशन के बारे में जागरुकता पैदा करने में अत्याधिक सहायता प्रदान की।

यह प्रथम अवसर था जब एनवाईकेएस ने भारत के माननीय प्रधानमंत्री महोदय के **एक भारत के श्रेष्ठ भारत** संबंधी विशाल दृष्टिकोण को भी ध्यान में रखते हुए क्षेत्रीय भाषाओं में प्रविष्टियों को अनुमति प्रदान की।

उपरोक्त दोनों प्रतियोगिताओं के लिए, राज्य स्तर की प्रतियोगिता के लिए जिला स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त को राज्य स्तर के योग्य माना जाएगा। इसी प्रकार से राज्य स्तर के विजेता राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए योग्य होंगे। प्रत्येक स्तर पर, 03 पुरस्कार प्रदान किए गए थे और सर्वश्रेष्ठ 03 प्रतियोगियों का चयन पारदर्शी तरीके से न्यायाधीशों के एक पैनल द्वारा किया गया था।

प्रथम, दोनों प्रतियोगिताओं के द्वितीय और तृतीय पुरस्कार विजेता को कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौर, एवीएसएम, माननीय युवा कार्यक्रम और खेल राज्य मंत्री (स्वतन्त्र प्रभार) ने सम्मानित किया था।

माननीय प्रधानमंत्री ने नई दिल्ली में विज्ञान भवन में, 2 अक्टूबर, 2017 को निबंध लेखन और लघु फिल्म निर्माण प्रतियोगिताओं के प्रथम पुरस्कार विजेताओं सुश्री रमनंदीप कौर और श्री संगतलाल पी. एस. को सम्मानित किया।

6 **स्वर्गीय सरदार वल्लभभाई पटेल के जन्म दिवस (31 अक्टूबर, 2017) को ''राष्ट्रीय एकता दिवस'' (नेशनल यूनिटी डे) के रूप में मनाया जाना**

राष्ट्रीय एकता दिवस का आयोजन नेहरू युवा केंद्र संगठन द्वारा भव्य तरीके से किया गया था। यह कार्यक्रम राष्ट्रगान से आरंभ किया गया था, जिसमें सरदार वल्लभभाई पटेल को पुष्प समर्पित करते हुए श्रद्धांजलि दी गई थी तथा शपथ ग्रहण की गई थी। प्रतिष्ठित व्यक्तित्वों ने युवाओं से राष्ट्र निर्माण के लिए स्वयं को समर्पित करने का आग्रह किया ताकि भारत दुनिया में सबसे महान देश बन सके।

इसी प्रकार से, राज्य और जिला नेहरू युवा केंद्र के कार्यालयों ने अपने संबंधित कार्यालयों में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया और सभी कर्मचारियों और एनवाई स्वयंसेवकों को राष्ट्रीय एकता के प्रति शपथ दिलाई गई।

दिल्ली राज्य के 500 युवाओं ने सरदार वल्लभभाई पटेल की 142वीं जयंती पर आयोजित एकता दौड़ कार्यक्रम में भाग लिया। भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने इस दौड़ को ध्वज दिखा कर धावकों को रवाना किया। उन्होंने मेजर ध्यानचंद

नेशनल स्टेडियम, नई दिल्ली में प्रातः कालीन कार्यक्रम में भी भाग लिया, जिसे गृह मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने संबोधित किया था।

युवा क्लबों के सदस्यों ने भी अपने गांवों में स्थानीय समुदाय के सहयोग से कार्यक्रम आयोजित किए। इस अवसर पर विषय विशेषज्ञों ने सरदार वल्लभभाई पटेल के जीवन और कार्यों पर व्याख्यान दिए, एकता दौड़, विविध खेल कार्यक्रम, सांस्कृतिक कार्यक्रम, निबंध लेखन और चित्रकला प्रतियोगिताएं, सामुदायिक गायन, रक्तदान शिविरों और राष्ट्रीय एकता के प्रति शपथ आदि जैसी गतिविधियों का आयोजन जीवन के विभिन्न क्षेत्रों के लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए किया गया था।

इस अवसर पर, युवा क्लबों ने समय समय पर भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी, सरकारी अस्पतालों और रक्त बैंकों के साथ मिलकर रक्तदान शिविर का आयोजन किया। सरदार वल्लभभाई पटेल को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए युवा क्लब के 2256 सदस्यों ने स्वैच्छिक आधार पर अपना रक्तदान किया।

7. कौमी एकता दिवस और पाखवाड़ा का आयोजन (19 से 25 नवंबर, 2017 तक)

19 नवंबर, 2017 को कौमी एकता दिवस के रूप में मनाया गया और इसके आयोजन को कौमी एकता पाखवाड़े के रूप में मनाते हुए 25 नवंबर, 2017 तक जारी रखा गया। राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवकों और गांव आधारित युवा क्लबों सहित जिला एनवाईके द्वारा पखवाड़े को अत्याधिक उत्साह और जोश से मनाया गया।

इस अवसर पर, सांस्कृतिक कार्यक्रमों, श्रम दान शिविरों, स्वच्छता अभियान, खेल प्रतियोगिताओं, सेमिनारों और चर्चाओं, ''कौमी एकता को बढ़ावा देने में युवाओं की भूमिका'' विषय पर प्रसिद्ध व्यक्तित्वों के व्याख्यान, आदि का आयोजन किया गया था। युवाओं को सांप्रदायिक सद्भावना की शपथ दिलवाई गई।

अन्य मंत्रालयों/संगठनों से वित्त पोषण/सहयोग से आयोजित कार्यक्रम

1. नमामि गंगे कार्यक्रम में युवा सम्मिलन

नेहरू युवा केंद्र संगठन ने भारत सरकार के जल संसाधन, नदी विकास और गंगा कायाकल्प मंत्रालय, के राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (एनएमसीजी) योजना के तहत चार राज्यों नामतः उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार और पश्चिम बंगाल के 29 जिलों में 1203 ग्राम पंचायतों के 2336 गांवों में ''नमामि गंगे कार्यक्रम में युवा सम्मिलन'' परियोजना आरंभ की। इस परियोजना का उद्देश्य युवाओं और सार्वजनिक भागीदारी के माध्यम से गंगा के प्रदूषण को कम करने और संरक्षण प्रदान करना तथा बड़े पैमाने पर जागरूकता अभियान के लिए योगदान करना है। यह परियोजना 3 वर्ष की है, जिसके लिए बजटीय आवंटन 10 करोड़ रुपए है।

परियोजना के कार्यान्वयन से संबंधित तैयारी की गतिविधियों की शुरुआत कर दी गई है। मॉडल गांव (प्रत्येक राज्य में एक) के लिए निर्धारित प्रारूप के साथ दिशानिर्देशों को राज्य निदेशकों के साथ साझा किया गया है। 3 वर्षीय राष्ट्रीय स्तरीय कार्य योजना तैयार कर ली गई है। जिलों, ब्लॉकों, ग्राम पंचायतों और गांवों का चयन कर लिया गया है। परियोजना के अंतर्गत 23360 गंगा दूतों में से 9668 गंगा दूतों (पुरुष–6563 तथा महिलाएं–3105) सहित कुल 2336 गांवों का चयन कर लिया गया है।

चार राज्यों नामतः उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार और पश्चिम बंगाल में गंगा नदी के किनारे के गांवों में 21395 युवा स्वयंसेवकों (पुरुष 16529, महिलाएं 9812) से युक्त कुल 1474 युवा क्लबों का गठन कर उन्हें सक्रिय कर दिया गया है। इन सभी चार राज्यों द्वारा राज्य स्तरीय कार्य योजना तैयार कर ली गई है।

मॉडल गांव का चयन और मॉडल गांव के क्रियाकलाप

परियोजना के सफल कार्यान्वयन के लिए विकसित की गई रणनीति के अनुसार, प्रत्येक परियोजना राज्य अर्थात

उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार और पश्चिम बंगाल में परियोजना के तहत 2336 गांवों में नकल करने के लिए किसी एक गांव को मॉडल गांव बनाने के लिए चयनित किया गया है और एक माह के लिए जागरूकता और शिक्षा कार्यक्रम, स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपरण अभियान, खुले में शौच करने से मुक्त करना, गंगा को प्रभावित करती गैरकानूनी गतिविधियों से दूर रहने के लिए लोगों को प्रेरित करना, घर घर जाकर लोगों से व्यक्तिगत संपर्क करना व समान शिक्षा कार्यक्रम और स्वच्छता के लिए गंगा दूत प्रतियोगिता जैसी गतिविधियों का आयोजन किया गया।

1378 युवाओं (पुरुष 982, महिला 896) की भागीदारी से चार मॉडल गांवों में कुल 90 गतिविधियों का आयोजन किया गया। इन गतिविधियों में रैली, कार्यशालाएं, संगोष्ठी, घर घर जाकर व्यक्तिगत रूप से संपर्क कार्यक्रम, वृक्षारोपण, जल संचयन, सामूहिक बैठक, चर्चा, प्रेरणा सत्र, पॉलिथीन बैगों के संग्रहण, ग्रामीण संसाधनों के मानचित्रिकरण, गंगा दूत प्रतियोगिता आदि शामिल हैं।

परियोजना के तहत परियोजना अधिकारियों के चयन की प्रक्रिया आरंभ कर दी गई है।

2 गंगा वृक्षारोपण सप्ताह (25 जुलाई 2017 से 31 जुलाई 2017)

राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन के अवसर पर वृक्षारोपण सप्ताह (25 जुलाई 2017 से 31 जुलाई 2017) के अंतर्गत उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, झारखंड, बिहार और पश्चिम बंगाल राज्यों के 29 जिलों में एनवाईकेएस द्वारा एक विशाल वृक्षारोपण कार्यक्रम आरंभ किया गया है। 5 राज्यों अर्थात उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल के संबंधित राज्य वन विभाग और जिला प्रशासन के सहयोग से 30 जिलों में नदी के किनारों पर वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

8894 युवाओं (पुरुष – 6772, महिला –2122) की भागीदारी से कुल **1,12,246** वृक्षों का रोपण वृक्षा रोपण सप्ताह के दौरान किया गया।

3. गंगा निरीक्षण यात्रा

राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन के अवसर पर, जल संसाधन नदी विकास और गंगा कायाकल्प मंत्रालय, नेहरू युवा केंद्र संगठन ने उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार और पश्चिम बंगाल राज्यों में गंगा निरीक्षण यात्रा संगठन को सहयोग प्रदान किया। गंगा सागर (पश्चिम बंगाल) से गंगोत्री तक गंगा निरीक्षण यात्रा की शुरूआत 26 मई से 9 जून, 2017 तक की गई थी।

माननीय जल संसाधन, नदी विकास, गंगा कायाकल्प मंत्री, सरकार भारत ने ग्राम प्रधानों से भेंट की और प्रत्येक राज्यों में पहचाने गए स्थानों पर गंगा चौपालों, सार्वजनिक बैठकों को संबोधित किया। जिला अधिकारियों, सार्वजनिक प्रतिनिधियों और नोडल विभागों के अधिकारियों के साथ बैठकें की गईं।

इस यात्रा का उद्देश्य ग्राम प्रधानों के साथ संपर्क करने और जनसाधारण की सक्रिय भागीदारी को

उत्पन्न करने के उद्देश्य से एक सशक्त आधार बनाने के लिए एक प्रयास के रूप में जागरूकता पैदा करने के साथ साथ नमामिगंगे कार्यक्रम के लैंगिक सहयोग के लिए समुदायों के बीच गर्व और स्वामित्व की भावना विकसित करना था।

4. युवा नेतृत्व में स्वच्छ दिल्ली एनसीआर परियोजना

नेहरू युवा केंद्र संगठन ने गृह और शहरी मामलों के मंत्रालय, भारत सरकार की तकनीकी एवं वित्तीय सहायता से ''युवा नेतृत्व में स्वच्छ दिल्ली एनसीआर परियोजना'' को हाथ में लिया है। इस परियोजना में दिल्ली के 5 यूएलबी़, उत्तर प्रदेश में 2 यूएलबी (गाज़ियाबाद और गौतम बुद्ध नगर), हरियाणा में 2 यूएलबी (फरीदाबाद और गुरुग्राम) के 9 शहरी स्थानीय निकायों (यूएलबी) में 2160 स्थानों को कवर किया गया है।

इस परियोजना का उद्देश्य स्वच्छ दिल्ली एनसीआर बनाने के लिए एक सामूहिक खोज के लिए जन आंदोलन पैदा करना है, जो अस्वस्थ और गंदगीभरी परिस्थितियों से मुक्त हो।

इस परियोजना के तहत तैयारी संबंधी गतिविधियां आरंभ कर दी गई हैं। इन परियोजना के कार्यान्वयन से संबंधित दिशानिर्देशों को एनवाईकेएस, दिल्ली, उत्तर प्रदेश और हरियाणा के राज्य निदेशकों के साथ साझा कर दिए गए हैं। परियोजना के सफल कार्यान्वयन के लिए रणनीतियों को अंतिम रूप प्रदान करने के लिए राज्य निदेशकों, दिल्ली युवा क्लबों और शहरी विकास मंत्रालय के अधिकारियों के साथ कई दौर की बैठक आयोजित की गई है।

दिल्ली, फरीदाबाद, गौतम बुद्ध नगर, गाजियाबाद और हरियाणा राज्य के गुरुग्राम की 9 यूएलबी़ में कुल 556 स्थानों का चयन किया गया है और कुल 234 प्रमुख दलों का चयन किया गया है।

निम्नलिखित यूएलबीज़ में परियोजना अधिकारियों की तैनाती प्रक्रिया आरंभ कर दी गई है : –

- दिल्ली के 5 यूएलबी़
- फरीदाबाद,
- गुरुग्राम, हरियाणा
- गाजियाबाद और गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश

शेष स्थान और प्रमुख दलों का चयन संबंधी कार्य प्रगति पर है।

5 पर्यटन पर्व समारोह (5 से 25 अक्टूबर, 2017)

पर्यटन मंत्रालय और युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, भारत सरकार के दिशा निर्देशों व मार्गदर्शन के तहत नेहरू युवा केंद्र संगठन ने देशभर में 5 से 25 अक्टूबर, 2017 तक प्रयत्न पर्व समारोह और विशेष रूप से आयोजित पड़ौसी युवा संसद, सांस्कृतिक कार्यक्रम, हैरीटेज वॉक, यूथ लीडरशिप और सामुदायिक विकास कार्यक्रम, नेचर वॉक, स्पोर्ट्स

टूर्नामेंट, सेमिनार, ग्रुप डिस्कशन, निबंध लेखन प्रतियोगिता, एक भारत श्रेष्ठ भारत, जनजातीय युवा आदान प्रदान कार्यक्रम, कौशल उन्नयन प्रशिक्षण कार्यक्रम, अंतर राज्यीय युवा कार्यक्रम, ऐतिहासिक स्थानों का दौरा और रैली के माध्यम से जन जागरूकता कार्यक्रम, हस्ताक्षर अभियान तथा पर्यटन के महत्व पर पदयात्रा में भाग लिया।

लोगों को अपनी संस्कृति और प्रतिष्ठित स्थलों के बारे में जानकारी प्रदान करने के लिए, पर्यटन के महत्व के बारे में उन्हें संवेदनशील बनाने और पर्यटन के विकास में प्रत्येक को एक हितधारक बनाने के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

श्री अरुण जेटली, कार्यक्रम माननीय केंद्रीय वित्त मंत्री ने डॉ. ए. के. दुबे, सचिव, युवा कार्यक्रम विभाग, युवा मामले और खेल मंत्रालय, सरकार भारत सरकार और मेजर जनरल दिलावर सिंह (सेवानिवृत्त), महानिदेशक, नेहरू युवा केंद्र संगठन को पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार की तरफ से 25 अक्टूबर, 2017 को नई दिल्ली के राजपथ लॉनों में 'पर्यटन पर्व' के समापन समारोह के अवसर पर नेहरू युवा केंद्र संगठन व युवा कार्यक्रम विभाग को सर्वश्रेष्ठ भागीदारी साझेदारी के लिए पुरस्कार प्रदान किया। प्रयत्न पर्व का आयोजन संपूर्ण भारत में 5 से 25 अक्टूबर, 2017 तक पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में किया गया था।

6. 10वां जनजातीय युवा आदान प्रदान कार्यक्रम

गृह मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग और वित्त पोषण से प्रत्येक वर्ष नेहरू युवा केंद्र संगठन द्वारा जनजातीय युवा आदान प्रदान कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।

10वें जनजातीय युवा आदान प्रदान कार्यक्रम 2017–18 के अंतर्गत छत्तीसगढ़, झारखंड, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, बिहार और ओडिशा राज्यों के वामपंथियों की चरमपंथी गतिविधियों से प्रभावित क्षेत्रों (29 एलडब्ल्यूई जिले) से 2000 जनजातीय

युवाओं को उनके 200 सहायकों के साथ आमंत्रित किया गया है जिन्हें देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के लिए संवेदनशील बनाने के लिए देश के दस महत्वपूर्ण शहरों में ले जाया जाएगा और उनमे अनेकता में एकता की अवधारणा की भावना पैदा करने के लिए उन्हें देश के अन्य भागों में हो रही विकास संबंधी गतिविधियों और तकनीकी/औद्योगिक उन्नति दर्शाने के लिए तथा उनके जीवन विकास कौशल की जानकारी को बढ़ाते हुए, उनके कौशल विकास संबंधी आवश्यकताओं की पहचान कराते हुए और उन्हें कैरियर संबंधी आवश्यक परामर्श प्रदान करने के द्वारा उनके व्यक्तित्व का विकास किया जाएगा।

ये शहर हैदराबाद (आंध्र प्रदेश), जयपुर (राजस्थान), दिल्ली, बेंगलुरु (कर्नाटक), सूरत (गुजरात), मुंबई (महाराष्ट्र), चेन्नई (तमिलनाडु), जम्मू (जम्मू और कश्मीर), लखनऊ (उत्तर प्रदेश) और पंचकुला (हरियाणा) हैं।

7. एक भारत श्रेष्ठ भारत (इंटर स्टेट यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम) :

सरदार वल्लभभाई पटेल की 140वीं जयंती के अवसर पर 31 अक्टूबर, 2015 को माननीय प्रधानमंत्री द्वारा ''एक भारत श्रेष्ठ भारत'' की घोषणा की गई। इसके पश्चात, वित्त मंत्री ने 2017–18 के लिए अपने बजट भाषण में इस पहल की घोषणा की। इस अभिनव कदम के माध्यम से, विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की संस्कृति, परंपराओं और प्रथाओं की जानकारी से राज्यों के बीच एक बेहतर समझ और संबंध स्थापित होगा जिससे भारत की एकता और अखंडता सुदृढ़ हो सकेगी।

इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य हमारे राष्ट्र की विविधता में एकता का समारोह मनाने और हमारे देश के लोगों के बीच पारंपरिक रूप से मौजूदा भावनात्मक बंधनों की बनावट को बनाए रखने और अधिक सशक्त करना है, राज्यों के बीच एक वर्ष भर लंबे योजना संबंध के माध्यम से सभी भारतीय राज्यों व संघ शासित प्रदेशों के बीच एक गहन व संरचनात्मक संबंध तैयार करने के द्वारा राष्ट्रीय एकीकरण की भावना को बढ़ावा देना है, भारत की विविधता की जानकारी और सराहना के लिए सक्षम लोगों के लिए समृद्ध विरासत और संस्कृति, रीति–रिवाजों और परंपराओं की स्थिति का प्रदर्शन करना, जिससे आम पहचान को बड़ा बनाना है, दीर्घकालिक संबंधों को स्थापित करना तथा एक ऐसा वातावरण बनाना, जो सर्वोत्तम कार्यवाहियों और अनुभवों को साझा करके राज्यों के आपसी ज्ञान को बढ़ावा देता है।

नेहरू युवा केंद्र संगठन ने वर्ष 2017–18 के लिए 15 संयुक्त राज्यों अर्थात **तेलंगाना और हरियाणा, केरल और हिमाचल प्रदेश, तमिलनाडु और जम्मू और कश्मीर, ओडिशा और महाराष्ट्र, झारखंड और गोवा, कर्नाटक और उत्तराखंड, मेघालय और उत्तर प्रदेश, सिक्किम और दिल्ली, मणिपुर और मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और ओडिशा आदि** में अंतर राज्यीय युवा आदान प्रदान कार्यक्रम (एक भारत श्रेष्ठ भारत) की शुरूआत की है।

8. चंपारण आंदोलन, बिहार का 100 वर्षीय स्मृति समारोह

मोहन दास करमचंद गांधी द्वारा प्रेरित सत्याग्रह आंदोलन बिहार के चंपारण जिले में 1917 से 1918 तक हुआ था। चंपारण में ही मोहन दास से महात्मा बनने की कार्यवाही आरंभ हुई थी। यह गांधीजी के प्रथम सत्याग्रह की एक ज्ञात लघु कथा है, इस आंदोलन ने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में एक नया अध्याय आरंभ कर दिया था। इस सत्याग्रह का मनोवैज्ञानिक प्रभाव उत्कृष्ट था।

भारत सरकार द्वारा बिहार सरकार के सहयोग से बिहार के चंपारण आंदोलन के 100 वर्षों का स्मृति समारोह का आयोजन 15 से 19 अप्रैल, 2017 मोतीहारी, बिहार में किया गया। नेहरू युवा केंद्र संगठन, पटना, बिहार ने भी 15 से 19 अप्रैल, 2017 मोतीहारी, बिहार के चंपारण सत्याग्रह, शताब्दी समारोह में भाग लिया।

श्री राधा मोहन सिंह, माननीय केन्द्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्री बिहार के चंपारण आंदोलन के, 100 वर्ष के स्मृति समारोह का उद्घाटन करते हुए।

9. गणतंत्र दिवस समारोह, 2018 के अवसर पर देशभक्ति और राष्ट्र निर्माण विषय पर राष्ट्रव्यापी व्याख्यान प्रतियोगिता, 2018

बदलते हुए राष्ट्रीय वातावरण में, युवा अपनी मातृभूमि के लिए कुछ करने के लिए उत्सुक हैं। मातृभूमि के लिए एक ओर उनके जुनून को बढ़ाने और उन्हें अवसर प्रदान करने के लिए तथा देशभक्ति और राष्ट्र निर्माण में उनकी इच्छा प्रवृत्ति को बदलने की आवश्यकता महसूस की गई ताकि देशभक्ति में रुचि पैदा करने के लिए युवाओं के सामूहिक रूप से जुटाया जाए तथा उन्हें सार्थक राष्ट्र निर्माण गतिविधियों में शामिल किया जाए।

गणतंत्र दिवस 2018 के उत्सव में जन–युवा भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए, नेहरू युवा केंद्र संगठन ने भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय और युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय की पहल पर भारत भर में व्याख्यान प्रतियोगिता आयोजित की। इसका आयोजन ब्लॉक, जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर किया जाएगा, जहां डीवाईसी/एसीट स्थापित हैं। जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर आकर्षक पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे।

अब तक 16 राज्यों अर्थात त्रिपुरा, बिहार, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, पश्चिम बंगाल और अंडमान और निकोबार द्वीप, उत्तराखंड, ओडिशा, छत्तीसगढ़, तमिलनाडु और पुडुचेरी, उत्तर प्रदेश, जम्मू और कश्मीर, पंजाब, कर्नाटक, हरियाणा, मिजोरम और असम के 2324 ब्लॉकों में से 221 ब्लॉकों में ब्लॉक स्तरीय व्याख्यान प्रतियोगिताएं आरंभ की गई हैं।

व्याख्यान प्रतियोगिता के दौरान

अध्याय -5

राष्ट्रीय युवा कोर

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय ने एनएसवी (1977–78) और आरएसवाई (2005) की पूर्व की योजनाओं को संशोधित करने के पश्चात 2010–11 के दौरान राष्ट्रीय युवा कौर्प्स नामक योजना आरंभ की है। एनवाईसी योजना के मुख्य उद्देश्य हैं:–

- अनुशासित और समर्पित युवाओं के ऐसे समूह की स्थापना करना जिनकी राष्ट्र निर्माण के कार्य में शामिल किए जाने की रूची और भावना है।
- समावेशी उन्नति (सामाजिक और आर्थिक दोनों) को सुलभ बनाना।
- सूचना के प्रसार, समुदाय में मूल ज्ञान के प्रसार का केन्द्र के रूप में कार्य करना।
- समूह मॉडयूलेटर तथा पीयर समूह शिक्षकों के रूप में कार्य करना।
- युवा वर्ग, विशेषकर सार्वजनिक आचार, नीति, ईमानदारी तथा श्रमिकों के सम्मान के लिए आदर्श के रूप में कार्य करना।

योजना के प्रावधान के अनुसार प्रत्येक वर्ष 623 जिलों में कुल 12,000 स्वयंसेवकों को तैनात किया जा रहा है। स्वयंसेवकों के चयन के लिए जिले के डीएम/डीसी की अध्यक्षता में एक चयन समिति है। 18–29 वर्ष के आयु समूह में स्वयंसेवकों को अधिकतक 2 वर्ष की अवधि के लिए ही तैनात किया जा रहा है। प्रत्येक स्वयंसेवक को अक्तूबर 2016 से मासिक मानदेय के रूप में 5000/–रूपए का भुगतान किया जा रहा है, पूर्व में प्रत्येक स्वयंसेवक को 2500/– रूपए का मासिक मानदेय का भुगतान किया जा रहा था। वर्ष 2016–17 के दौरान, देश में कुल 10081 स्वयंसेवकों को तैनात किया गया था।

स्वयंसेवक युवा कलब सदस्यों और संबंधित एनवाईके/विभिन्न अन्य विभागों के बीच एक सम्पर्क सूत्र के रूप में कार्य करता है। स्वयंसेवक गांव/समुदाय स्तर पर युवा कलबों और महिला मंडलों को प्रेरणा देने और पुनरोद्धार का कार्य कर रहे हैं।

योजना के अंतर्गत प्रावधान के अनुसार, नए तैनात किए गए स्वयंसेवकों के लिए 15 दिवसीय प्रवेश प्रशिक्षण कार्यक्रम और दूसरे वर्ष में जारी स्वयंसेवकों के लिए 7 दिवसीय पुन चर्या प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया है।

स्वयंसेवक प्रमुख कार्यक्रमों तथा एनवाईकेएस के विशेष कार्यक्रमों के कार्यान्वयन के अतिरिक्त युवा कलबों और महिला मंडलों को प्रेरणा देने और पुनरोद्धार का कार्य कर रहे हैं।

अध्याय – 6

राष्ट्रीय सेवा योजना

प्रस्तावना

राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) स्वयंसेवी समुदाय सेवा के माध्यम से युवा छात्रों के व्यक्तित्व और चरित्र का विकास करने के मुख्य उद्देश्य के साथ 1969 में आरंभ की गई थी। 'सेवा के माध्यम से शिक्षा' एनएसएस का उद्देश्य है। एनएसएस की विचाराधारा का उन्मुखीकरण महात्मा गांधी के विचारों से प्रेरित हैं। उचित रूप से एनएसएस का विचार "मैं नहीं, परंतु आप" है। एक एनएसएस स्वयंसेवी **'स्वयं'** से पहले 'समुदाय' को रखता है।

एनएसएस के उद्देश्यः एनएसएस का उद्देश्य स्वयंसेवकों में निम्नलिखित गुणों/सक्षमताओं का विकास करना हैः

क) उस समुदाय का समझना जिसमें एनएसएस स्वयंसेवक कार्य करते हैं और स्वयं को उनके समुदाय के संबंध में समझना;

ख) समुदाय की आवश्यकताओं को समझना और पहचान करना तथा स्वयं को समस्या सुलझाने की कार्रवाई में शामिल करना;

ग) स्वयं में सामाजिक और नागरिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करना;

घ) अपने ज्ञान को व्यक्ति तथा समुदाय की समस्याओं को व्यावहारिक रूप से हल करने में प्रयोग करना;

ङ) समुदाय भागीदारी जुटाने में कौशल प्राप्त करना;

च) नेतृत्व के गुण तथा गणतांत्रिक मूल्य अर्जित करना;

छ) आकस्मिकताओं और प्राकृतिक आपदाओं का सामना करने के लिए क्षमता तैयार करना; और

च) राष्ट्रीय एकता तथा सामाजिक सद्भावना अपनाना।

एनएसएस का प्रयास "कैम्पस और समुदाय", "कॉलेज और गांव" और "ज्ञान तथा कार्रवाई" के बीच अर्थपूर्ण संबंध स्थापित करना है।

एनएसएस लगभग 40,000 स्वयंसेवकों को शामिल करते हुए 37 विश्वविद्यालयों में 1969में आरंभ की गई थी। 31.03.2016 के अनुसार, एनएसएस में 391 विश्वविद्यालयों/+2 परिषदों, 16,278 कॉलेजों/तकनीकी संस्थाओं 12,483 वरिष्ठ माध्यमिक स्कूलों में लगभग 36.58 लाख स्वयंसेवक हैं। शुरूआत से, 4.60 करोड़ छात्रों ने एनएसएस से लाभ उठाया है।

एनएसएस की मूल अवसंरचना/कार्यक्रम संरचना

एनएसएस का क्रियान्वयन वरिष्ठ माध्यमिक स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में किया जाता है। एनएसएस के डिजाइन में यह परिकल्पना की गई हैं कि इस योजना के अंतर्गत शामिल प्रत्येक शैक्षिक संस्था में कार्यक्रम अधिकारी (पीओ) के रूप में पदनामित एक अध्यापक की अध्यक्षता में 100 छात्र स्वयंसेवकों (कुछ मामलों में कम संख्या) को शामिल करते हुए न्यूनतम एक एनएसएस ईकाई हो। प्रत्येक एनएसएस ईकाई अपनी गतिविधियों का संचालन करने के लिए एक गांव अथवा झुग्गी बस्ती को अपनाती है। एक एनएसएस स्वयंसेवक को निम्नलिखित कार्य/गतिविधियों का संचालन करने की आवश्यकता होती हैः

क) नियमित एनएसएस गतिविधिः प्रत्येक एनएसएस स्वयंसेवक को दो वर्ष के लिए प्रतिवर्ष न्यूनतम 120 घंटे की सेवा प्रदान करना आवश्यक होता है अर्थात् कुल 240 घंटे। यह कार्य एनएसएस ईकाई द्वारा अपनाए गए गांव/झुग्गी बस्ती अथवा स्कूल/कॉलेज के परिसर में सामान्यतः अध्ययन के घंटों के पश्चात् अथवा सप्ताहंतों के दौरान किया जाता है। पहले वर्ष के दौरान 20 घंटे (कुल 120 घंटों में से) एनएसएस स्वयंसेवकों के उन्मुखीकरण के लिए रखे जाते हैं ताकि उन्हें लेक्चर, विचार–विमर्शों, फील्ड दौरों, ऑडियो–विजुअल इत्यादि के माध्यम से एनएसएस के बारे में परिचित कराया जा सके।

ख) **विशेष अभियान कार्यक्रमः** प्रत्येक एनएसएस ईकाई स्थानीय समुदाय को शामिल करते हुए कुछ विशिष्ट परियोजनाओं के साथ छुट्टियों के दौरान अपनाए गए गांव अथवा शहरी बस्तियों में सात दिवस की अवधि के विशेष शिविर का आयोजन करती है। प्रत्येक स्वयंसेवक को दो वर्ष की अवधि के दौरान एक बार विशेष शिविर में भाग लेना आवश्यक होता है। इस प्रकार, किसी ईकाई में लगभग 50 प्रतिशत एनएसएस स्वयंसेवक किसी विशिष्ट शिविर में भाग लेते हैं।

एनएसएस के अंतर्गत की जाने वाली गति. विधियों की प्रकृति

एनएसएस के अंतर्गत की जाने वाली गतिविधियों को मुख्यतः दो श्रेणियों में निम्नानुसार वर्गीकृत किया जा सकता है:

1. **कोर गतिविधियां**: एनएसएस के अंतर्गत गतिविधियां समुदाय की आवश्यकताओं के अनुसार तैयार किया जाना जारी रहा। एनएसएस के अंतर्गत की गई कुछ गतिविधियों की सांकेतिक सूची निम्नानुसार हैः

   क) शिक्षाः प्रौढ़ सारक्षता, प्री–स्कूल शिक्षा, स्कूल बीच में छोड़ने वालों की सतत शिक्षा, सामाजिक बुराइयों के उन्मूलन से संबंधित कार्यक्रम इत्यादि।

   ख) स्वास्थ्य, परिवार कल्याण और पोषणः टीकाकरण, रक्तदान, स्वास्थ्य शिक्षा, एड्स जागरूकता, पल्स पोलियो टीकाकरण इत्यादि।

   ग) पर्यावरण संरक्षणः वृक्षारोपड़ और उनका संरक्षण/रखरखाव, सड़कों, नालों की सफाई और मरम्मत।

   घ) सामाजिक सेवा कार्यक्रमः अस्पतालों, विकलांगों के लिए संस्थाओं, अनाथ आश्रमों ओल्ड–ऐज गृहों, महिला कल्याण संस्थाओं इत्यादि में कार्य।

   ङ) महिलाओं की स्थिति में सुधार के लिए कार्यक्रमः महिलाओं के अधिकारों के संबंध में जागरूकता सृजन, महिलाओं को कौशल प्रशिक्षण प्रदान करना इत्यादि।

   च) उत्पादन–उन्मुखी कार्यक्रमः लोगों को वृद्धित कृषि पद्धतियों को शिक्षित करना, पशु संसाध ान विकास में दिशा–निर्देश देना इत्यादि।

   छ) आपदा राहत और पुनर्वासः स्थानीय प्राधिकरणों के साथ बचाव एवं राहत कार्यों में कार्य करना।

2. **एनएसएस के अंतर्गत अन्य गतिविधियां/कार्यक्रमः** कोर गतिविधियों के अतिरिक्त एनएसएस के अंतर्गत विभिन्न अन्य गतिविधियां संचालित की जाती है। उदाहरण के लिए

   क) गणतंत्रता दिवस परेड शिविर में भागीदारी।

   ख) साहस गतिविधियों में भागीदारी।

   ग) एनएसएस मैगा कैंपों तथा पूर्वोत्तर एनएसएस युवा उत्सवों का आयोजन।

   घ) राष्ट्रीय युवा उत्सव के दौरान "सुविचार" तथा "युवा परंपरा" का आयोजन।

   ङ) एनएसएस स्वयंसेवकों के आत्मरक्षा प्रशिक्षण।

   च) इंदिरा गांधी एनएसएस पुरस्कार।

प्रशासनिक अवसंरचना

किसी संस्था में प्रत्येक एनएसएस ईकाई की अध्यक्षता "कार्यक्रम अधिकारी (पीओ)" के रूप में पदनामित एक अध्यापक द्वारा की जाती है जो उसके अंतर्गत एनएसएस ईकाई के लिए एक शिक्षक, आयोजक, समन्वयक, पर्यवेक्षक, प्रशासक और सार्वजनिक संबंध व्यक्ति के रूप में कार्य करता है।

विश्वविद्यालय स्तर पर एक एनएसएस प्रकोष्ठ तथा विश्वविद्यालय और इसके संबद्ध कॉलेजों में सभी एनएसएस ईकाइयों के संबंध में एनएसएस की गतिविधियों का समन्वय करने के लिए एक पदनामित कार्यक्रम समन्वयक (पीसी) होता है। इसी प्रकार, वरिष्ठ माध्यमिक स्कूलों के संबंध में एनएसएस प्रकोष्ठ वरिष्ठ माध्यमिक शिक्षा निदेशालय में स्थित होते हैं।

राज्य स्तर पर राज्य संपर्क अधिकारी की अध्यक्षता में एक राज्य एनएसएस प्रकोष्ठ होता है।

राष्ट्रीय स्तर पर एक एनएसएस कार्यक्रम सलाहकार प्रकोष्ठ होता है जो 15 क्षेत्रीय केंद्रों (अहमदाबाद, बंगलौर, भोपाल, भुवनेश्वर, चंडीगढ़, चेन्नई, दिल्ली गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कोलकाता, लखनऊ, पटना, पुणे और तिरुवंनतापुरम में स्थित) के माध्यम से कार्य करता है। एनएसएस संगठन की कुल संस्वीकृत स्टाफ संख्या 199 है जिसमें से 31.12.2017 के अनुसार 119 की वास्तविक संख्या कार्यरत है।

उपरोक्त के अतिरिक्त, एनएसएस के पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश प्रदान करने के लिए अधिकारिक और गैर–अधिकारिक सदस्यों को शामिल करते हुए राष्ट्रीय, राज्य, विश्वविद्यालय और संस्था के स्तर पर सलाहकार समितियां हैं।

वित्तीय तंत्र

वर्तमान में, एनएसएस की कोर गतिविधियों के संचालन के लिए नियमित एनएसएस गतिविधियों के लिए प्रतिवर्ष 250 रुपए प्रति स्वयंसेवक और विशेष शिविर गतिविधियों के लिए 450 प्रति स्वयंसेवक (2 वर्ष में एकबार) की दर से निधियन प्रदान किया जाता है। इस प्रकार, एनएसएस कार्यक्रम चलाने की कुल लागत प्रति वर्ष 475 रुपए प्रति स्वयंसेवक है (चूंकि विशेष शिविर केवल एक विशिष्ट वर्ष में 50 प्रतिशत स्वयंसेवकों के लिए होते हैं) सभी निधियों का प्रयोग एनएसएस गतिविधियों के संचालन के लिए किया जाता है और किसी भी स्वयंसेवक को कोई नगद भुगतान नहीं किया जाता। कुल प्रावधान में से एनएसएस से जुड़ी शैक्षिक संस्थाओं में से स्थापना की लागत भी वहन की जानी आवश्यक होती हैं जिसमें कार्यक्रम समन्वयक (800 रुपए प्रतिमाह की दर से) तथा कार्यक्रम अधिकारी (400 रुपए प्रतिमाह की दर से) को आउट–ऑफ–पॉकिट भत्ता शामिल हैं।

2015–16 तक एसएसए का कार्यान्वयन केन्द्र द्वारा प्रायोजित योजना के रूप में किया जाता था। तथापि 01.04.2016 से इसका कार्यान्वयन केन्द्रीय क्षेत्र की योजना के रूप में किया जा रहा है।

स्व–वित्त पोषण ईकाइयां (एसएफयू): इस विभाग ने एनएसएस की स्व–वित्त पोषण ईकाइयों की स्थापना के लिए एक तंत्र आरंभ किया है ताकि एनएसएस का विस्तार पर्याप्त सरकारी निधियन के अभाव में बाधित न हो। इस तंत्र के अंतर्गत स्थापित ईकाइयों को किसी अन्य एनएसएस ईकाइयों के समान दर्जा दिया जाता है, एकमात्र अंतर यह है कि इन ईकाइयों का वित्त पोषण इनकी स्थापना करने वाली संस्थाओं द्वारा किया जाता है। अब तक 3,12,208 स्वंयसेवकों को शामिल करते हुए एनएसएस की 3,124 स्व वित्तपोषित इकाईयों का गठन किया गया है।

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण

वर्तमान में एनएसएस के अंतर्गत कार्यक्रम अधिकारियों को 7 दिन का प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। ताकि उन्हें उनके कर्तव्य प्रभावी रूप से निर्वाह करने के योग्य बनाया जा सके। प्रशिक्षण देश के विभिन्न भागों में कॉलेजों/विश्वविद्यालयों में स्थित 20 पैनलबद्ध प्रशिक्षण संस्थाओं (ईटीआई) के माध्यम से प्रदान किया जाता है। 2017–18 के दौरान इन ईटीआई के माध्यम से 4,258 कार्यक्रम अधिकारियों को प्रशिक्षित किया गया था।

2017–18 (31.12.2017 तक) के दौरान प्रदर्शन/घटनाक्रम

गांवों/झुग्गी बस्तियों का अपनाना: एनएसएस इकाईयों ने अपनी गतिविधियों के लिए 25,032 गांवों/झुग्गी बस्तियों को अपनाया है।

विशेष शिविरों का आयोजन: विशेष शिविर एनएसएस का समेकित भाग हैं जिसमें स्वयंसेवक ग्रामीण लोगों के साथ निकटता से मिलने का अवसर, उनके जीवन को समझने, 7 दिन के लिए उनके साथ रहने और विभिन्न विकास गतिविधियां करने का अवसर प्राप्त करते हैं। 2017–18 के दौरान (31.12.2017 तक) भारत के गांव/बस्तियों में

2,50,703 स्वयंसेवकों को शामिल करते हुए 11,310 विशेष शिविरों का आयोजन किया गया था।

पौध रोपणः पौध रोपण तथा उनका रखरखाव एनएसएस की अत्यधिक लोकप्रिय गतिविधियों में से एक है। 2017–18 के दौरान (31.12.2017 तक) विभिन्न स्थानों जैसे कि सरकारी भवनों, पार्कों, विश्वविद्यालय/कॉलेज परिसरों, सड़क के किनारे रोपण, वन्य क्षेत्रों इत्यादि में 22,51,782 पौधों का रोपण किया गया।

रक्तदानः एनएसएस के स्वयंसेवक देश में गरीबों, जरूरतमंदों और अस्पतालों में आकस्मिक मामलों में सदा रक्तदान करने में अग्रणी होते हैं। नियमित कार्यक्रम के भाग के रूप में अधिकांश एनएसएस भारतीय रेड क्रॉस सोसायटी, सरकारी अस्पतालों और ब्लड़ बैंकों के साथ रक्तदान शिविरों का अनिवार्य रूप से आयोजन करते

हैं। अधिकांश विश्वविद्यालय/संस्थाएं एनएसएस स्वयंसेवी रक्तदाताओं की एक निदेशिका रखती हैं जिन्हें आप आकस्मिकता के समय रक्तदान करने के लिए बुलाया जा सके। 2017–18 के दौरान (31.12.2017 तक) भारत में एनएसएस के स्वयंसेवकों द्वारा 1,19,924 ईकाई रक्तदान किया गया।

पल्स पोलियो टीकाकरण: एनएसएस ने पल्स पोलियो टीकाकरण कार्यक्रम के दौरान ग्रामीण क्षेत्र में जागरूकता अभियान चलाए। एनएसएस के स्वयंसेवकों ने देश भर में स्थानीय प्रशासन को बच्चों को पल्स पोलियो की दवा पिलाने में सहायता की। 2017–18 के दौरान (31.12.2017 तक) 3,92,029 स्वयंसेवक बच्चों को पल्स पोलियो टीकाकरण के लिए एकत्रित करने में शामिल थे और 4,88,735 लाख बच्चों ने इस कार्यक्रम से लाभ उठाया।

स्वास्थ्य/नेत्र/टीकाकरण शिविर: एनएसएस की इकाईयों ने 11,988 स्वास्थ्य/नेत्र/टीकाकरण शिविरों के आयोजन में सक्रिय भूमिका निभाई जिसमें 6,48,026 एनएसएस स्वयंसेवकों ने भाग लिया।

जागरूकता कार्यक्रम/रैलियां/अभियानः एनएसएस इकाईयों ने समुदाय से संबंधि मुद्दों पर 1,01,586 जागरूकता कार्यक्रमों/रैलियों/अभियान का आयोजन किया जिसमें 27,33,428 स्वयंसेवकों ने भाग लिया।

श्रमदानः एनएसएस के स्वयंसेवकों ने वर्षभर श्रमदान किया जो श्रमिकों के सम्मान में वृद्वि करता है और मूल्यवान समुदाय संपत्ति का निर्माण करता है। 2017–18 के दौरान (31.12.2017 तक), 1,03,06,627 श्रमदान के स्वंयसेवी घंटे एनएसएस स्वयंसेवकों द्वारा बिताए गए।

पूर्वोत्तर एनएसएस युवा उत्सवः विभिन्न पूर्वोत्तर राज्यों में पूर्वोत्तर एनएसएस युवा उत्सवों का आयोजन किया जाता है। एनएसएस स्वयंसेवक इन उत्सवों में भाग लेते हैं। 2017–18 के दौरान (31.12.2017 तक), नागालैंड, मणिपुर और त्रिपुरा में एक पूर्वोत्तर एनएसएस युवा उत्सव का आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न पूर्वोत्तर राज्यों के 900 स्वयंसेवकों ने भाग लिया।

राष्ट्रीय युवा उत्सवः राष्ट्रीय युवा उत्सव का आयोजन 12–16 जनवरी, 2018 के दौरान नोएड, उत्तर प्रदेश में किया गया था। देशभर के 1442 एनएसएस स्वयंसेवकों और कार्यक्रम अधिकारियों ने इस इवेंट में भाग लिया।

गणतंत्र दिवस परेड शिविर, 2018: एनएसएस के स्वयंसेवक प्रत्येक वर्ष राजपथ पर गणतंत्र दिवस परेड में भाग लेते हैं। स्वयंसेवकों को इस भागीदारी के लिए तैयार करने हेतु प्रत्येक वर्ष नई दिल्ली में एक माह लंबा गणतंत्र दिवस परेड शिविर का आयोजन किया जाता है जिसमें भारत के सभी राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करते हुए 198 चुनिंदा एनएसएस स्वयंसेवक (99 लड़के और 99 लड़कियां) भाग लेते हैं। इस वर्ष के दौरान यह शिविर जनवरी, 2018 में डा0 अम्बेडकर भवन, नई दिल्ली में आयोजित किया गया था। शिविर में अपने आवास के दौरान स्वयंसेवकों ने भारत के माननीय राष्ट्रपति, भारत के माननीय उप–राष्ट्रपति और माननीय प्रधानमंत्री के साथ मुलाकात करने का अवसर प्राप्त किया। एनएसएस स्वयंसेवकों ने 26.01.2018 को गणतंत्र दिवस परेड में भाग लिया। गणतंत्र दिवस परेड शिविर में भागीदारी एनएसएस स्वयंसेवकों के व्यक्तित्व का विकास करने में काफी सहायक होती है।

राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस) पुरस्कारः एन.एस.एस के अन्तर्गत किए गए उत्कृष्ट कार्यों को मान्यता देने के लिए हर वर्ष एन.एस.एस पुरस्कार दिए जाते है। पुरस्कार निम्न श्रेणियों में दिए जाते हैः (1) सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालय व आगामी विश्वविद्यालय/ .2 निकाय (2 पुरस्कार) (2) सर्वश्रेष्ठ एन.एस.एस इकाई एवं उनके कार्यक्रम अधिकारी (10 पुरस्कार) (3) सर्वश्रेष्ठ एन.एस.एस स्वंयसेवक (28 पुरस्कार)। वर्ष 2016–17 के लिए पुरस्कार माननीय राष्ट्रपति व माननीय युवा कार्यक्रम और खेलमंत्री द्वारा दिनाँक 21 दिसम्बर, 2017 को दिए गए।

स्वच्छ भारत मिशनः समूचे भारत में एनएसएस द्वारा पूरे दिल से 'स्वच्छ भारत अभियान' चलाया गया। स्वयंसेवकों ने कई गतिविधियों का संचालन किया जैसे कि कॉलेज परिसर, अपनाए गए गांवों की सफाई, लिंक मार्गों का विकास और मरम्मत, तालाबों और झीलों की सफाई, इत्यादि। एनएसएस स्वयंसेवकों द्वारा देशभर में स्वच्छता के संबंध में तथा प्लास्टिक का उपयोग न करने के संबंध में रैलियों का आयोजन किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजनः दिनांक 21 जून, 2017 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया गया। इस दिन लगभग 13,71,704 स्वयंसेवकों ने देशभर में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लिया।

राष्ट्रीय एकता दिवसः सरदार वल्लभभाई पटेल की जन्म जयंती 31 अक्तूबर, 2017 को ''राष्ट्रीय एकता दिवस'' के रूप में मनाई गयी। इस दिन लगभग 14,57,926 स्वयंसेवकों ने देशभर में विभिन्न कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लिया।

आत्म रक्षा प्रशिक्षणः 2017–18 के दौरान (31.12.2017 तक), 67,356 एनएसएस स्वयंसेवकों को आत्म रक्षा प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

मतदाता जागरूकता कार्यक्रमः एनएसएस के स्वयंसेवकों ने मतदाताओं को मतदाता सूची में नाम दर्ज करवाने और चुनाव के दिन मताधिकार का प्रयोग करने के लिए प्रेरित करने हेतु चुनाव अधिकारियों के साथ मतदाता जागरूकता अभियान चलाया।

अध्याय –7

राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान

प्रस्तावना

राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान (आरजीएनआईवाईडी), श्रीपेरंबदूर, तमिलनाडु आरजीएनआईवाईडी अधिनियम, 2012 के कानून द्वारा युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वाधान में "राष्ट्रीय महत्व का संस्थान" है। आरजीएनआईवाईडी की स्थापना सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, 1975 के अंतर्गत एक सोसायटी के रूप में 1993 में की गई थी।

आरजीएनआईवाईडी अपने बहुआयामी कार्यों के साथ एक महत्वपूर्ण संसाधन केंद्र के रूप में कार्य करता है, जो देश भर में विस्तार एवं आउटरिच कदमों के अतिरिक्त युवा विकास के विभिन्न आयामों को शामिल करते हुए स्नातकोत्तर स्तर पर शैक्षिक कार्यक्रम प्रदान करता है, युवा विकास के महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सेमिनार शोध में शामिल होता है और राज्य एजेंसियों तथा युवा संगठनों के अधि ाकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों का समन्वय करता है।

यह संस्थान मंत्रालय के लिए एक विचारक के रूप में कार्य करता है और देश में युवाओं से संबंधित गतिविधियों का प्रमुख संगठन है। राष्ट्र स्तर पर सर्वोच्च संस्थान होने के नाते यह देश में एनएसएस, एनवाईकेएस और अन्य युवा संगठनों के घनिष्ठ सहयोग से कार्य करता है। इसका युवाओं के कल्याण और विकास के लिए कार्यरत विभिन्न संगठनों के साथ व्यापक नेटवर्क हैं और यह एक परामर्शदाता के रूप में कार्य करता है।

आरजीएनआईवाईडी का दृष्टिकोण वैश्विक रूप से मान्यता प्राप्त करना और युवा विकास के क्षेत्र में शैक्षिक उत्कृष्टता के मान्य केंद्र बनना है।

आरजीएनआईवाईडी की अभिशासन संरचना

भारत के माननीय राष्ट्रपति संस्थान के विजीटर है। संस्थान की बहुआयामी गतिविधियों की मॉनीटरिंग कार्यकारी परिषद्, शैक्षिक परिषद्, वित्त समिति और निर्माण एवं कार्य समिति द्वारा की जाती है।

निदेशक मुख्य कार्यकारी अधिकारी होता है जो संस्थान के दैनिक कार्यकरण का समन्वय करता है और संस्थान के विभिन्न प्रभागों/केंद्रों/विभागों के माध्यम से युवा विकास कार्यक्रमों का समन्वय करता है।

आरजीएनआईवाईडी की कुल संस्वीकृत स्टाफ संख्या 63 है जिसमें से 19.12.2017 के अनुसार वास्तविक संख्या 46 थी।

संस्थान का चंडीगढ़ में एक क्षेत्रीय केन्द्र है जो 2013–14 से संचालनरत है।

आरजीएनआईवाईडी के कार्यक्रम/गतिविधियां

शैक्षिक कार्यक्रम: वर्तमान में आरजीएनआईवाईडी 6 स्नातकोत्तर कार्यक्रम नामत:(i) काउंसलिंग साइकोलॉजी में एम.एससी.ए (ii) सामाजिक नवाचार तथा उद्यम ीलता में एम.ए.ए (iii) जेंडर अध्ययन में एम.ए.ए (iv) स्थानीय अभिशासन और विकास में एम.ए., और (v) विकास नीति और पद्वति में एम.ए. तथा (vi) सामाजिक विज्ञान (युवा एवं समुदाय विकास) में एम.ए प्रदान करता है। इन पाठ्यक्रमों में वार्शिक प्रवेश क्षमता 120 छात्र है। इसके अतिरिक्त, संस्थान ने कुछ अतिरिक्त डिग्री/डिप्लोमा पाठ्यक्रम, नामत: (i) बी.वोक. (परिधान निर्माण और उद्यम शीलता), (ii) बी.वोक. (फैशन डिजाइन और रिटेल), (iii) युवा विकास में स्नातकोत्तर डिप्लोमा आरंभ किया है।

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण: आरजीएनआईवाईडी देश भर में युवाओं की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए विभिन्न विषयों जैसे कि युवा नियोजनीयता कौशल, सामाजिक उद्यमशीलता, जेंडर समानता, जीवन कौशल, आपदा तैयारी और जोखिम में कमी लाना, उद्यमशीलता और आजीविका के मुद्दे, युवा नेतृत्व तथा व्यक्तित्व विकास,

शांति, सामाजिक सद्भावना और राष्ट्रीय एकता के दूत के रूप में युवा, महिला नेतृत्व और भागीदारी, उच्च शिक्षा में महिला प्रबंधकों का क्षमता निर्माण इत्यादि के संबंध में बड़ी संख्या में प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण कार्यक्रमों (ट्रेनरों के प्रशिक्षण सहित) का संचालन करता है। जनजातीय युवाओं और पूर्वोत्तर के युवाओं के विकास में ध्यान देने के लिए एक नए जनजातीय एवं पूर्वोत्तर युवा विकास विभाग की स्थापना की गयी है।

शोध कार्यक्रमः आरजीएनआईवाईडी युवा अध्ययन के संबंध में अंतर विषयक डॉक्टरल कार्यक्रम प्रदान करता है। विभिन्न संस्थाओं के माध्यम से युवा मुद्दों पर 18 मेजर और 8 माइनर शोध अध्ययन किए जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त, आरजीएनआईवाईडी के संकाय द्वारा आठ अध्ययन किए गए हैं।

2017-18 के दौरान कार्य निश्पादन

प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम

वर्ष के दौरान (दिसंबर 2017 तक) दे भर में राष्ट्रीय युवा नीति, 2014 के अनुरुप विभिन्न विषयों पर सिम्पल और स्मार्ट मॉडल के माध्यम से लगभग 15000 युवा कार्यकर्ताओं और युवाओं को शामिल करते हुए प्रशिक्षकों/क्षमता निर्माण के 220 से अधिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण

वर्ष के दौरान निम्नलिखित प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गयाः

- पर्यावरण और स्थायी विकास विषयक टीओटी, मिजोरम विश्वविद्यालय, आईजाल
- एनवाईवीज़ के लिए प्रशिक्षण मॉड्यूल तैयार करने के लिए नेहरू युवा केंद्र संगठन के विषय संबंधी विशेषज्ञों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों का प्रशिक्षण,
- जीवन कौशल संबंधी प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण (टीओटी)
- युवाओं के लिए शिक्षा संबंधी नीतियों व कार्यक्रम संबंधी प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं के लिए उपलब्ध शैक्षिक नीतियों और कार्यक्रमों के बारे में जागरुकता को बढ़ावा देने के लिए पूरे देश भर में युवा अधिकारियों का क्षमता निर्माण करना और अल्पसंख्यक युवाओं की शिक्षण संबंधी आवश्यकताओं का समान उपयोग करने के माध्यम से और युवाओं में आजीवन शिक्षण के माध्यम से कौशल विकास को बढ़ावा देना था।

- युवा एवं शांति स्थापना विषयक प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण के लिए मॉड्यूल का प्रायोगिक परीक्षण करने पर 08 से 12 अगस्त, 2017 को आरजीएनआईवाईडी, श्रीपेरंबदुर आरजीएनआईवाईडी द्वारा तैयार किए गए युवा और शांति स्थापना संबंधी प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण के लिए एक 5 दिवसीय मॉड्यूल को देश में समकालीन युवाओं की जरूरतों और आवश्यकताओं के अनुरूप बनाया गया है। इस मॉड्यूल को 8–12 अगस्त 2017 तक दक्षिणी राज्यों (आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु, तेलंगाना और पुडुचेरी) के 29 एनएसएस कार्यक्रम अधिकारियों पर प्रायोगिक पायलट का परीक्षण किया गया था।

- जीवन कौशल और व्यक्तित्व विकास के प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण आरजीएनआईवाईडी ने एनसीसी अधिकारियों की प्रशिक्षण अकादमी के सहयोग से, कंप्टी नागपुर में 21 से 24

अगस्त 2017 तक जीवन कौशल और व्यक्तित्व विकास विषय पर प्रशिक्षकों के लिए चार दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया। इस प्रशिक्षण का प्रमुख उद्देश्य जीवन कौशल प्रशिक्षकों का एक संवर्ग को विकसित करना था।

- 29 और 30 अगस्त 2017 को श्री रामचंद्र मेडिकल कॉलेज, पोरुर, चेन्नई में जीवन कौशल शिक्षा पर प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण।
- प्रभावी सुविधा कौशल पर प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण, 04 से 08 अगस्त, 2017, आरजीएनआईवाईडी क्षेत्रीय केंद्र, चंडीगढ़ आरजीएनआईवाईडी आरसी में प्रभावी सुविधा कौशलों पर प्रशिक्षक का प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। तीस युवा युवा कार्य पेशेवर, क्षेत्रीय केंद्र के कर्मचारियों सहित विभिन्न राज्यों के प्रशिक्षकों ने इसमें भाग लिया। इसमें मुख्य फोकस इस बात पर था कि एक प्रभावी सुविधा किस प्रकार प्रदान की जाए। प्रशिक्षण में कोचिंग, डिजाइनिंग और योजना प्रशिक्षण, सुनने, प्रश्नोत्तर कौशल, संचार प्रशिक्षण जैसे विभिन्न पहलु शामिल किए गए थे।
- एनआईआरडी, आरसी, गुवाहाटी, में 13 से 19 सितंबर, 2017 तक युवा और शांति स्थापना पर टीओटी।
- युवा और शांति स्थापना पर प्रशिक्षकों का वैश्विक प्रशिक्षण, 03 से 07 अक्टूबर 2017

यूएनएफपीए एशिया और प्रशांत, यूएनओवाई और वाईएफपीआई के सहयोग से आरजीएनआईवाईडी ने अपने क्षेत्रीय केंद्र में आज युवा और शांति स्थापना विषय पर पांच दिवसो के ग्लोबल ट्रेनिंग ऑफ ट्रेनर्स का उद्घाटन किया। राष्ट्रीय या अंतर्राष्ट्रीय शांति निर्माण संगठनों, नेटवर्क, सरकारों और अकादमियों में कार्यरत् 14 देशों नामतः बांग्लादेश, लेबनान, फिलीपींस, श्रीलंका, सीरिया, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका, सोमालिया, ईरान, बेनिन, बांग्लादेश, माली, म्यांमार सहित के युवा नेताओं ने सक्रिय रूप से इस कार्यक्रम में भाग लिया।

- जम्मू एवं कश्मीर में आपदा संबंधी तैयारी और जोखिम घटाने पर टीओटी

  जम्मू और कश्मीर के लेह, कारगिल और लद्दाख से 55 एनवाईकेएस/एनएसएस कर्मचारियों और स्वयंसेवकों के लिए सात दिवसीय टीओटी कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में आपदा की तैयारियों के सभी पहलुओं को शामिल किया गया, जिसमें प्राथमिक चिकित्सा और कार्डियो वैस्कुलर श्वसन तकनीक शामिल थी। एसडीआरएफ, सिविल डिफेन्स और सेना के 10 राष्ट्रीय राइफल्स द्वारा व्यावहारिक सत्रों का संचालन किया गया। आपदा अनुकूल क्षेत्रों में क्षेत्रीय दोरों की व्यवस्था की गई थी और सेना ने जोखिम परिस्थितियों के प्रभावी प्रबंधन के लिए आवश्यक कौशलों का प्रदर्शन किया।

- एनएसएस कार्यक्रम अधिकारियों के लिए अभिविन्यास प्रशिक्षण, 03 से 09 अक्टूबर 2017

  आरजीएनआईवाईडी, क्षेत्रीय केंद्र, चंडीगढ़ ने एनएसएस कार्यक्रम अधिकारियों के लिए 03 से 09 अक्टूबर 2017 तक हरियाणा के सोनीपत में 7 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। विभिन्न स्कूलों और कॉलेजों के 47 कार्यक्रम अधिकारियों ने इसमें भाग लिया।

- युवाओं के बीच भारतीय संस्कृति के संवर्धन के लिए एनएसएस के कार्यक्रम अधिकारियों को प्रशिक्षित करने के लिए प्रायोगिक टेस्ट मॉड्यूल, 10 से 12 अक्टूबर 2017

  इस कार्यक्रम का उद्देश्य राष्ट्रीय युवा नीति 2014 के प्राथमिक क्षेत्र के अनुरूप था ताकि देश की परंपरागत कला और संस्कृति की सराहना करने के लिए युवाओं को संवेदित और प्रोत्साहित किया जा सके।

- युवा महिलाओं के लिए आईसीटी आधारित उद्यमिता विषय का अभिविन्यास कार्यक्रम

  राष्ट्रीय युवा नीति की प्राथमिकता क्षेत्र 3 में युवा उद्यमियों के लिए अनुकूलित कार्यक्रम तैयार करने पर बल दिया गया है। इस संदर्भ में, आरजीएनआईवाईडी ने आईसीटी के उपयोग, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में युवा महिलाओं के बीच उद्यमशीलता को बढ़ावा देने के लिए युवा कर्मचारियों को प्रशिक्षित करने के लिए एक कार्यक्रम तैयार किया है। युवा महिलाओं के लिए आईसीटी आधारित उद्यमिता पर एनवाईकेएस के जिला युवा समन्वयकों के लिए चार अभिविन्यास प्रशिक्षण। बांग्लादेश में सर्वश्रेष्ठ कार्यवाहियों पर आईसीटीज़ आधारित ईशीबी मॉडल। क्रमशः चेन्नई, पुणे, कोलकाता, लखनऊ में प्रशिक्षण कार्यक्रमों के पांच बैचों का आयोजन किया गया, जिसके माध्यम से कुल 90 युवा कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया गया।

- रोजगार के कौशल पर प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम

  रोजगार और कौशल विकास पर एनवाईपी 2014 के प्राथमिकता क्षेत्र –2 द्वारा रोजगार की जरूरतों के लिए प्रासंगिक कौशल विकास आयोजित किया गया ताकि रोजगार के लिए योग्यता सुनिश्चित हो और श्रम की मांग–आपूर्ति में असंतुलन को रोका जा सके। युवाओं के रोजगार योग्यता कौशल को बढ़ाने के लिए, 50 एनएसएस कार्यक्रम अधिकारियों के लिए आरजीएनआईवाईडी द्वारा प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण कार्यक्रम के तीन प्रशिक्षण बैचों का आयोजन किया गया।

- युवा क्लब के कायाकल्प के लिए परामर्श 7 जून 2017, आरजीएनआईवाईडी

  इस परामर्श का उद्देश्य सभी राज्यों में एनवाईकेएस के क्लबों के युवाओं की स्थिति की समीक्षा करना था और युवा क्लबों को पुनः जीवंत करने के लिए कदमों का सुझाव देना था। परामर्श की सिफारिशों को विचार और कार्यान्वयन के लिए एनवाईकेएस मुख्यालय भेजा गया था।

- राष्ट्रीय सेवा योजना के पेनलबद्ध प्रशिक्षण संस्थानों के राष्ट्रीय परामर्श, 01 से 22 अगस्त 2017, आरजीएनआईवाईडी, श्रीपेरंबदुर

आरजीएनआईवाईएडी ने एनएसएस के पेनलबद्ध प्रशिक्षण संस्थानों के साथ आरजीएनआईवाईडी मुख्यालय परिसर में 19 अगस्त 2017 को एक राष्ट्रीय परामर्श का आयोजन किया था। विभिन्न ईटीआईज़ के मौजूदा पाठ्यक्रमों की लंबाई पर चर्चा की गई और यह अनुभव किया गया कि देश भर में एक समान पाठ्यक्रम को अपनाया जाना चाहिए।

- एनवाईकेएस 15 दिवसीय एनवाईवी उत्प्रेरण प्रशिक्षण
- सक्रिय नागरिकः मास्टर फैसिलिटेटर विकास कार्यशाला

ब्रिटिश काउंसिल और राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान, श्रीपेरंबुदुर ने संयुक्त रूप से एक पांच दिवसीय सक्रिय नागरिक : 15 से 19 जुलाई 2017 तक मास्टर फैसिलिटेटर विकास कार्यशाला का आयोजन किया। सक्रिय नागरिक, ब्रिटिश परिषद का एक प्रमुख कार्यक्रम है और दुनिया भर के 46 देशों में यह कार्यक्रम प्रचालित किया जाता है। इस कार्यक्रम का आदर्श वाक्य ''वैश्विक रूप से जुड़ा हुआ, स्थानीय स्तर पर संलग्न''। इस कार्यक्रम का प्राथमिक उद्देश्य युवाओं की सक्रियता को प्रेरित करना और उन्हें सक्रिय नागरिक बनना है ताकि वे समुदाय के लिए सामाजिक कार्य योजना को विकसित कर सकें। देश के विभिन्न क्षेत्रों से राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाइयां विशिष्ट वितरण भागीदारों के रूप में कार्यरत हैं।

- सक्रिय नागरिकों के सुविधाप्रदायकों का फीडबैक और समीक्षा : भारतीय प्रायोगिक कार्यक्रम, 15 से 16 जून, 2017, आरजीएनआईवाईडी

सक्रिय नागरिकों के एक भाग के रूप मेंः ब्रिटिश काउंसिल और राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान (आरजीएनआईवाईडी), की एक सहयोगी पहल, भारतीय प्रायोगिक कार्यक्रम के लिए उन एनएसएस कार्यक्रम अधिकारियों द्वारा, जिन्होंने इससे पूर्व सुविधाप्रदायक विकास कार्यशाला में भाग लिया था, एक कार्यशाला का आयोजन श्रीपैरम्बदूर में 15–16 जून 2017 के दौरान सामाजिक कार्य योजना (एसएपी) की समीक्षा करने के लिए किया गया था।

- पंचायत कार्यकर्ताओं के लिए सामाजिक समावेश विषय पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम, 04 से 08 नवंबर, 2017 इंडियन सोशल इंस्टीट्यूट, बैंगलोर

अभियान द्वारा उन प्रतिभागियों को सक्षम करना अपेक्षित था, जो निपुण हैं तथा व्यावहारिक ज्ञान और कौशल से युक्त हैं, यह उन प्रतिभागियों को मार्ग करेगा और वे पंचायत अधिकारियों के रूप में अपने कौशल को सुधारने में सक्षम बनेंगे।

- जम्मू और कश्मीर के एक निर्वाचन क्षेत्र के लिए निर्वाचन क्षेत्र प्रबंध व्यवस्था संबंधी कार्यशाला, 19 और 20 सितंबर, 2017 को किसान घर, शालीमार बाग, दिल्ली

  इसे राष्ट्रीय युवा नीति 2014 की अनिवार्यता के रूप में और आरजीएनआईवाईडी की पहल के अनुसार नियोजन, प्रक्रिया और पद्धतियों के लिए सुशासन के तत्वों को एकीकृत करने के लिए राजनीतिक नेतृत्व को सशक्त बनाने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था। इसे 'समग्र शासन के लिए रणनीति'' और ''राजनीतिक नेतृत्व के लिए उपकरण'' के रूप में देखा जाता है।

युवाओं/छात्रों का क्षमता निर्माण

- सिलाई के कार्य के लिए जनजातीय युवाओं का प्रशिक्षण
- एकाधिक विकलांगता युक्त वयस्क बालिकाओं के लिए जीवन कौशल संबंधी प्रशिक्षण

- कौशल आधारित कंप्यूटर प्रशिक्षण
- आरजीएनआईवाईडी आरसी युवाओं को कौशल आधारित कंप्यूटर प्रशिक्षण प्रदान करता है।
- जीवन कौशल संबंधी क्षमता निर्माण, 12 से 16 जून 2017, क्रिस्टु जयंती कॉलेज
- स्थानीय सरकारी व्यवस्था के सशक्तिकरण पर कार्यशाला, 05 और 06 अक्टूबर 2017
- बेदाद्का ग्राम पंचायत देश की सर्वप्रथम ''युवा–अनुकूल पंचायत'' के रूप में कार्य कर रही है। इस ऐतिहासिक उद्देश्य के अनुसरण में, ''स्थानीय सरकारी प्रणाली के सशक्तिकरण पर कार्यशाला – बेदाद्का जीपी, कासारगोड जिला, केरल'' का आयोजन किया गया।
- बोतड गुजरात में युवा रोजगार कौशल पर कार्यशाला 12 से 14 अक्टूबर 2017
- खेलों के माध्यम से विकलांग व्यक्तियों के सशक्तिकरण पर कार्यशाला 21 से 23 अक्टूबर 2017
- संभावित युवा उद्यमियों को तैयार करने के लिए स्टार्ट अप विषयक कार्यशाला, 10 से 13 अक्टूबर 2017
- महिला और कानून विषयक कार्यशाला, 3 और 4 नवंबर 2017
- जम्मू और कश्मीर के युवाओं के लिए इंटर स्टेट यूथ एक्सचेंज कार्यक्रम, 09 और 10 नवंबर 2017
- युवा रोजगार कौशलों पर कार्यशाला, 14 से 16 नवंबर, 2017, वैश कॉलेज, भिवानी, हरियाणा
- आरजीएनआईवाईडी ने एक किशोरावस्था संसाधन केंद्र (एआरसी) – यूनिसेफ द्वारा समर्थित एक परियोजना को स्थापित किया है। एआरसी के माध्यम से, वर्ष के दौरान निम्नलिखित गतिविधियों का आयोजन किया गया:
- मनोसामाजिक परामर्श और जीवन कौशल प्रशिक्षण, 18 से 24 अप्रैल 2017, सरकारी निरीक्षण गृह, चेंगलपट्टू और चेन्नई
- संकेंद्रित सामूहिक चर्चा – ''शिक्षा का महत्व'' विषय पर यूडीआईआई शेल्टर होम, चेन्नई
- संकेंद्रित सामूहिक चर्चा – ''करियर मार्गदर्शन और समस्याओं को दूर करना'' विषय पर
- संकेंद्रित सामूहिक चर्चा – ''मीडिया और सोशल मीडिया के माध्यम से किशोरों की समस्या व

उनके द्वारा प्राप्त लाभ'' विषय पर 28 अप्रैल 2017, डीकेएम महिला कॉलेज, वेल्लोर

- किशोरों के लिए माड्यूल मॉड्यूल विकास विषयक कार्यशाला, 12 से 14 अक्टूबर 2017
- इस कार्यशाला का उद्देश्य भारत में किशोरों के बीच पांच अभिज्ञात पांच प्रमुख चुनौतीपूर्ण और वर्तमान मुद्दों पर क्षमता निर्माण मॉड्यूल तैयार करना और उसे विकसित करना था तथा मौजूदा संदर्भ में चुनौतियों को नियंत्रित करने के लिए मैनुअल का उपयोग करने के लिए किशोरों और सभी हितधारकों के लाभ के लिए समान्य प्रशिक्षण मैनुअल का प्रसार करना था। पांच विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण मैनुअल जैसे कि आत्महत्या निवारण, नशीली दवाएं, जोखिम उठाने संबंधी व्यवहार, पारस्परिक संबंध संबंधी मुद्दे, और सामाजिक मीडिया की लत, तैयार किए गए थे।
- किशोर शिक्षा कार्यक्रम (एईपी) पर कार्यशाला, 13 से 14 अक्टूबर 2017
- कार्यशाला के प्रमुख उद्दे य किशोरों के मुद्दों और जरूरतों को समझना और किशोरावस्था के विकास के लिए प्रभावी मनो–सामाजिक और अतिरिक्त पाठ्यचर्या सुविधा के लिए व्यवस्थाओं और संभावनाओं को लागू करना, किशोरावस्था की शिक्षा के विभिन्न आयामों पर वर्तमान व्यवस्थाओं और प्रवृतियों को साझा करना और किशोरावस्था की शिक्षा और उनकी भूमिकाओं के क्षेत्र में मीडिया के विकास और विभिन्न प्रकार की सामग्री को ज्ञात करना।

शैक्षणिक गतिविधियों

- आरजीएनआईवाईडी में 30.4.2017 को सतत विकास संबंधी क्योटो न्याचार कार्यशाला
- युवा विकास संबंधी अभिविन्यास कार्यक्रम
- भारत में पंचायती राज सुधारों के 25 वर्ष विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, 19 और 20 अगस्त 2017, तिरुपति
- फ्लोरिडा विश्वविद्यालय के छात्र प्रतिनिधिमंडल की यात्रा – विदेश यात्रा कार्यक्रम – भारत में फ्लोरिडा विश्वविद्यालय : एनजीओ और विकास, 07 अगस्त 2017, आरजीएनआईवाईडी, श्रीपेरंबदुर

- स्ट्रीट थिएटर कार्यशाला, 03–05 अगस्त 2017, आरजीएनआईवाईडी, श्रीपेरंबुदुर
- सामाजिक कौशल लैब कार्यशाला, 08 से 10 अगस्त, 2017, आरजीएनआईवाईडी, श्रीपेरंबदुर
- लैंगिक मुद्दे पर कार्यशाला, 11 अगस्त 2017, आरजीएनआईवाईडी, श्रीप्रंबुदुर
- परामर्श कौशल कार्यशाला, 17 अगस्त 2017, आरजीएनआईवाईडी, श्रीपेरंबुदुर
- ''फाउंडेशन एक्सप्रेस'' – विकास दृष्टिकोण में नई दिशाएं संबंधी कार्यशाला
- प्रवास अनुसंधान के तरीकों और पहलुओं पर शोध पद्धति पाठ्यक्रम
- नेतृत्व और टीम निर्माण पर कार्यशाला
- परिवर्तन के लिए थिएटर पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम
- कैरियर योजना पर कार्यशाला

व्याख्यान

आकांक्षा और विशेष व्याख्याने

- सामाजिक कार्यवाही के माध्यम से युवा नेतृत्व विकास 19 जुलाई 2017,

आरजीएनआईवाईडी, श्रीपेरंबदूर, संबंधी व्याख्यान श्री माइक वाल्ड्रन द्वारा अंतर्राष्ट्रीय ट्रेनर, ब्रिटिश काउंसिल के ग्लोबल एक्टिव सिटीजन प्रोग्राम, लंदन में दिया गया। 1960 के दशक में सामाजिक कार्य में युवाओं की भूमिका के साथ यूनाइटेड किंगडम के सामाजिक परिवेश को जोड़ते हुए उन्होंने दावा किया कि सामाजिक वातावरण, सामाजिक कार्यवाही और युवा नेतृत्व निकटता रूप से संबंधित हैं।

- ''इवॉल्व – ड्रीम –अचीव'' 27 अक्टूबर 2017 को दक्षिण कोरिया और उज्बेकिस्तान के पूर्व राजदूत श्री स्कंद आर तयाल
- कर्नाटक योजना बोर्ड, बेंगलुरु की सदस्य, प्रोफेसर रेखा जगन्नाथन द्वारा ''सतत् विकास के लिए भारतीय युवाओं को सुविधा प्रदान करना'' पर विशेष व्याख्यान

अंतर्राष्ट्रीय दिवस और महत्व का आयोजन

- अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, 21 जून 2017, आरजीएनआईवाईडी
- स्वच्छ भारत पखवाड़ा का आयोजन, 03 से 15 अगस्त 2017, आरजीएनआईआईएडी, श्रीपेरंबदुर
- भारत छोड़ो आंदोलन की 75वीं वर्षगांठ की स्मृतियां, 09 अगस्त, 2017, आरजीएनआईवाईडी, श्रीपेरंबदुर

- अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस, 11 अगस्त 2017, आरजीएनआईवाईडी, श्रीपेरंबुदुर
- विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस का आयोजन, 10 अक्टूबर 2017
- अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस – 2017 का आयोजन, 11 अक्टूबर 2017, आरजीएनआईवाईडी
- राष्ट्रीय एकता दिवस (नेशनल यूनिटी डे), श्रीपेरंबदुर 31 अक्टूबर 2017
- सांप्रदायिक सद्भाव अभियान और ध्वज दिवस 2017, 19 से 25 नवंबर 2017
- संविधान दिवस समारोह, 25 नवंबर 2017

अन्य कार्यक्रम

- आरजीएनआईवाईडी में श्रीलंकाई युवा प्रतिनिधियों की यात्रा

2017 के दौरान आरजीएनआईवाईडी की प्रमुख उपलब्धियां

- आरजीएनआईवाईडी ने भारतीय युवा विकास सूचकांक और रिपोर्ट 2017 को प्रकाशित किया जो कि 2010 में संस्थान द्वारा किया गया एक अग्रणी प्रयास है और इसके पश्चात 2017 में इसे भारतीय युवा विकास सूचकांक के साथ प्रकाशित किया गया। इस प्रकाशन को माननीय युवा कार्यक्रम और खेल राज्य मंत्री

(स्वतंत्र प्रभार) कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड, द्वारा नई दिल्ली में 13 नवंबर, 2017 को जारी किया गया था।

- एससी/एसटी और पूर्वोत्तर क्षेत्र के युवाओं में व्यापार कौशल को विकसित करने के लिए, एनआई–एमएसएमई ने आरजीएनआईवाईडी के सहयोग से सात राज्यों में 700 युवाओं तक पहुंचने के लिए क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया।
- आरजीएनआईवाईडी ने आईआईई के सहयोग से पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए जीवन कौशल, उद्यमिता विकास और व्यापार ऊष्मायन प्रशिक्षण कार्यक्रमों पर प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया।
- शैक्षणिक कार्यक्रमों में 190 छात्रों ने वर्ष 2016–17 और 2017–18 शैक्षणिक वर्ष के लिए नामांकन करवाया जिसमें अधिकांश राज्यों द्वारा प्रतिनिधित्व किया गया है।
- प्रसिद्ध अनुसंधान संगठनों द्वारा प्रस्तावित 26 परियोजनाओं को आरजीएनआईवाईडी द्वारा वित्त पोषित किया गया। आरजीएनआईवाईडी के आंतरिक संकाय सदस्यों द्वारा 8 परियोजनाओं को आरंभ किया गया।
- अपैरल मैन्युफैक्चरिंग एंड एंटरप्रेन्योरशिप एंड फैशन डिजाईन एंड रिटेल वोकेशनल स्नातक कार्यक्रम को वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार के वस्त्र प्रशिक्षण और डिजाइन केंद्र (एटीडीसी) के सहयोग से 19 एटीडीसी केंद्रों में 513 छात्रों के नामांकन के साथ आरंभ किया गया है।
- आरजीएनआईवाईडी ने 2016–17 के शैक्षणिक वर्ष में युवा विकास विषय पर एक वर्षीय स्नातकोत्तर डिप्लोमा की एक अन्य अनूठी शुरूआत की है, जो 2017 में 51 छात्रों के साथ जारी है।
- आरजीएनआईवाईडी द्वारा प्रारंभिक सामाजिक व्यवसाय ऊष्मायन केंद्र की स्थापना की जा रही है।
- आरजीएनआईवाईडी में राजनीतिक नेतृत्व और प्रबंधन उत्कृष्टता केंद्र को स्थापित किया जाएगा।
- आरजीएनआईवाईडी में आईआईएसआर/इसरो द्वारा प्रायोजित गुड गवर्नेंस के लिए जीआईएस केंद्र की स्थापना की गई है जिसके माध्यम से राजनीतिक नेतृत्व में डिप्लोमा की पेशकश की जाएगी।
- संसद सदस्यों के सहायता प्राप्त युवा प्रशासन और विकास सशक्तिकरण के लिए प्रारंभिक अभिविन्यास कार्यक्रम की पहल की गई।
- आरजीएनआईवाईडी ने 13 नवंबर, 2017 को युवाओं में मतदाता शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए भारतीय चुनाव आयोग, भारतीय अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र एवं चुनाव प्रबंधन (आईआईआईडीईएम) की प्रशिक्षण और अनुसंधान शाखा के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।
- आरजीएनआईवाईडी ने 1 नवंबर, 2017 को भारत सरकार के केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अंतर्गत राष्ट्रीय ग्रामीण परिषद संस्थान (एनसीआरआई) के साथ ग्रामीण भारत के विभिन्न पहलुओं पर प्रशिक्षण, क्षेत्रीय संबंध, संयुक्त प्रकाशनों, शिक्षण–अध्ययन और अनुसंधान के विस्तृत क्षेत्रों के लिए सहयोग हेतु एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।
- आरजीएनआईवाईडी के 31 छात्रों और 4 संकाय सदस्यों ने भारत सरकार के युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय के माध्यम से विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रमों में भाग लिया।

अध्याय – 8

राष्ट्रीय युवा एवं किशोर विकास कार्यक्रम

प्रस्तावना

राष्ट्रीय युवा एवं किशोर विकास कार्यक्रम (एनपीवाईएडी) राष्ट्रीय युवा सशक्तीकरण कार्यक्रम (आरवाईएसके) का एक घटक है। एनपीवाईएडी के तहत सरकारी/गैर–सरकारी संगठनों को युवाओं तथा किशोर विकास के लिए गतिविधियों हेतु वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। एनपीवाईएडी के अंतर्गत सहायता 5 प्रमुख घटकों के अंतर्गत प्रदान की जाती है, नामतः

क) युवा नेतृत्व और व्यक्तित्व विकास प्रशिक्षण।

ख) राष्ट्रीय एकता का संवर्धन (राष्ट्रीय एकता कैंप, अंतर राज्य युवा आदान–प्रदान कार्यक्रम, युवा उत्सव, बहु–सांस्कृतिक गतिविधियां इत्यादि)।

ग) साहस का संवर्धनः तेनजिंग नॉर्गे राष्ट्रीय साहस पुरस्कार।

घ) किशोरों का विकास और सशक्तिकरण (जीवन कौशल शिक्षा, काउंसलिंग, कैरियर गाइडेंस इत्यादि)।

ङ) तकनीकी तथा संसाधन विकास (युवा मामलों के संबंध में शोध तथा अध्ययन, प्रलेखन, सेमिनार/कार्यशाला)।

संचालन दिशा–निर्देश

सहायता प्राप्त संगठनों में सरकार द्वारा आंशिक अथवा पूर्णतः वित्तपोषित स्वायत्त संगठन, पंजीकृत सोसायटियां, न्यास, एनजीओ, विश्वविद्यालय, भारतीय विश्वविद्यालय संघ, राज्य स्तरीय संगठन जैसे कि राज्य सरकार के विभाग, पंचायती राज संस्थाएं और शहरी स्थानीय निकाय, शिक्षा संस्थाएं इत्यादि शामिल हैं।

योजना के लाभार्थी 15–29 वर्ष आयु समूह में युवा और 10–19 वर्ष आयु समूह में किशोर होते हैं। सहायता के वित्तीय मानदंड योजना के तहत गतिविधि के हर प्रकार के लिए योजना में दिए गए हैं।

सहायता सचिव, युवा कार्यक्रम की अध्यक्षता में परियोजना मूल्यांकन समिति (पीएसी) की सिफारिश के आधार पर अनुमोदित की जाती है।

राष्ट्रीय युवा उत्सव

एनपीवाईएडी के राष्ट्रीय एकता के संवर्धन के घटक (ख) के अंतर्गत प्रत्येक वर्ष स्वामी विवेकानंद की वर्षगांठ (12 जनवरी), जिसे राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में भी मनाया जाता है, के आयोजन के लिए जनवरी माह के दौरान एक राष्ट्रीय युवा उत्सव आयोजित किया जाता है। यह उत्सव इच्छुक तथा इसकी मेजबानी हेतु सज्जित किसी एक राज्य में आयोजित किया जाता है। व्यय को केंद्र तथा मेजबान राज्य के बीच साझा किया जाता है। उत्सव के भाग के रूप में आयोजित कार्यक्रमों में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम (प्रतिस्पर्धी और गैर–प्रतिस्पर्धी दोनों), युवा समारोह, सुविचार, प्रदर्शनियां, साहस कार्यक्रम इत्यादि शामिल होते हैं। देश के विभिन्न राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के लगभग 5,000 युवाओं ने उत्सव में भाग लिया। 22वां राष्ट्रीय युवा उत्सव 12–16 जनवरी, 2018 के दौरान ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश में आयोजित किया गया। उत्सव का विषय 'संकल्प से सिद्धी' था। भारत के माननीय प्रधान मंत्री ने दिनांक 12 जनवरी, 2018 को उत्सव के उद्घाटन समरोह के दौरान युवाओं को संबोधित किया।

22वें राष्ट्रीय युवा उत्सव के दौरान विडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से लोगों को संबोधित करते हुए माननीय प्रधान मंत्री

22वें राष्ट्रीय युवा उत्सव 2015–16 के दौरान युवा संसद में भाग लेते हुए प्रतिभागी

22वें राष्ट्रीय युवा उत्सव 2015–16 में समापन समारोह के दौरान दर्शकों की उपस्थिति में प्रख्यात व्यक्ति

राष्ट्रीय युवा पुरस्कार

प्रत्येक वर्ष राष्ट्र निर्माण/समुदाय सेवा के लिए किए गए उत्कृष्ट कार्य हेतु युवा व्यक्तियों और गैर–सरकारी संगठनों को राष्ट्रीय युवा पुरस्कार दिए जाते हैं। पुरस्कार प्राप्त करने वाले प्रत्येक व्यक्ति को 50,000 रुपए का नगद पुरस्कार और एक प्रशस्ति–पत्र दिया जाता है। स्वयंसेवी युवा संगठनों को पुरस्कार में एक प्रमाण–पत्र तथा 2 लाख रुपए की राशि शामिल होती है। 23 व्यक्तियों और 7 संगठनों को 22वें राष्ट्रीय युवा उत्सव, ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश के उद्घाटन समारोह के दौरान राष्ट्रीय युवा पुरस्कार 2015–16 प्रदान किए गए हैं।

राष्ट्रीय युवा पुरस्कार 2015–16 प्राप्त करते हुए

तेनजिंग नॉर्गे राष्ट्रीय साहस पुरस्कार

तेनजिंग नॉर्गे राष्ट्रीय साहस पुरस्कार जमीन, समुंद्र और हवा में साहस के क्षेत्र में उत्कृष्ट उपलब्धियों के क्षेत्र में सर्वोच्च राष्ट्रीय मान्यता है। पुरस्कार प्राप्त करने वाले प्रत्येक व्यक्ति को 5.00 लाख रुपए का नगद पुरस्कार और एक प्रशस्ति–पत्र दिया जाता है। यह पुरस्कार खेल उत्कृष्टता के लिए अर्जुन पुरस्कार के समान है। नॉर्गे राष्ट्रीय साहस पुरस्कार भारत के माननीय राष्ट्रपति द्वारा प्रत्येक वर्ष के अगस्त महीने में राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक समारोह में अर्जुन पुरस्कारों के साथ प्रदान किए जाते हैं। इस वर्ष ये पुरस्कार 29.8.2017 को भूमि, जल और जीवन की उपलब्धियों के क्षेत्र में जोखिम के लिए 4 पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं को प्रदान किए गए।

पूर्वोत्तर युवा उत्सवः

प्रत्येक वैकल्पिक वर्ष में एक पूर्वोत्तर राज्य में पूर्वोत्तर युवा उत्सव का आयोजन किया जाता है। 5वें पूर्वोत्तर युवा उत्सव का आयोजन 28 अक्तूबर, 2017 से 30 अक्तूबर, 2017 तक गंगटोक, सिक्किम में किया गया जिसमें लगभग 1800 युवाओं ने भाग लिया। उत्सव का विषय 'ओरगेनिक फार्मिंग के लिए युवा' था।

अध्याय - 9

अंतर्राष्ट्रीय सहयोग

प्रस्तावना

विभाग का प्रयास विभिन्न युवा मुद्दों पर अन्य देशों और अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों/संगठनों के सहयोग से युवाओं में एक अंतर्राष्ट्रीय दृष्टिकोण पैदा करना है। यह विभाग यूएन एजेंसियों जैसे कि संयुक्त राष्ट्र स्वयंसेवक (यूएनवी)/संयुक्त राष्ट्र विकास कोष (यूएनडीपी) और राष्ट्रमंडल युवा कार्यक्रम (सीवाईपी) के साथ युवाओं से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर भी सहयोग करता है।

अंतर्राष्ट्रीय युवा आदान-प्रदानः

2.1 मित्र राष्ट्रों के साथ पारस्परिक आधार पर विभिन्न देशों के युवाओं के बीच विचारों, मूल्यों और संस्कृति के आदान–प्रदान का संवर्धन करने और शांति तथा समझ का संवर्धन करने के लिए युवा प्रतिनिधिमंडलों का आदान–प्रदान किया जाता है। यह युवाओं में अंतर्राष्ट्रीय दृष्टिकोण विकसित करने में सहायता प्रदान करता है। वर्तमान में निम्नलिखित देशों के साथ युवा आदन–प्रदान कार्यक्रम चल रहे हैं।

2.2 वर्तमान में मंत्रालय का चीन (200 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल), दक्षिण कोरिया (35 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल), मालदीव (50 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल), श्रीलंका (25 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल), नेपाल (50 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल), बहरीन (50 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल), रूस (50 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल) के साथ नियमित रूप से जारी वार्षिक युवा आदान–प्रदान कार्यक्रम है।

इसके अतिरिक्त, वर्ष 2012 से बंगलादेभा से 100 सदस्यीय युवा प्रतिनिधिमंडल भारत की यात्रा करता रहा है। इसके अतिरिक्त, समय समय पर कुछ कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं परंतु ये नियमित वार्शिक आयोजन नहीं हैं। 2017–18 में ;आज तक की स्थिति के अनुसारद्धआयोजित युवा आदान–प्रदान कार्यक्रमों और अन्य इवेंटों का ब्यौरा निम्नानुसार हैः

क्रम संख्या	इवेंट
1.	दिनांक 27 मार्च से 4 अप्रैल 2017 तक विएतनाम के 10 सदस्यीय युवा प्रतिनिधिमंडल का भारत का दौरा
2.	22 से 29 अप्रैल 2017 तक नेपाल के 50 सदस्यीय युवा प्रतिनिधिमंडल का भारत का दौरा
3.	23 से 28 अप्रैल 2017 तक 9वें अंतर्राष्ट्रीय युवा सम्मेलन में भाग लेने के लिए 4 सदस्यीय भारतीय युवा प्रतिनिधिमंडल का बहरीन का दौरा
4.	10–19 मई, 2017 तक 34 सदस्यीय भारतीय युवा प्रतिनिधिमंडल का दक्षिण कोरिया का दौरा
5.	10–19 मई, 2017 तक फिलिस्तीन के 49 सदस्यीय युवा प्रतिनिधिमंडल का भारत का दौरा
6.	26 मई से 2 जून, 2017 तक 49 सदस्यीय भारतीय युवा प्रतिनिधिमंडल का विएतनाम का दौरा
7.	बैकाक, थाइलैंड में आयोजित की जाने वाली एशिया/दक्षिण एशिया संबंधी साक्ष्य आधरित नीतियों से संबंधित कार्यशाला में भाग लेने के लिए ईडी, एनवाईकेएस का 26 मई से 1 जून, 2017 तक थाइलैंड का दौरा।
8.	वाई20 समिट 2017 में भाग लेने के लिए 2 सदस्यीय भारतीय युवा प्रतिनिधिमंडल का 2 से 8 जून 2017 तक बर्लिन, जर्मनी का दौरा
9.	माननीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) युवा कार्यक्रम और खेल तथ सचिव (युवा कार्यक्रम) की अध्यक्षता में 9 जून से 16 जून 2017 तक 196 सदस्यीय भारतीय युवा प्रतिनिधिमंडल का चीन का दौरा
10.	सचिव (युवा कार्यक्रम) की अध्यक्षता में 4 जुलाई से 12 जुलाई 2017 तक 46 सदस्यीय भारतीय युवा प्रतिनिधिमंडल का रूस का दौरा
11.	ब्रिक्स युवा सम्मेलन में भाग लेने के लिए ईडी (एनवाईकेएस) की अध्यक्षता में 10 सदस्यीय भारतीय युवा प्रतिनिधिमंडल का चीन का दौरा
12.	9वें राष्ट्रमंडल युवा मंत्री बैठक में भाग लेने के लिए 30 जुलाई से 4 अगस्त, 2017 तक सचिव (युवा कार्यक्रम) की अध्यक्षता में 6 सदस्यीय भारतीय युवा प्रतिनिधिमंडल का कामपला यूगांडा का दौरा
13.	8 सितंबर से 15 सितंबर, 2017 तक 30 सदस्यीय श्रीलंका युवा प्रतिनिधिमंडल का भारत का दौरा
14.	15 से 21 सितंबर 2017 तक 31 सदस्यीय भारतीय युवा प्रतिनिधिमंडल की ईडी सचिव (एनवाईकेएस) की अध्यक्षता मे फिलिस्तीन का दौरा
15.	विश्व युवा उत्सव में भाग लेने के लिए 14–22 अक्तूबर 2017 तक 121 सदस्यीय भारतीय युवा प्रतिनिधिमंडल का रूस का दौरा
16.	भारत के 03 युवा सांसदों का 12–14 अक्तूबर 2017 तक ब्रिक्स युवा सांसद फोरम, सेंट पिटसबर्ग, रूस में भाग लेने के लिए भारत का दौरा
17.	31 अक्तूबर से 9 नवंबर 2017 तक 34 सदस्यीय दक्षिण कोरियाई प्रतिनिधिमंडल का भारत का दौरा
18.	विश्व युवा फोरम में भाग लेने के लिए 4–9 नवंबर 2017 तक राज्य मंत्री ;स्वतंत्र प्रभारद्ध युवा कार्यक्रम और खेल की अध्यक्षता में 6 सदस्यीय भारतीय युवा प्रतिनिधिमंडल का श्रम ईआई भोख, मिश्र का दौरा
19.	14–21 नवंबर 2017 तक 195 सदस्यीय चीन के युवा प्रतिनिधिमंडल का भारत दौरा
20.	दक्षिण एशिया के लिए संयुक्त राष्ट्र मादक द्रव्य एवं अपराध कार्यालय (यूएनओडीसी) नई दिल्ली द्वारा आयोजित एक अध्ययन के लिए 27 नवंबर से 1 दिसंबर 2017 तक ईडी, एनवाईकेएस का रिओ डी जनेरो, ब्राजील का दौरा

2.3 मंत्रालय ऐसे और अधिक युवा आदान प्रदान कार्यक्रम आरंभ करने के गंभीर प्रयास करता रहा है। वर्तमान में युवा कार्यक्रम विभाग ने 16 देशों, अरमेनिया, बहरीन, बेलारूस, ब्रिक्स देश (ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका), इंडोनेशिया, कुवैत, क्रिगिस्तान, मोजाम्बिया, नेपाल, फिलिस्तीन, पुर्तगाल, रूस, दक्षिण कोरिया, श्रीलंका, विएतनाम और टयूनिशिया के साथ अतर्राष्ट्रीय युवा आदान प्रदान कार्यक्रमों और युवा मामलों पर सहयोग के संबंध में समझौता ज्ञापन है।

3. यूएन एजेंसियों/सीवाईपी के साथ सहयोग

3.1 यूएनडीपी/यूएनवी के सहयोग से 'एनवाईकेएस और एनएसएस का सुदृढ़करण' संबंधी एक परियोजना का कार्यान्वयन किया जा रहा है। यह परियोजना लगभग 14 करोड़ रूपए की लागत पर 4 वर्ष की अवधि में कार्यान्वित की जानी है। परियोजना के कार्मिकों की नियुक्ति, प्रशिक्षण कर लिया गया है और उन्हे फील्ड में तैनात कर दिया गया है। हालांकि परियोजना चक्र के अनुसार यह परियोजना 2017 तक पूरी हो जानी थी। तथापि, परियोजना को देर से आरंभ किए जाने के कारण इस परियोजना को बिना किसी लागत के 2018 तक बढ़ाया गया था। इसके अतिरिक्त, परियोजना को आगे जारी रखने के लिए इसका पुनः मूल्यांकन किया जा रहा है।

3.2 सीवाईपी 1973 से अस्तित्व में है और पूर्व में इसे लंदन में मुख्यालय और भारत, गुआना, जाम्बिया और सोलोमन द्वीप समूह में चार क्षेत्रीय केंद्रों से संचालित किया जा रहा था। तथापि, 2013–14 के दौरान सीवाईपी ने पुनर्गठन कार्रवाई के रूप में अपने सभी क्षेत्रीय केंद्रों को बंद करने का निर्णय लिया जो अन्य बातों के साथ–साथ इनकी निधि संबंधी बाध्यताओं के कारण आवश्यक था। तदनुसार चंडीगढ़ में सीवाईपी के क्षेत्रीय केंद्र को 28.02.2014 से बंद कर दिया गया है। भारत लगभग 1.20 करोड़ रूपए की वचनबद्ध वार्षिक राशि का सीवाईपी में अंशदान देता है। वर्ष 2015–16 के लिए भारतीय वार्षिक अंशदान के रूप में राष्ट्रमंडल सचिवालय को 98.00 लाख रूपए दिए गए हैं।

अध्याय – 10

राष्ट्रीय युवा नेता कार्यक्रम

पृष्ठभूमि

2014–15 की बजट घोषणा के अनुसरण में युवाओं में नेतृत्व के गुण विकसित करने के उद्देश्य से केंद्रीय क्षेत्र की एक नई योजना नामतः 'राष्ट्रीय युवा नेता कार्यक्रम (एनवाईएलपी)' दिसंबर 2014 में आरंभ की गई है ताकि उन्हें राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में योगदान देने के लिए अपनी पूर्ण क्षमता का लाभ उठाने के लिए समर्थ बनाया जा सके। इस नई योजना की मुख्य विशेषताएं नीचे दी गई हैं।

कार्यक्रम का उद्देश्य

राष्ट्रीय युवा नेता कार्यक्रम (एनवाईएलपी) का उद्देश्य युवाओं को राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में योगदान देने के लिए अपनी पूर्ण क्षमता का लाभ उठाने के लिए समर्थ बनाया जा सके। इस कार्यक्रम लक्ष्य युवाओं को उनके संगत क्षेत्रों में उत्कृष्टता के लिए प्रयास करने हेतु प्रेरित करना तथा उन्हें विकास की प्रक्रिया के अग्रणी स्तर पर लाना है। इसमें राष्ट्र निर्माण के लिए गहरी युवा ऊर्जा का दोहन करने की अपेक्षा की गई है।

कार्यक्रम के लाभार्थी

इस कार्यक्रम के लाभार्थी राष्ट्रीय युवा नीति, 2014 में 'युवा' की परिभाषा के अनुसरण में 15–29 वर्ष आयु समूह में युवा होंगे।

2017–18 (31.12.2017 तक) के दौरान एनवाईएलपी के कार्यान्वयन की स्थिति

एनवाईकेएस स्कीम के दो घटकों का कार्यान्वयन कर रहा है अर्थात (क) ब्लॉक स्तर पर पड़ौसी युवा संसद और (ख) विकास कार्यक्रम के लिए युवा।

पड़ोसी युवा संसद (एनवाईपी): चालू वर्ष के दौरान एनवाईकेएस ने ब्लॉक स्तर पर **4,774** युवा संसद कार्यक्रमों का आयोजन किया जिसमें एनवाईके से संबद्व युवा कलबों के **4.18** लाख सदस्यों ने भाग लिया। इसके अतिरिक्त, एनवाईकेएस ने **31,011** ग्राम स्तरीय पड़ौसी युवा संसद कार्यक्रम में भाग लिया। 2017–18 की पहली तिमाही के दौरान आयोजित कार्यक्रमअन्य विशयों के अतिरिक्त योग जागरूकता और प्रशिक्षण के लिए प्रभावी रूप से प्रयोग किए गए, जिसने 21.06.2017 अर्थात अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के देशभर में योग कार्यक्रमों में एनवाईकेएस की प्रभावी भागीदारी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

विकास कार्यक्रम के लिए युवाः योजना के आईईसी–मीडिया और प्रचार घटक का श्रमदान के बारे में जागरूकता/प्रेरण सृजन के लिए एनवाईकेएस द्वारा **296** जिलों में कार्यान्वयन किया गया है। श्रमदान गतिविधियां जारी हैं। कार्यक्रम के तहत उत्कृष्ट कार्य को पुरस्कृत करने के लिए **497** युवा कलबों को पुरस्कृत किया गया है।

अध्याय–11

युवा छात्रावास

युवा छात्रावासों का निर्माण युवाओं में यात्रा करने की प्रवृत्ति को बढ़ावा देने के लिए किया जाता है ताकि वे देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का अनुभव ले सकें। युवा छात्रावासों का निर्माण केन्द्र और राज्य सरकारों का संयुक्त उद्यम है। जबकि केन्द्र सरकार निर्माण की कुल लागत वहन करती है, राज्य सरकार जल आपूर्ति, बिजली के कनेक्शन व पहुंच सड़कों सहित पूर्ण रूप से विकसित भूमि निःशुल्क उपलब्ध कराती है। युवा छात्रावास ऐतिहासिक तथा सांस्कृतिक महत्व वाले पर्यटन गंतव्यों व भौक्षणिक केन्द्रों में अवस्थित हैं। युवा छात्रावास उचित दरों पर युवाओं को अच्छे आवास प्रदान करते हैं। इन युवा छात्रावास की देखरेख, केन्द्र सरकार द्वारा नियुक्त प्रबंधकों द्वारा की जाती है। मंत्रालय अधिमानतः युवा छात्रावास के कैचमेन्ट क्षेत्र से सेवानिवृत्त रक्षा कार्मिकों, जिन्हें हिन्दी, अंग्रेजी और स्थानीय भाषाओं का अच्छा ज्ञान हो, से युवा छात्रावासों के लिए प्रबंधकों का चयन करता है।

नई नियुक्ति नीति के तहत, वरीयता रूप से होटल प्रबधन/युवा विकास/एमबीए/एलएसडब्लयू/एमएसडब्लयू में डिग्री और छात्रावास/होटल उद्योग के क्षेत्र में न्यूनतक तीन वर्ष का कार्य अनुभव अथवा केन्द्र/राज्य सरकार के सेवानिवृत्त सरकारी अधिकारी जिनका युवा गतिविधियों का कार्यकारी अनुभव हो भी युवा छात्रावासों में प्रबंधक के रूप में नियुक्ति के पात्र हैं। पद के लिए नियुक्ति हेतु 35 वर्ष से 62 वर्ष के बीच की आयु सीमा 3 वर्ष की आरंभिक अवधि के लिए पूर्णतयाः अनुबंध आधार पर की जाती है, जिसका प्रबंधक के प्रदर्शन के आधापर पर विस्तार किया जा सकता है, परंतु किसी भी मामले में यह 65 वर्ष की आयु से अधिक नहीं होगा। इसके अतिरिक्त, युवा छात्रावासों में ठहरने वाली युवा महिला यात्रियों के समक्ष आने वाली समस्याओं के हल के लिए युवा छात्रावास प्रबंधक की पत्नी/महिला परिजन को भी नियुक्त किया जाता है।

देश में कुल 83 युवा छात्रावासों का निर्माण किया गया है और रोइंग (अरूणाचल प्रदेश) में एक और युवा छात्रावास निर्माण के अग्रिम चरण में है। 83 युवा छात्रावासों में से 11 छात्रावासों को युवा और खेल विकास के इष्टतम उपयोग हेतु नेहरू युवा केन्द्र संगठन (एनवाईकेएस)/भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई)/संबंधित राज्य सरकारों को हस्तातंरित किया गया है और बाकी 72 छात्रावास विभाग के सीधे नियंत्रण में है। छः युवा छात्रावासों आगरा (उत्तर प्रदेश), डलहोजी (हिमाचल प्रदेश), जोधपुर (राजस्थान), मैसूर (कर्नाटक), पणजी (गोवा) और पुद्दुचेरी ने आईएसओ 9001:2008 प्रमाण–पत्र प्राप्त किया है। युवा छात्रावासों का विवरण **अनुबंध** IV, V और VI में दिया गया है।

अध्याय–12

स्काउटिंग और गाइडिंग संगठनों को सहायता

प्रस्तावना

केन्द्रीय क्षेत्र की योजना स्काउटिंग और गाइडिंग की स्कीम देश में स्काउट और गाइड आंदोलन का संवर्धन करने के उद्देश्य से 1980 की शुरूआत में आरंभ की गयी थी। यह एक अंतर्राष्ट्रीय अभियान है जिसका उद्देश्य लोगों में चरित्र निर्माण, विश्वास, आदर्शवाद और देशभक्ती की भावना पैदा करना है। स्काउट और गाइड का प्रयास लड़कों और लड़कियों में संतुलित शारीरिक और मानसिक विकास का संवर्धन करना भी है।

योजना के अंतर्गत, प्रशिक्षण शिविरों के आयोजन, कौशल विकास कार्यक्रमों, जम्बूरों के आयोजन जैसे विभिन्न कार्यक्रमों के लिए स्काउटिंग और गाइडिंग संगठनों को वित्तीय सहायता दी जाती है। अन्य बातों के साथ–साथ इन कार्यकलापों में प्रौढ़ साक्षरता, पर्यावरण संरक्षण, समुदाय सेवा, स्वास्थ्य जागरूकता और स्वक्षछता तथा सेनीटेशन के संवर्धन देने से संबंधित कार्यक्रम शामिल हैं।

वर्ष 2017–18 के दौरान विभाग ने विभिन्न स्काउटिंग और गाइडिंग गतिविधियों के लिए भारत स्काउटस और गाइड, राष्ट्रीय मुख्यालय, नई दिल्ली को 75.00 लाख रूपए का अनुदान स्वीकृत किया है।

हिंदुस्तान स्काउटस और गाइडस संगठन भी विभिन्न स्काउटिंग और गाइडिंग कार्यकलापों के लिए नियोजित अनुदान प्राप्त करता है।

भारत स्काउटस और गाइडस

वर्ष 2017-18 के दौरान कार्य निष्पादन/गतिविधियां

भारत स्काउट और गाइडस द्वारा 2017–18 के दौरान क्षेत्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर युवा एवं व्यस्क नेताओं के लिए निम्नलिखित कार्यक्रम और गतिविधियां आयोजित की जाती हैं।

1. युवा कार्यक्रमः

भारत स्काउटस एवं गाइडस ने समीक्षाधीन वर्ष के दौरान 25 हजार युवाओं और 500 से अधिक व्यसकों को शामिल करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर 118 कार्यक्रमों का संचालन किया। थार रेगिस्तान, हिमालयी ग्लेसियर और पश्चिमी तट के तटवर्ती क्षेत्रों क्षेत्रों में पर्यावरण अध्यन और ट्रैकिंग कार्याक्रमों का आयोजन किया गया था। स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत 13 राज्यों के 94 एनआईसी भागीदारों में राष्ट्रीय रोवर/रेंजर सेवा कैम्पों का आयोजन किया गया। युवा विकास सह नेतृत्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें लगभग 1000 युवाओं ने लाभ उठाया। युवाओं के लिए 30 कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसमें लगभग 5000 स्काउटस और गाइडस, रोवर्स और रेंजर्स ने लाभ उठाया। 4 राष्ट्रीय एकता शिविरों का आयोजन किया गया जिसमें 2500 स्काउटस और गाइडस ने लाभ उठाया। छत्तीसगढ़ राज्य के लिए राष्ट्रीय साहस संस्थान, पंचमढ़ी, मध्य प्रदेश में 10 दिवसी साहस कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें लगभग 388 प्रतिभागी और 13 कर्मचारी उपस्थित थे। इन कार्यक्रमों न केवल युवाओं की क्षमताओं को मजबूत बनाया बल्कि हमारे 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के व्यापक दृष्टिकोण में भी योगदान दिया। डब्लयूएजीजीजीएस द्वारा "विश्व शौचालय दिवस" शीर्षक से सिंगापुर में अंतर्राष्ट्रीय इवेंट "ट्रीफॉयल ब्रिजिस 2017" का 16 से 22 नवंबर, 2017 तक आयोजन किया गया। भारत स्काउटस और गाइडस ने "शांति के वाहक" (एमओपी) संबंधी परियोजना भी की। भारत स्काउटस और गाइडस ने 11 से 13 अक्तूबर 2017 तक बीएसजी, जिला मुख्यालय में एक सर्फ स्मार्ट–प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया। स्वच्छ भारत अभियान भारत स्काउटस और गाइडस का एक प्रमुख कार्यक्रम है। जोरहट, भोपाल, बेलगावी और मंगलौर में नेतृत्व विकास कार्यक्रम, शरीर

विश्वास कार्यक्रम, आत्म रक्षा कार्यक्रम और अंतर–राज्य सांस्कृतिक आदान–प्रदान कार्यकम तथा राष्ट्रीय एकता शिविरों का आयोजन किया गया। युवा मंचों, जनजातीय स्काउटए गाइडस कैम्पों और राज्य स्तरीय युवा एवं किशौर कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। देश भर में 21 जून, 2017 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया गया जिसमें लगभग 3,000 युवाओं ने भाग लिया। विश्व एड्स दिवस, स्वच्छ भारत, राष्ट्रीय युवा दिवस, विश्व वन दिवस, वर्ल्ड नो–टोबेको डे, विश्व महिला दिवस, विश्व पर्यावरण दिवस, अंतर्राष्ट्रीय शांति दिवस और अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस पर अधिकांश राज्यों में जागरूकता रैलियों का आयोजन किया गया। 31 अक्तूबर 2017 को एकता के लिए दौड़ में 1 लाख युवाओं को शामिल करते हुए देशभर में राष्ट्रीय एकता दिवस का आयोजन किया गया।

मास्टर प्रशिक्षकों को प्रशिक्षित करने के लिए 5 स्थानों पर कौशल विकास कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। आपदा तैयारी और प्रबंधन पाठ्यक्रम, हस्तशिल्प और व्यावसायिक पाठ्यक्रम, योग अनुदेशक पाठ्यक्रम, मैप रीडिंग पर पाठ्यक्रम, पायनरिंग, जीवन कौशल, प्रथम उपचार और राहत, प्रबंधन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम, कौशल विकास प्रशिक्षण पाठ्यक्रम, समुदाय विकास परियोजनाओं इत्यादि जैसे अभियानों में व्यसक नेताओं के लिए विभिन्न कौशल आधरित प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसमें स्थानीय/जिला और राज्य स्तर पर प्रशिक्षण कार्यक्रमों में वृद्धि करने के लिए लगभग 8000 व्यस्क नेताओं को प्रशिक्षित और तैयार किया गया। अभियान के व्यस्क नेताओं के लिए पुनश्चर्या एवं उन्मुखी पाठ्यक्रमों का भी आयोजन किया गया जिसमें 3000 से अधिक नेताओं ने लाभ उठाया। विभिन्न राज्यों में राष्ट्रीय स्तर पर नेताओं के लिए सेमीनारों, कार्यशालाओं का भी आयोजन यिा गया जिसमें लगभग 5000 नेताओं ने भाग लिया।

''स्वच्छ भारत अभियान'' का देशभर में कार्यान्वयन किया जा रहा है। ''स्वच्छ भारत अभियान'' पर 5 क्षेत्रीय स्तरीय प्रमुख शिक्षक कार्यशालाओं का आयोजन किया गया जिसमें लगभग 3000 युवाओं ने भाग लिया। एएसआई के मिशन ''इंद्र धनुष'' के साथ संयुक्त रूप से स्वच्छ भारत अभियान के तहत अपनाए गए स्मारक को हमारे समुदाय कार्यकलाप के साथ समेकित किया गया है। पृथक मासिक बुलेटिन मुद्रित किए गए हैं और पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय तथा युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय तथा सभी राज्य संघों को भेजे गए हैं।

हिंदुस्तान स्काउटस एवं गाइडस (एचएएंडजी):

वर्ष 2017–18 के लिए कार्य निष्पादन/उपलब्धि

एचएसएंडजी ने सूचित किया है कि वर्ष के दौरान राजस्थान राज्य हिंदुस्तान स्काउटस एंड गाइडस में 38531 छात्रों और छात्राओं, 178 समूहों (लड़कों/लड़कियों) में कब/बुलबुल (6 से 10 वर्ष), 1248 समूहों को शामिल करते हुए स्काउटस/गाइडस आयु (11 से 16 वर्ष), 24 समूहों को शामिल करते हुए रोवर/रेंजर

आयु 17 से 35 वर्ष ने नए प्रवेशिका स्तर कैम्प को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। राजस्थान राज्य हिंदुस्तान स्काउटस एंड गाइडस में कौशल गतिविधियों ने राजस्थान के विभिन्न भागों में आयोजित बेटी बचाओं–बेटी पढ़ाओ, जल संरक्षण में भाग लिया।

स्वच्छता अभियान: उपरोक्त भागीदारों को कैम्प क्षेत्र में आने वाली कॉलोनियों में स्वच्छता कार्यक्रम चलाने में शामिल किया गया जैसे कि बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन स्कूल, अस्पताल, सार्वजनिक मूर्तियां और कम्प के आस पास का क्षेत्र तथा धरती को सही बनाने के लिए शपथ ली। राज्य कार्यक्रमों में उपरोक्त रोवर्स, रेंजर्स और गाइडस ने 1201 स्कूलों/कॉलेजों, 17 अस्पतालाओं और 161 सार्वजनिक मूर्तियों इत्यादि की सफाई में भाग लिया। अस्पतालों में दौरा करने वाले स्काउटस और गाइडस ने वहां रोगियों से भी मुलाकात की और उन्हें बिस्कुट और फूल बांटे तथा उनके स्वस्थ्य की कामना की। स्कूल, स्कूल के नजदीक मोहल्ले में सफाई अभियान चालाया गया। मुख्य अतिथि ने लगभग 10000 पौधों के रोपण के लिए आमंत्रित किया।

2017 International Anti-Doping Seminar in Asia & Oceania

अध्याय–13

खेल

खेलकूद को सदैव ही मानव के व्यक्तित्व के समग्र विकास के एक महत्वपूर्ण घटक के रूप में देखा गया है। मनोरंजन के साधन तथा शारीरिक स्वस्थता के अतिरिक्त खेलकूद ने स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ाने तथा समाज को जोड़ने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उल्लेखनीय है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलकूद में उपलब्धि सदैव ही राष्ट्रीय गौरव तथा प्रतिष्ठा का स्रोत रही है।

आधुनिक खेल अत्यधिक प्रतिस्पर्धी हो गए हैं जिससे आधुनिक अवसंरचना, उपकरण तथा उन्नत वैज्ञानिक सहायता ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलकूद का परिदृश्य बदल दिया है। उन्नत उपकरण, आधारभूत ढांचा तथा वैज्ञानिक सहायता हेतु बढ़ती हुई मांग को ध्यान में रखते हुए भारत सरकार ने अनेक नए कदम उठाए हैं और यह वैज्ञानिक तथा उपकरण सुविधाओं के साथ प्रशिक्षण व अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धाओं में भागीदारी से खिलाड़ियों को आवश्यक सहायता प्रदान कर रही है।

राष्ट्रीय खेल नीति संबंधी पहल

पूर्ववर्ती योजनाओं के समय से ही शारीरिक शिक्षा और खेलकूद पर ध्यान दिया जा रहा है। तथापि, 1982 में भारत द्वारा नौवें एशियाई खेलों की मेजबानी के बाद ही "खेलों" पर नीतिगत विषय के रूप में ध्यान दिया जाना प्रारंभ हुआ है। राष्ट्रीय खेल नीति, 1984 देश में खेलों के विकास और संवर्धन के लिए संगठित और व्यवस्थित रूपरेखा विकसित करने हेतु पहला कदम था और यह वर्तमान राष्ट्रीय खेल नीति, 2001 का अग्र रूप है।

राष्ट्रीय खेल नीति 2001

राष्ट्रीय खेल नीति 2001 के दो अभिन्न घटक "खेलों के विस्तृत आधार देना" और राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर "खेलों में उत्कृष्टता हासिल करना" है।

नीति की मुख्य विशेषताएं निम्नानुसार हैं:

1. खेलों को विस्तृत आधार प्रदान करना तथा उत्कृष्टता हासिल करना;
2. अवसंरचना का उन्नयन और विकास;
3. राष्ट्रीय खेल परिसंघों और अन्य खेल निकायों को सहायता;
4. खेलों के लिए वैज्ञानिक सुदृढ़ीकरण और कोचिंग सहायता;
5. खेलों को बढ़ावा देने के लिए विशेष प्रोत्साहन;
6. महिलाओं, जनजातियों और ग्रामीण युवाओं की सहभागिता बढ़ाना;
7. खेल संवर्धन में कारपोरेट क्षेत्र को शामिल करना; और
8. व्यापक स्तर पर लोगों में खेल भावना को बढ़ावा देना।

अध्याय–14

भारतीय खेल प्राधिकरण

प्रस्तावना

भारतीय खेल प्राधिकरण (भाखेप्रा) की स्थापना युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय (एमवाईएएस) के तहत 1982 में नई दिल्ली में आयोजित IXवें एशियाई खेलों के आयोजन के लिए 1984 में दिनांक 25 जनवरी, 1984 के संकल्प संख्या 1–1/83/एसएआई के अनुसरण में सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, 1860 के अंतर्गत एक पंजीकृत सोसायटी के रूप में की गई थी। भाखेप्रा को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर खेलों का संवर्धन करने और खेल उत्कृष्टता प्राप्त करने का दोहरा उद्देश्य सौंपा गया है।

भारतीय खेल प्राधिकरण को एक महत्वपूर्ण खेल संवर्धन निकाय के रूप में विकसित करने को सुकर बनाने के लिए खेल कोचिंग और शारीरिक शिक्षा के क्षेत्र में आवश्यक ज्ञान और कौशल को नेताजी सुभाष राष्ट्रीय खेल संस्थान, पटियाला और इसके केन्द्रों तथा ग्वालियर और तिरूवनन्तपुरम में स्थित लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा कॉलेज (एलएनसीपीई) को शामिल करते हुए पूर्व राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा और खेल संस्थान सोसाइटी (एसएनआईपीईएस) को 1 मई, 1987 से भारतीय खेल प्राधिकरण के साथ आमेलित करते हुए शामिल किया गया था। तथापि, एलएनसीपीई, ग्वालियर को ''सम–विश्वविद्यालय'' का दर्जा दिए जाने पर सितम्बर, 1995 में भारतीय खेल प्राधिकरण से अलग कर दिया गया। आज भारतीय खेल प्राधिकरण देश में खेलों के संवर्धन तथा खेल उत्कृष्टता के लिए सर्वोच्च निकाय है।

भारतीय खेल प्राधिकरण की सामान्य निकाय और शासी निकाय

एसएआई के संगम ज्ञापन और नियमों के अनुसार एसएआई की आमसभा (सोसायटी) और शासी निकाय का गठन भारत सरकार द्वारा किया जाता है। खेल विभाग, युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय द्वारा दिनांक 14 मार्च, 2017 को क्रमशः एसएआई की आम सभा और शासी निकाय का पुर्णगठन किया गया था। माननीय युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री एसएआई की आम सभा के अध्यक्ष के रूप में तथा एसएआई की शासी निकाय के चेयरमैन के रूप में इसकी अध्यक्षता करते हैं। तथापि, भारत सरकार, खेल विभाग, युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय द्वारा साई के सामान्य निकाय का पुनर्गठन किया जाना है, वर्तमान में इसकी अध्यक्षता माननीय युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री द्वारा की जाती है।

वर्तमान में साई के सामान्य निकाय की संरचना में 12 पदेन सदस्यों के साथ 35 सदस्य (अध्यक्ष को छोड़कर) है। सदस्यों का कार्यकाल (पदेन सदस्यों को छोड़कर) उनके नामांकन की तारीख से 3 वर्ष की अवधि के लिए है।

एसएआई के शासी निकाय में 30 सदस्य (एक रिक्त) (इसके अध्यक्ष और उपाध्यक्ष को छोड़कर हैं) कुल संख्या में से 14 पदेन सदस्य हैं। सदस्य (पदेन सदस्य को छोड़कर) का कार्यकाल उसके नामित होने के तारीख से 3 वर्ष की अवधि के लिए होता है।

लक्ष्य तथा उद्देश्यः

- देश में खेलों का संवर्धन और उन्हें व्यापक आधार देना ।
- प्रतिभा का पता लगाना तथा उसका पोषण करना।
- अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न विधाओं में खेलों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए स्कीमों/कार्यक्रमों का क्रायान्वयन करना ताकि भारत प्रमुख खेल शक्ति बन सके।
- दिल्ली में स्टेडियमों, जिन्हें वर्ष 1982 में नौवें एशियाई खेलों के लिए निर्मित/नवीकृत किया गया था, का प्रबंधन करना।

- युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय तथा राज्य सरकारों और देश में खेलों के संवर्धन/विकास से संबंधित अन्य एजेंसियों के बीच माध्यम का कार्य करना।
- योग्य कोचों, खेल वैज्ञानिकों और शारीरिक शिक्षा अध्यापकों को तैयार करने के लिए संस्थानों की स्थापना, व्यवस्था, प्रबंधन और संचालन करना।
- देश में खेल अवसंरचना व सुविधाओं की योजना बनाना, उनका निर्माण करना, अधिग्रहण करना, विकास करना, नियंत्रण में लेना, प्रबंधन करना, रख–रखाव करना व उपयोग करना।
- खेलों, खिलाड़ियों एवं कोचों का उन्नयन करने के लिए विभिन्न खेल विज्ञानों से संबंधित अनुसंधान परियोजनाओं को शुरू करना, अधिकार में लेना, प्रायोजित करना, प्रेरित एवं प्रोत्साहित करना।
- देश में खेलों के संवर्धन और खेलों में उत्कृष्टता के विकास से जुड़े अन्य केंद्रीय और राज्य निकायों तथा अन्य संस्थानों के साथ मुद्दे उठाना/या समन्वय करना।

संगठनात्मक ढांचा:

भारतीय खेल प्राधिकरण के प्रधान कार्यकारी अधिकारी, संगठन के महानिदेशक होते हैं। उनकी सहायता के लिए विभिन्न विभागों/प्रभागों के वरिष्ठ कार्यात्मक प्रमुखों की एक टीम होती है जिसमें सचिव, एसएआई, कार्यकारी निदेशक तथा शैक्षिक संस्थानों/क्षेत्रीय केन्द्रों के प्रमुख होते हैं।

एसएआई के प्रभाग/संस्थाएं तथा उनकी कार्यात्मक जिम्मेदारी:

क्र. सं.	प्रभाग का नाम	कार्य
(i)	शैक्षणिक (कोचिंग) एनएस एनआईएस, पटियाला	कोचिंग में सर्टिफिकेट और डिप्लोमा पाठ्यक्रम का संचालन। नियमित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम संचालित करके कोचों के कौशल को बढ़ाना।
(ii)	शैक्षणिक (शारीरिक शिक्षा) एलएनसीपीई, तिरूवनंतपुरम	शारीरिक शिक्षा में स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों का संचालन
(iii)	विशेष परियोजना प्रभाग साई मुख्यालय, नई दिल्ली	राष्ट्रीय/क्षेत्रीय खेल अकादमियां, सीएसआर का जुटाव, खेल परियोजनाओं में बच्चों की सुरक्षा और गोल्फ विकास
(iv)	प्रचालन प्रभाग, एसएआई मुख्यालय, नई दिल्ली	भाखेप्रा की खेल संवर्धन स्कीमों की योजना बनाना, कार्यान्वयन और निगरानी करना
(v)	टीम प्रभाग, एसएआई मुख्यालय, नई दिल्ली	राष्ट्रीय खेल परिसंघों के सहयोग से युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय की ओर से प्रमुख एथलीटों का प्रशिक्षण और प्रबंधन सहायता। इसमें राष्ट्रीय शिविर, विदेश में प्रदर्शन के अवसर और विदेशी कोचों की सेवाएं शामिल हैं।
(vi)	उपस्कर सहायता, एसएआई मुख्यालय, नई दिल्ली	एसएआई और/या अन्य खेल निकायों की विभिन्न खेल उपस्करों की आवश्यकताओं का समेकन और इन्हें स्थानीय के साथ–साथ विदेशी विक्रेताओं से प्राप्त करना।
(vii)	स्टेडिया प्रभाग, एसएआई मुख्यालय, नई दिल्ली	दिल्ली में एसएआई स्टेडिया का रखरखाव, और उपयोग।

क्र. सं.	प्रभाग का नाम	कार्य
(viii)	अवसंरचना प्रभाग, एसएआई मुख्यालय, नई दिल्ली	देश भर के एसएआई केंद्रों में खेल एवं खेल संबंधी अवसंरचना का सृजन, विकास और रख–रखाव
(ix)	कार्मिक प्रभाग एसएआई मुख्यालय, नई दिल्ली	एसएआई कर्मचारियों के सेवा मामले
(x)	कोचिंग प्रभाग एसएआई मुख्यालय, नई दिल्ली	एसएआई कोचों के सेवा मामले
(xi)	वित्त प्रभाग एसएआई मुख्यालय, नई दिल्ली	दिल्ली स्थितएसएआई के विभिन्न प्रभागों, शैक्षणिक संस्थानों और कार्यक्षेत्र इकाईयों के लिए वित्तीय योजना और बजट आबंटन
(xii)	समन्वय प्रभाग एसएआई मुख्यालय, नई दिल्ली	युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय/अन्य एजेंसियों और एसएआई के विभिन्न प्रभागों के साथ समन्वय के लिए नोडल प्रभाग, आरटीआई से संबंधित मामलों पर संपर्क हेतू नोडल प्रभाग।
(xiii)	मिडिया आईटी तथा अंतरराष्ट्रीय सहयोग सैल, एसएआई मुख्यालय, नई दिल्ली	प्रिंट तथा इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के साथ संपर्क, एनआईटी/विज्ञापन जारी करना, प्रेस विज्ञप्तियां आयोजित करना और भाखेप्रा के अधिकारियों की वेबसाइट का रखरखाव करना और विदेशों के साथ खेल के क्षेत्र में सांस्कृतिक आदान–प्रदान कार्यक्रमों/द्विपक्षीय संबंधों से संबंधित मामलों पर युवा कार्यक्रम एवं खेल विभाग के साथ संपर्क करना।
(xiv)	सामान्य प्रशासन एसएआई मुख्यालय, नई दिल्ली	खरीद एवं सामान का रख–रखाव। भवन का रख–रखाव, कंप्यूटरीकरण और हाउसकीपिंग, परिवहन, बैठकें और सेमीनार, कार्यालय टेलीफोन और हवाई टिकट।
(xv)	विधायी प्रभाग एसएआई मुख्यालय, नई दिल्ली	एसएआई से संबंधित सभी विधायी मामले।
(xvi)	सतर्कता सेल एसएआई मुख्यालय, नई दिल्ली	भाखेप्रा से संबंधित सभी सतर्कता मामले
(xvii)	राजभाषा प्रभाग एसएआई मुख्यालय, नई दिल्ली	भारत सरकार की राजभाषा नीति का कार्यान्वयन

नई दिल्ली में 1982 में आयोजित IXवें एशियाई खेलों के लिए दिल्ली में निम्नलिखित स्टेडियम का निर्माण/नवीकरण किया गया और तदनुसार 2010 में नई दिल्ली में आयोजित XIX राष्ट्रमंडल खेलों के लिए इनका नवीकरण किया गया। इनका भाखेप्रा द्वारा इनका रखरखाव और उपयोग किया जा रहा है:

1. जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम कॉम्प्लेक्स
2. इंदिरा गांधी खेल परिसर
3. डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी खेल पूल परिसर (पूर्व में तालकटोरा तैराकी पूल के रूप में ज्ञात)
4. मेजर ध्यानचंद्र राष्ट्रीय स्टेडियम (पूर्व में राष्ट्रीय स्टेडियम के रूप में ज्ञात)
5. डॉ. कर्णी सिंह सूटिंग रेंज (पूर्व में सूटिंग रेंज तुगलकाबाद के रूप में ज्ञात)

भाखेप्रा ने प्रबुद्ध एथलीटों को प्रशिक्षण प्रदान करते हुए और इसी दौरान युवा प्रतिभा की पहचान तथा विकास

के लिए कई योजनाएं चलाते हुए भारतीय खेल के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। ये योजनाएं देश भर में फैले भाखेप्रा के विभिन्न क्षेत्रीय केंद्रों और प्रशिक्षण केंद्रों के जरिए कार्यान्वित की जा रही है। इसके अतिरिक्त, भाखेप्रा द्वारा शारीरिक शिक्षा में कई शैक्षिक कार्यक्रम और खेल भी प्रदान किए जाते है। इसकी खेल संवर्धन योजनाओं के माध्यम से भाखेप्रा प्रतिभाशाली युवाओं की सहायता तथा पोषण करता है और उन्हें अपेक्षित अवसंरचना, उपकरण, कोचिंग सुविधाएं और प्रतिस्पर्धा के अवसर प्रदान करता है।

भाखेप्रा की खेल संवर्धन स्कीमें

ऑपरेशन डिवीजन भाखेप्रा की विभिन्न खेल संवर्धन योजनाओं के कार्यान्वयन का कार्य देखता है जिसका उद्देश्य राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए विभिन्न आयु समूहों में प्रतिभाशाली बच्चों की पहचान करना तथा उनका पोषण करना है।

इन योजनाओं को भाखेप्रा द्वारा उसके बंगलौर, कोलकाता, गांधीनगर, भोपाल, सोनीपत, लखनऊ, चंडीगढ़, गुवाहाटी और इम्फाल स्थित क्षेत्रीय केंद्रों तथा एनएस एनआईएस, पटियाला और एलएनसीपीई, तिरुवंनतपुरम स्थित शैक्षिक विंग के जरिए कार्यान्वित किया जा रहा है। स्थापित खेल विज्ञान पटिलाया, बंगलौर और कोलकाता में सुविकसित है तथा अन्य केंद्रों में इन सुविधाओं को समुचित रूप से उन्नत किया जा रहा है।

वर्तमान में निम्नलिखित खेल संवर्धन योजनाएं चालू हैः

राष्ट्रीय खेल प्रतिभा खोज स्कीम (एनएसटीसी)

उद्देश्य

1. राष्ट्रीय खेल प्रतिभा प्रतिस्पर्धा (एनएचटीसी) योजना का कार्यान्वयन स्कूलों से 8–14 वर्ष के आयु समूह में खेल प्रतिभा की पहचान करने और उन्हें वैज्ञानिक प्रशिक्षण प्रदान करके भविष्य की पदक संभावना हेतू उनका पोषण करने के लिए किया जा रहा है।

2. योजना के अंतर्गत अच्छी खेल अवसंरचना तथा विश्वसनीय खेल प्रदर्शन के रिकॉर्ड वाले स्कूलों को एसएआई द्वारा अपनाया जाता है। यह योजना साथी खिलाड़ीयों को उसी स्कूल में अध्ययन करने तथा खेलने में समर्थ बनाती है। एनएचटीसी (1985 में आरंभ) की मुख्य योजना के अतिरिक्त जिसमें नियमित स्कूलों को अपनाया जाता है, भारत में स्वदेशी खेलकूद में भाग लेने वालों को भी शामिल करते हुए खेल प्रतिभा तक पहुँचने के लिए कुछ विविध उपयोजनाएं भी आरंभ की गई थी। एनएचटीसी की उप योजनाओं में शामिल हैं :

   (i) नियमित स्कूल

   (ii) स्वदेशी खेल और मार्शल आर्ट (आईजीएमए)

   (iii) अखाड़ा

3. **एनएचटीसी के तहत शामिल खेल विधा**

   नियमित स्कूल – एथलेटिक्स, बास्केटबॉल, फुटबाल, जिम्नास्टिक, हॉकी, खोखो, तैराकी, टेबलटेनिस, वालीबॉल और कुश्ती (10 खेल विधा)

   आईजीएमए – तीरंदाजी, गटका, कबड्डी, कलारीप्यातु, मुकना, मलखंभ, थांगटा, शिलांबम, खोमलानई (9 खेल विधा)

   अखाड़ा –कुश्ती (1 खेल विधा)

4. एनएसएनआईएस के प्रशिक्षित कोचों द्वारा नियमित प्रशिक्षण हेतू अपनाए गए स्कूलों और अखाड़ों को प्रशिक्षण दिया जाना अपेक्षित है।

5. नियमित स्कूलों का चयण मानदंड (एनएचटीसी)

   (i) आयु : 8 – 14 वर्ष

   (ii) छूट :

   तथापि, डीजी एसएआई द्वारा विभिन्न परिक्षणों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर खेलों की विशिष्ट प्रकृति जिसके लिए डीजी एसएआई का पूर्व अनुमोदन आवश्यक होगा, पर ध्यान देते हुए आपवादित मामलों में नीचली तथा उपर की आयु और साथ ही आरंभ किए जाने में छूट दी जा सकती है।

प्रशिक्षण में प्रशिक्षु का प्रदर्शन और शामिल किए जाने के समय उपलब्धि को स्पष्ट रूप से दस्तावेजों में दर्ज किया जाता है।

परीक्षण में विफल रहने वाले प्रशिक्षुओं का अंतिम रूप से चयन किया जाता है और उन्हें बनाए रखने के लिए 6 माह के पश्चात उनका मूल्यांकन किया जाएगा।

परीक्षण परिणाम, विशिष्ट परीक्षा परिणाम और निष्पादन मूल्यांकन रिकॉर्ड को बेस प्रदर्शन के रूप में समुचित रूप से दस्तावेजों में रखा जाना चाहिए ताकि प्रशिक्षु के प्रदर्शन में वृद्धि की आवधिक रूप से तुलना की जा सके।

यूआईडी कार्ड जारी करने और कम्प्यूटर पर डाटा रखने के लिए प्रत्येक प्रशिक्षु को अनन्य पहचान कार्ड (यूआईडी) संख्या आवंटिक की जा सकती है।

प्रत्येक व्यक्तिक प्रशिक्षु की प्रशिक्षण डायरी अनिवार्य रूप से रखी जानी चाहिए जिसपर प्रशिक्षु को बनाए रखने अथवा हटाए जाने की प्रक्रिया के समय विचार किया जाएगा।

iii) **वैयक्तिक/टीम इवेंट**

क. राज्य/राष्ट्र स्तरीय प्रतिस्पर्धाओं में पदक विजयेता प्रशिक्षुओं को चिकित्सा रूप से उनके सही पाए जाने के अधीन उन्हें योजना में प्रवेश दिया जाता है।

ख. वे प्रशिक्षु जो जिला स्तरीय प्रतिस्पर्धा में पदक विजयेता हैं अथवा जिन्होंने राज्य स्तरीय प्रतिस्पधाओं में भाग लिया है को चिकित्सा रूप से उनके सही पाए जाने पर तथा अपेक्षित क्षमता होने जिसका परीक्षण द्वारा मूल्यांकन किया जाता है के अधीन प्रवेश दिया जाएगा।

ग. सुदूर, जनजातिय और तटवर्तीय क्षेत्रों से चयन के लिए भागीदारों में से प्रतिस्पर्धाओं के आयोजन द्वारा भी चयन किया जाता है। यह चयन एसएआई, स्कूल/अखाड़ा, कोच, खेल वैज्ञानिकों इत्यादि के प्रतिनिधियों को शामिल करते हुए चयन समिति द्वारा किया जाता है। इस आधार पर अभिज्ञात खेल व्यक्तियों को आयु जॉच, चिकित्सा परीक्षा और कई परीक्षणों में सही पाए जाने पर प्रवेश का प्रस्ताव किया जाता है।

iv) **प्रवेश की पूर्व शर्त**

उपरोक्त दो श्रेणियों में प्रवेश आयु, खेल विधा, इवेंट और भविष्य के संभावना के मूल्यांकन और कई परीक्षणों के परिणाम के आधार पर प्रदर्शन संकेतकों, एंथ्रोपोमिट्रीक माप, मनोचिकित्सीय परीक्षणों के आधार पर किया जाता है और प्रवेश के समय उनका दस्तावेजीकण किया जाता है।

v) **अवधारणा मापदंड**

खिलाड़ियों को बनाए रखना उसके द्वारा प्रदर्शन के न्यूनतम स्तर पर बनाए रखने पर आधारित होगा जिसक आधार पर उसे प्रवेश दिया गया था और यह उक्त वर्ष के लिए लक्ष्य प्राप्त करने पर भी निर्भर करेगा।

vi) **हटाया जाना :**

क) प्रदर्शन का अपेक्षित स्तर नहीं बनाए रखना

ख) डोप, आयु घोखाधड़ी, दुर्व्यवहार

vii) **प्रवेशप्राप्त करने वाले प्रशिक्षुओं के लिए निगरानी, छमाही वैज्ञानिक मूल्यांकन और शैक्षिक बैकअप:**

क) यह सिफारिश की जाती है कि प्रवेश पाने वाले सभी प्रशिक्षुओं का अंतरनिहित खेल सुविधाओं की सेवाओं को शामिल करके अथवा प्रख्यात खेल विज्ञान संस्थाओं की सेवाओं को शामिल करके निकट निगरानी और छमाही वैज्ञानिक मूल्यांकन संस्थागत/क्षेत्रिय प्रमुखों द्वारा किया जाए।

ख) जहॉ तक संभव है प्रवेश पाने वाली प्रतिभा के संबंध में नियमित शैक्षिक दवाब को हटाने के लिए एनआईओएस, मानव संसाधन विकास मंत्रालय तथा इंदिरा गॉधी मुक्त विश्वविद्यालय

के तहत राष्ट्रीय ओपन स्कूलिंग प्रणाली स्थापित करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

प्रतिभा को शामिल करना शैक्षिक सत्र के साथ जोड़े जाने के स्थान पर सतत प्रक्रिया होना चाहिए ताकि एसएआई को जहॉं भी प्रतिभा पाई जाए और वह प्रवेश के लिए पात्र हों, उसे प्रवेश दिया जा सके।

(क) स्वदेशी खेल और मार्शल आर्ट्स (आईजीएमए), एनएसटीसी (एनएसटीसी की उप–योजना)

ग्रामीण और अर्द्धशहरी क्षेत्रों में स्कूलों में स्वदेशी खेलों और मार्शल आट्र्स का संवर्धन करने के लिए तथा इन खेलों में प्रतिभा की स्काउटिंग की आधुनिक खेलों में पोषण हेतू एसएआई के शासी निकाय में 12 नवम्बर, 2001 को आयोजित अपने 28वीं बैठक में प्रस्ताव का अनुमोदन किया। तदन्तर, माननीय युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री ने केन्द्रीय विद्यालयों, नवोदय विद्यालयों, डीएवी, विद्या भारती और इसी प्रकार की संस्थाओं जैसे स्कूलों के समूह वाली शैक्षिक संस्थाओं द्वारा संचालित स्कूलों को मौजूदा एनएचटीसी योजना के भाग के रूप में स्वदेशी खेलों और मार्शल आर्टस के संवर्धन तथा विकास हेतू अपनाए जाने की अनुमति प्रदान की।

चयन मापदंड

(i) **आयु:** 8 से 14 वर्ष

(ii) **छूट:** तथापि, डीजी एसएआई द्वारा विभिन्न परिक्षणों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर खेलों की विशिष्ट प्रकृति जिसके लिए डीजी एसएआई का पूर्व अनुमोदन आवश्यक होगा, पर ध्यान देते हुए आपवादित मामलों में नीचली तथा उपर की आयु और साथ ही आरंभ किए जाने में छूट दी जा सकती है।

प्रशिक्षण में प्रशिक्षु का प्रदर्शन और शामिल किए जाने के समय उपलब्धि को स्पष्ट रूप से दस्तावेजों में दर्ज किया जाता है।

परीक्षण में विफल रहने वाले प्रशिक्षुओं का अनंतिम रूप से चयन किया जाता है और उन्हें बनाए रखने के लिए 6 माह के पश्चात उनका मूल्यांकन किया जाएगा।

परीक्षण परिणाम, विशिष्ट परीक्षा परिणाम और निष्पादन मूल्यांकन रिकॉर्ड को बेस प्रदर्शन के रूप में समुचित रूप से दस्तावेजों में रखा जाना चाहिए ताकि प्रशिक्षु के प्रदर्शन में वृद्धि की आवधिक रूप से तुलना की जा सके।

यूआईडी कार्ड जारी करने और कम्प्यूटर पर डाटा रखने के लिए प्रत्येक प्रशिक्षु को अनन्य पहचान कार्ड (यूआईडी) संख्या आवंटिक की जा सकती है।

प्रत्येक व्यक्तिक प्रशिक्षु की प्रशिक्षण डायरी अनिवार्य रूप से रखी जानी चाहिए जिसपर प्रशिक्षु को बनाए रखने अथवा हटाए जाने की प्रक्रिया के समय विचार किया जाएगा।

(iii) **प्रवेश हेतू चयन मापदंड**

क. राज्य/राष्ट्र स्तरीय प्रतिस्पर्धाओं में पदक विजयेता प्रशिक्षुओं को चिकित्सा रूप से उनके सही पाए जाने के अधीन उन्हें योजना में प्रवेश दिया जाता है।

ख. वे प्रशिक्षु जो जिला स्तरीय प्रतिस्पर्धा में पदक विजयेता हैं अथवा जिन्होंने राज्य स्तरीय प्रतिस्पधाओं में भाग लिया है को चिकित्सा और शारीरिक रूप से उनके सही पाए जाने पर तथा अपेक्षित क्षमता होने जिसका परीक्षण द्वारा मूल्यांकन किया जाता है के अधीन प्रवेश दिया जाएगा।

ग. स्वदेशी खेलों में प्रतिभा की स्काउटिंग भागीदारों के बीच खुली प्रतिस्पर्धाओं के आधार पर की जानी अपेक्षित होती हैं। चयन एसएई, संस्था, कोच, संबंधित खेल के गुरू/मेंटर को शामिल करते हुए चयन समिति द्वारा किया जाता है। इस आधार पर अभिज्ञात खिलाड़ियों को उनकी आयु की जॉच, चिकित्सा परीक्षण इत्यादि के पश्चात प्रवेश का प्रस्ताव किया जाता है।

(iv) **अवधारणा मापदंड**

क) खिलाड़ियों को बनाए रखना उसके द्वारा प्रदर्शन के न्यूनतम स्तर पर बनाए रखने पर आधारित होगा जिसक आधार पर उसे प्रवेश दिया गया था और यह उक्त वर्ष के लिए लक्ष्य प्राप्त करने पर भी निर्भर करेगा।

(v) **हटाया जाना :**

क) प्रदर्शन का अपेक्षित स्तर नहीं बनाए रखना

ख) डोप, आयु घोखाधड़ी, दुर्व्यवहार

(vi) **निगरानी :**

यह सिफारिश की जाती है कि अपनाए गए कलबों/संस्थाओं की संस्थागत प्रमुखों/क्षेत्रिए केन्द्रों के माध्यम से निकट निगरानी तथा छमाही मूल्यांकन किया जाए। आपवादिक रूप से प्रतिभावान लड़कों और लड़कियों को खेल विधा तथा पात्रता के मापदंड के अनुसार एसएआई एसएजी केन्द्र अथवा एसएआई खेल अकादमी में प्रवेश दिया रहा है।

(ख) एनएचटीसी योजना के तहत अखाड़ों को अपनाया जाना

प्रस्तावना

कुश्ती देश में पारंपरिक रूप से स्वदेशी खेल रहा है और यह अधिकांशतः ग्राम स्तर पर खेला जाता है। भारत में विगत में कई अंतराष्ट्रीय पदक जीते हैं और ख्याति प्राप्त की है। परन्तु अब भारतीय रेसलरों के लिए उन परिस्थितियों में परिवर्तन जिनमें अंतराष्ट्रीय प्रतिस्पधाओं में खेल खेले जाते हैं में परिवर्तन के कारण वरिष्ठ स्तरीय प्रतिस्पधाओं में पदक जीतना कठिन हो गया है। इसलिए आधुनिक कुश्ती के लिए व्यापक आधार बनाने और देश में विभिन्न अखाड़ों द्वारा किए गए प्रयासों का अनुपूरण करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

अखाड़ों को अपनाया जाना

कुश्ती खेल की विशिष्ट प्रकृति को देखते हुए सक्षम प्राधिकारी ने कुश्ती मैट बिछाने के लिए न्यूनतम 20×20 मीटर के कवरहॉल, मल्टी जीम स्थापित करने के लिए 15 ×15 मीटर कवरहॉल तथा अन्य संवर्ध सुविधाओं वाले अखाड़ों को एसएआई के संबंधित क्षेत्रीय निदेशक की सिफारिश पर अपनाई जाने की अनुमति प्रदान की है।

चयन मापदंड : एनएसटीसी नियमित अपनाए गए स्कूलों के चयन के मापदंड प्रतिभावान रेसलरों के चयन हेतू लागू होते हैं।

एनएसटीसी योजना के तहत प्रदत्त सुविधाएँ: वर्तमान में योजना के तहत चुनिंदा प्रशिक्षुओं को गैर आवासीय आधार पर प्रवेश दिया जाता है। तथापि आपवादिक रूप से प्रशिक्षुओं को आवासीय आधार पर दो स्कूलों में प्रवेश दिया गया है और उन्हें स्टाइपंड के स्थान पर भोजन तथा आवास दिया जाता है।

वित्तीय मानदंड

1. **नियमित स्कूल**

क्र. सं.	विवरण	राशि (रू. में)
1	खेल किट (प्रति वर्ष प्रति प्रशिक्षु)	2000.00
2	बीमा (प्रति वर्ष प्रति प्रशिक्षु)	150.00
3	प्रतिस्पर्धा एक्सपोजर (प्रति वर्ष प्रति प्रशिक्षु)	2000.00
4	10 माह के लिए वृत्तिका (प्रति वर्ष प्रति व्यक्ति)	3000.00
5	खेल उपस्कर की खरीद हेतु स्कूल को वार्षिक अनुदान (प्रति वर्ष)	20000.00

2) स्वदेशी खेल और मार्शल आर्ट्स

1	खेल किट (प्रति वर्ष प्रति प्रशिक्षु)	1500.00
2	बीमा (प्रति वर्ष प्रति प्रशिक्षु)	150.00
3	10 माह के लिए वृत्तिका (प्रति वर्ष प्रति व्यक्ति)	3000.00
4	खेल उपस्कर की खरीद हेतु स्कूल को वार्षिक अनुदान (प्रति वर्ष)	20000.00
5	प्रतिभा की खोज के लिए प्रतिस्पर्धा के आयोजन हेतु स्कूल को वार्षिक अनुदान (प्रति वर्ष)	25000.00

3) अखाड़ा

1	खेल किट (प्रति वर्ष प्रति प्रशिक्षु)	3000.00
2	प्रतिस्पर्धा अवसर (प्रति प्रशिक्षु प्रति वर्ष)	3000.00
3	वृतिका (प्रति प्रशिक्षु प्रति माह)	1000.00
4	दुर्घटना बीमा (प्रति प्रशिक्षु प्रति वर्ष)	150.00
5	अपनाए गए अखाड़ों को अनुभवी कोच की सेवाओं के अतिरिक्त कुश्ती मैट/मल्टी–जिम का एक सैट प्रदान किया जाएगा	

वर्तमान में अपनाए गए 11 स्कूल हैं, 10 स्कूलों को स्वदेशी खेलों/मार्शल आर्ट का संवर्धन करने के लिए अपनाया गया है। 44 अपनाए गए अखाड़ों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। **एनएसटीसी योजना के अंतर्गत कुल 1330 (1079 लड़के और 251 लड़कियां) प्रशिक्षु है।**

आर्मी बॉयस स्पोट्र्स कंपनी स्कीम (एबीएससी)

उद्देश्य

यह भारतीय सेना के साथ एसएआई का सहयोगी उद्यम है, इस योजना का मुख्य उद्देश्य 8–14 वर्ष के आयु समूह में खेलों में उत्कृष्टता हासिल करने के लिए लड़कों के प्रशिक्षण हेतू सेना की अच्छी अवसंरचना और अनुशासित वातावरण का प्रयोग करना है। साढ़े सत्रह वर्ष की अपेक्षित आय प्राप्त करने के पश्चात प्रशिक्षुओं को सेना में प्लेसमेंट का प्रस्ताव भी किया जाता है।

शामिल खेल विधा :

तीरंदाजी, एथलेटिक्स, बासकेट बॉल, बाक्सिंग, साईकलिंग, डाइविंग, इक्विसट्रेन, फैनसिंग, फुटबॉल, जिमनास्टिक, हैंड बॉल, हॉकी, कयाकिंग और केनोइंग, रोइंग, सेलिंग, निशानेबाजी, तैराकी, ताइकवांडु, वालीवॉल, भारोत्तोलन, कुश्ती और वूषू **(22 खेल विधा)**।

चयन प्रक्रिया

(i) आयु : 8 से 14 वर्ष

(ii) छूट : तथापि, डीजी एसएआई द्वारा विभिन्न परिक्षणों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर खेलों की विशिष्ट प्रकृति जिसके लिए डीजी एसएआई का पूर्व अनुमोदन आवश्यक होगा, पर ध्यान देते हुए आपवादित मामलों में नीचली तथा उपर की आयु और साथ ही आरंभ किए जाने में छूट दी जा सकती है।

प्रशिक्षण में प्रशिक्षु का प्रदर्शन और शामिल किए जाने के समय उपलब्धि को स्पष्ट रूप से दस्तावेजों में दर्ज किया जाता है।

परीक्षण में विफल रहने वाले प्रशिक्षुओं का अनंतिम रूप से चयन किया जाता है और उन्हें बनाए रखने के लिए 6 माह के पश्चात उनका मूल्यांकन किया जाएगा।

परीक्षण परिणाम, विशिष्ट परीक्षा परिणाम और निश्पादन मूल्यांकन रिकॉर्ड को बेस प्रदर्शन के रूप में समुचित रूप से दस्तावेजों में रखा जाना चाहिए ताकि प्रशिक्षु के प्रदर्शन में वृद्धि की आवधिक रूप से तुलना की जा सके।

यूआईडी कार्ड जारी करने और कम्प्यूटर पर डाटा रखने के लिए प्रत्येक प्रशिक्षु को अनन्य पहचान कार्ड (यूआईडी) संख्या आवंटिक की जा सकती है।

प्रत्येक व्यक्तिक प्रशिक्षु की प्रशिक्षण डायरी अनिवार्य रूप से रखी जानी चाहिए जिसपर प्रशिक्षु को बनाए रखने अथवा हटाए जाने की प्रकिया के समय विचार किया जाएगा।

(iii) इंडक्शन हेतू चयन मापदंड

क. राज्य/राष्ट्र स्तरीय प्रतिस्पर्धाओं में पदक विजयेता प्रशिक्षुओं को चिकित्सा रूप से उनके सही पाए जाने के अधीन उन्हें योजना में प्रवेश दिया जाता है।

ख. वे प्रशिक्षु जो जिला स्तरीय प्रतिस्पर्धा में पदक विजयेता हैं अथवा जिन्होंने राज्य स्तरीय प्रतिस्पधाओं में भाग लिया है को चिकित्सा रूप से उनके सही पाए जाने पर तथा अपेक्षित क्षमता होने जिसका परीक्षण द्वारा मूल्यांकन किया जाता है के अधीन प्रवेश दिया जाएगा।

ग. वे प्रतिभाएं जो मान्यता प्राप्त राज्य अथवा राज्य अथवा राष्ट्रीय खेल परिसंघों द्वारा आयोजित राज्य/राष्ट्र स्तरीय प्रतिस्पर्धाओं में पदक विजयेता हैं, को चिकित्सा रूप से सही पाए जाने के अधीन तथा एंथ्रोपोमेट्रिक माप, मनोवैज्ञानिक परीक्षण के पश्चात और आयु, खेल विधा, इवेंट तथा भविष्य के मूल्यांकन के आधार पर प्रवेश दिया जा सकता है।

(iv) प्रवेश की पूर्व शर्त

उपरोक्त श्रेणियों में प्रवेश प्रदर्शन संकेतक, एंथ्रोपोमेट्रिक माप, मनोवैज्ञानिक परीक्षण तथा आयु, खेल विधा, इवेंट और भविष्य के क्षमता के मूल्यांकन, परीक्षा परिणाम इत्यादि के आधार पर दिया जा सकता है और इंडक्शन के समय इनका दस्तावेजीकरण किया जाएगा।

(v) चिकित्सा जॉच और बैटरी परीक्षा

उपरोक्त आधार पर चुनी गई प्रतिभा को प्रवेश विशिष्ट कौशल परीक्षा, मोटर गुणवत्ता परीक्षा, आयु की जॉच, चिकित्सा फिटनेस परीक्षा के आधार पर और सेना क्यूआर के अनुसार भविष्य में सेना में भर्ती के लिए समुचित पाए जाने के आधार पर दिया जाता है ताकि सेना में भर्ती के लिए प्रतिभा के आयोग्य पाए जाने की भविष्य की जटिलता से बची जा सके।

(vi) अवधारणा मापदंड

खिलाड़ियों को बनाए रखना उसके द्वारा प्रदर्शन के न्यूनतम स्तर पर बनाए रखने पर आधारित होगा जिसक आधार पर उसे प्रवेश दिया गया था और यह उक्त वर्ष के लिए लक्ष्य प्राप्त करने पर भी निर्भर करेगा।

(vii) हटाया जाना :

क) प्रदर्शन का अपेक्षित स्तर नहीं बनाए रखना

ख) डोप, आयु घोखाधड़ी, दुर्व्यवहार

(viii) प्रवेश प्राप्त करने वाले प्रशिक्षुओं के लिए निगरानी, छमाही वैज्ञानिक मूल्यांकन :

यह सिफारिश की जाती है कि प्रवेश पाने वाले सभी प्रशिक्षुओं का अंतरनिहित खेल सुविधाओं की सेवाओं को शामिल करके अथवा प्रख्यात खेल विज्ञान संस्थाओं की सेवाओं को शामिल करके निकट निगरानी और छमाही वैज्ञानिक मूल्यांकन संस्थागत/क्षेत्रिय प्रमुखों द्वारा किया जाए।

प्रदत्त सुविधाएं

इस योजना के अंतर्गत प्रशिक्षुओं को बोर्डिंग और लोजिंग सुविधाएं, शैक्षिक व्यय, खेल किट, खेल उपकरण, बीमा, चिकित्सा कवर, प्रतियोगिता अनुभव, एसएआई के अनुभवी कोच से वैज्ञानिक कोचिंग के अतिरिक्त प्रदान किए जाते हैं।

वित्तीय मानदंड

क्र. सं.	विवरण	राशि
1.	गैर–पहाड़ी क्षेत्रों के लिए 330 दिनों के लिए खानपान व ठहरना (प्रतिदिन प्रति व्यक्ति)	225.00
	पहाड़ी क्षेत्रों के लिए (प्रति वर्ष प्रति व्यक्ति) 330 दिनों के लिए	250.00
2.	खेल उपकरण (प्रति वर्ष)	500000.00
3.	खेल मैदान का रखरखाव और मैगजीन/प्रत्रिका (प्रति वर्ष) प्रति इकाई	100000.00
5.	खेल उपकरण (प्रति वर्ष) (अधिकतम 5000 रूपए)	12000.00
6.	शैक्षिक व्यय (प्रति व्यक्ति प्रति वर्ष)	
7.	प्रतिस्पर्धा अवसर (प्रति प्रशिक्षु, प्रति वर्ष)	
8.	चिकित्सा (प्रति प्रशिक्षु, प्रति वर्ष)	
9.	बीमा (प्रति प्रशिक्षु, प्रति वर्ष)	

नई एबीएससी बनाने के लिए एक बारगी अनुदानः

1.	खेल अवसंरचना के सृजन और विकास तथा आवश्यक खेल उपकरणों की खरीद	10,00,000.00
2.	मल्टी जिम रेस्लिंग मैटस आसैर ऑडियो विजुअल उपकरण जैसा प्रशिक्षण किट विशेष उपकरणों का प्रापण	5,00,000.00
3.	नए प्रशिक्षु के लिए लिनन तथा बलेंकेट इत्यादि की खरीद	1,00,000.00

वर्तमान में भारत में 27 बीएससी केंद्र है जहां इस स्कीम के अंतर्गत 1372 लड़कों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

एसएआई प्रशिक्षण केन्द्र योजना (एसटीसी)

उद्देष्यः

12–18 वर्ष के आयु समूह में कनिश्ठ स्तर के खिलाड़ियों को निखारने के लिए एसएआई प्रशिक्षण केन्द्रों (एसटीसी) की उन राज्यों में स्थापना की जाती है जहॉं संबंधित राज्य सरकारों द्वारा खेल अवसरंचना प्रदान की गई हो।

शामिल खेल विधा

तीरंदाजी, एथलेटिक्स, बैडमिंटन, बास्केटबॉल, बाक्सिंग, साईकलिंग, फैनसिंग, फुटबॉल, जिमनास्टिक, हैंडबॉल, हॉकी, जूड़ो, कबड्डी, कराटे, कयाकिंग और केनोइंग, खोखो, लॉन टेनिस, सेपकट्रा, निशानेबाजी, साफ्टबॉल, तैराकी, टेबल टेनिस, तायकवांडू, वालीवॉल, भारोत्तोलन, कश्ती और वूषू (27 खेल विधा)।

चयन प्रक्रिया

(i) **आयु** : 12 से 18 वर्ष

(ii) **छूट** : तथापि, डीजी एसएआई द्वारा विभिन्न परिक्षणों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर खेलों की विशिष्ट प्रकृति जिसके लिए डीजी एसएआई का पूर्व अनुमोदन आवश्यक होगा, पर ध्यान देते हुए आपवादित मामलों में नीचली तथा उपर की आयु और साथ ही आरंभ किए जाने में छूट दी जा सकती है जो नए इंडकशन के 25 प्रतिशत तक सीमित होगी।

वे प्रतिभा जो परीक्षण के अनुसार मोटर योग्यता के न्यूनतम स्तर तक नहीं पहुॅंच सकी को छह माह के लिए अनंतिम रूप से चुना जा सकता है और तदंतर मोटर योग्यता परीक्षा तथा विशिष्ट कौशल परीक्षा उत्तीर्ण करने के पश्चात औपचारिक इंडकशन किया जा सकता है। यदि ऐसा करना सही पाया जाए।

बैटरी परीक्षा परिणाम, विशिष्ट परीक्षा परिणाम तथा प्रवेश के समय विचार किए गए निष्पादन मूल्यांकन

रिकॉर्ड को समुचित रूप से दस्तावेजों में बेस निश्पादन के रूप में रखा जाना चाहिए ताकि प्रशिक्षु के प्रदर्शन की उन्नति की आवधिक रूप से तुलना की जा सके।

यूआईडी कार्ड जारी करने और कम्प्यूटर पर डाटा रखने के लिए प्रत्येक प्रशिक्षु को अनन्य पहचान कार्ड (यूआईडी) संख्या आवंटिक की जा सकती है।

प्रत्येक व्यक्तिक प्रशिक्षु की प्रशिक्षण डायरी अनिवार्य रूप से रखी जानी चाहिए जिसपर प्रशिक्षु को बनाए रखने अथवा हटाए जाने की प्रक्रिया के समय विचार किया जाएगा।

(iii) **चिकित्सा जॉच और आयु जॉच** उस स्थिति में विशिष्ट रूप से अनिवार्य है जबकि प्रवेश सब–जूनियर और जूनियर स्तरीय प्रतिस्पर्धाओं में प्रदर्शन आयु में धोखाधड़ी के विरूद्ध प्रभावी रोकथाम के उपाय के रूप में आधारित है।

(iv) **इंडकशन के लिए निश्पादन मापदंड**

(क) **वैयक्तिक इवेंट :** सब–जूनियर (कैडेट सहित) और जूनियर राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धाओं जिनका आयोजन मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय खेल परिसंघ द्वारा किया गया हो, में आठ (08) तक और भारतीय विश्वविद्यालय संघ तथा भारतीय स्कूल खेल परिसंघ द्वारा चालू वर्ष अथवा पिछले वर्ष के प्रवेश के दौरान संचालित अंतर–विश्वविद्यालय चैंपियनशीप में छह (06) तक।

अथवा

वे खिलाड़ी जिन्होंने मान्यता प्राप्त राज्य खेल संघ द्वारा संचालित राज्य चैंपियनशिप में प्रथम तीन (03) स्थान प्राप्त किया हो।

अथवा

वे खिलाड़ी जिन्होंने पूर्वोत्तर खेल तथा पायका राष्ट्रीय ग्रामीण एवं महिला चैपिंयनशिप में प्रथम तीन (03) स्थान में से कोई स्थान प्राप्त किया हो।

अथवा

वे खिलाड़ी जिन्होंने मान्यता प्राप्त अंतराष्ट्रीय संबंधित परिसंघ द्वारा किसी मान्यता प्राप्त चैंपियनशिप/टूर्नामेंट में भारत का प्रतिनिधित्व किया हो।

अथवा

वे खिलाड़ी जिन्होंने जिला चैंपियनशिप, अंतरशिक्षा जिला स्तरीय लघु प्रतिस्पर्धा, सार्वजनिक स्कूल संघ द्वारा आयोजित चैपिंयनशिप, सीबीएसई, केन्द्रीय विद्यालय, नवोदय विद्यालय, पायका इत्यादि में प्रथम तीन (03) स्थान प्राप्त किया हो पर चयन के ट्रायल में भाग लेने के लिए विचार किया जा सकता है।

(ख) **टीम इवेंट :**

(i) **आयु :** 10 से 14 वर्ष

(ii) **छूट :** तथापि, डीजी एसएआई द्वारा विभिन्न परिक्षणों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर खेलों की विशिष्ट प्रकृति जिसके लिए डीजी एसएआई का पूर्व अनुमोदन आवश्यक होगा, पर ध्यान देते हुए आपवादित मामलों में नीचली तथा उपर की आयु और साथ ही आरंभ किए जाने में छूट दी जा सकती है जो नए इंडकशन के 25 प्रतिशत तक सीमित होगी।

वे प्रतिभा जो परीक्षण के अनुसार मोटर योग्यता के न्यूनतम स्तर तक नहीं पहुंच सकी को छह माह के लिए अनंतिम रूप से चुना जा सकता है और तदंतर मोटर योग्यता परीक्षा तथा विशिष्ट कौशल परीक्षा उत्तीर्ण करने के पश्चात औपचारिक इंडकशन किया जा सकता है। यदि ऐसा करना सही पाया जाए।

बैटरी परीक्षा परिणाम, विशिष्ट परीक्षा परिणाम तथा प्रवेश के समय विचार किए गए निश्पादन मूल्यांकन रिकॉर्ड को समुचित रूप से दस्तावेजों में बेस निश्पादन के रूप में रखा जाना चाहिए ताकि प्रशिक्षु के प्रदर्शन की उन्नति की आवधिक रूप से तुलना की जा सके।

यूआईडी कार्ड जारी करने और कम्प्यूटर पर डाटा रखने के लिए प्रत्येक प्रशिक्षु को अनन्य पहचान कार्ड (यूआईडी) संख्या आवंटिक की जा सकती है।

प्रत्येक व्यक्तिक प्रशिक्षु की प्रशिक्षण डायरी अनिवार्य रूप से रखी जानी चाहिए जिसपर प्रशिक्षु को बनाए रखने अथवा हटाए जाने की प्रक्रिया के समय विचार किया जाएगा।

(iii) **इंडकशन के लिए निश्पादन मापदंड**

उस टीम का कोई सदस्य जिसने मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय खेल परिसंघ द्वारा आयोजित सब–जूनियर और जूनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप में प्रथम चार (04) स्थान प्राप्त किया हो और भारतीय विश्वविद्यालय संघ तथा भारतीय स्कूल खेल परिसंघ द्वारा संचालित अंतर–जोनल तथा अंतर–विश्वविद्यालय चैंपियनशिप में प्रथम दो (02) स्थान प्राप्त किया हो।

अथवा

उस टीम का कोई सदस्य जिसने मान्यता प्राप्त राज्य खेल संघ द्वारा संचालित राज्य चैंपियनशिप में प्रथम (01) अथवा द्वितीय (02) स्थान प्राप्त किया हो।

अथवा

वे खिलाड़ी जिन्होंने किसी मान्यता प्राप्त चैंपियनशिप/ट्रूर्नामेंट जिसके लिए भारत सरकार द्वारा अधिकारिक रूप से टीम भेजी गई थी, में सब–जूनियर और जूनियर टीम के सदस्य के रूप में भारत का प्रतिनिधित्व किया हो

अथवा

पूर्वोत्तर खेलों तथा पायका राष्ट्रीय ग्रामीण एवं महिला चैंपियनशिप में टीम खेलों में विजयेता तथा दूसरे स्थान पर आने वाले सदस्य

अथवा

वे खिलाड़ी जिन्होंने राज्य खेल संघों, राज्य खेल परिषद द्वारा आयोजित मान्यता प्राप्त राज्य स्तरीय प्रतिस्पर्धाओं में भाग लिया हो और राज्य खेल विभाग से चयन ट्रायल में भाग लेने के लिए विचार किया जा सकता है।

(iv) **प्रवेश की पूर्व शर्तः** उपरोक्त दो श्रेणियों में प्रवेश आयु, खेल विधा, इवेंट और भविष्य के संभावना के मूल्यांकन और कई परीक्षणों के परिणाम के आधार पर प्रदर्शन संकेतकों, एंथ्रोपोमिट्रीक माप, मनोचिकित्सीय परीक्षणों के आधार पर किया जाता है और प्रवेश के समय उनका दस्तावेजीकण किया जाता है।

(v) **बाद में प्रविष्टिः** वे खिलाड़ी जिन्होंने जिला, राज्य, राष्ट्रीय और अंतर्राश्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पर्धाओं में अपेक्षित प्रदर्शन प्राप्त कर लिया है और परीक्षण, तकनीकी तथा विशिष्ट कौशल परीक्षण सफलता पूर्वक पूरा कर लिया है, वे वर्ष में किसी भी समय शामिल किए जा सकते हैं।

(vi) **अवधारणा मापदंडः** खिलाड़ियों को बनाए रखना उसके द्वारा प्रदर्शन के न्यूनतम स्तर पर बनाए रखने पर आधारित होगा जिसक आधार पर उसे प्रवेश दिया गया था और यह उक्त वर्ष के लिए लक्ष्य प्राप्त करने पर भी निर्भर करेगा।

प्रशिक्षुओं की अवधारणा में 18 वर्ष की आयु से आगे तथा 21 वर्ष तक छूट केवल उन विशेष मामलों में शैक्षिक संस्था/क्षेत्र के प्रमुख द्वारा दी जा सकती है जहॉं प्रर्दशन और भविष्य की संभावना के आधार पर मजबूत औचित्य उपलब्ध हो। खिलाड़ी ने संबंधित राष्ट्रीय खेल परिसंघ (एनएसएफ) द्वारा आयोजित जूनियर/सीनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप में प्रथम छह (06) स्थान तथा भारतीय विश्वविद्यालय संघ तथा भारतीय स्कूल परिसंघ (वैयक्तिक इवेंट के लिए) द्वारा संचालित अंतर–विश्वविद्यालय चैंपियनशिप में प्रथम चार (04) स्थान प्राप्त किया हो अथवा वह संबंधित एनएसएफ द्वारा आयोजित जूनियर/सीनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप तथा अंतर–विश्वविद्यालय चैंपियनशिप और स्कूल खेल परिसंघ (टीम इवेंट के लिए) में प्रथम चार (04) स्थान प्राप्त किया हो अथवा राज्य खेल संघ (टीम तथा वैयक्ति इवेंट दोनों के लिए) द्वारा आयोजित राज्य चैंपियनशिप में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

अथवा

वे खिलाड़ी जिन्होंने राष्ट्रीय खेल परिसंघ (एनएसएफ) द्वारा आयोजित राष्ट्रीय चैंपियनशिप में भाग लिया

हो, पर अवधारणा हेतू विचार किया जा सकता है।

21 वर्ष की आयु के बाद प्रशिक्षुओं की अवधारणा में छूट केवल उन आपवादित मामलों में डीजी, एसएआई द्वारा दी जा सकती है जहाँ प्रदर्शन के आधार पर औचित्य हो और मजबूत भविष्य की संभावना मौजूद हो।

(vii) **हटाया जाना :**

(क) प्रदर्शन के आशा के अनुसार स्तर को नहीं बनाए रखना

(ख) छह माह से अधिक की अवधि के लिए छठी जो प्रशिक्षण तथा अथवा प्रतिस्पर्धा से रोकती हो।

(ग) डोप, आयु, धोखाधड़ी तथा दुव्यवहार

(viii) प्रवेश प्राप्त करने वाले प्रशिक्षुओं के लिए निगरानी, छमाही वैज्ञानिक मूल्यांकन और शैक्षिक बैकअप :

क) प्रवेश पाने वाले सभी प्रशिक्षुओं का अंतरनिहित खेल सुविधाओं की सेवाओं को शामिल करके अथवा प्रख्यात खेल विज्ञान संस्थाओं की सेवाओं को शामिल करके निकट निगरानी और छमाही वैज्ञानिक मूल्यांकन संस्थागत/क्षेत्रिय प्रमुखों द्वारा किया जाए।

ख) जहाँ तक संभव है प्रवेश पाने वाली प्रतिभा के संबंध में नियमित शैक्षिक दवाब को हटाने के लिए एनआईओएस, मानव संसाधन विकास मंत्रालय तथा इंदिरा गाँधी मुक्त विश्वविद्यालय के तहत राष्ट्रीय ओपन स्कूलिंग प्रणाली स्थापित करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

ग) प्रतिभा को शामिल करना शैक्षिक सत्र के साथ जोड़े जाने के स्थान पर सतत प्रक्रिया होना चाहिए ताकि एसएआई को जहाँ भी प्रतिभा पाई जाए और वह प्रवेश के लिए पात्र हों, उसे प्रवेश दिया जा सके।

वित्तीय मानदंडः

आवासीय प्रशिक्षु :

क्र. सं.	विवरण (प्रति व्यक्ति)	राशि (रुपए में)
1.	खानपान व्यय (प्रति व्यक्ति प्रति दिन) 330 दिनों के लिए गैर पहाड़ी क्षेत्रों हेतु	225.00
2.	330 दिनों के लिए पहाड़ी क्षेत्रों हेतु	200.00
3.	खेल किट (प्रति प्रशिक्षु प्रति वर्ष) (अधिकतम 5000 रूपए)	12000.00
4.	प्रतियोगिता अनुभव (प्रति प्रशिक्षु प्रति वर्ष)	
5.	शिक्षा व्यय (प्रति प्रशिक्षु प्रति वर्ष)	
6.	चिकित्सा व्यय (प्रति प्रशिक्षु प्रति वर्ष)	
7.	बीमा (प्रति प्रशिक्षु प्रति वर्ष)	
8.	अन्य व्यय (प्रति प्रशिक्षु प्रति वर्ष)	

गैर–आवासीय प्रशिक्षुः

क्र. सं.	विवरण	राशि(रुपए में)
1.	खेल किट (प्रति प्रशिक्षु प्रति वर्ष)	4000.00
2.	प्रतियोगिता अनुभव (प्रति प्रशिक्षु प्रति वर्ष)	3000.00
3.	वृतिका (प्रति प्रशिक्षु प्रति वर्ष)	6000.00
4.	बीमा (प्रति प्रशिक्षु प्रति वर्ष)	150.00

वर्तमान में देश में कुल 6626 प्रशिक्षुओं (**4644 लड़के और 1982 लड़कियां**) वाले 59 एसटीसी केंद्र है।

विशेष क्षेत्र खेल स्कीम (एसएजी)

उद्देश्य

विशेष क्षेत्र खेल (एसएजी) योजना का लक्ष्य प्राकृतिक प्रतिभा को आधुनिक प्रतिस्पधी खेलकूद के लिए पहुँच न सकने वाले जनजातीय, ग्रामीण तथा देश के तटवर्तीय क्षेत्रों की प्रतिभा की स्काउटिंग करना तथा खेलों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए उनका पोषण करना है। इस योजना में ऐसे क्षेत्रों/समुदायों से स्वदेशी खेलों तथा मार्शल आर्ट्स की प्रतिभा का पता लगाने की भी परिकल्पना की गई है जो किसी विशिष्ट खेल विधा में उत्कृष्टता के लिए अनुवांशिक रूप से अथवा भूगोलिय रूप से लाभ की स्थिति में हों। इस योजना का मुख्य उद्देश्य 12–18 वर्ष के आयु समूह में दिए गए खेलों में क्षमता वाले व्यक्तियों को प्रशिक्षित करना है।

शामिल खेल विधा

तीरंदाजी, एथलेटिक्स, बैडमिंटन, बासकेटबॉल, बाक्सिंग, केनोईंग, फैनसिंग, फुटबाल, जिमनास्टिक, हॉकी, जूडो, कबड्डी, कराटे, केयाकिंग, रोईंग, सेपकट्रा, निशानेबाजी, तैराकी, टेबलटेनिस, ताइकवांडू, वालीवाल, भारोत्तोलन, कुश्ती और वूषू (24 खेल विधा)।

(i) **आयु :**

(क) वैयक्तिक खेलों में 12–18 वर्ष

(ख) टीम खेलों में 10–14 वर्ष

(ग) अनुवांशिक लाभ वाले बच्चों के लिए 12–14 वर्ष

(ii) **छूट :** तथापि, डीजी एसएआई द्वारा विभिन्न परिक्षणों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर खेलों की विशिष्ट प्रकृति जिसके लिए डीजी एसएआई का पूर्व अनुमोदन आवश्यक होगा, पर ध्यान देते हुए आपवादित मामलों में नीचली तथा उपर की आयु और साथ ही आरंभ किए जाने में छूट दी जा सकती है जो नए इंडक्शन के 25 प्रतिशत खेलों तक सीमित होगी।

प्रशिक्षण में प्रशिक्षु का प्रदर्शन और शामिल किए जाने के समय उपलब्धि को स्पष्ट रूप से दस्तावेजों में दर्ज किया जाता है।

परीक्षण में विफल रहने वाले प्रशिक्षुओं का अनंतिम रूप से चयन किया जाता है और उन्हें बनाए रखने के लिए 6 माह के पश्चात उनका मूल्यांकन किया जाएगा।

परीक्षण परिणाम, विशिष्ट परीक्षा परिणाम और निश्पादन मूल्यांकन रिकॉर्ड को बेस प्रदर्शन के रूप में समुचित रूप से दस्तावेजों में रखा जाना चाहिए ताकि प्रशिक्षु के प्रदर्शन में वृद्धि की आवधिक रूप से तुलना की जा सके।

यूआईडी कार्ड जारी करने और कम्प्यूटर पर डाटा रखने के लिए प्रत्येक प्रशिक्षु को अनन्य पहचान कार्ड (यूआईडी) संख्या आवंटित की जा सकती है।

प्रत्येक व्यक्तिक प्रशिक्षु की प्रशिक्षण डायरी अनिवार्य रूप से रखी जानी चाहिए जिसपर प्रशिक्षु को बनाए रखने अथवा हटाए जाने की प्रक्रिया के समय विचार किया जाएगा।

(iii) एसएआई प्रशिक्षण केन्द्र (एसटीसी) प्रशिक्षुओं के चयन के लिए मानदंड अन्य बातों के साथ–साथ विषेश क्षेत्र खेलों (एसएजी) के लिए भी लागू होंगे। तथापि एसएजी योजना की विशिष्टता को देखते हुए प्रतिभा के दूसरे विषय को शामिल करने के लिए अतिरिक्त गाइडिंग सिद्धांत निम्नानुसार होंगे :–

(क) **भूगोलिय स्थिति** – अधिक ऊँचाई, तटवर्तीय क्षेत्र, द्वीप समूह, बैक वाटर

(ख) **पारंपरिक खेल** – तीरंदाजी, हॉकी, रोईंग, जिमनास्टिक इत्यादि

(ग) **आधुनिक खेल विधाओं के अनुरूप स्वदेशी खेल और मार्शल आर्ट**

(घ) विशिष्ट खेल विधाओं के लिए उचित अंतरविश्ट अनुवांशिक लक्षण उदाहरण नेगरोईड मूल के

सिद्धि, पूर्वोत्तर क्षेत्र के मंगोल, बारमेर, जैसलमेर (राजस्थान) में अप्रत्याशित ऊँचाई, बेगूसराय, खगड़िया, मुंगेर (बिहार) और उत्तर प्रदेश तथा बिहार, पंजाब, हरियाणा और राजस्थान की अनुवांशिक बेल्ट, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और केरल के तटवर्तीय क्षेत्र

(ड.) तथापि, **प्रतिभा स्काउटिंग कार्यक्रम के अंतर्गत खेलों इंडिया ग्रामीण एवं महिला** अंतर जिला और राष्ट्र स्तरीय प्रतिस्पर्धा शामिल की जाएंगी।

(च) **ऊँचाई खोज परियोजना** – नीचे दी गई तालिका के अनुसार :

रोईग, केनोईंग और कयाकिंग

आयु	अधिकतम ऊँचाई	
	लड़कियाँ	लड़के
13 वर्ष	167 सेंटीमीटर	168 सेंटीमीटर
14 वर्ष	171 सेंटीमीटर	169 सेंटीमीटर
15 वर्ष	173 सेंटीमीटर	176 सेंटीमीटर
16 वर्ष	175 सेंटीमीटर	185 सेंटीमीटर
1. लड़कियों के मामले में अनुमानित प्रौढ़ ऊँचाई 175 सेंटीमीटर और लड़कों के लिए 185 सेंटीमीटर है 2. आर्मस स्पैन लड़कियों के मामले मे 6 सेंटीमीटर अधिक और लड़कों के मामले में 10 सेंटीमीटर से अधिक होना चाहिए		

वॉलीबॉल और बास्केटबॉल तथा एथलेटिक्स में कुछ इवेंट –

आयु	अधिकतम ऊंचाई	
	लड़कियां	लड़के
13 वर्ष	171 सेंटीमीटर	172 सेंटीमीटर
14 वर्ष	175 सेंटीमीटर	174 सेंटीमीटर
15 वर्ष	178 सेंटीमीटर	181 सेंटीमीटर
16 वर्ष	180 सेंटीमीटर	186 सेंटीमीटर
1. लड़कियों के मामले में अनुमानित प्रौढ़ ऊँचाई 180 सेंटीमीटर और लड़कों के लिए 190 सेंटीमीटर है		

(च) प्राकृतिक खेल प्रतिभा स्थानीय स्वदेशी खेल और मार्शल आर्टस उत्सव हेतू पारंपरिक खेल उत्सव

गुरू शिष्य परम्परा पर स्वदेशी खेलों और मार्शल आट्र्स का संवर्धन करने वाले कलबों/संस्था को एसएजी विस्तार केन्द्र योजना के तहत अपनाया जा सकता है। उदाहरण के लिए कलारी पयट्टु, सिलमबम और थांग–टा फैनसिंग इत्यादि। जिमनास्टिक तथा पोल वालट के लिए मलखंभ (महाराश्ट्र), पंजाब, झारखंड, उड़ीसा, कुर्ग (कनार्टक) में पारंपरिक हॉकी, लेह लद्दख (जम्मू और कश्मीर) तथा अन्य जनजातीय क्षेत्रों के भाग में तीरंदाजी तथा देश के विभिन्न भागों में कई अन्य आईजीएमए।

(छ) विभिन्न क्षेत्रों में प्रचुर मात्रा में उपलब्ध प्राकृतिक प्रतिभा का पता लगाने के लिए रोईंग प्रतिभा स्काऊटिंग कार्यक्रम आरंभ किया जाएगा। पारंपरिक खेल उत्सवों, पूर्वोत्तर खेलों और ज्ञात प्राकृतिक प्रतिभा क्षेत्र उदाहरण अखिल

भारतीय वनवासी काल्याण आश्रम वार्शिक खेल उत्सव, किल्ला, रायपुर (पंजाब) वार्शिक खेल उत्सव इत्यादि में भाग लेने के लिए एक रोईंग प्रतिभा स्काउटिंग टीम भेजी जा सकती है।

(ज) छह सप्ताह का मूल्यांकन शिविर : उपर उल्लिखित कार्यक्रम के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों से अंतिम रूप से चुने गये खिलाड़ियों के लिए छह सप्ताह का मूल्यांकन शिविर आयोजित किया जाएगा।

(झ) अंतिम चयन और प्रवेश : प्रारंभिक चयन ट्रायल में प्रदर्शन के आधार पर तथा 6 सप्ताह के मूल्यांकन शिविर के पश्चात और परीक्षण के अनुसार अन्य मापदंडों पर विचार करते हुए अंतिम चयन किया जा सकता है।

(iv) **बाद में प्रविष्टि**

वे खिलाड़ी जिन्होंने जिला, राज्य, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पर्धाओं में अपेक्षित प्रदर्शन प्राप्त कर लिया है और परीक्षण, तकनीकी तथा विशिष्ट कौशल परीक्षण सफलता पूर्वक पूरा कर लिया है, वे वर्ष में किसी भी समय शामिल किए जा सकते हैं।

(v) **अवधारणा मापदंड**

(क) चूँकि प्रवेश प्राकृतिक प्रतिभा के आधार पर दिया जाता है इसलिए प्रतिभा को आधुनिक खेल और प्रशिक्षण पद्धति अपनाने के लिए न्यूनतम 2 वर्ष की अवधि के लिए रोका जा सकता है।

(ख) इसके अतिरिक्त शैक्षिक दबाव से बचने के लिए प्रतिभा को राष्ट्रीय ओपन स्कूलिंग प्रणाली में प्रवेश दिया जा सकता है। चूँकि ग्रामीण और जनजातीय बच्चे खेल प्रशिक्षण तथा शैक्षिक प्रदर्शन के दोहरे दबाव का सामना करना कठिन पाते हैं।

(ग) तीन वर्ष के स्थापना और विशिष्ट प्रशिक्षण के पश्चात प्रतिभा को वर्ष के लिए निर्धारित लक्ष्य के अनुसार प्रदर्शन प्रदर्शित करना आरंभ कर देना चाहिए।

(घ) किसी खेल विधा में प्रवेश पाने वाली प्रतिभा को नई खेल विधा के लिए उसके समुचित पाए जाने के आधार पर आवश्यकता होने पर किसी दूसरी खेल विधा में स्थानांतरिक किया जा सकता है।

(vii) **हटाया जाना :**

(क) प्रदर्शन के आशा के अनुसार स्तर को नहीं बनाए रखना

(ख) डोप, आयु, धोखाधड़ी तथा दुव्यवहार

(viii) प्रवेश प्राप्त करने वाले प्रशिक्षुओं के लिए निगरानी, छमाही वैज्ञानिक मूल्यांकन और शैक्षिक बैकअप :

क) प्रवेश पाने वाले सभी प्रशिक्षुओं का अंतरनिहित खेल सुविधाओं की सेवाओं को शामिल करके अथवा प्रख्यात खेल विज्ञान संस्थाओं की सेवाओं को शामिल करके निकट निगरानी और छमाही वैज्ञानिक मूल्यांकन संस्थागत/क्षेत्रिय प्रमुखों द्वारा किया जाए।

ख) जहॉं तक संभव है प्रवेश पाने वाली प्रतिभा के संबंध में नियमित शैक्षिक दवाब को हटाने के लिए एनआईओएस, मानव संसाधन विकास मंत्रालय तथा इंदिरा गॉंधी मुक्त विश्वविद्यालय के तहत राष्ट्रीय ओपन स्कूलिंग प्रणाली स्थापित करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

(ग) प्रतिभा को शामिल करना शैक्षिक सत्र के साथ जोड़े जाने के स्थान पर सतत प्रक्रिया होना चाहिए ताकि एसएआई को जहॉं भी प्रतिभा पाई जाए और वह प्रवेश के लिए पात्र हों, उसे प्रवेश दिया जा सके।

वित्तीय मानदंड

आवासीय प्रशिक्षु :

क्र. सं.	विवरण (प्रति व्यक्ति)	राशि (रुपए में)
1.	खानपान व्यय (प्रति व्यक्ति प्रति दिन) 330 दिनों के लिए गैर पहाड़ी क्षेत्रों हेतु	225.00
2.	330 दिनों के लिए पहाड़ी क्षेत्रों हेतु	200.00
3.	खेल किट (प्रति प्रशिक्षु प्रति वर्ष) (अधिकतम 5000 रूपए)	12000.00
4.	प्रतियोगिता अनुभव (प्रति प्रशिक्षु प्रति वर्ष)	
5.	शिक्षा व्यय (प्रति प्रशिक्षु प्रति वर्ष)	
6.	चिकित्सा व्यय (प्रति प्रशिक्षु प्रति वर्ष)	
7.	बीमा (प्रति प्रशिक्षु प्रति वर्ष)	
8.	अन्य व्यय (प्रति प्रशिक्षु प्रति वर्ष)	

गैर–आवासीय प्रशिक्षुः

क्र. सं.	विवरण	राशि(रुपए में)
1.	खेल किट (प्रति प्रशिक्षु प्रति वर्ष)	4000.00
2.	प्रतियोगिता अनुभव (प्रति प्रशिक्षु प्रति वर्ष)	3000.00
3.	वृतिका (प्रति प्रशिक्षु प्रति वर्ष)	6000.00
4.	बीमा (प्रति प्रशिक्षु प्रति वर्ष)	150.00

वर्तमान में देश में कुल 2182 प्रशिक्षु (1236 लड़के और 946 लड़कियां) वाले 20 एसएजी केंद्र है।

एसटीसी/एसएजी केन्द्रों के विस्तार केन्द्र

उद्देश्य

एसटीसी/एसएजी केन्द्र योजना के विस्तार केन्द्र मूल खेल अवसंरचना वाले स्कूलों और कॉलेजों तथा जिन्होंने अच्छा परिणाम दिया हो, में खेल मानकों के विकास के लिए अधिक कवरेज हेतु स्कूलों तथा कॉलेजों को शामिल करने के लिए आरंभ किए गए थे। 10–18 वर्ष के आयु समूह में प्रशिक्षुओं को नियमित प्रशिक्षण के लिए गैर–आवासीय आधार पर चुना जाता है।

शामिल खेल विधा

तीरंदाजी, एथलेटिक्स, बास्केटबॉल, बैडमिंटन, बाक्सिंग, फुटबॉल, जिमनास्टिक, हैंडबॉल, हॉकी, जूडो, कबड्डी, खोखो, रग्बी, निशानेबाजी, तैराकी, टेबल टेनिस, ताईकवांडू, बॉलीवॉल, भारत्तोलन, कुश्ती और वूशू (21 खेल विधा)।

संस्था का चयन

खेलों में सक्रिय रूप से शामिल स्कूल और कॉलेज जिनके पास पर्याप्त अवसंरचना है, इस योजना के तहत पात्र हैं। संस्था का राष्ट्रीय और अंतराष्ट्रीय खेल व्यक्ति तैयार करने में पिछला इतिहास होना चाहिए।

प्रशिक्षुओं का चयन

योजना के तहत स्कूल/कॉलेज में अधिकतम 20 प्रशिक्षुओं को अपनाया जाता है। नजदीकी स्कूलों/कॉलेजों के छात्रों को भी प्रवेश दिया जा सकता है। प्रशिक्षुओं का चयन (1) क्षेत्रीय निदेशक (एसएआई) अथवा उसके प्रतिनिधि (2) कॉलेज/संस्थान के प्रमुख अथवा उसके प्रतिनिधि (3) संबंधित खेल विधा के स्कूल/कॉलेज के विषेशज्ञ/कोच (4) क्षेत्र के उत्कृष्ट खिलाड़ी को शामिल करते हुए समुचित रूप से गठित समित द्वारा किया जाता है। अप्रत्याशित परिणाम/अपवादित प्रतिभा के मामले में आयु में छुट दी जाती हैं।

इस विस्तार केन्द्रों की निगरानी नजदीकी एसटीसी/एसएजी तथा उन एसएआई क्षेत्रीय केन्द्रों के प्रमुख द्वारा की जाती

हैं जिनके अंतर्गत संबंधित स्कूल/कॉलेज आते हैं। ऐसे केन्द्रों को स्वीकृत करने का अधिकार महानिदेशक, एसएआई को है।

चयन का मापदंड

(i) **आयु :** 10 से 18 वर्ष

(ii) **छूट :** तथापि, डीजी एसएआई द्वारा विभिन्न परिक्षणों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर खेलों की विशिष्ट प्रकृति जिसके लिए डीजी एसएआई का पूर्व अनुमोदन आवश्यक होगा, पर ध्यान देते हुए आपवादित मामलों में नीचली तथा उपर की आयु और साथ ही आरंभ किए जाने में छूट दी जा सकती है जो नए इंडकशन के 25 प्रतिशत तक सीमित होगी।

परीक्षा में प्रशिक्षु के प्रदर्शन तथा इंडक्शन के समय उपलब्धि का दस्तावेज में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया जाना चाहिए।

वे प्रशिक्षु जो बैटरी परीक्षा में विफल होते हैं उनका अनंतिम रूप से चयन किया जाता है और अवधारण के लिए छह माह के पश्चात उनका मूल्यांकन किया जाएगा।

बैटरी परीक्षा परिणाम, विशिष्ट परीक्षा परिणाम तथा प्रवेश के समय विचार किए गए निष्पादन मूल्यांकन रिकॉर्ड को समुचित रूप से दस्तावेजों में बेस निश्पादन के रूप में रखा जाना चाहिए।

यूआईडी कार्ड जारी करने और कम्प्यूटर पर डाटा रखने के लिए प्रत्येक प्रशिक्षु को अनन्य पहचान कार्ड (यूआईडी) संख्या आवंटिक की जा सकती है।

प्रत्येक व्यक्तिक प्रशिक्षु की प्रशिक्षण डायरी अनिवार्य रूप से रखी जानी चाहिए जिसपर प्रशिक्षु को बनाए रखने अथवा हटाए जाने की प्रक्रिया के समय विचार किया जाएगा।

(iii) **चयन का मापदंडः**

स्कूल

(क) **वैयक्ति इवेंट :** सार्वजनिक स्कूल संघ, सीबीएसई, केवीएस, जेएनवी और पायका द्वारा आयोजित जिला चैंपियनशिप, अंतर शैक्षिक संस्था जिला स्तरीय प्रतिस्पर्धा के प्रथम चार स्थानों में से कोई स्थान।

(ख) **टीम खेल :** सार्वजनिक खेल, सीबीएसई, केवीएस, जेएनवी और पायका के संघ द्वारा आयोजित जिला चैंपियनशिप, अंतर शैक्षिक संस्था जिला स्तरीय प्रतिस्पर्धा के विजयेता अथवा द्वितीय स्थान तथा मानदंडों के अनुसार परीक्षा बैटरी के तहत उत्तीर्ण।

कॉलेज

(क) **वैयक्तिक :** विश्वविद्यालय तथा राज्य स्तरीय एसजीएफआई चैंपियनशिप द्वारा आयोजित अंतर कॉलेज चैंपियनशिप, मान्यता प्राप्त राज्य खेल संघों द्वारा आयोजित सब–जूनियर तथा जूनियर राज्य चैंपियनशिप में चौथा स्थान तक प्राप्त किया है।

(ख) **टीम खेल :** सार्वजनिक खेल, सीबीएसई, केवीएस, जेएनवी और पायका के संघ द्वारा आयोजित जिला चैंपियनशिप, अंतर शैक्षिक संस्था जिला स्तरीय प्रतिस्पर्धा के विजयेता अथवा द्वितीय स्थान तथा मानदंडों के अनुसार परीक्षा बैटरी के तहत उत्तीर्ण।

विश्वविद्यालय : वैयक्तिक और टीमः

वे खिलाड़ी जिन्होंने भारतीय विश्वविद्यालय संघ तथा मान्यता प्राप्त राज्य संघ/राष्ट्रीय खेल परिसंघों द्वारा जोनल/राष्ट्रीय चैंपियनशिप में विश्वविद्यालय, राज्य का प्रतिनिधित्व किया है।

(iv) **प्रवेश की पूर्व शर्त**

उपरोक्त दो श्रेणियों में प्रवेश आयु, खेल विधा, इवेंट और भविष्य के संभावना के मूल्यांकन और कई परीक्षणों के परिणाम के आधार पर प्रदर्शन संकेतकों, एंथ्रोपोमिट्रीक माप, मनोचिकित्सीय परीक्षणों के आधार पर किया जाता है और प्रवेश के समय उनका दस्तावेजीकण किया जाता है।

(v) **बाद में प्रविष्टि :**

जो लोग जिला, राज्य, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में वांछित प्रदर्शन कर लेते हैं

और सफलतापूर्वक परीक्षण, तकनीकी और विशिष्ट कौशल परीक्षण संबंधी मोर्चे पर योग्य पाए जाते हैं उन्हें वर्ष के किसी भी समय में शामिल किया जा सकता है।

(vi) **अवधारणा मानदंड :**

प्रवेश प्राप्तकर्ता की धारिता उसके द्वारा अपने प्रवेश से संबंधित प्रदर्शन के न्यूनतम स्तर को बनाए रखने पर और उस वर्ष के लिए निर्धारित प्रदर्शन लक्ष्य की प्राप्ति पर भी निर्भर करेगी।

(vii) **हटाया जाना :**

क प्रदर्शन के अपेक्षित स्तर को न बनाए रखने पर

ख डोप कुरीति, आयु संबंधी धोखाधड़ी, दुराचरण।

(viii) **प्रविष्ट प्रशिक्षुओं की निगरानी, अर्द्धवार्षिक वैज्ञानिक आकलन एवं शिक्षण सहायता:**

क यह सिफारिश की जाती है कि संस्थागत/क्षेत्रीय प्रमुखों द्वारा आंतरिक खेल विज्ञान सुविधाओं की सेवाओं की प्राप्ति द्वारा अथवा विख्यात खेल विज्ञान संस्थानों की सेवाओं की प्राप्ति द्वारा प्रविष्ट प्रशिक्षुओं की अधिकतम निगरानी, अर्द्ध वार्षिक वैज्ञानिक आकलन किया जा सकता है।

ख जहां तक संभव हो, प्रविष्ट प्रतिभाओं पर नियमित शैक्षणिक दबाव द्वारा एनआईओएस, मानव संसाधन विकास मंत्रालय और इंदिरा गांधी मुक्त विश्वविद्यालय के तहत राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा प्रणाली स्थापित करने के प्रयास अवश्यक ही किए जाने चाहिएं।

ग शैक्षणिक सत्र के साथ जोड़ने की बजाय प्रतिभा का प्रवेश एक निरंतर प्रक्रिया होनी चाहिए ताकि भारतीय खेल प्राधिकरण किसी भी प्रतिभा को किसी भी समय सक्षम और प्रवेश के लिए पात्र पाए जाने पर प्रवेश प्रदान कर सके।

घ प्रवेश प्राप्तेकर्ताओं की सामाजिक/कार्य संबंध ाी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विभिन्नव सार्वजनिक क्षेत्रों/सशस्त्र बलों/कॉर्पोरेट के साथ मिलकर ठोस प्रयास किए जाने चाहिएं।

वित्तीय मानदंड :

क्रम संख्या	विवरण	राशि (रुपए में)
1.	खेल किट (प्रति प्रशिक्षु, प्रति वर्ष)	4000.00
2.	प्रतियोगिता जोखिम (प्रति प्रशिक्षु, प्रतिवर्ष)	2000.00
3.	छात्रवृति (प्रत्येकक वर्ष के दौरान प्रति प्रशिक्षु को 10 माह के लिए)	6000.00
4.	बीमा (प्रति प्रशिक्षु, प्रति वर्ष)	150.00
5.	अभिज्ञात संस्थानों में बुनियादी ढांचा और उपकरण संबंधी सहायता, प्रति प्रशिक्षु, 1.00 लाख की अधिकतम सीमा तक	5000.00

वर्तमान में देश में 2098 प्रशिक्षु (1250 लड़के और 848 लड़कियां) वाले 102 एसटीसी/एसएजी केंद्र है।

उत्कृष्टता योजना केंद्र (सीओई)

उद्देश्य

सब जूनियर और जूनियर संबंधी योजनाओं के लिए एक स्वाभाविक उपसिद्धान्त के अनुसार, वर्ष 1997 में उत्कृष्टता केन्द्रों की शुरूआत की गई थी। इस योजना के अंतर्गत, उन खिलाड़ियों को जिन्होंने सीनियर राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में अच्छा प्रदर्शन किया था उन्हें एक वर्ष के दौरान 330 दिनों के लिए भारतीय खेल प्राधिकरण के प्रादेशिक केन्द्रों में भावी उन्नचत वैज्ञानिक प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए प्रवेश की परिकल्पना की गई थी। ये उत्कृष्टता केंद्र भारत में उपलब्ध उत्कृष्ट प्रतिभा के

लिए नियमित कोचिंग शिविरों के रूप में कार्य करते हैं और वे राष्ट्रीय टीमों के लिए प्रतिभा के विस्तृत चयन तथा चयन की निरंतरता और इसके साथ साथ दूसरे और तीसरे स्तर के विकल्प प्रदान करते हुए समान स्तर के संभावित खिलाडी प्रदान करते हैं।

शामिल क्षेत्र

तीरंदाजी, एथलेटिक्स, मुक्केबाजी, साइकिलिंग, तलवारबाजी, जिमनास्टिक, हॉकी, जूडो, कबड्डी, क्याकिंग व कैनोइंग, रोइंग, तैराकी, ताइक्वांडो, वॉलीबॉल, भारोत्तोलन, कुश्ती और वुशु (17 खेल)।

चयन संबंधी मापदंड

(i) **आयु :** 14 से 25 वर्ष।

(ii) **छूट :** तथापि, महानिदेशक, भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा प्रवेश के स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन के असाधारण मामलों में तथा नए प्रवेशकर्ताओं के लिए खेल की विशिष्ट प्रकृति को ध्यान में रखते हुए 25 प्रतिशत तक की संख्या सीमा तक न्यूनतम एवं अधिकतम दोनों आयु सीमाओं व प्रवेश के संबंध में रियायत प्रदान की जा सकती है।

(iii) **चिकित्सीय जांच, और आयु संबंधी सत्यापन :** चिकित्सीय जांच, और आयु संबंधी सत्यापन विशेष रूप से आयु संबंधी धोखाधड़ी के लिए एक प्रभावी निवारक उपाय के रूप में सब जूनियर, जूनियर और सीनियर स्तर की प्रतियोगिताओं में प्रदर्शन के आधार पर प्रवेश की स्थिति में आवश्यक होते हैं।

(iv) **प्रवेश के लिए प्रदर्शन संबंधी मापदंड :**

क व्यक्तिगत स्पर्धाएं : मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय खेल महासंघ द्वारा आयोजित राष्ट्रीय खेलों, राष्ट्रीय चौंपियनशिप में चौथे (04) स्थान तक तथा भारतीय विश्वविद्यालय संघ तथा भारतीय स्कूल खेल परिसंघ द्वारा वर्तमान अथवा प्रवेश संबंधी वर्ष के दौरान आयोजित अंतर विश्वविद्यालय चौंपियनशिपों में तीसरे (03) स्थान तक स्थान प्राप्त किया हो।

अथवा

वे खिलाड़ी जिन्होंने संबंधित अंतर्राष्ट्रीय परिसंघ द्वारा आयोजित किसी भी मान्यता प्राप्त चैम्पियनशिप / टूर्नामेंट में भारत का प्रतिनिधित्व किया हो।

ख **टीम इवेंट :** एक टीम के किसी भी सदस्य, जिन्होंने मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय खेल महासंघ द्वारा आयोजित राष्ट्रीय खेलों, राष्ट्रीय चौंपियनशिप में चौथे (04) स्थान तक तथा भारतीय विश्वविद्यालय संघ तथा भारतीय स्कूल खेल परिसंघ द्वारा वर्तमान अथवा प्रवेश संबंधी वर्ष के दौरान आयोजित अंतर विश्ववविद्यालय चौंपियनशिपों में तीसरे (03) स्थान तक स्थान प्राप्त किया हो।

अथवा

वे खिलाड़ी जिन्होंने संबंधित अंतर्राष्ट्रीय परिसंघ द्वारा आयोजित किसी भी मान्यता प्राप्त चैम्पियनशिप / टूर्नामेंट में किसी दल के रूप में भारत का प्रतिनिधित्व किया हो।

अथवा

वे खिलाड़ी जिन्होंने मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय खेल परिसंघों (एनएसएफज) द्वारा आयोजित राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में भाग लिया हो उन्हें चयन संबंधी प्रकरणों में भाग लेने के लिए विचारित किया जा सकता है।

ग **प्रवेश संबंधी पूर्व शर्त :** उपरोक्त दो श्रेणियों में प्रवेश, प्रदर्शन सूचकों, मानवशास्त्र संबंधी मापों, शारीरिक और मनोवैज्ञानिक परीक्षण तथा आयु, खेल क्षेत्र, खेल कार्यक्रम और भावी क्षमता के मूल्यांकन पर निर्भर करता है।

(v) **अवधारणा मानदंडः**

क प्रवेशकों की धारिता उनके द्वारा प्रदर्शन के उस न्यूनतम स्तर को बनाए रखने पर जिसके आधार पर प्रवेशक को प्रवेश प्रदान किया गया था और इसके अलावा वर्ष के लिए निर्धारित लक्ष्यय की प्राप्ति पर आधारित रहेगी।

ख 25 वर्ष की आयु के पश्चात प्रशिक्षुओं की धारिता में रियायत केवल विशेष मामलों में महानिदेशक, भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा प्रदान की जाएगी, जो प्रदर्शन और सुदृढ़ भावी संभावनाओं के आधार पर न्यायोचित हों।

(vi) **हटाया जाना:**

क प्रदर्शन के अपेक्षित स्तर को न बनाए रखने के कारण।

ख प्रशिक्षण और/अथवा प्रतियोगिता से छह माह से अधिक अवधि के लिए अक्षमता के कारण।

ग डोप कुरीति, आयु संबंधी धोखाधड़ी, दुराचरण।

(vii) प्रविष्ट प्रशिक्षुओं की निगरानी, अर्द्धवार्षिक वैज्ञानिक आकलन एवं शिक्षण सहायता:

क यह सिफारिश की जाती है कि संस्थागत/क्षेत्रीय प्रमुखों द्वारा आंतरिक खेल विज्ञान सुविधाओं की सेवाओं की प्राप्ति द्वारा अथवा विख्यात खेल विज्ञान संस्थानों की सेवाओं की प्राप्ति द्वारा प्रविष्ट प्रशिक्षुओं की अधिकतम निगरानी, अर्द्ध वार्षिक वैज्ञानिक आकलन किया जा सकता है।

ख जहां तक संभव हो, प्रविष्ट प्रतिभाओं पर नियमित शैक्षणिक दबाव द्वारा एनआईओएस, मानव संसाधन विकास मंत्रालय और इंदिरा गांधी मुक्त विश्वविद्यालय के तहत राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा प्रणाली स्थापित करने के प्रयास अवश्य ही किए जाने चाहिएं।

ग शैक्षणिक सत्र के साथ जोड़ने की बजाय प्रतिभा का प्रवेश एक निरंतर प्रक्रिया होनी चाहिए ताकि भारतीय खेल प्राधिकरण किसी भी प्रतिभा को किसी भी समय सक्षम और प्रवेश के लिए पात्र पाए जाने पर प्रवेश प्रदान कर सके।

प्रदान की गई सुविधाएं

सीईओ प्रशिक्षुओं को विशेष प्रशिक्षण के साथ–साथ के साथ साथ अत्याधुनिक सुविधाएं, उपकरण और वैज्ञानिक सहायता प्रदान की जाती हैं। प्रशिक्षुओं को मानदंडों के अनुसार उन्नत प्रकार के आवास व भोजन संबंधी सुविधाएं, खेल किट, खेल उपकरण, प्रतियोगिता जोखिम, बीमा, चिकित्सा व्यय आदि उपलब्ध किए जाते हैं।

वित्तीय मानदंड

आवासीय प्रशिक्षार्थी :

क्रम संख्या	विवरण	राशि (रुपए में)		
		राष्ट्रीय शिविर	पराक्रम रहित खेल	पराक्रम युक्तक खेल
1.	330 दिनों के लिए राष्ट्रीय कैंपर, पराक्रमरहित व पराक्रमयुक्त खेलों के लिए भोजन संबंधी व्यय (प्रतिदिन प्रति शीर्ष)	450	300	350
2.	खेल किट (प्रति प्रशिक्षु, प्रति वर्ष) (अधिकतम 6000/– रुपए)			6000.00
3.	प्रतियोगिता जोखिम (प्रति प्रशिक्षु, प्रतिवर्ष)			6000.00
4.	चिकित्सा व्यय (प्रति प्रशिक्षु, प्रति वर्ष)			2000.00
5.	बीमा (प्रति प्रशिक्षु, प्रतिवर्ष)			150.00
6.	अन्य व्यय (प्रति प्रशिक्षु, प्रतिवर्ष)			850.00

गैर–आवासीय प्रशिक्षार्थी :

क्रम सं.	विवरण	राशि (रुपए में)
1.	खेल किट (प्रति प्रशिक्षु, प्रति वर्ष)	6000.00
2.	प्रतियोगिता जोखिम (प्रति प्रशिक्षु, प्रतिवर्ष)	3000.00
3.	छात्रवृति (प्रति प्रशिक्षु, प्रतिवर्ष)	9000.00
	बीमा (प्रति प्रशिक्षु, प्रतिवर्ष)	150.00

वर्तमान में देश में कुल 415 प्रशिक्षुओं (239 लड़कों और 175 लड़कियों) की संख्या के साथ 15 केंद्र है।

भारतीय खेल प्राधिकरण की राष्ट्रीय खेल अकादमियां

एकल अनुशासन के आधार पर खेलों को बढ़ावा देने के लिए भारतीय खेल प्राधिकरण की खेल प्रोत्साहन योजनाओं के तहत राष्ट्रीय खेल अकादमी (एनएसए) योजना एक नवीनतम प्रस्तुाति है। इसलिए इन खेल अकादमियों को 12–25 वर्ष के आयु समूह में संबंधित खेल अनुशासन में खेल प्रतिभाओं को आकर्शित करने के लिए राष्ट्रीय खेल परिसंघों के सहयोग से भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा स्थापित किया जा रहा है। अकादमी योजना में प्रशिक्षुओं की दैनिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अत्याधुनिक खेल सुविधाओं, उपकरण, अपेक्षित खेल विज्ञान संरचना के साथ साथ योग्य कर्मियों से युक्त आधुनिक प्रशिक्षण केंद्रों की परिकल्पना की गई है। इन खेल अकादमियों में आवासीय और गैर आवासीय दोनों प्रकार के प्रशिक्षु होंगे।

15 राष्ट्रीय खेल अकादमियों को खोलने का निर्णय लिया गया है, तथापि, वर्ष 2015–2016 तक निम्नानुसार 5 राष्ट्रीय खेल अकादमियां कार्यशील थी:

क्र. सं.	खेल	स्थान	
1.	साइक्लिंग	आईजी स्टेडियम	
2.	तैराकी	डा. एसपीएमसी, दिल्ली	
3.	एथलेटिक्स (दौड़ और कूद)	तिरुवनंतपुरम	
4.	एथलेटिक्स (मध्यम दूरी)	भोपाल	
5.	गोल्फ	तिरुवनंतपुरम	
6.	एथलेटिक्स	दिल्ली	
7.	हॉकी	एमडीएनएस, दिल्ली	
8.	क्यू	डा. एसपीएमसी, दिल्ली	
9.	मुक्केबाजी	रोहतक, हरियाणा	
10.	बैडमिंटन	साई पुलेला गोपीचंद अकादमी, हैदराबाद	
11.	फुटबॉल (4 आरएसए)	त्रिवेन्द्रम, दिल्ली, इम्फाल, कोलकाता	
12.	एथलेटिक्स (थ्रो)	रोहतक	वर्ष 2016–17 के दौरान और उससे आगे स्थापित किए जाएंगे
13.	कुश्ती	सोनीपत	
14.	तिरंदाजी	गुवाहाटी / कोलकाता	
15.	शूटिंग	डॉ केएसएसआर	
16.	फुटबॉल	कोलकाता और कोच्चि	
17.	हॉकी	बंगलौर	
18.	वॉलीबॉल	कोच्चि	

शामिल खेल विधाएंः

एथलेटिक्स, बेडमिंटन, बॉक्सिंग, साइकलिंग, क्यू, फुटबाल, गोल्फ, हॉकी और तैराकी (**09** खेल विघा)

चयन संबंधी मापदंड

(i) **आयु :** 12 से 25 वर्ष।

(ii) **छूट :** तथापि, महानिदेशक, भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा प्रवेश के स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन के असाधारण मामलों में तथा नए प्रवेशकर्ताओं के लिए खेल की विशिष्ट प्रकृति को ध्यान में रखते हुए 25 प्रतिशत तक की संख्या सीमा तक न्यूनतम एवं अधिकतम दोनों आयु सीमाओं व प्रवेश के संबंध में रियायत प्रदान की जा सकती है।

(iii) **चिकित्सीय जांच, और आयु संबंधी सत्यापन :** चिकित्सीय जांच, और आयु संबंधी सत्यापन विशेष रूप से आयु संबंधी धोखाधड़ी के लिए एक प्रभावी निवारक उपाय के रूप में सब जूनियर, जूनियर और सीनियर स्तर की प्रतियोगिताओं में प्रदर्शन के आधार पर प्रवेश की स्थिति में आवश्यक होते हैं।

(iv) **प्रवेश के लिए प्रदर्शन संबंधी मापदंड :**

क) **व्यक्तिगत स्पर्धाएं :** मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय खेल महासंघ द्वारा आयोजित राष्ट्रीय खेलों, राष्ट्रीय चौंपियनशिप में चौथे (04) स्थान तक तथा भारतीय विश्वविद्यालय संघ तथा भारतीय स्कूल खेल परिसंघ द्वारा वर्तमान अथवा प्रवेश संबंधी वर्ष के दौरान आयोजित अंतर विश्वशविद्यालय चौंपियनशिपों में तीसरे (03) स्थान तक स्थान प्राप्त किया हो।

अथवा

वे खिलाड़ी जिन्होंने संबंधित अंतर्राष्ट्रीय परिसंघ द्वारा आयोजित किसी भी मान्यता प्राप्त चैम्पियनशिप/ टूर्नामेंट में भारत का प्रतिनिधित्व किया हो।

ख) **टीम इवेंट :** एक टीम के किसी भी सदस्य, जिन्होंने मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय खेल महासंघ द्वारा आयोजित राष्ट्रीय खेलों, राष्ट्रीय चौंपियनशिप में चौथे (04) स्थान तक तथा भारतीय विश्वविद्यालय संघ तथा भारतीय स्कूल खेल परिसंघ द्वारा वर्तमान अथवा प्रवेश संबंधी वर्ष के दौरान आयोजित अंतर विश्ववविद्यालय चौंपियनशिपों में तीसरे (03) स्थान तक स्थान प्राप्त किया हो।

अथवा

वे खिलाड़ी जिन्होंने संबंधित अंतर्राष्ट्रीय परिसंघ द्वारा आयोजित किसी भी मान्यता प्राप्त चैम्पियनशिप / टूर्नामेंट में किसी दल के रूप में भारत का प्रतिनिधित्व किया हो।

अथवा

वे खिलाड़ी जिन्होंने मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय खेल परिसंघों (एनएसएफज) द्वारा आयोजित राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में भाग लिया हो उन्हें चयन संबंधी प्रकरणों में भाग लेने के लिए विचारित किया जा सकता है।

ग) **प्रवेश संबंधी पूर्व शर्त :** उपरोक्त दो श्रेणियों में प्रवेश, प्रदर्शन सूचकों, मानवशास्त्र संबंधी मापों, शारीरिक और मनोवैज्ञानिक परीक्षण तथा आयु, खेल क्षेत्र, खेल कार्यक्रम और भावी क्षमता के मूल्यांकन पर निर्भर करता है।

(v) **अवधारणा मानदंडः**

क) प्रवेशकों की धारिता उनके द्वारा प्रदर्शन के उस न्यूनतम स्तर को बनाए रखने पर जिसके आधार पर प्रवेशक को प्रवेश प्रदान किया गया था और इसके अलावा वर्ष के लिए निर्धारित लक्ष्य की प्राप्ति पर आधारित रहेगी।

ख) 25 वर्ष की आयु के पश्चात प्रशिक्षुओं की धारिता में रियायत केवल विशेष मामलों में महानिदेशक, भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा प्रदान की जाएगी, जो प्रदर्शन और सुदृढ़ भावी संभावनाओं के आधार पर न्यायोचित हों।

(vi) **हटाया जाना :**

क) प्रदर्शन के अपेक्षित स्तर को न बनाए रखने के कारण।

ख) प्रशिक्षण और/ अथवा प्रतियोगिता से छह माह से अधिक अवधि के लिए अक्षमता के कारण।

ग) डोप कुरीति, आयु संबंधी धोखाधड़ी, दुराचरण।

(vii) प्रविष्ट प्रशिक्षुओं की निगरानी, अर्द्धवार्षिक वैज्ञानिक आकलन एवं शिक्षण सहायताः

क) यह सिफारिश की जाती है कि संस्थागत/ क्षेत्रीय प्रमुखों द्वारा आंतरिक खेल विज्ञान सुविधाओं की सेवाओं की प्राप्ति द्वारा अथवा विख्यात खेल विज्ञान संस्थानों की सेवाओं की प्राप्ति द्वारा प्रविष्ट प्रशिक्षुओं की अधिकतम निगरानी, अर्द्धवार्षिक वैज्ञानिक आकलन किया जा सकता है।

ख) जहां तक संभव हो, प्रविष्ट प्रतिभाओं पर नियमित शैक्षणिक दबाव द्वारा एनआईओएस, मानव संसाधन विकास मंत्रालय और इंदिरा गांधी मुक्त विश्वविद्यालय के तहत राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा प्रणाली स्थापित करने के प्रयास अवश्य ही किए जाने चाहिए।

ग) शैक्षणिक सत्र के साथ जोड़ने की बजाय प्रतिभा का प्रवेश एक निरंतर प्रक्रिया होनी चाहिए ताकि भारतीय खेल प्राधिकरण किसी भी प्रतिभा को किसी भी समय सक्षम और प्रवेश के लिए पात्र पाए जाने पर प्रवेश प्रदान कर सके।

प्रदान की गई सुविधाएं

सीईओ प्रशिक्षुओं को विशेष प्रशिक्षण के साथ साथ अत्याधुनिक सुविधाएं, उपकरण और वैज्ञानिक सहायता प्रदान की जाती हैं। प्रशिक्षुओं को मानदंडों के अनुसार उन्नत प्रकार के आवास व भोजन संबंधी सुविधाएं, खेल किट, खेल उपकरण, प्रतियोगिता जोखिम, बीमा, चिकित्सा व्यय आदि उपलब्ध किए जाते हैं।

वित्तीय मानदंड

आवासीय प्रशिक्षार्थी :

क्र. सं.	विवरण	राशि (रुपए में)		
1.		राष्ट्रीय शिविर	पराक्रमरहित खेल	पराक्रमयुक्त खेल
2.	330 दिनों के लिए राष्ट्रीय कैंपर, पराक्रमरहित व पराक्रमयुक्त खेलों के लिए भोजन संबंधी व्यय (प्रतिदिन प्रति वर्ष)	450	300	350
3.	खेल किट (प्रति प्रशिक्षु, प्रति वर्ष) (अधिकतम 6000/– रुपए)			6000.00
4.	प्रतियोगिता जोखिम (प्रति प्रशिक्षु, प्रतिवर्ष)			6000.00
5.	चिकित्सा व्यय (प्रति प्रशिक्षु, प्रति वर्ष)			2000.00
6.	बीमा (प्रति प्रशिक्षु, प्रतिवर्ष)			150.00
7.	अन्य व्यय (प्रति प्रशिक्षु, प्रति वर्ष)			850.00

गैर–आवासीय प्रशिक्षार्थी :

क्रम संख्या	विवरण	राशि (रुपए में)
1.	खेल किट (प्रति प्रशिक्षु, प्रति वर्ष)	6000.00
2.	प्रतियोगिता जोखिम (प्रति प्रशिक्षु, प्रतिवर्ष)	3000.00
3.	छात्रवृति (प्रति प्रशिक्षु, प्रति वर्ष)	9000.00
4.	बीमा (प्रति प्रशिक्षु, प्रतिवर्ष)	150.00

वर्तमान में कुल 504 प्रशिक्षुओं (375 लड़के और 129 लड़कियां) की कुल संख्या वाली 15 अकादमियां है।

भारतीय खेल प्राधिकरण के क्षेत्रीय केंद्र / उप–केन्द्र

भारतीय खेल प्राधिकरण के क्षेत्रीय केंद्र / उप–केन्द्र देश भर में इसकी खेल संवर्द्धन योजनाओं और शैक्षणिक कार्यक्रमों के लिए कार्यान्वयन एजेंसियां हैं।

उद्देश्य और कार्य

- अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए कोचिंग शिविरों का संचालन करना और राष्ट्रीय टीमों को सहायता प्रदान करना
- भारतीय खेल प्राधिकरण और भारत सरकार की प्रदेशों में खेल संवर्द्धन योजनाओं को कार्यान्वित करना व उनकी निगरानी करना
- एनएसएनआईएस पटियाला में भारतीय खेल प्राधिकरण के शैक्षिक स्कांध के सहयोग से कोचिंग में डिप्लोमा पाठ्यक्रम का संचालन करना
- रिफ्रेशर कोर्स का आयोजन करते हुए कोचों की तकनीकी क्षमता बढ़ाना और ज्ञानवर्द्धन करना
- शारीरिक शिक्षा शिक्षकों के लिए रिफ्रेशर पाठ्यक्रम कोर्स का आयोजन करना
- ज्ञान वृद्धि के माध्यम से खेलों में उत्कृष्टता प्राप्तन करने के संबंध में सभी संबद्धों को संगठनात्मक सहायता, प्रलेखन और खेल विज्ञान से संबंधित जानकारी प्रदान करना
- अन्य संगठनों / खेल निकायों, राज्य सरकारों / संघ शासित प्रदेशों के प्रशासनों के संबंध स्थापित करना तथा खेल से संबंधित विषयों की जानकारी प्रदान करना
- विभिन्न आयु समूहों के बीच खेल प्रतिभा की पहचान करना और उन्हें अपने प्रदर्शन में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए संवारना तथा
- खिलाडियों को उच्च स्तरीय प्रदर्शन प्राप्त करने के लिए वैज्ञानिक सहायता प्रदान करना।

1. एसएआई नेताजी सुभाष पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र (एनएसईसी), कोलकाता

एसएआई पूर्वी केंद्र की स्थापना कोलकाता के साल्ट लेक सिटी में 23 जनवरी 1983 को की गई थी। केंद्र, बिहार, झारखंड, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा और अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह में एसएआई योजनाओं के कार्यान्वपयन व निगरानी के लिए उत्तरदायी है।

अवसंरचना / खेलने से संबंधित सुविधाएं

यह केंद्र 42 एकड़ क्षेत्र में फैला हुआ है, जिसमें निम्नलिखित सुविधाएं हैं:

केंद्र में उपलब्ध खेल और प्रशासनिक सुविधाएं निम्नाहनुसार संलग्न की गई हैं:

(i) **आउटडोर**

क्रम संख्या	खेलों के लिए बुनियादी ढांचे	प्रकार	संख्या
1.	घातक रूप से गिरने के लिए गड्ढे	फोमयुक्त गड्ढे	01
2.	लॉन टेनिस कोर्ट	हार्ड	02
		क्लेड	03
3.	हॉकी का मैदान	एस्ट्रो टर्फ	01
		घासयुक्त	01

4.	हैंडबाल ग्राउंड		01
5.	तीरंदाजी फील्ड	घासयुक्त	01
6.	फुटबॉल का मैदान	घासयुक्त	02
7.	वॉलीबॉल कोर्ट	सिंडर	02
8.	बास्केटबॉल कोर्ट	कंक्रीट	04
9.	स्विमिंग पूल परिसर	50 मीटर गुणा 25 मीटर	01
10.	एथलेटिक ट्रैक 400 मीटर	फ्लड लाइट सहित सिंथेटिक ट्रैक	01
11.	क्रिकेट का मैदान	–	01
12.	कबड्डी का मैदान	–	02

(ii) **इंडोर**

क्रम संख्या	**खेलों के लिए बुनियादी ढांचे**	**प्रकार**	**संख्या**
1.	खेलों का मण्डप (इंडोर प्रशिक्षण केन्द्र)	लकड़ी के फर्श – बास्केटबॉल, जिमनास्टिक्स, हैंडबाल, बैडमिंटन, वालीबाल, टेबल टेनिस और अन्य आंतरिक खेलों के लिए	01
		आधुनिक उपकरणों से युक्त कंडीशनिंग हॉल	01
		ध्यान कक्ष	01
2.	मुक्केबाजी हॉल		01
3.	जूडो हॉल		––

(iii) **छात्रावास और अन्य सुविधाएं**

क्रम संख्या	**खेलों के लिए बुनियादी ढांचे**	**संख्या**
1.	लड़कों के लिए 80 बिस्तरयुक्त छात्रावास	01
2.	लड़कियों के लिए 40 बिस्तरयुक्त छात्रावास	01
3.	40 बिस्तरयुक्त मिलेनियम छात्रावास	01
4.	राष्ट्रीय कैंपरों के लिए 200 बिस्तरयुक्त छात्रावास	01
5.	सम्मेलन कक्ष और केंद्रीय भण्डार के साथ प्रशासनिक ब्लॉक	
6.	निगरानी सेल के साथ नियमित डिप्लोमा और सर्टिफिकेट कोर्स के लिए शैक्षणिक ब्लॉक	01
7.	खेल विज्ञान केन्द्र	01
8.	गेस्ट हाउस	07 कक्ष
9.	क्षेत्रीय निदेशक का बंगला	01
10.	स्टाफ आवास	18
11.	अत्याधुनिक कंडीशनिंग हॉल तथा स्वास्थ्य लाभ इकाई	01

शैक्षणिक कार्यक्रमः

वर्ष के दौरान, इस केंद्र में निम्नलिखित शैक्षिक कार्यक्रम आयोजित किए गए थे:—

(i) वर्ष 2017—18 के दौरान तीरंदाजी, एथलेटिक्स, मुक्केबाजी, क्रिकेट और फुटबॉल विषयों में 1 वर्षीय खेल कोचिंग डिप्लोमा पाठ्यक्रम आयोजित किए गए थे।

(ii) 15 मई से 25 जून 2017 तक विभिन्न खेल विधाओं में छह सप्ताह प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम।

2. एसएआई नेताजी सुभाष दक्षिणी केंद्र (एनएसएससी), बंगलौर

दक्षिणी केंद्र की स्थापना श्री कांतिरावा स्टेडियम, बंगलौर में 13 अप्रैल, 1974 को की गई थी और तत्पश्चात इसे 29 जुलाई 1985 को इसके वर्तमान स्थान ज्ञान भारती परिसर, बंगलौर विश्वविद्यालय, मैसूर रोड, बैंगलोर पर स्थानांतरित कर दिया गया था। बेंगलुरू स्थित एनएसएससी आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और तेलंगाना राज्यों में एसएआई खेल संवर्द्धन योजनाओं को लागू करने व निगरानी करने के लिए जिम्मेदार है।

संरचना / खेलने से संबंधित सुविधाएं

यह केंद्र 80.2 एकड़ क्षेत्र में फैला हुआ है, जिसमें निम्नलिखित सुविधाएं हैं:

(क) **आउटडोर सुविधाएं:**

क्रम संख्या	खेलों के लिए बुनियादी ढांचे	प्रकार	संख्या
1.	एथलेटिक्स ट्रैक (400 मीटर)	सिंथेटिक सिंडर	01 01
2.	बास्केटबॉल कोर्ट	कंक्रीट	02
3.	फुटबॉल मैदान	टर्फ	01
4.	हॉकी	पोलीग्रास एस्ट्रोटर्फ	01 01
5.	खो—खो कोर्ट	क्ले	02
6.	कबड्डी कोर्ट	क्ले	02
7.	टेनिस कोर्ट	क्ले सीमेंटेड	05 01
8.	वॉलीबॉल कोर्ट	सिंडर बालूयुक्त	03 01
9.	स्विमिंग पूल (मुख्य डाइविंग सुविधाओं के साथ)	50 मीटर x 21 मीटर	01
10.	तैराकी पूल (लर्नर)	25 मीटर x 21 मीटर	01
	गोल्फ कोर्स (नौ छिद्र)	—	01

11.	शूटिंग रेंज	10 मीटर 25 मीटर रेंज 50 मीटर रेंज ट्रैप और स्कीट रेंज	01 01 01 01

(ख) **इंडोर सुविधाएं**

परिसर – I			
खेल क्षेत्र	आयाम	खेल, जिसे खेला जा सकता है	मैदानों की संख्या
बहुउद्देशीय इंडोर हॉल–1	45 × 35 × 20 मीटर	वॉली बॉल बास्केट बॉल हेन्डबोल बैडमिंटन	02 02 01 06
बहुउद्देशीय इंडोर हॉल–2	40 × 15 × 15 मीटर	बैडमिंटन जिमनास्टिक	04 01
भारोत्तोलन	20 × 20 × 7.5 मीटर	प्रतियोगिता हॉल प्रशिक्षण कक्ष	01 01
सामान्य कंडीशनिंग हॉल	20 × 20 × 7.5 मीटर	कंडीशनिंग	01
परिसर – II			
बहुउद्देशीय इंडोर हॉल–1	30 × 20 × 7.5 मीटर	तायक्वोंडो कबड्डी	01 01
बहुउद्देशीय इंडोर हॉल–2	20 × 15 × 5 मीटर	बाक्सिंग	01
बहुउद्देशीय इंडोर हॉल–3	20 × 15 × 5 मीटर	अत्याधुनिक कंडीशनिंग हॉल	01

छात्रावास और अन्य भवनः

क्र.सं.	**सुविधाओं का विवरण**	**संख्या**
1.	राष्ट्रीय कैंपरों के लिए 198 बिस्तरयुक्त छात्रावास	01
2.	सीओई/एसटीसी/डिप्लोमा के लिए 196 बिस्तरयुक्त छात्रावास	01
3.	महिलाओं के लिए 80 बिस्तरयुक्त छात्रावास	01
4.	प्रख्यात खिलाड़ी पुरुषों के लिए 100 बिस्तरयुक्त छात्रावास	01
5.	प्रख्यात खिलाड़ी महिलाओं के लिए 100 बिस्तरयुक्त छात्रावास	01
6.	स्वास्थ्य केंद्र	01
7.	प्रशासनिक/शैक्षिक भवन	01

8.	शॉपिंग परिसर	01
9.	खेल विज्ञान भवन	01
10.	अतिथि गृह	01
11.	स्टाफ क्वार्टर	91
12.	स्टाफ क्लब हाउस	01
13.	गेस्ट फ्लैट्स	12
14.	ऑडिटोरियम	01
15.	सम्मेलन कक्ष	01
16.	सेमीनार कक्ष	01

II. शैक्षिक कार्यक्रम:

भारतीय खेल प्राधिकरण, एन एस दक्षिणी केंद्र, बंगलौर द्वारा डिप्लोमा पाठ्यक्रम, प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम और अन्य खेल संबंधी पाठ्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

1. विभिन्न खेल विधाओं में 17 मई से 14 जून, 2017 तक 6 सप्ताह का प्रमाण–पत्र पाठ्यक्रम
2. खेल कोचिंग में डिप्लोमा पाठ्यक्रम

लक्ष्य और उद्देश्य

1. उच्च स्तर के कोच तैयार करना
2. सेवाकालीन कोचों के लिए पुनश्चर्या पाठ्यक्रमों का संचालन करना
3. शारीरिक शिक्षा अध्यापकों और अन्यों के लिए खेल कोचिंग में 6 सप्ताह के प्रमाण–पत्र पाठ्यक्रम का संचालन करना।
4. सेमीनार, सम्मेलन और क्लीनिकों का आयोजन करना
5. शारीरिक शिक्षा अध्यापकों के लिए विशेष पाठ्यक्रम आयोजित करना
6. कार्यशालाएं और सेमीनार आयोजित करना

भारतीय खेल प्राधिकरण का दक्षिणी केंद्र निम्नलिखित का संचालन करता है:

i) 10 माह की अवधि का खेल कोचिंग में डिप्लोमा पाठ्यक्रम जिसके पश्चात् 2 माह की इंटर्नशिप

ii) शारीरिक शिक्षा अध्यापकों के लिए वृहत भागीदारी के अंतर्गत 6 सप्ताह का प्रमाण–पत्र पाठ्यक्रम

iii) भारतीय खेल प्राधिकरण के सेवाकालीन कोचों और अन्य संगठनों के कोचों के लिए प्रोन्नत/पुनश्चर्या पाठ्यक्रम

iv) खेल विज्ञान में लघु अवधि पाठ्यक्रम

v) कार्यशालाएं और सेमीनार

III. राष्ट्रीय कोचिंग कैंप

वर्ष भर आधुनिक मौसम अनुकूल परिस्थितियों द्वारा अनुपूरित साई, एनएसएससी, बंगलौर अपनी वृहत अवसंरचना, वैज्ञानिक बैकअप की उपलब्धता के कारण विभिन्न स्तर पर राष्ट्रीय कोचिंग कैंपों के संचालन के लिए मुख्य क्षेत्रीय केंद्र बन गया है। ओलंपिक्स, एशियाई खेल, राष्ट्रमंडल खेल और विश्व कप तथा विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए तैयारी में विभिन्न खेल विधाओं में अधिकांश राष्ट्रीय कोचिंग कैंप इस केंद्रक्षेत्र में आयोजित किए जाते हैं।

आयोजित राष्ट्रीय कोचिंग कैंपों का विवरण:

क्र.सं.	खेल विधा	कैंपों की संख्या
1.	एथलेटिक्स	16
2.	बैडिमिंटन	13
3.	बिलियर्ड	01
4.	बास्केबाल	01

5.	फुटबाल	01
6.	हैंडबाल	01
7.	हॉकी (पुरुष) जूनियर और सीनियर	15
8.	हॉकी (महिला) जूनियर और सीनियर	12
9.	हॉकी पुनर्वास कैंप	02
10.	जूडो	01
11.	पैरा ओलंपिक	06
12.	रोइंग	07
13.	कुल	**76**

3. साई नेताजी सुभाष पश्चिमी केंद्र (एनएसड.ब्ल्यूसी), गांधीनगर

साई के पश्चिमी क्षेत्रीय मुख्यालय की स्थापना सेक्टर–15, गांधीनगर में स्थित खेल परिसर में गांधीनगर, गुजरात में की गई थी जिसे साई द्वारा दीर्घावधि लीज आधार [99 वर्षों के लिए] पर गुजरात सरकार को हस्तांतरित कर दिया गया था। साई पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र का उद्‌घाटन गुजरात और राजस्थान राज्यों को शामिल करते हुए पश्चिमी क्षेत्र में साई की खेल संवर्धन योजनाओं के कार्यान्वयन के उद्देश्य से 29 अगस्त, 1987 को किया गया था।

1987 में गुजरात की राज्य सरकार ने एक 300 बिस्तरयुक्त खेल छात्रावास भवन (वर्ष 1968 में निर्मित), पृथक डाइविंग पूल (1975 में निर्मित) के साथ एक 50 मीटर का तैराकी पूल, 400 मीटर सिंडर एथलेटिक ट्रेक, एक स्क्वेश कोर्ट, तीन टेनिस कोर्ट, 2 फुटबाल मैदान, 3 सीमेंटेड बास्केबाल कोर्ट, चार कबड्डी कोर्ट, एक खो–खो कोर्ट, एक वॉलीबाल कोर्ट, एक क्रिकेट खेल मैदान, 3 हैंडबाल कोर्ट और एक ट्यूबल के साथ साई को 64 एकड़ क्षेत्र वाला खेल परिसर सौंपा गया।

20 जुलाई, 2010 को साई एनएसडब्ल्यूसी खेल परिसर में 7.5 एकड़ भूमि सेक्टर–15, गांधी नगर के नजदीक महात्मा मंदिर परियोजना के विकास के लिए 64 एकड़ में से गुजरात की राज्य सरकार को सौंपी गई थी। अतिथि गृह (साई सदन), तैराकी पूल फिल्ट्रेशन प्लान और चारदीवारी के भाग को गिराया गया था।

गुजरात सरकार ने अपनी वचनबद्धता के अनुसार गिराये गए ढांचे के एवज में एक नए तैराकी पूल (आकार 50 मीटर गुणा 25 मीटर गुणा 2.00 मीटर), अधिगम पूल, नए अतिथि गृह और चार दीवारी के भाग का निर्माण किया। गुजरात सरकार ने महात्मा मंदिर परियोजना के विकास के समय वापस ली गई भूमि के एवज में सेक्टर–25 में 7.5 एकड़ भूमि भी सौंपी।

सेक्टर 25 में चार दीवारी के निर्माण के प्रस्ताव को 1.20 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत पर स्वीकृति प्रदान की गई हैं जो सीपीडब्ल्यूडी के माध्यम से निर्माणाधीन है।

उपरोक्त के अतिरिक्त सेक्टर–25 में पैरा केंद्र की स्थापना के प्रस्ताव पर भी 50.00 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत पर विचार किया जा रहा है जिसके लिए सीपीडब्ल्यूडी गांधीनगर से प्रारंभिक अनुमान प्राप्त हो गए हैं और युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, भारत सरकार को नई दिल्ली में सचिव, एमवाईएएस, भारत सरकार के साथ 17.03.2017 को आयोजित बैठक के कार्यवृत्तों के अनुसार आगे अनुमोदन हेतु भेजे गए हैं।

वर्तमान में उपलब्ध अवसंरचना

1. सिंथेटिक एथलेटिक ट्रेक (रि–लेड–2010)
2. 03 बास्केटबाल कोर्ट (सीमेंटेड)
3. 02 इंडोर बैंडमिंटन कोर्ट
4. क्रिकेट खेल मैदान (04 सीमेंट और 04 टर्फ पिचों के साथ)
5. एक फुटबाल घास का मैदान
6. एक जिम्नास्टिक हॉल
7. सिंथेटिक हॉकी मैदान – एस्ट्रोटर्फ (2009 में पुनः बिछाया गया)
8. 04 हैंडबाल कोर्ट (03 क्ले और 01 बालू)

9. 04 कबड्डी कोर्ट (03 क्ले और एक बालू)
10. 01 खो–खो कोर्ट
11. 50 मीटर अंतर्राष्ट्रीय स्तर के तैराकी पूल और प्रशिक्षु पूल
12. 04 वालीबाल कोर्ट
13. 03 टेनिस कोर्ट (क्ले कोर्ट प्रयोग में नहीं)
14. 01 कुश्ती हॉल
15. बहुद्देशीय प्रशिक्षण हॉल (इंडोर)
16. 200 बिस्तरयुक्त छात्रावास – लड़के
17. 200 बिस्तरयुक्त छात्रावास – लड़कियां
18. प्रशानिक भवन
19. आरडी आवास सहित अतिथि कक्ष (प्रथम तल)

2010 सीडब्ल्यूजी के अंतर्गत सृजित नई अवसंरचना

1. राष्ट्रीय कैंपरों के लिए 100 बिस्तुरयुक्त छात्रावास (प्रख्यात छात्रावास)
2. आधुनिक फिटनेस केंद्र
3. खेल विज्ञान केंद्र
4. योग कक्ष

II. **शैक्षिक कार्यक्रम**

भारतीय खेल प्राधिकरण, एनएस दक्षिणी केंद्र बंगलौर डिप्लोमा पाठ्यक्रम, प्रमाण–पत्र पाठ्यक्रम और खेलों से संबंधित अन्य पाठ्यक्रमों का संचालन करता है।

1. विभिन्न खेल विधाओं में 17 मई से 24 जून, 2017 तक 6 सप्ताह का प्रमाण–पत्र पाठ्यक्रम
2. खेल कोचिंग में डिप्लोमा पाठ्यक्रम

4. साई उधव दास मेहता (भाई जी) केंद्रीय केंद्र, भोपाल

भारतीय खेल प्राधिकरण, नेताजी सुभाष केंद्रीय केंद्र की स्थापना सब जूनियर/जूनियर खेल प्रतिभाओं को उच्चतम स्तर तक उत्कृष्टता के विकास हेतु चरणबद्ध और वैज्ञानिक तरीके से पोषण करने के लिए अप्रैल, 1988 में की गई थी। 5 राज्य नामतः दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड और छत्तीसगढ़ इसके क्षेत्राधिकार में थे। वर्ष 2000 में शासी निकाय द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार साई केंद्रीय क्षेत्रीय केंद्र को **6 जून, 2001** में भोपाल में स्थानांतरित कर दिया गया है।

दिनांक 18 मार्च, 2002 के शासी निकाय के निर्णय के अनुसार इस केंद्र को 17 अप्रैल, 2002 को "उधव दास मेहता (भाई जी) केंद्रीय क्षेत्रीय केंद्र" के रूप में पुनः नामित किया गया था।

भोपाल में साई खेल परिसर 97 एकड़ में फैला है और यह भूमि मध्य प्रदेश की सरकार द्वारा दी गई थी। इस केंद्र को सितंबर, 2005 में से क्रियाशील बनाया गया था, इसमें 144 बिस्तरयुक्त छात्रावास, एस्ट्रोटर्फ हॉकी मैदान (2), बहुद्देशीय हॉल, 400 मीटर सिंडर एथलेटिक्स ट्रेक, बास्केटबाल, वालीबाल, फुटबाल मैदान है।

साई केंद्रीय केंद्र का कार्यालय शामला हिल्स से साई खेल परिसर में स्थानांतरित कर दिया गया है और इसने 2007 से साई खेल परिसर, ग्राम–गोरा, बिशनखेड़ी, भोपाल से कार्य करना आरंभ कर दिया है।

शासी निकाय के राज्यों के पुनर्वितरण संबंधी निर्णय 2009 के अनुसार उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड का प्रशासनिक नियंत्रण साई नेताजी सुभाष उप केंद्र, लखनऊ का आबंटित कर दिया गया है। बाकी तीन राज्य अर्थात् मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और दिल्ली साई उधव दास मेहता (भाई जी) केंद्रीय क्षेत्रीय केंद्र, भोपाल के पास हैं। इसके अतिरिक्त, साई मुख्यालय, नई दिल्ली की अधिसूचना के अनुसार दिल्ली राज्य को भी साई उत्तरी क्षेत्रीय केंद्र, सोनीपत के साथ जोड़ा गया है और तदनुसार साई केंद्रीय क्षेत्रीय केंद्र, भोपाल में 2 राज्य हैं अर्थात् मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़।

1. **सीआरसी भोपाल में उपलब्ध अवसंरचना**

केंद्र में निम्नलिखित सुविधाएं उपलब्ध हैं जो राष्ट्रीय

कोचिंग कैंपों, सीओई, एनएए और एसटीसी/एसएजी स्कीमों की आवश्यकताओं को पूरा कर रहे हैं।

- **खेल मैदान सुविधाएं:–**

  i. सिंथेटिक हॉकी मैदान (दो), फ्लडलाइट सुविधा के साथ एक नीला टर्फ और खिलाड़ियों के सुविधा भवन तथा घास का हॉकी मैदान

  ii. 03 बास्केबाल सीमेंटेड कोर्ट (आउटडोर)

  iii. फैंसिंग के साथ 03 वालीबाल (क्ले)

  iv. एक घासयुक्त फुटबाल मैदान

  v. घास के फुटबाल मैदान के साथ सिंडर एथलेटिक ट्रेक (400 मीटर)

  vi. जॉगिंग ट्रेक (2.7 किलोमीटर)

  vii. मैपल वुड फ्लोरिंग के साथ बहुद्देशीय हॉल (2 बड़े और 2 छोटे हॉल) वुशु क्षेत्र (संसाउ और ताओला)/कबड्डी क्षेत्र/ताइकबांडू/जूडो क्षेत्र, बॉक्सिंग रिंग 03 और एक मल्टीजिम के साथ।

  viii. सिंथेटिक एथलेटिक ट्रेक

  ix. आउटडोर सेंड बॉक्सिंग रिंग

- **छात्रावास:**

  i) 144 बिस्तरयुक्त डोरमेट्री छात्रावास (मुख्य हॉस्टल संख्या 1)

  ii) वातानुकुलित सुविधा के साथ 52 बिस्तरयुक्त (महिला) छात्रावास (छात्रावास संख्या 2)

  iii) वातानुकुलित सुविधा के साथ 52 बिस्तरयुक्त (पुरुष) छात्रावास (छात्रावास संख्या 3)

  iv) एसी सुविधाओं के साथ 48 बिस्तरयुक्त छात्रावास

  v) 32 आवासीय क्वार्टर (16 टाइप–II, 16 टाइप–III), 04 अतिथि गृह (टाइप–IV) और आवासीय बंगला – 01 (टाइप–V)

- **अन्य अवसंरचना सुविधाएं**

  i) खेल विज्ञान केंद्र

  ii) आधुनिक फिटनेस केंद्र और योग केंद्र

  iii) प्रशासनिक ब्लॉक

  iv) चेंजिंग कक्ष

  v) सुविधा शॉपिंग केंद्र

  vi) अपरिष्कृत जल ट्रीटमेंट के लिए फिल्ट्रेशन प्लान

  vii) सिंथेटिक एथलेटिक ट्रेक के लिए अप्रोच रोड और पार्किंग

  viii) बिलियर्ड कक्ष, टेबल टेनिस हॉल, हाई मास्ट सिक्युरिटी लाइटिंग

  ix) सोना बाथ 10 सीटर

- **प्रगतिरत कार्य**

  1. नए बिछाये गए सिंथेटिक एथलेटिक ट्रेक में चेंजिंग कक्ष सह स्टोर सह कार्यालय
  2. राष्ट्रीय कैंपरों के लिए 100 बिस्तर युक्त छात्रावास
  3. तैराकी पूल (25 मीटर गुणा 16 मीटर)
  4. मैदान संख्या 2 सीआरसी भोपाल में सिंथेटिक हॉकी सर्फेस बिछाना
  5. 04 – IV क्वार्टर (अतिथि गृह) का नवीकरण
  6. छात्रावास –III का नवीकरण
  7. बहुद्देशीय हॉल की छत की लीकेज की मरम्मत

- **राष्ट्रीय कोचिंग कैंप**

  साई केंद्रीय क्षेत्रीय केंद्र, भोपाल में 2016–17 के दौरान भारत तथा विदेशों में विभिन्न अन्य अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं की तैयारी के लिए विभिन्न राष्ट्रीय कोचिंग कैंपों का आयोजन किया गया था। विधा–वार आयोजित कैंप निम्नानुसार है:

क्र.सं.	खेल विधा	कैंपों की संख्या
1.	बॉक्सिंग	02
2.	हॉकी	01
3.	कायाकिंग एवं केनोइंग	11
4.	पारा क्ले शूटिंग	01
5.	रोइंग	02
6.	टेबल टेनिस	02

7.	वुशू	04
8.	कुल	23

5. साई चौधरी देवी लाल उत्तरी क्षेत्रीय केंद्र, सोनीपत

1. साई एनआरसी, सोनीपत का संक्षिप्त परिचय

जिला सोनीपत में जीटी रोड (भालगढ़ के नजदीक) में स्थित भारतीय खेल प्राधिकरण, चौधरी देवी लाल उत्तरी क्षेत्रीय केंद्र चंडीगढ़–दिल्ली राजमार्ग पर 83 एकड़ भूमि में फैला है। इसमें अंतर्राष्ट्रीय स्तर की खेल प्रशिक्षण अवसंरचना अर्थात् प्रशासनिक ब्लॉक, एसी और गैर–एसी छात्रावास, दो बड़े इंडोर बहुद्देशीय हॉल, तैराकी पूल, घासयुक्त और सिंथेटिक एथलेटिक्स ट्रेक, घासयुक्त और सिंथेटिक हॉकी मैदान, तीरंदाजी, फुटबाल, वालीबॉल, बास्केटबॉल, कबड्डी मैदान और खेल विज्ञान केंद्र तथा आवासीय क्वार्टर इत्यादि हैं। यह हरियाणा राज्य में विशेषकर कुश्ती, मुक्केबाजी, तीरंदाजी और कबड्डी की विधाओं में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों को तैयार करने के लिए साई/एमवाईएएस का सर्वाधिक सम्मानित केंद्र है।

2009 से इस केंद्र की साई द्वारा कुश्ती संभाव्यों की प्रशिक्षण, विभिन्न प्रख्यात अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भागीदारी के लिए भारतीय टीमों की तैयारी हेतु एक हब के रूप में पहचान की गई है। इस केंद्र ने ओलंपिक पदक विजेता जैसे कि कुश्ती में श्री सुशील कुमार और श्री योगेश्वर दत्त, बॉक्सिंग में विजेन्दर सिंह, तीरंदाजी (कंपाउंड) में अभिषेक वर्मा तैयार किए हैं। इसके अतिरिक्त, कुश्ती, हॉकी, कबड्डी, तीरंदाजी, साइकलिंग, बॉक्सिंग की विधाओं में बड़ी संख्या में खिलाड़ी है जिन्होंने उत्तरी क्षेत्रीय केंद्रों में विभिन्न ईकाइयों में प्रशिक्षण देते हुए अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्टता प्राप्त की है।

I. अवसरंचना/खेल सुविधाएं

साई चौधरी देवी लाल उत्तरी क्षेत्रीय केंद्र, सोनीपत में निम्नलिखित सुविधाएं उपलब्ध हैः

(क) आउटडोर

क.सं.	खेल अवसंरचना	टाइप	संख्या
1.	तीरंदाजी मैदान	70 मीटर	01
2.	एथलेटिक ट्रेक	सिंथेटिक (अधिग्रहित किया जाना शेष है) घासयुक्त	01 01
3.	बास्केटबाल कोर्ट	सीमेंटेड	02
4.	बॉक्सिंग	इंडोर हॉल	01
5.	फुटबाल मैदान	घास	01
6.	हॉकी मैदान	सिंथेटिक घासयुक्त	01 01
7.	हैंडबाल	घासयुक्त	01
8.	जूडो इंडोर हॉल		01
9.	कबड्डी कोर्ट	कीचड़	01
10.	फुटबाल मैदान	घासयुक्त	01
11.	वालीबाल मैदान	क्ले रेत	01 01

(ख) इंडोर

क.सं.	खेल अवसंरचना	टाइप	संख्या
1.	बहुउद्देशीय इंडोर हॉल - I	06 कुश्ती मेट, टेको जिम, सोना बाथ, स्टीम बाथ और आइस चिलर बाथ के लिए सुविधाओं सहित	01
2.	बहुउद्देशीय हॉल – II	04 कुश्ती मेट, सोना बाथ, जाकूजी हेतु सुविधाओं सहित	01
3.	मल्टी जिम	आधुनिक उपकरण सहित	01

(ग) छात्रावास और अन्यं सुविधाएं :

क्र.सं.	विवरण	संख्या
1.	90 बिस्तरयुक्त बालक छात्रावास	01
2.	90 बिस्तरयुक्त बालिका छात्रावास	01
3.	200 बिस्तरयुक्त छात्रावास	01
4.	प्रशासनिक कार्यालय	01
5.	सम्मेलन कक्ष	01
6.	स्टाफ क्वाटर	35
7.	अतिथि कक्ष	01
8.	खेल विज्ञान केंद्र	01
9.	स्वास्थ्य केंद्र	01
10.	तैराकी पूल	02

6. चंडीगढ़ में एसएआई क्षेत्रीय केंद्र

भारतीय खेल प्राधिकरण, क्षेत्रीय केंद्र, चंडीगढ़ को मार्च, 2009 के महीने में भालगढ़, सोनीपत से चंडीगढ़ में स्थानांतरित कर दिया गया था।

वर्तमान में इस केंद्र का अपना स्वयं का परिसर नहीं है और यह केवल कार्यालय उद्देश्य के लिए हॉकी स्टेडियम, सेक्टर–42, चंडीगढ़ में संघ राज्य क्षेत्र प्रशासन द्वारा प्रदत्त स्थान से चल रहा है।

इस क्षेत्रीय केंद्र का प्रशासनिक अधिकार क्षेत्र पंजाब, हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर राज्य तथा संघ राज्य क्षेत्र चंडीगढ़ है।

पंजाब सरकार ने भारतीय खेल प्राधिकरण के पूर्ण क्षेत्रीय केंद्र की स्थापना के लिए जिरकपुर में 73 बीघा 06 बिसवा भूमि प्रदान की है। निगम परिसर, जिरकपुर, साई और निदेशक (खेल), पंजाब सरकार के बीच 19 नवंबर, 2013 को समझौता ज्ञापन निष्पादित किया गया है।

7. एसएआई नेताजी सुभाष पूर्वोत्तर क्षेत्रीय केन्द्र, इम्फाल

भारत के पूर्वोत्तर राज्यों में खेल क्षेत्र की प्रतिभाओं की उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए, प्रशिक्षण शिविरों और डिप्लोमा का संचालन करने से संबंधित खेल सुविधाएं प्रदान करने के लिए पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए दिनांक 15 सितम्बर 1986 को टाकील, इम्फाल में नेताजी सुभाष राष्ट्रीय खेल प्रादेशिक केंद्र संस्थान की स्थापना की गई थी। यह केंद्र मणिपुर, मिजोरम और नगालैंड राज्यों में एसएआई खेल प्रोत्साहन योजनाओं के कार्यान्वयन और निगरानी के लिए जिम्मेदार है।

I. संरचना / खेल क्षेत्र संबंधी सुविधाएं

64 एकड़ क्षेत्र को कवर करते भूखंड पर स्थाबपित इस केंद्र में निम्नलिखित सुविधाएं हैं :

(क) आउटडोर

क्रम संख्या	खेल संबंधी बुनियादी सुविधाएं	प्रकार	संख्या
1	हॉकी के मैदान	घासयुक्त	01
2	फुटबॉल के मैदान	घासयुक्त	03
3	एथलेटिक क्षेत्र	घासयुक्त	01
4	हैंडबाल कोर्ट	आउटडोर	01
5	तीरंदाजी मैदान	घासयुक्त	01
6	बास्केटबॉल कोर्ट		01
7	वॉलीबॉल कोर्ट		02
8	रोइंग नहर		01
9	लॉन टेनिस कोर्ट		03
10	कबड्डी कोट घासयुक्तो	घासयुक्त	01
11	सेपिक टक्रा कोर्ट आउटडोर	आउटडोर	01
12	तायक्वोंडो		01
13	शूटिंग रेंज		01
14	तैराकी और डाइविंग पूल		01
15	जिमनैजियम		01

(ख) इंडोर

क्रम संख्या	खेल संबंधी बुनियादी सुविधाएं	प्रकार	संख्या
1	बहुउद्देशीय हॉल (हैंडबाल, कबड्डी, बाड़ लगाना प्लेटफार्म, सेपिक टाक्रा और ताइक्वांडो के लिए सुविधाएं)	54.6 × 30 × 12.5 मीटर	04
2	भौतिक पुनर्वास और खेल चिकित्सा सुविधाओं को तैयार करना		03
3	मुक्केबाजी रिंग, एक मल्टी जिम और कुछ भारोत्तोलन प्रशिक्षण उपकरणों के लिए (दीमापुर में) स्थापित इनडोर हॉल		01

(ग) छात्रावास और अन्य सुविधाएंः

क्रम संख्या	विवरण	संख्या
1	100 बिस्तरयुक्त बालक छात्रावास (एसटीसी इम्फाल में) 50 बिस्तरयुक्त बालिका छात्रावास (एसएआई टाकिल में) 80 बिस्तरयुक्त छात्रावास (एसएजी उत्लौ में) 175 बिस्तरयुक्त छात्रावास	01 01 01 01

2	डायनिंग हॉल	01
3	मनोरंजन हॉल	01
4	कार्यालय कक्ष (लघु)	01
5	स्टाफ क्वार्टर, टाइप–5	27
6	गेस्ट हाउस	01
7	प्रशासनिक ब्लॉक	01

8. एसएआई क्षेत्रीय केंद्र, लखनऊ

भारतीय खेल प्राधिकरण, नेताजी सुभाष उप केंद्र, लखनऊ की स्थापना वर्ष 2004 में लखनऊ में की गई थी। इस केंद्र का उद्घाटन 23 फरवरी, 2004 को भारत के माननीय प्रधानमंत्री, श्री अटल बिहारी वाजपेयी (भारत रत्न) द्वारा की गई थी। वर्तमान परिसर उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रदत्त 52 एकड़ भूमि में फैला है। इस केंद्र में खिलाड़ियों की प्रबुद्ध श्रेणी के लिए आवश्यक सभी आधुनिक अवसंरचना, खेल सुविधाएं उपलब्ध हैं।

यह केंद्र मार्च, 2009 तक केंद्रीय केंद्र भोपाल के अधिकार क्षेत्र के तहत था। **भोपाल के बटवारे के पश्चात् यह केंद्र 1 अप्रैल, 2009 से स्वतंत्र रूप से कार्य कर रहा है।**

फरवरी, 2013 में इस केंद्र को दो राज्यों अर्थात् उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड जो देश की लगभग 22 प्रतिशत जनसंख्या की आवश्यकता को पूरा करते हैं, के अधिकार क्षेत्र के साथ एक स्वतंत्र क्षेत्रीय केंद्र के रूप में अधिसूचित किया गया था। साई क्षेत्रीय केंद्र को सभी श्रेणियों और अन्य विधा जूडो, हैंडबाल, कबड्डी, टेबल टेनिस में विशेषकर महिला कुश्ती हेतु राष्ट्रीय कोचिंग कैंपों के आयोजन के लिए नोडल केंद्र के रूप में अधिसूचित किया गया था।

I. संरचना / खेल क्षेत्र संबंधी सुविधाएं

65 एकड़ क्षेत्र में फैले इस केंद्र में निम्नलिखित सुविधाएं निहित हैं :

(क) आउटडोर

क्रम संख्या	खेल संबंधी बुनियादी सुविधाएं	प्रकार	संख्या
1.	एथलेटिक ट्रेक 400 मीटर	सिंथेटिक	01
2.	एथलेटिक ट्रेक 200 मीटर	सेंड	01
3.	हॉकी फील्ड	सिंथेटिक सतह	01
4.	हॉकी के मैदान	घासयुक्त	01
5.	फुटबाल मैदान	घासयुक्त	01
6.	वॉलीबॉल मैदान	क्ले	02
7.	कबड्डी मैदान	क्ले	02
8.	बास्केटबॉल कोर्ट	सीमेंट युक्त	02
9.	हैंडबाल कोर्ट	घासयुक्त	01
10.	खो–खो मैदान	घासयुक्त	02
11.	क्रिकेट की पिचें	सीमेंटयुक्त	02
12.	तैराकी पूल	50 मी. x 25 मी.	01

(ख) छात्रावास और अन्य सुविधाएं

क्रम संख्या	विवरण	संख्या
1	80 बिस्तरयुक्त छात्रावास (बालक)	01
2	80 बिस्तरयुक्त छात्रावास (बालिका)	01
3	राष्ट्रीय कैंपरों के लिए 100 बिस्तरयुक्त छात्रावास	01
4	प्रशासनिक ब्लॉक	01
5	बहुउद्देशीय हॉल	01
6	बॉक्सिंग हॉल	01
7	तायक्वोंडो हॉल	01
8	जूडो हॉल	01
9	फिटनेस केंद्र	01
10	योग/तायक्वांडो हॉल	01
11	खेल चिकित्सा केंद्र	01
12	चिकित्सा केंद्र	01
13	स्टाफ क्वार्टर	11
14	चेंज रूम	01
15	स्टीम बाथ	01
16	सोना बाथ	01

9. एसएआई क्षेत्रीय केंद्र, गुवाहाटी

पूर्वोत्तर क्षेत्र में खेलों और खेल कूद को बढ़ावा देने के दृष्टिकोण से, भारतीय खेल प्राधिकरण ने 1987 में एसएआई नॉर्थ ईस्ट क्षेत्रीय केन्द्र, इम्फाल के तहत गुवाहाटी में अपने उप केंद्र की स्थापना की थी। एसएआई के क्षेत्रीय उप केंद्र, गुवाहाटी की आधारशिला वर्ष 1987 में श्रीमती मारग्रेट अल्वा, पूर्व युवा मामला और खेल मंत्री, भारत सरकार द्वारा रखी गई थी। जनवरी वर्ष 2013 में उप केंद्र, गुवाहाटी को क्षेत्रीय केंद्र, गुवाहाटी के रूप में प्रौन्नत कर दिया गया। विभिन्न् एसएआई प्रोत्साहन योजनाएं चार पूर्वी राज्यों नामतः असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम, जो इस केन्द्र के प्रशासनिक अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत आते हैं, में प्रचालनरत हैं।

I. संरचना / खेल क्षेत्र संबंधी सुविधाएं

9.3 एकड़ क्षेत्र में फैले इस केंद्र में निम्नलिखित सुविधाएं निहित हैं :

क. आउटडोर

क्रम संख्या	खेल संबंधी बुनियादी सुविधाएं	प्रकार	संख्या
1	एथलेटिक ट्रैक 400 मीटर	सिंथेटिक	01
2	मुक्केबाजी शेड	–	01
3	टेनिस कोर्ट	सिंथेटिक	02
4	फुटबॉल का मैदान	–	01

ख. इंडोर

क्रम संख्या	खेल संबंधी बुनियादी सुविधाएं	प्रकार	संख्या
1	बहुउद्देशीय हॉल	52 मीटर × 25 मीटर	01
2	बहु जिम तथा भारोत्तोलन के लिए लघु हॉल	25 मीटर × 15 मीटर	01

ग. छात्रावास और अन्य सुविधाएं:

क्रम संख्या	विवरण	संख्या
1	82 बिस्तरयुक्त बालिका छात्रावास	01
2	68 बिस्तरयुक्त बाल छात्रावास	01
3	खेल विज्ञान यूनिट	01
4	ग्रैंड स्टैंड–सह–प्रशासनिक ब्लॉक	01
5	कार्यालय कक्ष	02
6	डायनिंग हॉल	01
7	मनोरंजन हॉल	01

10. एसएआई क्षेत्रीय केंद्र, मुंबई

मुंबई में खेल प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना वर्ष 1989 में महाराष्ट्र में खेलों की समग्र पदोन्नति और विकास के प्राथमिक उद्देश्यों से की गई थी। खेल छात्रावास की स्थापना के लिए एसएआई को परिसर और अन्य सुविधाएं सौंपने के लिए भारतीय खेल प्राधिकरण और महाराष्ट्र सरकार के बीच 31 अगस्त 1989 को एक समझौते को निष्पादित किया गया था। साई आरसी मुम्बई ने जून, 2015 से महाराष्ट्र, गोवा राज्यों और दमन एवं दीव तथा दादर नगर हवेली संघ राज्य क्षेत्रों के साथ स्वतंत्र रूप से कार्य करना आरंभ कर दिया है। 29 अप्रैल, 2016 को महाराष्ट्र सरकार ने भारतीय खेल प्राधिकरण, नेताजी सुभाष दीन दयाल उपाध्याय क्षेत्रीय केंद्र खोलने के लिए नागपुर में 140 एकड़ भूमि सौंपी है। पीडब्ल्यूडी नागपुर ने नए क्षेत्रीय केंद्र की स्थापना के लिए परियोजना ली है। वर्ष 2016–17 में निम्नलिखित नए केंद्र खोले गए हैः

- राजकीय कॉलेज दमन में विस्तार केंद्र
- विस्तार केंद्र श्री हनुमान व्यायाम प्रसारक मंडल, अमरावती
- अखाड़ी, जोग महाराज व्यायामशाला, पुणे
- अखाड़ा, हर हर महादेव, धुले

1 संरचना / खेल क्षेत्र संबंधी सुविधाएं

37 एकड़ क्षेत्र में फैले इस केंद्र में निम्नलिखित सुविधाएं निहित हैं :

क्रम संख्या	खेल संबंधी बुनियादी सुविधाएं	संख्या
1	बालकों के लिए छात्रावास भवन	02
2	बालिकाओं के लिए छात्रावास भवन	01
3	स्वास्थ्य केंद्र	01
4	डायनिंग हॉल / मैस / रसोई	01
5	सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक 400 मीटर	01

6	एस्ट्रोक– टर्फ हॉकी फील्ड	01
7	जूडो हॉल	01
8	मुक्केबाजी अखाडा	01
9	स्क्वैश कोर्ट	01
10	सिंथेटिक सतह आउटडोर बास्केटबॉल कोर्ट	01
11	हैंडबाल अखाड़ा (एक कोर्ट) क्ले	01
12	कबड्डी के मैदान (2 कोर्ट) क्ले	01
13	प्रशासनिक ब्लॉक	01
14	लॉन टेनिस क्ले कोर्ट	01
15	टेबल टेनिस हॉल	01
16	स्टाफ क्वार्टर	04
17	कुश्ती हॉल	01

II. पूरा किए गए/प्रगतिरत अवसंरचना कार्य

- साई डब्ल्यूटीसी औरंगबाद में सिंथेटिक हॉकी सर्फेस का निर्माण प्रगतिरत
- साई आरसी मुम्बई में चारदीवारी का निर्माण प्रगतिरत
- साई आरसी मुम्बई में अतिरिक्त कक्षों के साथ लड़कों के छात्रावास का नवीकरण प्रगतिरत
- साई, डब्ल्यूटीसी औरंगाबाद में तैराकी पूल का निर्माण प्रगतिरत
- साई आरसी मुम्बई में नई विद्युत तारों को बिछाने और पुरानी विद्युत तारों को हटाने का कार्य प्रगतिरत
- एसटीसी औरंगाबाद में बहुद्देशीय हॉल का नवीकरण पूर्ण
- औरंगाबाद में लड़कों के छात्रावास का नवीकरण पूर्ण
- साई एसटीसी मुम्बई में 12 स्नान गृहों की मरम्मत/नवीकरण पूर्ण

III. शैक्षिक कार्यक्रम

- साई डब्ल्यूटीसी औरंगाबाद में 10 विधाओं में 16 मई, 2016 से 24 जून, 2017 तक 6 सप्ताह के प्रमाण–पत्र पाठ्यक्रम कार्यक्रम 2017–18 का आयोजन किया गया

भारतीय खेल प्राधिकरण के शैक्षणिक संस्थान

दो शैक्षणिक संस्थान, खेल कोचिंग और शारीरिक शिक्षा के क्षेत्र में एक–एक, नामतः नेताजी सुभाष राष्ट्रीय खेल संस्थान (एनएसएनआईएस), पटियाला और लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा कॉलेज (एलएनसीपीई), तिरुवनंतपुरम में एसएआई के तहत कार्य कर रहे हैं।

1 नेताजी सुभाष राष्ट्रीय खेल संस्थान, पटियाला

राष्ट्रीय खेल संस्थान का उद्घाटन 7 मई 1961 को देश में व्यवस्थित और वैज्ञानिक खेल कोचिंग के एक युग का सूत्रपात करने के लिए किया गया था। वर्ष 1973 में, यह संस्थान नेताजी सुभाष चंद्र बोस की स्मृति को समर्पित किया गया था। वर्ष 1987 में एसएआई और स्निप्सो के विलय के पश्चाात, यह संस्थान भारतीय खेल प्राधिकरण का शैक्षणिक स्कंाध बन गया। इसे एशिया का एक प्रमुख खेल संस्थान माना जाता है। यह संस्थान मोती बाग पैलेस, पटियाला (पंजाब) में स्थित है। संस्थान का कुल क्षेत्रफल 268 एकड़ है।

संस्थान के लक्ष्य और उद्देश्य

- खेल कोचिंग, खेल विज्ञान और अन्य संबंधित क्षेत्रों में लघु और दीर्घावधि के शैक्षिक पाठ्यक्रम आयोजित करने के लिए।
- कोचों के लिए पुनश्चर्या पाठ्यक्रम के आयोजन के माध्यम से कोचों की क्षमता बढ़ाना।
- अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए प्रख्यात खिलाड़ियों हेतु राष्ट्रीय कोचिंग कैंपों का आयोजन
- उच्च स्तरीय कार्य निष्पादन की उपलब्धि के लिए अभिजात वर्ग के खिलाड़ियों को वैज्ञानिक बैक–अप प्रदान करना।
- खेल संबंधित विषयों पर सम्मेलनों, सेमिनारों और कार्यशालाओं का आयोजन करना।
- विशेषज्ञों के माध्यम से खेल के बुनियादी ढांचे से संबंधित जानकारी और परामर्श का एक स्रोत के रूप में सेवा प्रदान करना।
- साई की खेल सवंर्द्धन योजनाओं को लागू करना।
- एमवाईएएस की खेल संवर्धन योजनाओं की राष्ट्रीय स्तरीय प्रतियोगिताओं का आयोजन।
- भारत सरकार की खेल संवर्धन योजनाओं की राष्ट्रीय स्तरीय प्रतियोगिताओं में खेल प्रतिभा की निखारने हेतु पहचान।

I. शैक्षणिक कार्यक्रम

1. खेल कोचिंग में डिप्लोमा पाठ्यक्रम

संस्थान द्वारा पटियाला में एक वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम का संचालन किया गया और बंगलौर, कोलकाता तथा तिरुवनंतपुरम के तीन शैक्षिक उप केंद्र है।

पटियाला में खेल कोचिंग पाठ्यक्रम में अट्ठारह खेल विधाओं में डिप्लोमा का आयोजन किया जा रहा है जैसे कि एथलेटिक्स, बास्केटबाल, बॉक्सिंग, क्रिकेट, साइकलिंग, फैंसिंग, फुटबाल, जिमनास्टिक, हैंडबाल, हॉकी, जूडो, तैराकी, टेबल टेनिस, वालीबॉल, भारोत्तलन, कुश्ती, वुशू और योग। कुल मिलाकर विभिन्न साई केंद्रों में 2 माह की अनिवार्य इंटर्नशिप के लिए 261 छात्रों को भेजा गया है।

सत्र 2017–18 के लिए साई एनएसएनआईएस के लिए खेल कोचिंग में डिप्लोमा पाठ्यक्रम के लिए 1329 आवेदन पत्र प्राप्त हुए। 978 अभ्यर्थियों को प्रवेश परीक्षा और साक्षात्कार के लिए बुलाया गया। अभ्यर्थी 03.07.2017 को परीक्षा तथा साक्षात्कार के लिए रिपोर्ट करेंगे। 330 प्रशिक्षु खेल कोचिंग में डिप्लोमा पाठ्यक्रम का अध्ययन कर रहे हैं।

बंगलौर में 10 खेल विधाओं जैसे कि एथलेटिक्स, बैडमिंटन, हॉकी, कबड्डी, खो–खो, सॉफ्टबॉल, तैराकी, तायक्वांडो, टेनिस और वालीबॉल में खेल कोचिंग पाठ्यक्रम में डिप्लोमा का आयोजन किया जा रहा है। कुल मिलाकर 125 छात्रों को प्रवेश दिया गया।

कोलकाता में खेल कोचिंग पाठ्यक्रम में डिप्लोमा तीरंदाजी, एथलेटिक्त, बॉक्सिंग, क्रिकेट और फुटबाल की पांच खेल विधाओं में दिया जा रहा है। कुल मिलाकर 103 छात्रों को प्रवेश दिया गया।

तिरुवनंतपुरम में रोइंग, क्याकिंग और केनोइंग में कोचिंग में डिप्लोमा संचालित किया जा रहा है। कुल मिलाकर तिरुवनंतपुरम में इस कोचिंग पाठ्यक्रम में 12 छात्रों को प्रवेश दिया गया।

समग्र रूप से 570 छात्र 26 खेल विधाओं में डिप्लोमा पाठ्यक्रम में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं।

2. खेल कोचिंग में एम.एससी.

यह दो वर्षीय डिग्री पाठ्यक्रम पंजाब विश्वविद्यालय, पटियाला के साथ संबद्ध है, इसका संचालन संस्थान द्वारा केवल पटियाला केंद्र में ही किया जाता है। वर्ष 2017–2019 के लिए एथलेटिक्स और तैराकी की दो खेल विधाओं में एम.एससी. खेल कोचिंग में आठ छात्र अध्ययन कर रहे हैं। 2017 तक एम.एससी. खेल कोचिंग में 208 अभ्यर्थी उत्तीर्ण हुए हैं। खेल कोचिंग में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम वर्ष 1979 में 10 खेल विधाओं में आरंभ किया गया था।

3. खेल कोचिंग में प्रमाण–पत्र पाठ्यक्रम

संस्थान द्वारा साई के विभिन्न शैक्षिक केंद्रों रूसाई

एनआईएस, पटियाला, साई, एनएसएससी, बंगलौर, साई एनएसईसी, कोलकाता, साई एलएनसीपीई, तिरुवनंतपुरम, पश्चिमी केंद्र, गांधी नगर, स्वर्णिम गुजरात विश्वविद्यालय परिसर, गांधी नगर, साई एनएस पश्चिमी केंद्र, औरंगाबाद, साई, उत्तरी केंद्र, सोनीपत, साई राष्ट्रीय बॉक्सिंग अकादमी, रोहतक, नेताजी सुभाष क्षेत्रीय केंद्र, लखनऊ (उत्तर प्रदेश), साई प्रशिक्षण केंद्र, हैदराबाद, एएन विश्वविद्यालय, गुंटूर (आंध्र प्रदेश), एसआरएम विश्वविद्यालय, कांचीपुरम (तमिलनाडु), बनारस हिंदु विश्वविद्यालय, वाराणसी (उत्तर प्रदेश), केआईआईटी विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर और सिंघानिया विश्वविद्यालय, झुनझुनू (राजस्थान) में 16 मई से 24 जून, 2017 तक मास एजूकेशन प्रोग्राम के तहत खेल कोचिंग में 6 सप्ताह के प्रमाण–पत्र पाठ्यक्रम का आयोजन किया। कुल मिलाकर उपरोक्त केंद्रों में 1601 छात्रों ने इन पाठ्यक्रमों में भाग लिया।

साई एनआईएस, पटियाला में 9 खेल विधाओं में प्रमाण–पत्र पाठ्यक्रमों का संचालन किया गया और 194 प्रशिक्षुओं को प्रवेश दिया गया। इसका ब्यौरा निम्नानुसार हैः

क्र.सं.	**खेल विधा**	**छात्रों की संख्या**
1.	क्रिकेट	33
2.	फेंसिंग	13
3.	हॉकी	23
4.	जूडो	21
5.	तैराकी	20
6.	टेबल टेनिस	19
7.	कुश्ती	29
8.	वुशू	22
9.	योगा	14
कुल		194

194 प्रशिक्षुओं में से दो प्रशिक्षुओं ने व्यक्तिगत कारणों से पाठ्यक्रम छोड़ दिया।

192 प्रशिक्षुओं ने सफलतापूर्वक पाठ्यक्रम पूरा किया। संस्थान द्वारा विभिन्न साई केंद्रों/विश्वविद्यालयोंः साई एनएस पश्चिमी केंद्र, औरंगाबाद, साई राष्ट्रीय बॉक्सिंग अकादमी, रोहतक, एसआरएम विश्वविद्यालय, कांचीपुरम (तमिलनाडु), केआईआईटी, विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर और सिंघानिया विश्वविद्याल, झुनझुनू (राजस्थान) में 18 दिसंबर, 2017 से 25 जनवरी, 2018 तक मास एजूकेशन प्रोग्राम के तहत खेल कोचिंग में 6 सप्ताह के प्रमाण–पत्र पाठ्यक्रम का भी संचालन किया। 598 छात्रों ने पाठ्यक्रम में भाग लिया।

1	80 अभ्यर्थियों ने प्रधानमंत्री पैकेज के अंतर्गत 02.03.2017 से 29.04.2017 तक जम्मू और कश्मीर में खिलाड़ियों/कोचों तथा शारीरिक शिक्षा अध्यापकों के लिए आठ सप्ताह के विशेष प्रमाण–पत्र पाठ्यक्रम को पूरा किया।
2	156 कोचों ने 03.05.2017 से 06.05.2017 तक स्पोर्ट्स फॉर लाइफ कनाडा द्वारा आयोजित कोचों के लिए 4 दिवसीय प्रशिक्षण एवं उन्मुखीकरण कार्यक्रम में भाग लिया।
3	45 साई कोचों ने 10.05.2017 से 24.05.2017 तक कौशल विकास खेल विज्ञान पाठ्यक्रमों को पूरा किया।
4	07 अभ्यर्थियों ने 10.06.2017 से 06.06.2017 तक पूल तैराकी में लाइफ गार्ड के लिए 4 सप्ताह के कौशल विकास कार्यक्रम को पूरा किया।
5	12 अभ्यर्थियों ने 15.05.2017 से 19.05.2017 तक कौशल विकास कार्यक्रम पाठ्यक्रम के अंतर्गत 5 दिवसीय जिम प्रबंधन पाठ्यक्रम पूरा किया।

6	7 अभ्यर्थियों ने 10.05.2017 से 23.05.2017 तक कौशल विकास कार्यक्रम के अंतर्गत खेल परियोजना/इवेंट प्रबंधन पाठ्यक्रम पूरा किया।
7	18 अभ्यर्थियों ने 10.05.2017 से 30.05.2017 तक कौशल विकास कार्यक्रम पाठ्यक्रम के तहत स्पोर्ट्स मसाज पाठ्यक्रम पूरा किया।
8	06 अभ्यर्थियों ने 10.05.2017 से 06.06.2017 तक कौशल विकास कार्यक्रम के अंतर्गत पूल तैराकी में लाइफ गार्ड पाठ्यक्रम पूरा किया।
9	21.06.2017 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। लगभग 900 (राष्ट्रीय कैंपरों, प्रमाण–पत्र प्रशिक्षुओं, एसटीसी, छात्रों, कोचों और स्टाफ सदस्यों) ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस में भाग लिया।
10	30 अभ्यर्थियों ने 24.07.2017 से 06.08.2017 तक राज्य कोचों के लिए दो सप्ताह के कौशल विकास खेल विज्ञान पाठ्यक्रम पूरा किया।
11	25 अभ्यर्थियों ने 08.08.2017 से 11.08.2017 तक दो सप्ताह उड़ीसा पुलिस के विशेष शारीरिक परिस्थिति पाठ्यक्रम (टीओटी) पूरा किया।
12	25 अभ्यर्थियों ने 18.07.2017 से 31.07.2017 तक दो सप्ताह उड़ीसा पुलिस के विशेष शारीरिक परिस्थिति पाठ्यक्रम (टीओटी) पूरा किया।
13	25 अभ्यर्थियों ने 08.08.2017 से 11.08.2017 तक दो सप्ताह उड़ीसा पुलिस के विशेष शारीरिक परिस्थिति पाठ्यक्रम (टीओटी) पूरा किया।
14	46 साई कोचों ने 16.08.2017 से 29.08.2017 तक दो सप्ताह के खेल विज्ञान में कौशल विकास कार्यक्रम में भाग लिया।
15	25 अभ्यर्थियों ने 04.09.2007 से 17.09.2017 तक दो सप्ताह उड़ीसा पुलिस के विशेष शारीरिक परिस्थिति पाठ्यक्रम (टीओटी) पूरा किया।
16	25 अभ्यर्थियों ने 25.09.2017 से 08.10.2017 तक दो सप्ताह उड़ीसा पुलिस के विशेष शारीरिक परिस्थिति पाठ्यक्रम (टीओटी) पूरा किया।
17	"स्वच्छता ही सेवा दिवस" का 30.09.2017 को आयोजन किया गया। लगभग 300 (डिप्लोमा पाठ्यक्रम प्रशिक्षु राष्ट्रीय कैंपर, एसटीसी, छात्रों, कोचों और स्टाफ सदस्यों) ने स्वच्छता ही सेवा दिवस में भाग लिया।
18	22 अभ्यर्थियों ने 01.05.2017 से 13.05.2017 तक एएफसी द्वारा आयोजित 13 दिवसीय एएफसी 'सी' लाइसेंस कोचिंग पाठ्यक्रम को पूरा किया।
19	24 अभ्यर्थियों ने 01.05.2017 से 07.05.2017 तक एक सप्ताह के एफआईबीए, बीएफआई बास्केटबाल डब्ल्यूएबीसी लेबल–1 कोचिंग पाठ्यक्रम को पूरा किया।
20	20 अभ्यर्थियों ने 28.07.2017 से 30.07.2017 तक तीन दिवसीय एआईबीए कटमैन प्रमाण–पत्र पाठ्यक्रम को पूरा किया।
21	50 नए भर्ती किए गए सहायक कोचों ने 13.11.2017 से 18.11.2017 तक 6 दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम को पूरा किया।
22	52 नए भर्ती किए गए सहायक कोचों ने 20.11.2017 से 25.11.2017 तक 6 दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम को पूरा किया।
23	56 नए भर्ती किए गए सहायक कोचों ने 27.11.2017 से 02.12.2017 तक 6 दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम को पूरा किया।
24	अमेरिका के श्री चार्ल्स स्वीजर और श्री गियाना, जूडो विशेषज्ञों ने 08 और 09 नवंबर, 2017 को साई एनएस एनआईएस पटियाला का दौरा किया और डिप्लोमा प्रशिक्षुओं तथा उत्कृष्टता केंद्र के छात्रों के लिए प्रायोगिक प्रशिक्षण सत्रों का संचालन किया।

मेजर एल. ज्योतिन सिंह खेल विज्ञान केंद्र

अप्रैल, 2017 से दिसंबर, 2017 तक की अवधि के दौरान मेजर एल. ज्योतिन सिंह खेल विज्ञान केंद्र के विभिन्न विभागों में संचालित वैज्ञानिक परीक्षण, शोध कार्य एवं शैक्षिक कार्यकलापों का विवरण।

III. राष्ट्रीय कोचिंग कैंप

यह संस्थान विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए पटियाला में प्रख्यात खिलाड़ियों के प्रशिक्षण हेतु राष्ट्रीय कोचिंग कैंपों का आयोजन करता है। वर्ष 2016–17 के दौरान आयोजित राष्ट्रीय कोचिंग कैंपों का विवरण निम्नानुसार है:

क्र.सं.	खेल विधा	कैंपों की संख्या
1.	एथलेटिक्स	03
2.	बॉक्सिंग	05
3.	साइकलिंग	03
4.	फेंसिंग	01
5.	हैंडबाल	02
6.	टेबल टेनिस	04
7.	भारोत्तोलन	07
8.	वुशू	02
कुल		**27**

एन एस एनआईएस पटियाला में इन्फ्रास्ट्रक्चर / खेल सुविधाएं

- **आउटडोर**

क्रम संख्या	खेल संबंधी सुविधाएं	प्रकार	संख्या
1	एथलेटिक ट्रैक	सिंथेटिक	01
2	एथलेटिक ट्रैक	सिंडर	01
3	एथलेटिक ट्रैक	घासयुक्त	01
4	बास्केटबॉल कोर्ट		04
5	क्रिकेट के मैदान		01
6	फुटबॉल के मैदान	घासयुक्त	02
7	हैंडबाल फील्ड्स		04
8	हॉकी फील्ड	सिंथेटिक	01
9	हॉकी फील्ड	घासयुक्त	03
10	स्विमिंग पूल		01
11	टेनिस कोर्ट		04
12	वेलोड्रम		01
13	वॉलीबॉल कोर्ट		04
14	बालूयुक्त रनिंग सर्किट		01
15	क्रॉस कंट्री कोर्स		01
16	गोल्फ कोर्स	9 छिद्र	01

- इंडोर

क्रम संख्या	खेल संबंधी सुविधाएं	प्रकार	संख्या
1	कुश्ती और भारोत्तोलन हॉल	75 × 13.4 × 5 मीटर	01
2	मुक्केबाजी और टेबल टेनिस हॉल	55 × 21.2 × 5 मीटर	01
3	बैडमिंटन, बास्केटबॉल, हैंडबॉल और वॉलीबॉल के लिए इंडोर हॉल	65 × 27 × 12.5 मीटर	प्रत्येक के लिए 01
4	जूडो हॉल	15 × 21 × 5 मीटर	04
5	जिमनैजियम हॉल	32 × 21 × 5 मीटर	01

2. लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा कॉलेज (एनएनसीपीई), तिरुवनंतपुरम

युवा मामला और खेल विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वाधान में 17 अगस्त 1985 को लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा कॉलेज (एनएनसीपीई), करियावट्टोम, तिरुवनंतपुरम अस्तित्व में आया। दिनांक 1 मई, 1987 को स्निप्स के भारतीय खेल प्राधिकरण के साथ विलय से यह कॉलेज नेताजी सुभाष नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ पटियाला और लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा कॉलेज, ग्वालियर के समकक्ष भारतीय खेल प्राधिकरण के शैक्षणिक स्कंध का एक भाग बन गया। यह कार्यावट्टोम, जंक्शन, तिरुवनंतपुरम से 1 किलोमीटर दूर राष्ट्रीय राजमार्ग 47 के उत्तरी ओर केरल विश्वविद्यालय कार्यावट्टोम कैंपस से प्राप्त किए गए 50 एकड़ भूखंड पर स्थाापित है।

I. प्रमुख उद्देश्य :

1. शारीरिक शिक्षा, खेल और खेलकूद क्षेत्रों के साथ साथ संबद्ध क्षेत्रों में अत्यंत सक्षम और कुशल अग्रणियों, शिक्षकों, प्रशिक्षकों, विद्वानों और प्रशासकों को तैयार करना।
2. शारीरिक शिक्षा एवं संबद्ध क्षेत्रों में अनुसंधान संबंधी उत्कृष्टता केन्द्र के रूप में कार्य करना।
3. भारत और विदेशों में कहीं भी अन्य शारीरिक शिक्षा संस्थानों के लिए तकनीकी, व्यावसायिक और शैक्षणिक नेतृत्व प्रदान करना।
4. क्षेत्र में लोगों के लिए व्यावसायिक मार्गदर्शन और प्लेसमेंट सेवाएं प्रदान करना
5. बड़े पैमाने पर शारीरिक शिक्षा गतिविधि संबंधी कार्यक्रमों को विकसित करना और बढ़ावा देना।
6. राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर कोचिंग शिविरों के लिए बुनियादी ढांचे, भोजन और आवास की सुविधा उपलब्ध कराने के साथ इस कॉलेज को एसएआई की चालू योजनाओं का केंद्र बनाना।
7. विभिन्न एसएआई खेल संवर्द्धन योजनाओं के लिए प्रशिक्षण सुविधा उपलब्ध कराना।

उपलब्ध पाठ्यक्रम :

केरल विश्वविद्यालय से संबद्ध यह कॉलेज निम्नलिखित पाठ्यक्रम प्रदान करता है:

- शारीरिक शिक्षा स्नातक (4 वर्ष),
- शारीरिक शिक्षा स्नातकोत्तर (2 वर्ष),
- एम.फिल.
- नियमित पीएच.डी.
- अंशकालिक पीएच.डी.
- खेल कोचिंग में एनआईएस डिप्लोमा (जल क्रीड़ाएं)

अन्य कार्यक्रम :

यह संस्थान इन निम्नलिखित कार्यक्रमों का भी आयोजन करता है:

1. खेल कोचिंग में छह सप्ताह का प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम
2. राज्य / राष्ट्रीय टीमों के प्रशिक्षण के लिए कोचिंग शिविर

3. सेवाकालीन शिक्षकों के लिए पुनश्चर्या पाठ्यक्रम
4. वेतन और खेल संबंधी योजना
5. आओ और खेलो योजना
6. भुगतान पर आम जनता के लिए स्वास्थ्य और फिटनेस कार्यक्रम
7. पीवाईकेकेए एमटीटी पाठ्यक्रम

छात्र संख्याः

क्र.सं.	कक्षा	बालिका	बालक	कुल
1	बीपीएड V	17	27	44
2	बीपीएड VII	17	23	40
3	एमपीई पिछला	8	16	24
4	एमपीई II	1	13	14
		43	79	122
5	एनआईएस डिप्लोमा	03	09	12
6	एम.फिल.	शून्य		
	कुल	46	88	134

II. साई स्कीमें:

अवसंरचना के प्रभावी और इष्टतम उपयोग के लिए साई योजनाएं भी चलाता है जैसे कि एसीटीसी और उत्कृष्टता केंद्र को 2000–01 में डे बोर्ड स्कीमों के रूप में आरंभ किया गया था जिन्हें बाद में बोर्ड योजनाओं में परिवर्तित कर दिया गया। वर्ष 2012 से केरल, तमिलनाडु और पुदुचेरी में सभी योजनाएं (वर्तमान में 8 एसटीसी, 3 एसएजी, 3 सीओई और 17 विस्तार केंद्र) प्रधानाचार्य, एलएनसीपीई के प्रशासनिक नियंत्रण में हैं।

संस्थान निम्न का संचालन भी करता है:

1) राष्ट्रीय एथलेटिक्स अकादमी (कूद और दौड़) – एलएनसीपीई, त्रिवेन्द्रम
2) क्षेत्रीय फुटबाल अकादमी, एलएनसीपीई, त्रिवेन्द्रम
3) राष्ट्रीय गोल्फ अकादमी, त्रिवेन्द्रम
4) स्क्वेश अकादमी, चेन्नई

III. विस्तार सेवाएं:

- राष्ट्रीय कोचिंग कैंप
- 6 सप्ताह का प्रमाण–पत्र पाठ्यक्रम
- आओ और खेले स्कीम
- स्वास्थ्य और फिटनेस कार्यक्रम

IV. कॉलेज में इन्फ्रास्ट्रक्चर / खेल संबंधी सुविधाएं:

क. आउटडोर

क्रम संख्या	खेल संबंधी बुनियादी सुविधाएं	प्रकार	संख्या
1	सिंथेटिक ट्रैक		01
2	फुटबॉल के मैदान	घासयुक्त	02
3	हॉकी फील्ड्स	घासयुक्त	01
4	बास्केटबॉल कोर्ट	सीमेंटयुक्तक	02
5	हैंडबॉल		01
6	टेनिस कोर्ट	क्ले	03

7	बीच वॉलीबॉल		01
8	खो खो खेल के मैदान	क्ले	01
9	क्रिकेट फील्ड	घासयुक्त	01
10	वेलोड्रोम		01
11	कबड्डी खेल के मैदान	क्ले	02
12	स्विमिंग पूल		01

ख. इंडोर

क्रम संख्या	खेल संबंधी बुनियादी सुविधाएं	प्रकार	संख्या
1	इंडोर प्रशिक्षण हॉल (जिमनास्टिक और बैडमिंटन)	52 मीटर × 25 मीटर	01
2	स्वास्थ्य और स्वास्थ्य केंद्र	25 मीटर × 15 मीटर	01
3	आधुनिक स्वास्थ्य केंद्र		01
4	कुश्ती हॉल		01
5	तायक्वोंडो हॉल		01

ग. छात्रावास और अन्य सुविधाएं

क्रम संख्या	खेल संबंधी बुनियादी सुविधाएं	संख्या
1	प्रशासनिक सह शैक्षणिक ब्लॉक जिनमें कक्षाएं, कार्यालय, पुस्तकालय, कम्प्यूटर कक्ष, चिकित्सालय केंद्र, ऑडियो–विजुअल कक्ष शामिल हैं	01
2	सम्मेलन हॉल	01
3	बालकों का छात्रावास (100 बिस्तरयुक्त)	01
4	बालकों का छात्रावास (80 बिस्तरयुक्त)	01
5	पुरुषों के लिए अभिजात वर्ग छात्रावास (60 बिस्तरयुक्त)	01
6	बालिका छात्रावास (100 बिस्तरयुक्त)	01
7	बालिका छात्रावास (96 बिस्तरयुक्त)	01
8	महिलाओं के लिए अभिजात वर्ग छात्रावास (40 बिस्तरयुक्त)	01
9	बालकों और बालिकाओं कियों के लिए शयनगृह	05
10	खेल विज्ञान केंद्र	01
11	स्टाफ क्वार्टर	23

कुलीन एथलीटों के लिए प्रशिक्षण और प्रबंधन सहायता

युवा मामले एवं खेल मंत्रालय की ओर से संबंधित राष्ट्रीय खेल परिसंघों के साथ समन्वय करते हुए टीम्स् प्रभाग (कुलीन एथलीटों और प्रबंधन सहायता प्रशिक्षण) को विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय खेल कार्यक्रमों के लिए विभिन्न प्रकार की राष्ट्रीय टीमें तैयार करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। दूसरे शब्दों में, यह भारत और विदेशों में ओलंपिक, एशियाई खेलों, राष्ट्रमंडल खेलों और विश्व कप व अन्य अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं जैसे अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों के लिए अभिजात वर्ग के खिलाडियों को तैयार करने के लिए आवश्यक सुविधाएं प्रदान करता है। यह विभिन्न राष्ट्रीय खेल परिसंघों द्वारा तैयार उनके प्रशिक्षण और प्रतियोगिता संबंधी वार्षिक कैलेंडर (एसीटीसी) द्वारा तैयार तथा निम्नलिखित सुविधाएं प्रदान करते हुए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों के लिए राष्ट्रीय टीमें तैयार करने के लिए समिति द्वारा अनुमोदित योजनाओं को कार्यान्वित करता है :

कोचिंग कैम्प

"राष्ट्रीय खेल संघों को वित्तीय सहायता" की योजना के अंतर्गत 12 खेल विधाओं में कोचिंग कैंपों का आयोजन किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताएं

भारतीय टीमों ने सभी प्रमुख खेल विधाओं में विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लिया।

विदेशी कोच

9 विषयों में कुल 28 विदेशी कोच तथा 09 एथलेटिक्स और हॉकी संबंधी विदेशी सहयोगी स्टाफ को भारतीय खिलाड़ियों के प्रशिक्षण के लिए नियुक्तस किया गया था।

खेल विज्ञान सहायता

यह खिलाडियों को उनकी फिटनेस, चोट का स्वास्थ्य लाभ तथा चिकित्सीय क्षतियों से स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करने के लिए राष्ट्रीय कोचिंग शिविर के दौरान खेल चिकित्सा, वैज्ञानिकों, फिजियोथेरेपिस्टों और मसाजकर्ताओं आदि क्षेत्र के डॉक्टरों के रूप में बैक–अप सहायता प्रदान करता है।

उपकरण सहायता

यह राष्ट्रीय कैंपरों को, स्वदेशी के साथ साथ आयातित दोनों प्रकार की आवश्यक उपकरण सहायता प्रदान करता है।

राष्ट्रीय कोचिंग स्कीम

प्रस्तावना

संगठित खेल कोचिंग की शुरूआत, एक खेल कोच संस्थान के रूप में सेवा प्रदान करने तथा इस प्रकार से प्रशिक्षित कोचों का उपयोग अल्प व दीर्घ दोनों अवधि आधार पर देश के युवा को प्रशिक्षित करने के लिए विभिन्न स्तरों पर प्रशिक्षित करने के मुख्य उद्देश्यों के साथ सितंबर, 1953 में तत्कालीन केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री राजकुमारी अमृत कौर की पहल पर की गई थी।

राष्ट्रीय कोचिंग स्कीम जो राजकुमारी अमृत कौर योजना का संशोधित संस्करण है देश भर में व्यापक आधारित खेल उद्देश्य की पूर्ति करती है और खेलों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए वैज्ञानिक प्रशिक्षण प्रदान करती है। इस योजना के तहत, कोचों को राज्य सरकार / केन्द्र शासित प्रदेशों के प्रशासन / राज्य कोचिंग सेंटर के लिए यूएफएस प्रदान किए जाते हैं। तथापि कोचों की कमी के कारण समीक्षाधीन वर्ष के दौरान अपनी स्वयं खेल संवर्धन योजनाओं को मजबूत बनाने के लिए साई की योजनाओं से बाहर किसी भी कोच की तैनाती नहीं की गई। इन कोचों का उपयोग एसएआई की विभिन्न योजनाओं के तहत युवा खिलाडियों को प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए भी किया जाता है। इसके अलावा, ये कोच राष्ट्रीय टीमों के प्रशिक्षण में भी शामिल होते हैं तथा वे विभिन्न खेल विधाओं में कोचिंग के लिए डिप्लोमा / परास्नातक पाठ्यक्रमों के आयोजन के लिए शैक्षणिक विंग को सहायता प्रदान करते हैं। साई के कोच राष्ट्रीय खेल संघों की अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं की तैयारी में राष्ट्रीय कोचिंग कैंपों के आयोजन में भी सहायता प्रदान करते हैं।

एसएआई के कोच प्रतिभा स्काउटिंग प्रक्रिया में शामिल होते है जिसके माध्यम से प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को खोजा जाता है और उन्हें भारतीय खेल प्राधिकरण की विभिन्न खेल प्रोत्साहिन योजनाओं अर्थात राष्ट्रीय खेल प्रतिभा प्रतियोगिता (एनएसटीसी), विशेष क्षेत्र खेल (एसएजी), सैनिक खेल कंपनी (एबीएससी) और एसएआई प्रशिक्षण केंद्र (एसटीसी) में शामिल किया जाता है। इन कोचों को क्षेत्र में कार्यरत कोचों के प्रशिक्षण व निष्पाेदन की प्रगति की निगरानी करने के लिए एसएआई के विभिन्न विभिन्न क्षेत्रीय केन्द्रों पर भी तैनात किया जाता है। कोचों को कम एंड प्ले योजना के लिए और एसएआई के मुख्यालय व प्रादेशिक मुख्यालयों में एसएआई की सामुदायिक संपर्क योजनाओं के लिए भी तैनात किया जाता है।

II. समीक्षाधीन वर्ष के दौरान किए गए प्रमुख कार्यकलाप निम्नानुसार है:–

(1) नियमित सहायक कोचों की भर्ती

16 विभिन्न खेल विधाओं अर्थात् तीरंदाजी, एथलेटिक्स, बॉक्सिंग, बैडमिंटन, फुटबाल, जिमनास्टिक, हॉकी, जूडो, निशानेबाजी, तैराकी, कुश्ती, भारोत्तलन, वालीबॉल, केनोइंग और क्याकिंग, तायकवांडो और वुशू में नवंबर, 2017 में सहायक कोच के ग्रेड में 162 कोचों ने साई में कार्य ग्रहण किया।

(2) प्रशिक्षण पाठ्यक्रम

(i) 25 कोचों ने 12 से 26 मई, 2017 तक यूनिवर्सिटी ऑफ बर्मिंघम, यूके में स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग प्रोग्राम में भाग लिया।

(ii) 09 कोचों ने 18 अगस्त से 1 सितंबर, 2017 तक यूनिवर्सिटी ऑफ बर्मिंघम, यूके में खेल विज्ञान कार्यक्रम में भाग लिया।

(iii) 12 कोचों ने 18 से 28 सितंबर, 2017 तक यूनिवर्सिटी ऑफ सुकूबा, जापान में 10 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

(iv) 02 कोचों ने 1 से 17 नवंबर, 2017 तक मुजु, दक्षिण कोरिया में दूसरे एथलेटिक्स और अनुदेश पाठ्यक्रम में भाग लिया।

(3) कोचिंग विकास फ्रेमवर्क

(i) दिल्ली में कोचों के लिए प्रशिक्षण

फियरलेसनेस कंसल्टिंगध्स्पोर्ट्स फॉर लाइव कनाडा के पांच संकाय सदस्यों ने दिल्ली में 1 मई से 02 मई, 2017 तक कोचों के लिए दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम राष्ट्रीय कोचिंग विकास कार्यक्रम (विजन और प्लानिंग कन्क्लेव) का आयोजन किया।

(ii) पटियाला में कोचों के लिए प्रशिक्षण

कनाडा के उक्त संकाय सदस्यों ने वर्ष 2014 में भर्ती किए गए सहायक कोचों के लिए विभिन्न खेल विधाओं में राष्ट्रीय उन्मुखी कार्यक्रम का भी आयोजन किया। उक्त कार्यक्रम 3 से 6 मई, 2017 तक साई एनएस एनआईएस पटियाला में आयोजित किया गया था और 149 कोचों ने इसमें भाग लिया। इस कार्यक्रम में साई एनएस एनआईएस पटियाला के वरिष्ठ कोचों ने भी भाग लिया।

(iii) प्रवेश कार्यक्रम

सहायक कोचों के रूप में नए कार्य ग्रहण करने वाले कोचों ने साई के दिल्ली और विभिन्न क्षेत्रीय केंद्रों में 4 सप्ताह के प्रवेश–सह–उन्मुखीकरण कार्यक्रम में भाग लिया।

(4) कोचों की सेवानिवृत्ति

(i) 61 कोच अधिवर्षिता की आयु प्राप्त होने पर साई की सेवाओं से सेवानिवृत्त हुए।

(ii) 11 कोचों ने साई की सेवाओं से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति ली।

(5) कोचों की संख्या

नियमित कोच	–	1018
अनुबंध आधार पर कोच	–	75
प्रतिनियुक्ति आधार पर कोच	–	05

स्टेडियम

1 खेलों को व्यापक आधार प्रदान करने तथा खेलों में उत्कृष्टता प्राप्ति के दोहरे उद्देश्य के लिए तैयार की गई विभिन्न सुविधाओं से युक्त दिल्ली स्थित पांच एसएआई स्टेडियमों का उपयोग करने की नीति संबंधी दिशानिर्देश तैयार करने के लिए स्टेडियम प्रभाग उत्तरदायी है। निम्नलिखित स्टेडियमों को वर्ष 1982 में एशियाई खेलों के आयोजन के लिए तैयार किया गया था और इन्हें तत्पश्चात वर्ष 2010 में राष्ट्रमंडल खेलों के संचालन के लिए पुनर्निर्मित / पुनःस्वरूपित किया गया था। इन सभी स्टेडियमों में अत्याधुनिक सुविधाएं निहित है।

1. जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम परिसर (जेएनएस) – 110 एकड़ भूमि क्षेत्र

- बाह्य स्टेडियम (सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक एंवं फुटबॉल ग्राउंड) 60,000 स्थापित सीटों से युक्त तथा पीटीएफएफ मेंम्ब्रेन छत से ढका।

- वार्म अप एरिया (सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक एंड फुटबॉल ग्राउंड)
- 2172 स्थापित सीटों से युक्त पूर्ण रूप से वातानुकूलित भारोत्तोलन ऑडिटोरियम (26000 वर्ग मीटर)
- उपलब्ध खेल सुविधाएं – एथलेटिक्स, फुटबॉल, वॉलीबॉल और भारोत्तोलन, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, लॉन टेनिस, क्रिकेट, बास्केट बॉल, तीरंदाजी, साइकिल चलाना और वॉक, स्वास्थ्य केंद्र, बिलियर्ड एवं स्नूकर और योग हॉल के लिए मनोरंजन ट्रैक।
- 140 बिस्तरयुक्त खेल छात्रावास

2. **इंदिरा गांधी स्टेडियम परिसर (आईजीएससी) – 104 एकड़ भूखंड क्षेत्र**

- 15000 स्थापित सीटों व लकड़ी के फर्श से युक्त जिमनास्टिक हॉल (पूर्ण वातानुकूलित)
- 6000 स्थापित सीटों से युक्त कुश्ती हॉल (पूर्ण वातानुकूलित)
- 3800 स्थापित सीटों से युक्त साइकिलिंग वेलोड्रोम (पूर्ण वातानुकूलित)
- उपलब्ध खेल सुविधाएं – बैडमिंटन, बास्केटबॉल, मुक्केबाजी, जिमनास्टिक, जूडो, टेबल टेनिस, वॉलीबॉल, सेपक टाक्रा, वुशु, साइकिलिंग और कुश्ती, साइकिल चलाने और घूमने के लिए मनोरंजन ट्रैक, स्वास्थ्य केंद्र, बिलियर्ड एवं स्नूकर
- 150 बिस्तरयुक्त खेल छात्रावास

3. **डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी स्विमिंग पूल परिसर (डॉ एसपीएमएसपीसी) –**

12.3 एकड़ भूमि क्षेत्र, 5000 स्थापित सीटों के साथ पूर्ण रूप से वातानुकूलित इंडोर स्टेडियम

- 50 मीटर स्विमिंग पूल (10 लेन)
- 25 मीटर डाइविंग पूल
- 50 मीटर वार्म अप पूल (छह लेन)
- **उपलब्ध खेल सुविधाएं–** तैराकी के अलावा इसमें वॉलीबॉल, स्केटिंग, साइकिल चलाने और चलने के लिए मनोरंजन ट्रैक, स्वास्थ्य केंद्र, बिलियर्ड एवं स्नूकर, कैरम के लिए सुविधाएं हैं।

4. **मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम (एमडीसीएनएस)** – 37 एकड़ भूमि क्षेत्रफल आउटडोर स्टेडियम, उर्ध्वाधर सीवन छत से कवर की गई वीआईपी बैठकें, नई खुली गैलरी में 14,000 स्थायी सीटें, तीन अंतरराष्ट्रीय मानक प्रतियोगिता हॉकी एस्ट्रो टर्फ।?

   1. उपलब्ध खेल सुविधाएं – हॉकी, कबड्डी, टेनिस, तैराकी, क्रिकेट और स्वास्थ्य केंद्र

5. **डॉ कर्णी सिंह शूटिंग रेंज (डॉ. केएसएसआर), तुगलकाबाद, नई दिल्ली –**

- अंतिम रेंज को 10 मिनट के भीतर एक पूर्ण रूप से वातानुकूलित 10 मीटर रेंज से 25 मीटर और 50 मीटर गैर वातानुकूलित रेंज में परिवर्तित करने की क्षमता है।
- पूर्ण रूप से कवर किए गए वातानुकूलित 10 मीटर के 80 गोलीबारी बिंदुओं, 25 मीटर रेंज के 50 गोलीबारी बिंदुओं तथा 50 मीटर रेंज के 80 गोलीबारी बिंदु।
- ट्रैप और स्कीट कार्यक्रमों के लिए 6 रेंज।
- उपलब्ध खेल सुविधाएं – वॉलीबॉल, बास्केटबॉल, स्केटिंग, बिलियर्ड एवं स्नूकर, कैरम, साइकिल चलाने और घूमने के लिए मनोरंजन ट्रैक, स्वास्थ्य केंद्र।

2. उद्देश्य

सुविधाएं और स्थान उपलब्ध कराना :

1 राष्ट्रीय / अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताएं

2 राष्ट्रीय कोचिंग शिविर

3 आओ और खेले, तथा

4 इसके अलावा, ये स्टेडियम राजस्व उत्पन्न करने के लिए विभिन्न स्तरों पर खेल टूर्नामेंट (टूर्नामिंटों), बैठकों व सेमिनारों, खेल व गैर खेल कार्यक्रमों के तहत खाद्य महोत्सव के लिए

शैक्षिक संस्थानों/परिसंघों/अन्य संगठनों को भी प्रदान किए जा सकते हैं इस राजस्व का उपयोग इन स्टेडियमों के रखरखाव के लिए किया जा सकता है।

समन्वय प्रभाग

भारतीय खेल प्राधिकरण का समन्वय प्रभाग मुख्य रूप से भारतीय खेल प्राधिकरण के सामान्य निकाय व शासी निकाय की बैठकों के लिए सुविधा प्रदान करने के साथ साथ संसद/संसदीय स्थायी समिति, भारतीय खेल प्राधिकरण के संस्थापन प्रलेख और नियमों से संबंधित मुद्दों के लिए कार्यवाही करता है। यह संसद के दोनों सदनों के समक्ष भारतीय खेल प्राधिकरण के लेखा परीक्षित रिपोर्ट व लेखा परीक्षित लेखों के साथ साथ वार्षिक रिपोर्ट को तैयार करने तथा युवा मामला तथा खेल मंत्रालय के समक्ष इसकी प्रस्तुतति के लिए भी उत्तरदायी होता है। इसके अलावा, यह मुख्यालय और क्षेत्रीय केन्द्रों/उप–केन्द्रों/शैक्षणिक संस्थानों/युवा मामला तथा खेल मंत्रालय के विभिन्न प्रभागों के साथ सम्पर्क स्थापित करने का कार्य भी करता है।

भारतीय खेल प्राधिकरण मुख्यागलय के निदेशक (समन्वसय) आरटीआई आवेदनों के मुख्य समन्वयक अधिकारी होते हैं। दिनांक 22 जनवरी 2014 तथा 25 फरवरी 2014 की अधिसूचना संख्या 6(14)/समन्वय/2006–07/(भाग 2)/614 से 650 के आंशिक संशोधन तथा सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के खंड 5(2) तथा 19(1) के अनुसार, भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा इनके अधिकारियों को आदेश संख्या 6(14)/समन्वय/2006–2007(पार्ट–11)/2118 दिनांक 01.09.2014 के द्वारा प्रथम अपीलीय प्राधिकारी और केंद्रीय लोक सूचना अधिकारी के रूप में नामित किया गया है।

- **स्वच्छ भारत अभियानः** भारतीय खेल प्राधिकरण ने दिनांक 02 अक्टूबर 2017 को अर्थात महात्मा गांधी की जयन्ती पर स्वच्छ भारत अभियान के अवसर पर मेजर ध्यान चंद्र राष्ट्रीय स्टेडियम में स्वच्छ भारत अभियान के संबंध में देश को स्वच्छ रखने के लिए कार्यक्रम भाग लिया।
- **राष्ट्रीय एकता दिवस (एकता के लिए दौड़ो)** भारतीय खेल प्राधिकरण ने श्री सरदार बल्लभ भाई पटेल के जन्मदिन के अवसर पर 31.10.2017 को इंडिया गेट पर एकता के लिए दौड़ में एक बहुत सक्रिय भागीदारी निभायी थी जहां भारत के माननीय प्रधानमंत्री ने एकता की दौड़ को हरी झंडी दिखाई।
- **"स्वच्छता ही सेवा" – श्रमदान दिनांक 30.09.2017 को प्रातः 07 बजे से 09 बजे तक चांदनी चौक बाजार, दिल्ली**

स्वच्छता अभियान के उद्देश्यों के अनुसरण में राष्ट्र के स्वास्थ्य पर सफाई के संबंध में जागरूकता और उसके महत्व तथा सीधे प्रभाव सुनिश्चित करने के लिए चांदनी चौक बाजार, दिल्ली में प्रातः 07 बजे से प्रातः 09 बजे तक 30.09.2017 को एक श्रमदान का आयोजन किया गया, इस स्थान का चुनाव काफी घने क्षेत्र अर्थात् टाउन हॉल, चांदनी चौक बाजार, दिल्ली के सामने किया गया था।

इसके अतिरिक्त, 350–400 से अधिक स्वयं सेवक और एमवाईएएस, साई, एनवाईकेएस और एनएसएस के कर्मचारियों, खेल सुप्रसिद्ध व्यक्तियों और संसद सदस्य (राज्य सभा) सुश्री मैरीकॉम (बॉक्सिंग और श्री अली कमर, अर्जुन पुरस्कार प्राप्तकर्ता (बॉक्सिंग) ने श्री राजवीर सिंह, संयुक्त सचिव (खेल), एमवाईएएस, श्री सुनील गर्ग, उप सचिव, एमवाईएएस, श्री आर के नायडु, नोडल अधिकारी, साई, श्री प्रवीण सूरी, उप निदेशक (स्टेडिया), साई और श्री सत्यजीत संक्रित, प्रशासक (आईजीएस), साई के साथ स्वच्छता ही सेवा अभियान में भाग लिया।

सभी स्वयं सेवकों और अधिकारियों ने दिल्ली के प्राचीन शहर चांदनी चौक की सड़कों की सफाई की और स्थानीय लोगों को स्वच्छता के लाभों के बारे में भी शिक्षित किया जो न केवल बच्चों बल्कि बुजुर्गों के स्वास्थ्य पर भी प्रभाव डालते हैं और एक मजबूत, स्वच्छ राष्ट्र का निर्माण करने के लिए लोगों को शिक्षित किया।

1. एसएआई मुख्यालय में खेल चिकित्सा केन्द्र

खेल चिकित्सा, खेल वैज्ञानिकों, फिजियोथेरेपिस्ट, मसाजकर्ताओं और अन्य सहयोगी स्टाफ के विशेषज्ञों की सहायता से खिलाड़ियों को व्यापक खेल चिकित्सा और खेल विज्ञान बैकअप प्रदान करने के उद्देश्य से वर्ष 1984 में भारतीय खेल प्राधिकरण की योजना स्कीम के तहत जे. एन. स्टेडियम स्थित खेल चिकित्सा और खेल विज्ञान केंद्र की स्थापना की गई थी। यह केंद्र विभिन्न वैज्ञानिक परीक्षणों के माध्यम से चोट का उपचार व रोकथाम, स्वास्थ्य लाभ सहायता व प्रदर्शन में बढ़ोतरी के लिए व्यापक खेल आधारित कार्यक्रमों का एक अग्रणी प्रदाता है। वे खिलाड़ी जिन्हें चिकित्सा और वैज्ञानिक सहायता उपलब्ध कराई जाती है वे राष्ट्रीय कैंपर, विभिन्न एसएआई योजनाओं के खिलाड़ी, नियमित प्रशिक्षु, कम एंड प्लेस तथा अन्य योजनाओं के तहत खिलाड़ी होते हैं। हमारे राष्ट्रीय एथलीटों के लिए सर्वश्रेष्ठ संभावित चिकित्सा सहायता प्रदान करने के लिए, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, गंगाराम अस्पताल, दिल्ली आदि जैसे दिल्ली के प्रमुख अस्पतालों के अस्थि विभाग, नेत्र विज्ञान, सर्जरी और चिकित्सा विशेषज्ञ भी इस केंद्र का दौरा करते हैं। एसएआई को चिकित्सा् संस्थानों के खेल स्नाततकोत्तनर, फिजियोथेरेपी पाठ्यक्रम से भी जोड़ा गया है जिसमें प्रशिक्षु को एसएआई में उनके नैदानिक कार्य के लिए तैनात किया जाता है। जामिया हमदर्द, जामिया इस्लामिया, दिल्ली से भारतीय रीढ़ संस्थान तथा एमिटी विश्वविद्यालय, नोएडा एसएआई के लिए प्रशिक्षुओं की तैनाती कर रहे फीडर संस्थान हैं जो राष्ट्रीय शिविरों से जुड़े डॉक्टरों को सहायता प्रदान करते हैं।

राष्ट्रीय खिलाड़ियों को आंतरिक चिकित्सा देखभाल प्रदान करने के अलावा, भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा चिकित्सीय आपातकाल में देखभाल करने के लिए अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, दिल्ली के तहत जय प्रकाश ट्रॉमा सेंटर और सफदरजंग खेल चोट केंद्र, दिल्ली के साथ एक समझौते को निष्पादित किया गया है जिसके लिए विशेष स्टाफ को खिलाड़ियों के इलाज को प्राथमिकता के आधार पर नामित किया गया है।

मेडिकल कवर

विभिन्न एसएआई योजनाओं के राष्ट्रीय कैंपरों, खिलाड़ियों, नियमित प्रशिक्षुओं, कम एंड प्ले योजनाओं के तहत खिलाड़ियों व अन्य को पूरे वर्ष के दौरान उनकी आवश्यकता के अनुसार मेडिकल कवर प्रदान किया जाता है।

इस अवधि के दौरान की गईं प्रमुख गतिविधियां :

साइकोन 2017 दिल्ली का पहला संस्करण

साइकोन 2017 दिल्ली के पहले संस्करण का आयोजन भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा जवाहर लाल नेहरू ऑडिटोरियम, नई दिल्ली में 07 से 09 दिसंबर, 2017 तक किया गया था।

साइकोन 2017 का उद्घाटन माननीय युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री श्री राज्यवर्धन सिंह राठौर द्वारा किया गया। उपस्थित अन्य प्रमुख व्यक्ति थे श्री राहुल भटनागर, सचिव (खेल) और डीजी (साई) डॉ. ए.के. दुबे, सचिव (युवा कार्यक्रम) और ओलंपियन।

900 से अधिक प्रतिनिधियों ने सम्मेलन में भाग लिया। विदेशों के 40 प्रतिनिधिमंडल तीन दिवसीय विचार–विमर्शों के दौरान उपस्थित थे। 25 विदेशी संकाय ने सम्मेलन तथा पूर्व–सम्मेलन कार्यशाला में भाग लिया। विदेशी और भारतीय संकाय द्वारा 9 प्रमुख नोट उद्‌बोधन प्रस्तुत किए गए। कोचों, खेल वैज्ञानिकों और शारीरिक शिक्षा विदों ने सम्मेलन तथा पूर्व सम्मेलन कार्यशाला में भाग लिया।

विभिन्न खेल विज्ञान, खेल चिकित्सा और फीजियोथैरेपी में 43 सिम्पोजिया का आयोजन किया गया। आमंत्रित वक्ताओं, अतिथि वक्ताओं और खेल विज्ञान तथा खेल चिकित्सा से संबंधित मुद्दों पर मुक्त पेपर प्रस्तुति प्रस्तुत की गई।

साइकोन के दौरान चिकित्सा कर्मचारियों की 5 से 9 दिसंबर, 2017 तक भागीदारी निम्नानुसार थी:

डॉ. सुब्रत मलिक वैज्ञानिक अधिकारी, खेल चिकित्सा ने खेल फिजीशियन पाठ्यक्रम में संकाय के रूप में भाग लिया और एंटीऑक्सीडेंट तथा फिजीशियन से संबंधित पेपर भी प्रस्तुत किया।

सुश्री हेमे वालेचा, खेल फिजियोथैरेपिस्ट ने खेल फिजियोथैरेपिस्ट पाठ्यक्रम में संकाय के रूप में भाग लिया और 'स्पोर्ट्स टेपिंग' विषय को लिया तथा 'इफेक्ट ऑफ मुलीगन टेपिंग ऑन प्लान्टर हील पेन ऑफ एथलीट्स' संबंधी पेपर भी प्रस्तुत किया।

डॉक्टरों, फिजियोथैरेपिस्ट और नर्सिंग सहायकों ने साइकोन 2017 दिल्ली के दौरान स्पोर्ट्स फिजीशियन पाठ्यक्रम, डोपिंगरोधी और खेल फिजियोथैरेपिस्ट पाठ्यक्रम में भाग लिया।

2 मीडिया प्रभाग और आईसीसी

वर्ष 2017 के दौरान नि पादित विभिन्न मुख्य गतिविधियों का ब्यौरा निम्नानुसार है:

1. साई की उपलब्धियां और पहलों को उजागर करने के लिए मीडिया प्रभाग जोरदार तरीके से सोशल मीडिया अर्थात् ट्वीटर, फेसबुक और यू–ट्यूब को सक्रिय करता है, विभिन्न गतिविधियों के संबंध में डीजी, साई को रिपोर्ट भेजी गई।
2. बायोमीट्रिक आधारित उपस्थिति प्रणाली के सुकर रूप से संचालन हेतु एजेंसी के साथ समन्वय। बायोमीट्रिक उपस्थिति के संबंध में रिपोर्ट समय–समय पर कार्मिक प्रभाग को भेजी जाती है।
3. दैनिक समाचार–पत्रों से खेलों से संबंधित समाचारों को साई, मुख्यालय में परिचालन हेतु प्रस्तुत किया जाता है।
4. साई के लोगों को परिवर्तित किया जाना प्रक्रियाधीन है।
5. निर्देशिका को अद्यतन बनाना।
6. साई मुख्यालय में लेन नेटवर्क की स्थापना के संबंध में एनआईसी
7. साई के समाचार–पत्र उत्कर्ष के 10वें संस्करण का दिसंबर, 2016 में पूरी तरह से प्रमोचन किया गया।
8. सभी क्षेत्रीय केंद्रों में बायोमीट्रिक मशीन के सुकर रूप से संचालन हेतु मैसर्स फर्टूना इंपेक्स से करार किया गया और समय–समय पर मुद्दों को हल किया गया।
9. साई स्टेडिया की ऑनलाइन बुकिंग का प्रदर्शन।
10. अवकाश आवेदनों का निरंतर अद्यतन और बायोमीट्रिक रिकॉर्ड का रखरखाव।
11. महत्वपूर्ण आयोजनों की फोटो अपलोड करने के लिए इंस्टाग्राम अकाउंट खोला गया।
12. साई की वेबसाइट का अनुरक्षण।
13. विभिन्न आरटीआई के उत्तर दिए गए।
14. 1000 एनएसडीएफ पुस्तिकाओं (खेल संवर्धन पुस्तिका) का पुनः मुद्रण।
15. साई मुख्यालय में साई की बैठकों को कबर करते हुए फोटो के लिए फोटोग्राफर का प्रबंध।
16. 11वें और 12वें साई समाचार–पत्र उत्कर्ष के लिए समाचारों का संकलन और संपादन।
17. साई मुख्यालय में लेन की स्थापना।
18. विभिन्न ऑनलाइन आवेदन पीआईएमएस, टीआईएमएस, पीआरआईएमएस, ओबीएसएस का अनुरक्षण।
19. ऑनलाइन एपीएआर सफलतापूर्वक आरंभ किए गए।
20. साई स्टेडिया में 19.06.2017 को ऑनलाइन बुकिंग की खेल बुकिंग को ऑनलाइन बनाया गया।
21. डब्ल्यूएपीसीओएस लिमिटेड द्वारा एनएचए के लिए निःशुल्क वेबसाइट निर्माणाधीन है जिसका समन्वय मीडिया प्रभाग द्वारा किया जा रहा

है।

22. आईटी प्रभाग द्वारा आओ और खेलो पोर्टल तैयार किया गया है।

23. सभी क्षेत्रीय केंद्रों, मंत्रालय और एसटीसीध्एसएजी को साई के त्रैमासिक समाचार पत्र उत्कर्ष का वितरण।

24. साई मुख्यालय में समूह के अधिकारियों को एपीएआर ऑनलाइन का प्रशिक्षण।

25. विभिन्न ऑनलाइन एप्लीकेशन पीआईआएमएस, विभिन्न ऑनलाइन आवेदन पीआईएमएस, टीआईएमएस, पीआरआईएमएस, ओबीएसएस का अनुरक्षण।

26. स्टेडिया प्रभाग के लिए वेबसाइट निर्माणाधीन है।

27. स्वर्गीणय ध्यान चंद की 112वीं जन्म जयंती का 29 अगस्त, 2017 को आयोजन हेतु राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया गया।

28. भारत के माननीय उप राष्ट्रपति द्वारा 28.08. 2017 को आईजी स्टेडियम में राष्ट्रीय खेल प्रतिभा खोज पोर्टल का प्रमोचन।

29. साई मुख्यालय अथवा अनुरोध के अनुसार किसी अन्य स्थान पर साई की बैठकों को कबर करने के लिए फोटो हेतु फोटोग्राफर का प्रबंध।

30. साई के बारे में नवीनतम जानकारी विकीपीडिया पर अपलोड की गई।

31. साई के समाचार–पत्र उत्कर्ष के 13वें और 14वें संस्करण के लिए समाचारों का संकलन और संपादन।

32. साइकोन की वीडियो / फोटोग्राफी कवरेज तथा अन्य प्रबंध।

अध्याय 15

लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान, ग्वालियर (समविश्वविद्यालय)

1. परिचयः

लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान की स्थापना 17 अगस्त 1957 को अर्थात भारत की आजादी की पहली लड़ाई के शताब्दी वर्ष के अवसर पर की गई थी। यह संस्थान ग्वालियर में स्थित है, जहां झांसी की रानी लक्ष्मीबाई ने देश की आजादी की लड़ाई के लिए अपने जीवन की आहूति दी थी। शारीरिक शिक्षा और खेलों के क्षेत्र में इस संस्थान द्वारा प्रदान की गई की सेवाओं को मान्यता प्रदान करते हुए इसे भारत सरकार द्वारा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की सिफारिशों पर यूजीसी अधिनियम, 1956 की धारा 3 के तहत वर्ष 1995 में मान्य विश्वविद्यालय का दर्जा प्रदान किया गया। यह संस्थान युवा मामला एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन एक स्वायत्त संगठन है और यह मध्यप्रदेश सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, 1973 के तहत पंजीकृत सोसायटी के माध्यम से कार्य कर रहा है।

2. उद्देश्यः

संस्थान के उद्देश्य निम्नलिखित हैं: –

- शारीरिक शिक्षा और खेल के क्षेत्र में उच्च योग्यता प्राप्ता शिक्षकों और अग्रणियों को तैयार करना।
- शारीरिक शिक्षा में उत्कृष्टता और नवीनता के एक केंद्र के रूप में काम करने के लिए और, कार्य को बढ़ावा देने और इस क्षेत्र में अनुसंधान का प्रसार करने के लिए।
- शारीरिक शिक्षा के क्षेत्र में अन्य संस्थानों को व्यावसायिक और शैक्षणिक नेतृत्व प्रदान करना।
- इस क्षेत्र में पेशेवरों के लिए व्यावसायिक मार्गदर्शन और प्लेसमेंट सेवाएं प्रदान करना।
- शारीरिक शिक्षा और खेल में बड़े पैमाने पर भागीदारी को बढ़ावा देना।
- देश में शारीरिक शिक्षा के कार्यक्रमों और खेल को विकसित करना और उन्हें बढ़ावा देना।

- शारीरिक शिक्षा और खेल के क्षेत्र में वैज्ञानिक समकालीन साहित्य को प्रोत्साहित करना और उनका उत्पादन करना।
- शारीरिक शिक्षा और खेल क्षेत्र में सामुदायिक सेवाएं प्रदान करना।

3. विभागः

इस संस्थान में निम्नलिखित आठ कार्यात्मक विभाग हैं :

- खेल बायोमैकेनिक्स विभाग
- व्यायाम फिजियोलॉजी विभाग
- स्वास्थ्य शिक्षा विभाग
- खेल मनोविज्ञान विभाग
- शारीरिक शिक्षा शिक्षण विभाग
- खेल प्रबंधन और कोचिंग विभाग
- यौगिक विज्ञान विभाग

4. प्रदत्त पाठ्यक्रमः

यह संस्थान वर्तमान में निम्नलिखित पाठ्यक्रम प्रदान कर रहा हैः –

शारीरिक शिक्षा में स्नातक (बी.पी.एड.)	8 सेमेस्टर डिग्री कोर्स
शारीरिक शिक्षा में स्नातकोत्तर (एम.पी.एड.)	4 सेमेस्टर डिग्री कोर्स
योग में कला स्नातकोत्तर डिग्री कोर्स	4 सेमेस्टर डिग्री कोर्स
शारीरिक शिक्षा में डॉक्टरेट (पीएचडी)	पूर्णकालिक
स्वास्थ्य प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडीएफएम)	1 वर्ष (2 सेमेस्टर्स)
खेल प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडीएसएम)	1 वर्ष (2 सेमेस्टर्स)
खेल पत्रकारिता (पीजीडीएसजे) में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	1 वर्ष (2 सेमेस्टर्स)
खेल कोचिंग में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडीएससी) (एथलेटिक्स, बास्केटबॉल, बैडमिंटन, क्रिकेट, फुटबॉल, जिमनास्टिक, हॉकी, जूडो, तैराकी, टेनिस और वॉलीबॉल)	1 वर्ष (2 सेमेस्टर्स)
खेल कोचिंग में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (डीएससी) (केवल सेवारत रक्षा कार्मिकों के लिए) (एथलेटिक्स, बास्केटबॉल, फुटबॉल और वॉलीबॉल)	1 वर्ष (2 सेमेस्टर्स)
योग शिक्षा क्षेत्र में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडीवाईईडी)	1 वर्ष (2 सेमेस्टर्स)
बी.ए. (खेल)	6 सेमेस्टर डिग्री कोर्स

उपर्युक्त पाठ्यक्रमों के अलावा, समय समय पर बड़ी संख्या में विभिन्न विषयों में अल्प अवधि सर्टिफिकेट कोर्स चलाए जा रहे हैं।

5. शासन प्रणाली :

युवा मामला और खेल मंत्री इस सोसायटी/सामान्य निकाय के अध्यक्ष हैं।

इस संस्थान का सर्वोच्च शासी निकाय, प्रबंधन बोर्ड है जिसकी अध्यधक्षता कुलपति द्वारा की जाती है, जिन्हें एक प्रख्यात शिक्षाविद् होना चाहिए तथा उन्हें इस सोसायटी के अध्यक्ष द्वारा खोज–सह–चयन की एक प्रक्रिया के माध्यम से नियुक्त किया जाता है।

प्रबंधन बोर्ड अपने अकादमिक और प्रशासनिक उत्तरदायित्व का निष्पादन करने के लिए पूर्ण स्वायत्तता से इस सोसायटी से स्वतंत्र होता है। इसमें

प्रख्यात व्यक्ति शामिल होते हैं जो विश्वविद्यालय आदर्शों और परंपराओं के लिए योगदान करने तथा उसे संभालने के लिए सक्षम होते हैं। प्रबंधन बोर्ड की संरचना इस प्रकार होती हैः –

- कुलपति – अध्यक्ष।
- कुलपति द्वारा नियुक्त किए जाने वाले संकाय डीन, दो से अधिक नहीं (फिटनेस/उपयुक्तता सह वरिष्ठता के आधार पर क्रमानुसार)।
- संस्थान के अध्यक्ष द्वारा नामित तीन प्रख्यात खेल शिक्षा विद् जिन्होंने प्रोफेसर के स्तर पर कार्य किया हो और वे न तो संस्थान से होंगे अथवा न ही प्रायोजक सोसाइटी से होंगे और न ही वे उनके संबंधी होंगे।
- युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, खेल विभाग, भारत सरकार का एक प्रतिनिधि जो संयुक्त सचिव/प्रोफेसर के रैंक से कम का न हो।
- कुलपति द्वारा नियुक्त किए जाने वाले दो शिक्षक (प्रोफेसर, सहायक प्रोफेसर), क्रमबद्ध तानुसार वरिष्ठता के आधार पर।
- कुलपति द्वारा नियुक्त किए जाने वाले एक शिक्षक (सहायक प्रोफेसर), क्रमबद्धतानुसार वरिश्ठता के आधार पर।
- प्रायोजक सोसाइटी (युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय) के अधिकतम चार नामिती (शिक्षा विद्) जो खेल शिक्षा विद होंगे तथा प्रोफेसर के रैंक से कम नहीं होंगे।
- रजिस्ट्रार – सचिव।

6. पूर्वोत्तर क्षेत्रीय केंद्र :

गुवाहाटी स्थित उत्तर पूर्व क्षेत्रीय केंद्र की स्थापना को और ग्वालियर से ऑफ कैंपस के रूप में कार्य कर रहे शैक्षणिक सत्र 2009–10 के दौरान प्रथम बैच को वर्ष 2009 में युवा मामले एवं खेल मंत्रालय द्वारा अनुमोदित किया गया था। इसके पश्चात मई, 2010 में असम सरकार से तेपासिया खेल परिसर में कार्य संभालने पर, एनईआरसी ने शैक्षणिक सत्र 2011–12 से वास्तविक कार्यवाहियों को शुरू कर दिया, जहां इनडोर बहुउद्देश्यीय हॉल, फुटबॉल मैदान, हॉकी के मैदान, वैलोड्रौम और वॉलीबॉल कोर्टों जैसी कई सुविधाएं स्थानपित हैं। इस संस्थान द्वारा अब एक पूर्ण और नियमित रूप से बीपीएड चलाया जा रहा है। एनईआरसी, गुवाहाटी, के लिए नियमित मानव बल संबंधी आवश्यरकता को स्वीकार करते हुए भारत सरकार के वित्त मंत्रालय द्वारा वर्ष 2011–12 के दौरान कुल 11 पदों को स्वीकृत किया गया और तब से इन पदों के लिए अधिकतर नियुक्तियां कर ली गईं हैं। इसके पश्चात सहायक प्रोफेसरों के कुछ और पद सृजित किए गए है।

7. सहायता अनुदान :

यह संस्थान पूर्ण रूप से भारत सरकार के युवा मामला और खेल मंत्रालय के सहायता अनुदान द्वारा वित्त पोषित है। वर्ष 2017–18 के दौरान बजट अनुमान अनुदान का आवंटन 45.02 करोड़ रूपए है।

8. शैक्षिक विवरणः

सत्र 2017–18 के दौरान डिग्री पाठ्यक्रमों में वर्गवार संख्या निम्नानुसार हैः

(क) डिग्री पाठ्यक्रम

कक्षा	कुल संख्या	लिंग–वार			छात्र संख्या								सकल योग
					एसटी		एससी		ओबीसी		सामान्य		
	पंजीकृत	बालक	बालिका	कुल	बालक	बालिका	बालक	बालिका	बालक	बालिका	बालक	बालिका	
बी.पी.एड. I सेमेस्टर	111	78	33	111	07	02	11	05	21	09	39	17	111
बी.पी.एड. III सेमेस्टर	199	139	60	199	08	04	23	12	50	20	58	24	199
बी.पी.एड. V सेमेस्टर	138	97	41	138	08	01	22	07	42	19	25	14	138
बी.पी.एड. V सेमेस्टर	146	101	45	146	13	06	15	07	39	18	34	14	146
एम.पी.एड. VII सेमेस्टर	84	61	23	84	06	03	07	08	24	08	20	08	84
एम.पी.एड. III सेमेस्टर	83	65	18	83	04	05	13	02	31	05	17	06	83
पीएच.डी. (पुष्ठि)	38	27	11	38	..	..	07	03	08	03	12	05	38
पीएच.डी. (पाठ्यक्रम कार्य)	11	09	02	11	01	..	01	..	02	01	05	01	11
कुल	810	577	233	810	47	21	99	44	217	83	210	89	810
					68		143		300		299		

अवर स्नातक : 594
स्नातकोत्तर : 167
पीएचड.डी. : 049
810

(ख) पी.जी. डिग्री पाठ्यक्रम

कक्षा	कुल संख्या	लिंग–वार			छात्र संख्या								सकल योग
					एसटी		एससी		ओबीसी		सामान्य		
	पंजीकृत	बालक	बालिका	ज्वजंस	बालक	बालिका	बालक	बालिका	बालक	बालिका	बालक	बालिका	
एम.ए. योगा I सेमेस्टर	13	5	8	13	.	.	1	.	3	4	1	4	13
एम.ए. योगा III सेमेस्टर	18	9	9	18	.	.	.	4	3	1	6	4	18
पीजीडी–वाईईडी	20	12	8	20	.	.	1	2	5	1	6	5	20
पीजीडी–एफएम	15	13	2	15	1	.	1	.	7	2	4	.	15
पीजीडी–एससी	92	78	14	92	7	.	8	4	35	7	28	3	92
डी.एस.सी.	24	24	.	24	1	.	1	.	5	.	17	.	24
कुल	182	141	41	182	09	.	12	10	58	15	62	16	182
					09		22		73		78		

(ग) शैक्षिक सत्र 2016–17 के दौरान उत्तीर्ण होने वाले छात्रों की संख्याः

पाठ्यक्रम	भाग लेने वाले छात्र			उत्तीर्ण होने वाले छात्र		
	पुरूष	महिला	कुल	पुरूष	महिला	**कुल**
पीजीडीएससी (दो सेमेस्टर)	46	10	56	46	10	**56**
डीएससी (दो सेमेस्टर)	15	.	15	15	.	**15**

पीजीडीएसएम (दो सेमेस्टर)	8	.	8	8	.	**8**
पीजीडीवाईएड (दो सेमेस्टर)	17	6	23	13	6	**19**
पाठ्यक्रम	भाग लेने वाले छात्र			उत्तीर्ण होने वाले छात्र		
	पुरूष	महिला	कुल	पुरूष	महिला	**कुल**
बी.पी.एड. IV **वर्ष पुराना पाठ्यक्रम**						
ग्वालियर केंद्र	07	02	9	7	2	**9**
गुवाहाटी केंद्र	02	.	2	2	.	**2**
बी.पी.एड. VIII **सेमेस्टर**						
ग्वालियर केंद्र	99	42	141	98	42	**140**
गुवाहाटी केंद्र	25	14	39	25	14	**39**
एमपीएड IV सेमेस्टर	56	22	78	55	22	**77**
एम. फिल	5	4	9	5	4	**9**
पीएच.डी	17	7	24	17	7	**24**

(घ) 2016–17 तक (1957 से) के दौरान उत्तीर्ण होने वाले छात्रों का सार

पाठ्यक्रम	2015–16 तक (1957 से) छात्रों की संख्या	ग्वालियर	गुवाहाटी	**2016–17 (1957 से) छात्रों की संख्या**
स्नातक वर्ष और सेमेस्टर–वार	5118	9 (4 वाई.डी.सी.) . 140 (सेमेस्टर वार) =149	2 (4 वाई.डी.सी.) . 39 (सेमेस्टर वार) =41	**5308**
स्नातकोत्तर	2651	77	.	**2728**
एम. फिल	421	9	.	**430**
पीएच.डी	218	24	.	**242**

9. ढांचागत सुविधाएं :

यह संस्थान अपनी स्थापना के पश्चात से सह–शिक्षाबद्ध और पूर्ण रूप से आवासीय है, ग्वालियर में यह पूर्ण रूप से ढांचागत सुविधाओं से लैस है जिनमें खेल के मैदान, भवन आदि शामिल हैं जबकि एनईआरसी, गुवाहाटी में प्राथमिकताओं के साथ साथ निधियों की उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए इस प्रकार की सुविधाओं का एक चरणबद्ध तरीके से सृजन किया जा रहा है।

10. दिसंबर, 2017 तक महत्वपूर्ण इवेंट

माह	इवेंट/कार्यकलाप (संक्षिप्त में)
अप्रैल, 2017	8वां दीक्षांत समारोह 13.04.2017 को आयोजित किया गया।
मई, 2017	राष्ट्रीय खेल विश्वविद्यालय का राष्ट्रीय व्यापक विकास फ्रेमवर्क कार्यशाला 8 और 9 मई, 2017
जून, 2017	अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून, 2017

अगस्त, 2017	21.06.2017 को स्वतंत्रता दिवस समारोह
	श्री इनजेती श्रीनिवास, सचिव (खेल) द्वारा आंतरिक प्रतियोगिता का उद्घाटन
अक्तूबर, 2017	30 अक्तूबर से 4 नवंबर, 2017 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह
नवंबर, 2017	बहु विधा (एचआरडीसी) के संबंध में 21 दिवसीय पुनश्चर्या पाठ्यक्रम
दिसंबर, 2017	14–21 दिसंबर, 2017 तक शोध पद्धति संबंधी 7 दिवसीय कार्यशाला (एचआरडीसी)
	15 से 20 दिसंबर, 2017 तक पश्चिमी जोन अंतर–विश्वविद्यालय टेनिस (पुरुष) प्रतियोगिता का आयोजन किया गया
	21–25 दिसंबर, 2017 तक पश्चिमी जोन अंतर–विश्वविद्यालय टेनिस (महिला) प्रतियोगिता का आयोजन किया गया
	27 दिसंबर, 2017 से 01 जनवरी, 2018 तक अंतर जोन अंतर–विश्वविद्यालय टेनिस (महिला) प्रतियोगिता का आयोजन किया गया

11. परिकल्पित कार्यकलाप (जनवरी–मार्च, 2018):

जनवरी, 2018	अनुकूलित शारीरिक शिक्षा कार्यक्रम संबंधी 7 दिवसीय कार्यशाला
	प्रो–एएम जिमनास्टिक लीग आरंभ करना
	केवीएस शारीरिक शिक्षा अध्यापकों के लिए 12 जनवरी से 01 फरवरी, 2018 तक पुनश्चर्या पाठ्यक्रम संचालित किया जाएगा।
	19–21 जनवरी, 2018 तक जश्न–युवा उत्सव का आयोजन किया जाएगा।

फरवरी, 2018	अखिल भारतीय फुटबाल संघ द्वारा 1 फरवरी, 2018 को राष्ट्रीय रेफरी के लिए शारीरिक फिटनेस परीक्षा का आयोजन किया जाएगा।
	खेल, व्यायाम और भार प्रबंधन के लिए 5–11 फरवरी, 2018 तक 7 दिवसीय पोषण कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा।
	अखिल भारतीय फुटबाल संघ द्वारा 14–19 फरवरी, 2018 तक पुनश्चर्या पाठ्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।
	28 फरवरी से 6 मार्च, 2018 तक थैरेप्टिक एंड स्पोर्ट्स मसाज संबंधी 7 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा।
मार्च, 2018	18 फरवरी से 5 मार्च, 2018 तक पंचमणि में नेतृत्व प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जाएगा।
	खेल प्रबंधन से संबंधित मुद्दों और नए विचारों संबंधी राष्ट्रीय सम्मेलन (विज्ञान भवन और विश्व युवक केंद्र, नई दिल्ली) का 8–10 मार्च, 2018 तक आयोजन किया जाएगा।
	12–18 मार्च, 2018 तक खेल फीजियोथैरेपी के संबंध में 7 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा।
	19–25 मार्च, 2018 तक कोचिंग (वालीबॉल, बास्केबॉल और जिमनास्टिक) संबंधी 7 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा।

अध्याय –16

खेलो इंडिया स्कीम

राजीव गांधी खेल अभियान (आरजीकेए), अर्बन स्पोर्ट्स इन्फ्रास्ट्रक्चर स्कीम (यूएसआईएस) और राष्ट्रीय खेल प्रतिभा खोज व्यवस्था कार्यक्रम (एनएसटीएसएपी) नामक मौजूदा योजनाओं के विलय के पश्चात वित्तीय वर्ष 2016–17 के दौरान एक नई अम्ब्रेला योजना ''खेलो इंडिया'' का शुभारंभ कियाा गया था।

इस योजना के उद्देश्य थे : –

वार्षिक खेल प्रतियोगिताओं के माध्यम से खेलों में युवा आबादी की जन भागीदारिता,

खेल प्रतिभा की पहचान करना,

खेल अकादमियों के माध्यम से खेल प्रतिभाओं का पोषण करना,

ब्लॉक, जिला और राज्य/संघ शासित प्रदेशों के स्तर पर खेल के बुनियादी ढांचे का निर्माण करना।

योजना के घटक

क **प्रतियोगिता :** प्रतिस्पर्धा संरचना संपूर्ण भारत को कवर करेगी। प्रतियोगिता का आयोजन जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर किया जाएगा। खेल / खेलकूद जो किसी क्षेत्र विशेष में ही लोकप्रिय हैं उन्हें उस ब्लॉक /जिला / राज्य स्तर पर प्रतियोगिता के भाग के रूप में खेला जाएगा। प्रतियोगिताओं को दो आयु समूहों के अनुसार आयोजित किया जाएगा, अर्थात 14 वर्ष से कम आयु वर्ग और 17 वर्ष से कम आयु वर्ग के तहत। ये प्रतियोगिताएं 100 प्रतिशत रूप से केंद्र द्वारा वित्त पोषित होंगी और यह केंद्रीय क्षेत्र की योजना होगी। तथापि, राज्यों या खेल परिसंघों और खेल संगठनों की ओर से भूमि, खेल के मैदान, मानवबल, अवसंरचना आदि की उपलब्धता से संबंधित सहायता प्राप्ति के रूप में ये प्रतियोगिताओं के संचालन के लिए जुड़े रहेंगे। प्रतिस्पर्धा घटक में यदि गुजरात खेलमहाकुंभ पर व्यय के स्तर को मार्गदर्शक सिद्धांत के रूप में अपनाया जाता है और इसे विभिन्न स्तरों पर खेल प्रतियोगिताओं की उचित व्यवस्था के आधार पर लिया जाता है उस स्थिति में ही इसमें 1885 करोड़ रुपए के व्यय शामिल होंगे। निधियों की सीमित उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए वर्ष 2016–17 के लिए 140 करोड़ रुपए की राशि निर्धारित की गई हैं।

सभी स्तरों पर आयोजक प्रायोजकों की व्यवस्था करने के लिए स्वतंत्र होंगे, जो प्रतियोगिताओं के सफल संचालन के लिए आर्थिक अथवा वस्तु रूप दोनों प्रकार से योगदान प्रदान कर सकें। निजी क्षेत्रों और प्रायोजकों की ओर से योगदान प्राप्त किया जा सकता है और यदि कुछ निधियां जारी की जाती हैं, तब उनका उपयोग इन प्रतियोगिताओं के उस स्तर पर खेल सुविधाओं को बनाए रखने और इन्हें अद्यतन करने के लिए किया जा सकता है। वस्तु रूप में किसी प्रकार की सहायता को प्राप्त किया जाएगा और संबंधित अधिकारियों द्वारा इसका रिकॉर्ड रखा जाएगा।

ख **खेल प्रतिभा की पहचान :** जिला, राज्य तथा राष्ट्रीय स्तर पर अंडर –14 और अंडर –17 आयु वर्ग की प्रतियोगिताओं के प्रतिभागियों में से प्रतिभावान खिलाड़ियों को प्रतियोगिताओं के माध्यम से अभिज्ञात किया जाएगा। स्थानीय आयोजन समिति द्वारा विभिन्न स्तरों पर प्रतियोगिताओं की प्रक्रिया के माध्यम से प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की पहचान करने के लिए संबंधित खेल क्षेत्रों के राज्य / भारतीय खेल संघ के कोचों को संलग्न किया जाएगा।

जनजातीय, तटीय और दूरवर्ती क्षेत्रों में खेल प्रतिभा की पहचान के लिए भी विशेष प्रयास किया जाएगा। इस प्रकार से अभिज्ञात किए गए संभावित प्रतिभावान खिलाड़ियों को एसएआई अथवा राज्य खेल अकादमियों की विभिन्न खेल प्रोत्साहन योजनाओं में, जहां भी व्यवहार्य हो अथवा और यदि

पहचाने गए खिलाड़ियों की इच्छा हो, शामिल करने के प्रयोजन हेतु परीक्षण के लिए नामांकित किया जाएगा। जिला स्तर तथा उसके के पश्चात की प्रतियोगिताओं में पहचाने गए प्रतिभावान खिलाड़ी 12 माह की अवधि के लिए छात्रवृत्ति प्राप्ति के पात्र होंगे। योजना के अनुसार शामिल किए गए प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की अधिकतम संख्या और प्रतियोगिताओं के प्रत्येक स्तर पर देय छात्रवृत्ति की राशि को योजना में सुनिश्चित किया गया है। पहचानी गई प्रत्येक प्रतिभा, उसके द्वारा प्राप्त उच्चतम स्तर के लिए केवल एक छात्रवृत्ति की पात्र होगी। छात्रवृत्ति का वितरण कार्यान्वयन एजेंसी के माध्यम से प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) सिद्ध ांत पर किया जाएगा। छात्रवृत्ति प्रदान करने के प्रयोजन हेतु, प्रत्येक वर्ष खेल प्रतिभा की एक नई सूची उनके व्यक्तिगत प्रदर्शन के आधार पर तैयार की जाएगी। इससे केवल सर्वाधिक योग्य उम्मीदवार ही छात्रवृत्ति के लिए पात्रता ही सुनिश्चित होगी और अयोग्य खिलाड़ी हटा दिए जाएंगे।

ग **अवसंरचना :** विभिन्न परियोजनाएं, जिन्हें (क) राज्य सरकार / राज्य खेल परिषद् / राज्य खेल प्राधिकरण (ख) स्थानीय सिविल निकायों (ग) केंद्र / राज्य सरकारों के अधीनस्थ विद्यालयों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों और (घ) खेल नियंत्रण बोर्ड के खेल बुनियादी ढांचे के तहत मंजूर किया जाता है और अधिकतम स्वीकार्य अनुदान राशियां (1) सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक – 7.00 करोड़ रुपए (2) सिंथेटिक हॉकी फील्ड – 5.50 करोड़ रुपए (3) सिंथेटिक टर्फ फुटबॉल ग्राउंड – 5.00 करोड़ रुपए (4) बहुउद्देशीय हॉल– 8.00 करोड़ रुपए (5) स्विमिंग पूल– 5.00 करोड़ रुपए और (6) स्टेडियम परिसर का निर्माण कार्य – 50.00 करोड़ रुपए हैं।

प्रत्येक राज्य / संघ राज्य क्षेत्र द्वारा उनकी जनसंख्या, क्षेत्रफल और उनके प्रस्तावों के आधार पर एक वर्ष में परियोजनाएं प्राप्त होंगी। खेलो इंडिया स्कीम के सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास (एमपीएलएडी) योजना के साथ जुड़ने के परिणामस्वरूप, यदि किसी संसद सदस्य द्वारा इस योजना के तहत किसी व्यक्तिगत परियोजना के लिए पात्र अनुदान के न्यूनतम 50 प्रतिशत का योगदान अर्थात 1.00 करोड़ रुपए का न्यूनतम योगदान किया जाता है उस स्थिति में युवा मामलों और खेल मंत्रालय द्वारा उसके अनुरूप अनुदान जारी किया जाएगा।

खेलो इंडिया स्कीम को सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास (एमपीएलएडी) योजना के साथ जोड़ा गया है। इसके परिणामस्वरूप, यदि किसी संसद सदस्य द्वारा इस योजना के तहत किसी व्यक्तिगत परियोजना के लिए पात्र अनुदान के न्यूनतम 50 प्रतिशत का योगदान अर्थात 1.00 करोड़ रुपए का न्यूनतम योगदान किया जाता है उस स्थिति में युवा मामलों और खेल मंत्रालय द्वारा उसके अनुरूप अनुदान जारी किया जाएगा। संसद सदस्य अपने एमपीएलएडीएंड फंड से एमपीएलएडी योजना के तहत स्वीकृत सभी मदों के लिए योगदान कर सकते हैं।

पुनर्वसित खेलो इंडिया योजना

इस योजना के कार्यक्षेत्र को विस्तारित करने के लिए इसे पुनर्वसित खेलो इंडिया – खेल क्षेत्र विकास के लिए खेलों में व्यापक भागीदारी और उसका संवर्धन करने के दो उद्देश्यों को प्राप्त करने के राष्ट्रीय कार्यक्रम के रूप में संशोधित किया गया है, मंत्रिमंडल द्वारा 20.09.2017 को आयोजित अपनी बैठक में ''खेलो इंडिया'' – खेल विकास के राष्ट्रीय कार्यक्रम'' के पुर्नोत्थान को मंजूरी प्रदान की गई।

पुनर्स्थापित खेलो इंडिया कार्यक्रम के उद्देश्य में उपर्युक्त वर्णित दोहरे राष्ट्रीय उद्देश्यों को बढ़ावा देने के लिए संपूर्ण खेल वातावरण को सुदृढ़ बनाना निर्धारित किया गया है, जिसमें खेल के मैदान का विकास, सामुदायिक प्रशिक्षण विकास, ग्रामीण / स्वदेशी खेलों, दिव्यांग खिलाड़ियों व महिला खिलाड़ियों के साथ साथ स्कूल और विश्वविद्यालय दोनों स्तरों पर एक सशक्त खेल प्रतियोगिता संरचना की स्थापना करना, चयनित विश्वविद्यालयों में खेल उत्कृष्टता केंद्र के सृजन सहित खेल की बुनियादी सुविधाओं में बड़ी

कमियों को दूर करना, प्रतिभा की पहचान और उनका विकास करना, खेल अकादमियों को सहायता प्रदान करना, स्कूली बच्चों के लिए राष्ट्रीय शारीरिक फिटनेस अभियान का क्रियान्वयन करना तथा शांति और विकास के लिए खेल जैसे कार्य शामिल हैं।

इस योजना में एक परियोजना मूल्यांकन समिति (पीएसी) प्रदान की गई है, जो इस योजना के तहत प्राप्त सभी प्रस्तावों का मूल्यांकन करेगी और उन्हें अनुमोदन के लिए विभागीय परियोजना स्वीकृति समिति (डीएपीसी) के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। स्वीकृत परियोजनाए तृतीय पक्षकार की निगरानी सख्त निगरानी के अधीन होंगी, जिसके लिए राज्य स्तर पर निगरानी तंत्र को स्थापित किया जाएगा।

इस संपूर्ण कार्यक्रम को प्रभारी मंत्री की अध्यक्षता में एक सामान्य परिषद (जीसी) द्वारा संचालित किया जाएगा, जो इस योजना के कार्यान्वयन के उद्देश्य के लिए सर्वोच्च नीति निर्धारक निकाय के रूप में कार्य करेगी। जनरल काउंसिल को एक राष्ट्रीय स्तरीय कार्यकारी समिति (एनएलईसी) का समर्थन प्राप्त होगा, जिसकी अध्यक्षता केंद्रीय खेल मंत्री द्वारा किया जाएगा।

इस योजना में तकनीकी सहायता और क्षमता निर्माण के उद्देश्य के लिए एक संचित निधि संनिहित होगी, जिसका उपयोग पेशेवर अभियानों और राष्ट्रीय / अंतरराष्ट्रीय सलाहकारों, राष्ट्रीय अभियानों, प्रचार और जागरूकता संबंधी गतिविधियों के लिए किया जाएगा।

इस योजना में पर्याप्त लचीलापन रखा गया है, जिसमें घटकों का आवश्यकता आधार पर पुनः–विनियोग शामिल किया गया है। इस योजना के लिए वर्ष 2017–18 से 2019–20 की अवधि के लिए 1,756 करोड़ रुपए का बजट आवंटन किया गया है।

यह योजना पूर्ण पारदर्शिता प्रदान करती है और कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) गतिविधियों तथा सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) गतिविधियों के साथ अभिसरण भी प्रदान करती है।

इस योजना के तहत परियोजनाओं का चयन चुनौतीबद्ध विधि सहित सशक्तता चयन मानदंडों के आधार पर किया जाएगा।

योजना का घटक : पुनर्स्थापित खेलो इंडिया योजना के कार्यक्षेत्रों के संक्षिप्त विवरण में निम्नलिखित शामिल होंगे : –

1. **खेल के मैदानों का विकास**

   ग्राम पंचायत स्तर पर खेल के मैदानों का विकास और खेल के मैदानों के सन्निहित सहायक सुविधाओं जैसे कि पेय जल, हरित बाड़ स्थापना, शौचालय आदि का अन्य विभागों (ग्रामीण विकास विभाग, पेय जल और स्वच्छता विभाग आदि) के सहयोग से प्रावधान करना उदाहरणतः उनके बारे में जानकारी के प्रसार हेतु जीआईएस मंच पर ज्यो–टैग युक्त खेल के मैदान व खेल संरचना की एक राष्ट्रीय सूची का एमजीएनआरईजीएस सृजन करना और उनका इष्टतम उपयोग सुनिश्चित करना।

   जिला और राज्य स्तरीय खेल क्षेत्र संघों की स्थापना और खेल मैदानों की सुरक्षा के प्रयोजन हेतु राष्ट्रीय खेल मैदान संघ (एनपीएफएआई) के साथ उनका संरक्षण करना।

2. **सामुदायिक कोच विकास**

   देश भर में सामुदायिक कोचों के विकास के लिए सामुदायिक कोच विकास का एक व्यापक मॉडल।

   सामुदायिक कोचों के रूप में अतिरिक्त प्रशिक्षण संबंधी पीईटीज़ योजना के तहत प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर।

   पीईटीज़ अथवा विषय संबंधी शिक्षकों सहित आकांक्षी प्रशिक्षकों की सुगम पहुंच के लिए ऑनलाइन टूलकिट।

   प्रवीणता के स्तर पर आधारित कोच प्रत्यायन की एक व्यवस्था होगी। अंपायरों और रेफरी जैसे तकनीकी अधिकारियों के संबंध में, वे इस विभाग द्वारा लागू मानव संसाधन विकास की मौजूदा योजना के तहत क्षमता विकास कार्यक्रमों द्वारा समर्थित होंगे।

3. राज्य स्तरीय खेलो इंडिया केंद्र

उनके अधिकतम उपयोग को सुनिश्चित करने के लिए एक पारस्परिक सहमति प्राप्त समझौता ज्ञापन के माध्यम से राज्यों/ संघ शासित प्रदेशों में खेल संरचना को तकनीकी और वित्तीय सहायता सहायता प्रदान करना।

यह न केवल सुविधाओं का इष्टतम उपयोग सुनिश्चित करेगा, बल्कि भारत सरकार की विस्तारित बाजुओं के रूप में भी कार्य करेगा, जिससे देश भर में खेल विकास पर अधिकतम नियंत्रण प्राप्त हो।

4. वार्षिक खेल प्रतियोगिताएं

कौशल दर्शाने के लिए बेसिक प्लेटफॉर्म और तदनुसार प्रतिभा को चिन्हित करने के लिए एक मंच बनने के लिए जिससे उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए योग्य और प्रतिभाशाली बच्चों के लिए एक मार्ग बने।

अभिज्ञात संकेंद्रित खेल क्षेत्रों के संबंध में निम्नलिखित राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं को आयोजित करना

खेलो इंडिया राष्ट्रीय विद्यालय खेल प्रतियोगिता

खेलो इंडिया राष्ट्रीय विश्वविद्यालय खेल प्रतियोगिता

एसजीएफआई और एआईयू अथवा अन्य विश्वविद्यालय खेल निकायों के साथ सह–ब्रांडेड होना।

खेल के मैदान के माप, खेल के लिए आवश्यक उपकरणों का विवरण सहित भिन्न–भिन्न खेलों को कैसे खेलें के साथ साथ उन खेलों से संबंधित सभी प्रकार के प्रासंगिक नियमों और विनियमों के लिए एक मोबाइल एप्लिकेशन को विकसित किया जाएगा, ताकि यह केवल खिलाड़ियों और कोचों के पास ही उपलब्ध न हो वरन् यह सर्व जन सामान्य को भी उपलब्ध हो, ताकि सभी खेलों और खेल स्पर्धाओं के मूलभूत तत्वों से अवगत हों व उनकी इन तक पहुंच और इक्विटी सुनिश्चित हो।

रक्षा और अर्धसैनिक बलों के बीच खेल को प्रोत्साहित करने के लिए उपयुक्त नीतियां विकसित की जाएंगी, जो खेल के बुनियादी ढांचे से पूर्णतः सुसज्जित हों। फिजियोथेरेपिस्ट और पोषण विशेषज्ञों की सेवाओं का उपयोग खेलो इंडिया केंद्रों और विभिन्न स्तरों पर उत्कृष्टता के लिए केंद्र और प्रतियोगिताओं में उनकी तैनाती द्वारा किया जाएगा।

खेल उपकरण उद्योग को सस्ते खेल उपकरणों के निर्माण के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। इसके अलावा, खेल विभाग द्वारा भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) के समक्ष खेल उपकरण संबंधी उत्पादों के मानकीकरण और उपयोग की प्रकृति (प्रतिभागिता/प्रतिस्पर्धी) और प्रतियोगिताओं के स्तर पर आधारित विनियोग विनिर्देशों के मुद्दे को रखेगा।

5 प्रतिभा पहचान और विकास

प्रतिभाशाली खिलाड़ी की पहचान प्रतिस्पर्धात्मक प्रदर्शन और वैज्ञानिक रूप से परीक्षण के माध्यम से पारदर्शी तरीके से की जाएगी।

इसके अलावा, एक राष्ट्रीय प्रतिभा खोज पोर्टल को हाल ही में आरंभ किया गया है जो व्यक्तिगत उपलब्धियों को अपलोड करने के लिए सहज पहुंच प्रदान करेगा।

इसके अलावा, प्रतिभावान खिलाड़ियों की बेहतर पहचान के लिए दूरदराज के स्थानों पर वैज्ञानिक मूल्यांकन करने के लिए मोबाइल वैन का गुजरात मॉडल अपनाया जाएगा।

प्रतिभा केन्द्रों द्वारा प्रतिभा पहचान अभियान के दौरान, स्वदेशीय खेलों सहित खेल क्षेत्र के अनुसार, पहचान की जाएगी और विधिवत रूप से संरचित किया जाएगा।

उस क्षेत्र में इस प्रकार के किसी विशिष्ट खेल / खेल स्पर्धा को प्रोत्साहित करने के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित करने के लिए खेल अकादमी के माध्यम से प्रयास किए जाएंगे।

10 प्राथमिकता प्राप्त खेल क्षेत्रों में पहचानी गई 100 खेल प्रतिभाओं को उनके अनुकूल प्रशिक्षण और छात्रवृत्ति के रूप में 8 वर्ष की अवधि के लिए

5 लाख रुपए प्रति एथलीट के अनुसार सहायता प्रदान की जाएगी।

6. खेल संरचना का सृजन / उन्नयन

विश्वविद्यालय स्तर के खिलाड़ियों को अभिजात वर्ग के स्तर में स्थान प्रदान करने के लिए विश्वविद्यालयों में खेल उत्कृष्टता केंद्रों का निर्माण किया जाएगा।

विश्वविद्यालयों में कार्यान्वित करने से संबंधित परियोजनाएं। अतिरिक्त खेल संरचना के सृजन हेतु योगदान के लिए यूजीसी को शामिल करने के प्रयास किए जाएंगे।

इष्टतम खेल संबंधी बुनियादी ढांचे की एकसमान उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए पूरे देश में खेल के बुनियादी ढांचे की बड़ी कमियों को पहचानना और दूर करना।

7. राष्ट्रीय खेल अकादमियों को सहायता

भारतीय खेल प्राधिकरण, राज्य / संघ शासित प्रदेशों की सरकारों, खेल संवर्धन बोर्डों, निजी संस्थाओं और प्रतिष्ठित खिलाड़ियों के अंतर्गत मौजूदा खेल अकादमियों को किसी भी अभिज्ञात खेल क्षेत्र को सहायता प्रदान करनी व उसका राष्ट्रीय स्तर की खेल अकादमी के स्तर तक उन्नयन होना चाहिए।

राष्ट्रीय अकादमियों के एक अखिल भारतीय नेटवर्क का निर्माण किया जाएगा, जहां अभिज्ञात खेल प्रतिभा को वार्षिक वित्तीय सहायता के माध्यम से विकसित किया जा सकता है।

8. शारीरिक फिटनेस

देश के सभी स्कूल जा रहे बच्चों के शारीरिक फिटनेस स्तर को मापें, डाटा एकत्रित करें, उसका विश्लेषण करें और स्वास्थ्य के लिए योगदानकर्ता के रूप में खेल की भूमिका को सुदृढ़ करने के लिए अनुभवजन्य प्रमाण प्राप्त करें।

विभिन्न आयु समूहों और फिटनेस के विभिन्न स्तरों के लिए शारीरिक फिटनेस वृद्धि प्रोटोकॉल को तैयार करें।

इस योजना के तहत विकसित किए गए राज्यों / संघ शासित प्रदेशों / निजी निकायों / सामुदायिक कोचों के माध्यम से इसे पूरे देश में लागू करें।

9. महिलाओं के लिए खेल

महिलाओं के लिए एक राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के माध्यम से महिलाओं को विशेष अवसर प्रदान करने के माध्यम से लैंगिक समानता को बढ़ावा देना।

महिलाओं के लिए विशेष प्रतियोगिताओं द्वारा भय विहीन अथवा निषिद्धता रहित भागीदारी के लिए अधिकाधिक रूप से महिलाओं को प्रोत्साहित किया जाएगा।

महिलाओं के बीच खेल–कूद संस्कृति को पैदा किया जाए और उन्हें खेल को जीवन के माध्यम के रूप में अपनाने के लिए प्रोत्साहित करें।

खेल के माध्यम से समावेशी विकास।

10. शांति और विकास के लिए खेल

खेल को बढ़ावा देने के लिए जम्मू–कश्मीर राज्य को विशेष सहायता प्रदान की जाए तथा शांति और विकास को बढ़ावा देने के लिए इसे एक उपकरण के रूप में उपयोग किया जाए।

विघटनकारी गतिविधियों से भटके हुए युवाओं को दूर करने और देश के विकास के लिए उनकी ऊर्जा का उपयोग करें।

उग्रवाद, आतंकवाद या सामाजिक अशांति से प्रभावित देश के अन्य क्षेत्रों में प्रयासों को दोहराएं।

11. दिव्यांगों के बीच खेलों का प्रसार

खेल के बुनियादी ढांचे को बाधारहित बनाने के लिए सहायता प्रदान करें।

पैरा–एथलीटों के वर्गीकरण के लिए सहायता।

भारतीय वर्गीकृतों को प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए सहायता।

पैरा–एथलीटों के लिए विशेष खेल संरचना संबंधी कमियों के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करना।

12. ग्रामीण और घरेलू /जनजातीय खेलों का प्रचार

देश के ग्रामीण और घरेलू /जनजातीय खेलों के बारे में जानकारी प्रसारित करने के लिए एक विस्तृत विवरण युक्त वेबसाइट के माध्यम से एक ऑनलाइन संसाधन तैयार करना।

ग्रामीण खेलों और स्वदेशी / जनजातीय खेलों में बच्चों और युवाओं की भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए इनकी प्रत्येक दूसरे वर्ष में वार्षिक प्रतियोगिताओं का आयोजन।

यह न केवल वर्तमान पीढ़ी के बीच हमारे पारंपरिक खेलों को लोकप्रिय बनाने में सहायक होगा, बल्कि इन खेलों के मुख्य धारा में लाने के लिए मार्ग भी तैयार करेगा।

तकनीकी सहायता और क्षमता निर्माण सेवाएं

मिशन निदेशालय – खेल विकास के उपयोग के लिए तकनीकी सहायता और क्षमता निर्माण सेवाएं (टीएससीबीएस) प्रदान करने के लिए एक संचित निधि को स्थापित किया जाए।

इस निधि का उपयोग जानकारी के प्रसार, क्षमता निर्माण, खेल के विकास के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग, विभिन्न हितधारकों के सहयोग से पहुंच बनाना, आसूचना प्रौद्योगिकी सक्षम सूचना व्यवस्था का विकास व प्रबंधन, अनुसंधान अध्ययन का अनुबंधन अथवा सहायक अनुसंधान अध्ययन, निगरानी और मूल्यांकन कार्य व इस योजना के कार्यान्वयन के लिए आवश्यक समझी गई किसी भी प्रकार की अन्य गतिविधि।

वित्तीय प्रभाव

खेलो इंडिया योजना के तहत वर्षवार आवर्ती व्यय और गैर–आवर्ती व्यय का विवरण को नीचे तालिकाबद्ध किया गया है :

(करोड़ रूपए में)

क्रम संख्या	वित्तीय वर्ष	अनुमानित व्यय		
		आवर्ती	गैर आवर्ती	योग
1.	2017.18	347	180	527
2.	2018.19	402	175	577
3.	2019.20	477	175	652
योग		1226	530	1756

आवर्ती और गैर आवर्ती दोनों प्रकार के अनुमानित व्यय से संबंधित एक सांकेतिक विस्तृत आंकड़ा **अनुबंध VII** में दिया गया है।

वर्ष 2017–18 के दौरान 350.00 करोड़ रुपये का कुल बजट आबंटन किया गया था। वर्ष 2017–18 (31.12.2017 तक) के दौरान जारी राशि का सारांश नीचे दिया गया है और इनके विवरण **अनुबंध VIII(i)** से **VIII(iv)** में दिए गए हैं।

1.	यूएसआईएस के तहत अनुमोदित परियोजना के लिए जारी की गई राशि	:	27,45,34,000
2.	खेलो इंडिया के तहत अनुमोदित परियोजना के लिए जारी की गई द्वितीय राशि	:	143,04,50,000

3.	पिछले वर्षों के दौरान आयोजित प्रतिबद्धता संबंधी खेल स्पर्धाओं के लिए जारी की गई तृतीय राशि	:	51,17,284
4.	पुनर्स्थापित खेलो इंडिया स्कीम के अन्य स्तरों के तहत जारी किए गए अनुदान	:	68,25,38,337
कुल		:	239,26,39,621

13. पूर्व पंचायत युवा क्रीडा खेल अभियान (पीवाईकेकेए), राजीव गांधी खेल अभियान योजना (आरजीकेए), शहरी खेल बुनियादी ढांचा योजना (यूएसआईएस) और खेलो इंडिया के तहत बकाया उपयोग प्रमाण पत्र (यूसी) का ब्यौरा **अनुबंध IX** में दिया गया है।

14. खेल विकास निदेशालय मिशन से संबंधित दिनांक 31.12.2017 तक की सी एंड एजी रिपोर्ट के बकाया लेखापरीक्षा पैरा का ब्यौरा **अनुबंध X** में दिया गया है।

अध्याय 17

खेल में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने से संबंधित योजनाएं

1. जमीनी स्तर के खेलों का संवर्धन

राष्ट्रीय खेल संघ (एनएसएफ) देश में खेल के विभिन्न क्षेत्रों के समग्र प्रबंधन, दिशानिर्देश, नियंत्रण विनियमन, संवर्धन और विकास के लिए जिम्मेदार और उत्तरदायी है। भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) द्वारा जमीनी स्तर के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की पहचान करने और उनका राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के अनुसार उत्कृष्टता प्रदान करने के लिए पोषण करने के लिए निम्नलिखित खेल संबंधी प्रोत्साहन योजनाओं को लागू किया जाता है : –

- राष्ट्रीय खेल प्रतिभा प्रतियोगिता योजना (एनएसटीसी)
- सेना प्रशिक्षण केन्द्र (एसटीसी)
- साई प्रशिक्षण केंद्र (एसटीसी)
- स्पेशल एरिया गेम्स (एसएजी)
- एसटीसी / एसएजी विस्तार केंद्र
- उत्कृष्टता केंद्र (सीओई)
- राष्ट्रीय खेल अकादमी (एनएसए)

भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा क्षेत्रीय केंद्रों और शैक्षिक संस्थानों की स्थापना देश में एसएआई खेल केंद्रों के माध्यम से देश में उपर्युक्त खेल संवर्धन योजनाओं को लागू करने के लिए स्थापित किया गया है। वर्तमान स्थिति के अनुसार, प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को आवासीय और गैर– आवासीय आधार के तहत विभिन्न खेल क्षेत्रों में प्रशिक्षित किया जा रहा है। एसएआई एनएसटीसी, एसटीसी, एसएजी और एसटीसी/ एसएजी केंद्रों के विस्तार केंद्रों के अंतर्गत बालिका प्रशिक्षुओं सहित अधिकांश चयनित प्रशिक्षु स्कूली शिक्षा के प्राथमिक और माध्यमिक स्तर से संबंधित हैं, जिन्हें उपरोक्त साई योजनाओं के तहत चयनित होने पर स्वीकार्य योजना गैर–एनएस के अनुसार विशेषज्ञ कोच, खेल उपकरण, भोजन और आवास, स्पोर्ट्स किट, प्रतियोगिता में भागीदारी, शैक्षिक व्यय, चिकित्सा/ इंश्योरेंस और छात्रवृति के रूप में सुविधाएं प्रदान की जाती हैं।

स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसजीएफआई) और एसोसिएशन ऑफ यूनिवर्सिटीज़ (एआईयू) देश के स्कूल स्तर / कॉलेज स्तर पर खेल के संवर्धन और विकास के लिए जिम्मेदार हैं। एसजीएफआई / एआईयू को सरकार की प्राथमिकता सूची के तहत रखा गया है और उन्हें अनुमोदित वार्षिक प्रशिक्षण और प्रतियोगिता कैलेंडर (एटीसीसी) के अनुसार सभी प्रकार की आवश्यक सुविधाएं और वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही हैं।

2. राष्ट्रीय खेल संघों के लिए सहायता संबंधी योजना

इस योजना के अंतर्गत, भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय खेल संघों (एनएसएफज़) और अन्य खेल संगठनों को राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के आयोजन और भारत में अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताएं आयोजित करने, विदेशों में अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने, कोचिंग शिविरों का आयोजन करने, खेल उपकरणों की खरीद और विदेशी कोचों की नियुक्ति के लिए सहायता प्रदान की जाती है। वर्ष 2015 में, भारतीय एथलीटों की तैयारी को बढ़ावा देने और देश के पदक की आशाओं को बढ़ाने के उद्देश्य से युवा मामला और खेल मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय खेल संघों की सहायता योजना के तहत विभिन्न वित्तीय मापदंडों को बढ़ाया गया। भारत में आयोजित अंतरराष्ट्रीय आयोजनों के लिए, वित्तीय सहायता की मात्रा को प्रति टूर्नामेंट हेतु 10 लाख से बढ़ाकर 30 लाख तक कर दिया गया है। राष्ट्रीय चौंपियनशिप आयोजित करने की राशि को संशोधित कर सीनियर, जूनियर और उप–जूनियर के लिए 2 लाख रुपये से बढ़ाकर सीनियर के लिए 5 लाख रुपए, जूनियर के लिए

7 लाख रुपए और सब–जूनियर के लिए 10 लाख कर दिया गया है। एथलीटों के लिए 5 लाख रुपए की चिकित्सा बीमा पॉलिसी और 25 लाख रुपए की व्यक्तिगत दुर्घटना पॉलिसी को अनुमति प्रदान की गई है। एनएसएफ को 10 लाख रुपए के उपकरण खरीदने के लिए अनुमत किया गया है। स्वदेशी / क्षेत्रीय खेल आयोजनों को बढ़ावा देने के लिए, इस प्रकार के प्रत्येक आयोजन के लिए 5 लाख रुपए तक की सहायता के नए प्रावधान किए गए हैं। भारत में परंपरागत टूर्नामेंटों के आयोजन के लिए 25 लाख रुपए की सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। यह इन टूर्नामेंटों की गुणवत्ता में सुधार करने में सहायक होंगे। 'अन्य' श्रेणी के खेल क्षेत्रों को वित्तीय सहायता प्रदान की गई है।

खिलाड़ियों के हितों की सुरक्षा

देश में खेल के विकास और प्रोत्साहन के लिए, राष्ट्रीय स्तरीय खेल महासंघों द्वारा आयोजित टूर्नामेंटों / प्रतियोगिताओं में भागीदारी के लिए खिलाड़ियों / टीमों के लिए, जिन्हें इस विभाग तथा उनकी संबद्ध राज्य इकाई से मान्यता प्राप्त हो, माननीय सचिव / महासचिव / जनरल सैक्रेट्री अथवा संबंधित खेल संघ के अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता, जिन्हें युवा मामलों और खेल मंत्रालय द्वारा मान्यता प्राप्त हो के हस्ताक्षरित आवश्यक प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने पर रेल मंत्रालय द्वारा रेलवे में रियायत प्रदान की जाती है। तथापि,

उन खेल संघों / खिलाड़ियों की टीम जिनकी मान्यता को जैसे कि सरकार के दिशानिर्देशों का पालन न करने, अंतर्राष्ट्रीय महासंघों के विवादों, विवाद आदि जैसे विभिन्न कारणों से इस विभाग द्वारा निलंबित की गई है/ नवीनीकृत नहीं किया गया है, उनके एथलीट रेलवे रियायत का लाभ प्राप्त करने में सक्षम नहीं हो पाते थे। इस जटिलता को अब समाप्त कर दिया गया है और ऐसे मामलों में खिलाड़ियों के लिए रियायत भारतीय खेल प्राधिकरण से सचिव (साई) अथवा कार्यकारी निदेशक (टीम) द्वारा जारी रियायत प्रमाण पत्र के आधार पर प्रदान की जाएगी।

सुशासन के आधारभूत सर्वमान्य सिद्धांत

सुशासन के लिए तैयार किए गए कुछ प्रमुख सिद्धांतों में शामिल हैं : –

- खेल निकाय के चुनावों को स्पष्ट, निष्पक्ष नियमों द्वारा शासित किया जाना चाहिए जिसमें सार्वजनिक हस्तक्षेप रहित स्पष्ट चुनावी भूमिका, स्वतंत्र रिटर्निंग अधिकारी की नियुक्ति, गुप्त मतदान द्वारा मतदान होना आदि शामिल हों।
- यह सुनिश्चित करने के लिए कि हितों का कोई संघर्ष नहीं है, पर्याप्त प्रक्रियात्मक नियम स्थापित होने चाहिए।
- नियमित आधार पर कार्यालय पदाधिकारियों के नवीकरण की अनुमति प्रदान करने के लिए कार्यकाल सीमित अवधि का होना चाहिए; और नए उम्मीदवारों तक पहुंच प्रदान हो।
- स्वायत्तता संरक्षित करने के लिए सरकार के साथ सहयोग, समन्वय और परामर्श हो।

सरकार द्वारा विभिन्न राष्ट्रीय खेल महासंघों के कार्य में पारदर्शिता और उत्तरदायित्व स्थापित करने के लिए समय–समय पर सुशासन संबंधी दिशानिर्देश जारी किए गए हैं। एनएसएफ के लिए सरकार से वार्षिक मान्यता और विभिन्न प्रकार की रियायतें प्राप्त करने के लिए राष्ट्रीय खेल विकास संहिता 2011 के प्रावधानों का अनुपालन करना आवश्यक होता है अर्थात पदाधिकारी की आयु और कार्यकाल संबंधी सीमाओं का पालन करना, सभी स्तरों पर उचित लेखा प्रक्रियाओं को अपनाना और वार्षिक वित्तीय विवरण प्रस्तुत करना, निष्पक्ष और पारदर्शी चयन प्रक्रियाओं को अपनाना, उचित लोकतांत्रिक चुनावी प्रक्रियाओं का पालन करना, खेलों में आयु संबंधी धोखाधड़ी के लिए कार्यवाही करना, आरटीआई अधिनियम के प्रावधानों का अनुपालन करना, नियमित रूप से राष्ट्रीय चौंपियनशिप का आयोजन करना, मानदंडों / मानकों के अनुसार नियमित रूप से अपने सभी खिलाड़ियों के डीओपीई परीक्षणों को सुनिश्चित करना, राष्ट्रीय खेल संघों की वेबसाइट में जानकारियों का स्वय खुलासा करना आदि।

एनएसएफ को सहायता की योजना के अंतर्गत विभिन्न संगठनों को प्रदान की गई वित्तीय सहायता अनुबंध में दी गई है

एनएसएफ़ तथा अन्य संगठनों को केन्द्रीय निधियन का ब्यौरा

रुपए लाख में

क्रम संख्या	परिसंघ का नाम	2014–15	2015–16	2016–17	2017–18 Upto 31.12.2017
1	एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया	83.55	1831.44	1920.76	120.25
2	तीरंदाजी	448.59	1105.00	730.00	402.75
3	ऑल इंडिया शतरंज फेडरेशन	107.95	195.00	214.00	73.79
4	राष्ट्रीय राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया	1039.63	2212.00	1550.00	726.21
5	टेनिस	48.52	47.00	97.00	24.30
6	जूडो फेडरेशन ऑफ इंडिया	114.66	275.00	66.34	89.67
7	रोइंग फेडरेशन ऑफ इंडिया	40.69	308.98	195.00	83.55
8	टेबल टेनिस फेडरेशन ऑफ इंडिया	122.02	296.00	377.00	203.35
9	स्विमिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया	7.22	177.25	198.00	69.86
10	स्क्वैश रैकेट फेडरेशन ऑफ इंडिया	101.56	170.00	95.00	177.18
11	मुक्केबाजी	99.36	1215.00	800.00	367.82
12	हॉकी इंडिया	520.33	2038.26	2282.00	692.65
13	भारतीय भारोत्तोलन संघ	83.47	765.00	580.00	254.08
14	बैडमिंटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया	511.59	1380.00	1729.00	451.53
15	इक्वेस्ट्रियन फेडरेशन ऑफ इंडिया	12.43	16.00	25.13	–
16	अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ	131.63	154.30	350.00	480.25
17	भारतीय गोल्फ संघ	37.29	37.00	88.00	37.42
18	रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया	532.31	1510.00	1410.00	455.36
19	भारतीय नौकायन संघ	116.91	161.98	48.67	161.31
20	भारतीय एमेच्योर कबड्डी फेडरेशन	18.00	113.00	90.00	4.07
21	वॉलीबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया	125.92	309.83	270.00	15.88
22	जिम्नास्टिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया	66.10	210.00	450.00	73.46
23	एमेच्योर हैंडबाल फेडरेशन	24.95	14.61	0.00	28.44
24	बास्केटबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया	52.63	9.83	36.62	23.14
25	फेंसिंग एसोसिएशन ऑफ इंडिया	0.00	0.00	72.00	51.67
26	भारतीय क्याकिंग एंड कैनोइंग एसोसिएशन	59.94	132.67	201.00	99.83
27	बंगाल अखिल भारतीय खेल परिषद	3.02	65.64	60.26	115.93
28	भारतीय पैरालम्पिक कमेटी	197.72	720.08	259.52	280.09
29	विशेष ओलंपिक भारत	19.17	600.34	278.92	101.35
30	अखिल भारतीय कैरम फेडरेशन	5.83	0.00	0.00	–
31	एमेच्योर बेसबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया	2.25	0.00	0.00	–
32	अत्यापत्या फेडरेशन ऑफ इंडिया	1.25	0.50	0.00	–

33	साइकिल पोलो फेडरेशन ऑफ इंडिया	2.85	0.75	0.00	–
34	भारतीय पॉवर लिफ्टिंग फेडरेशन	5.25	0.00	0.00	–
35	खो–खो फेडरेशन ऑफ इंडिया	7.75	0.00	30.00	–
36	सेपक ट्रा फेडरेशन ऑफ इंडिया	10.53	104.00	92.48	55.10
37	शूटिंग बाल फेडरेशन ऑफ इंडिया	0ण्00	0ण्00	0ण्00	0.00
38	सॉफ्टबाल फेडरेशन ऑफ इंडिया	0ण्00	0ण्00	8ण्75	18.25
39	तायक्वांडो फेडरेशन ऑफ इंडिया	39.80	85.00	73.82	5.69
40	टेनी–कोइट फेडरेशन ऑफ इंडिया, बैंगलोर	3.00	0.50	0.00	–
41	टेनिस बॉल क्रिकेट फेडरेशन ऑफ इंडिया	0ण्00	0ण्00	0ण्00	0.00
42	टग ऑफ वॉर फेडरेशन ऑफ इंडिया	3.00	0.00	0.00	–
43	वुशु एसोसिएशन ऑफ इंडिया	68.55	241.00	480.00	75.77
44	बिलियर्डस एंड स्नूकर फेडरेशन ऑफ इंडिया	76.25	75.00	67.00	37.36
45	साइक्लिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया	69.29	351.00	450.00	83.80
46	एमेच्योर सॉफ्ट टेशन फेडरेशन ऑफ इंडिया	0.50	0.00	0.00	–
47	ब्रिज फेडरेशन ऑफ इंडिया	0.00	16.00	22.00	17.16
48	आइस हॉकी (एनएसपीओ)	2.00	0.00	0.00	–
49	स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया	17.20	55.00	176.00	47.40
50	भारतीय ओलंपिक एसोसिएशन	1830.87	32.20	0.00	–
51	भारतीय खेल प्राधिकरण, जे.एन. स्टेडियम	0.00	0ण्00	0.00	0.00
52	भारतीय विश्वविद्यालय संघ (एनएसपीओ)	148.18	0.00	0.00	–
53	बॉलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया	10.44	0.00	0.00	–
54	बॉल बेडमिंटन फेडरेशन ऑफ इंडिया	1.00	0.00	0ण्00	16.50
55	रोल बॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया	1.00	0.00	0.00	–
56	जंम रोप फेडरेशन ऑफ इंडिया	3.00	0.00	0.00	–
57	मलखम्ब फेडरेशन ऑफ इंडिया		0.00	10.00	7.50
58	विंटर गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया	7.23	0.00	0.00	–
59	सुब्रतो मुखर्जी एजुकेशनल सोसाइटी	1.25	0.00	50.00	–
59	दुरंद कंप	0.00	0.00	24.00	0.00
60	जवाहर लाल नेहरू हॉकी टूर्नामेंट सोसाइटी	2.25	0.00	0.00	–
61	दक्षिण एशियाई खेलं	0.00	6036.99	0.00	–
62	अंडर–17 फीफा विश्व कप –2017	0.00	0.00	579.50	–
63	रिओ ओलंपिंक्स के लिए तैयारी	0.00	0ण्00	2233.00	0.00
64	ब्रिक्स अंडर–17 फुटबॉल टूर्नामेंट	0.00	0.00	1961.00	–
	कुल	7046.68	23069.15	12480.34	6708.06
	राष्ट्रीय कोचिंग शिविरों और विदेशी कोचों के वेतन के लिए जारी की गई निधियां	7843.53	5652	14616	9544.00

रु एनएसएफ की मान्यता समाप्त/निरस्त हो जाने के कारण व्यय साई के जरिए किया गया

3 खेलों में मानव संसाधन विकास की योजना

उद्देश्य : –

''प्रतिभा खोज और प्रशिक्षण संबंधी योजना'' की पूर्ण संशोधन के पश्चात, वित्तीय वर्ष 2013–14 में खेल विभाग द्वारा खेलों में मानव संसाधन विकास योजना नामक एक केंद्रीय क्षेत्र योजना आरंभ की गई थी। इस योजना का मुख्य उद्देश्य खेल और खेलकूद संबंधी विशिष्ट विषयों, जिनमें मानव संसाधन अपर्याप्त पाया जाता है, में मास्टर्स और डॉक्टरल स्तर के विशेष अध्ययन के लिए योग्य उम्मीदवारों को फेलोशिप प्रदान करते हुए खेल प्रबंधन के शैक्षिक और बौद्धिक पक्ष पर बल देना होता है। यह योजना खेल प्रबंधन को सहायता प्रदान करने के लिए खेल विषयों की अनुसंधान और विकास व प्रकाशन भी उपलब्ध कराती है।

यह योजना के अंतर्गत कोचों व तकनीकी और सहायक स्टाफ को प्रशिक्षण और अल्पकालिक पाठ्यक्रमों के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है; इसके अलावा, खेल विशेषज्ञों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सेमिनार / सम्मेलनों में भाग लेने के लिए प्रायोजित किया जाता है; विदेशी विशेषज्ञों को आमंत्रित करते हुए अथवा उन्हें विदेशी संस्थानों के लिए भेजते हुए देश में कोचिंग शिविरों /सेमिनारों / सम्मेलनों / कार्यशालाओं में भाग लेने / उपस्थित होने के लिए सहायता भी प्रदान की गई है।

मुख्य विशेषताएं : –

यह योजना फैलोशिप के लिए सहायता, खेल विषयों पर अनुसंधान, कोचों व खेल विशेषज्ञों के लिए प्रशिक्षण और अल्पावधि पाठ्यक्रम, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सेमिनारों, सम्मेलनों में भाग लेने के लिए तथा देश के भीतर सेमिनारों, सम्मेलनों, कार्यशालाओं के आयोजन के लिए सहायता प्रदान करती है।

अभिलक्षित समूह : –

संबंधित खेल क्षेत्रों में खिलाड़ियों की उत्कृष्टता के लिए कोच, मैच अधिकारीगण और सहायक कर्मी (अर्थात् जज, अम्पायर, रेफरी इत्यादि) आवश्यक होते हैं। जिस प्रकार से, विदेश में योग्यता परीक्षा में प्रशिक्षण / उपस्थित होने के लिए इस लक्ष्य समूह के लिए पर्याप्त प्रावधान किया गया है। इस योजना में खेलों व खेलकूद के लिए प्रासंगिक विशिष्ट विषयों में विशिष्ट अध्ययन के छात्र व स्नातकोत्तर छात्र भी लक्षित समूह होते हैं।

बजट का प्रावधान : –

चालू वित्त वर्ष (2017–18) के दौरान इस योजना के तहत 10 करोड़ रुपए का बजट प्रावधान किया गया है।

4 राष्ट्रीय खेल विकास निधि

नेशनल स्पोर्ट डिवेलपमेंट फंड (एनएसडीएफ) की स्थापना वर्ष 1998 में भारत सरकार की दिनांक 12 नवंबर 1998 की अधिसूचना के द्वारा चौरिटेबल एंडॉमेंट एक्ट 1890 के तहत की गई थी, जिसका उद्देश्य निजी /कॉर्पोरेट क्षेत्र और गैर–निवासी भारतीयों सहित गैर–सरकारी स्रोतों की ओर से सरकार द्वारा प्रदान किए गए अनुदान के समान संसाधनों को जुटाना था।

एनएसडीएफ द्वारा तकनीकी वैज्ञानिक और मनोवैज्ञानिक समर्थन सहित अंतर्राष्ट्रीय स्तर के कोचों के तहत प्रशिक्षण प्राप्ति के लिए अवसर प्रदान करते हुए क्षेत्र विशेष में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए तथा अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भागीदारी के अवसर प्राप्त करने के लिए भी लोगों को सहायता प्रदान की जा रही है। देश में खेलों / खिलाड़ियों को वित्त पोषित करने को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न पीएसयू इस निधि में योगदान प्रदान करते हैं।

इस निधि का प्रबंधन केंद्र सरकार द्वारा गठित एक परिषद द्वारा किया जाता है जिसमें केंद्रीय युवा मामला एवं खेल मंत्री अध्यक्ष के रूप में होते हैं। इस निधि के दैनिक कामकाज को सचिव, खेल विभाग की अध्यक्षता में कार्यकारी समिति द्वारा संचालित किया जाता है।

एनएसडीएफ के उद्देश्य हैं : –

क राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्टता प्राप्ति के लिए सामान्य और विशिष्ट खेल क्षेत्रों और व्यक्तिगत खेल क्षेत्रों में खेल संवर्धन के लिए निधि का संचालन व लागू करना।

ख खिलाड़ियों, कोचों और खेल विशेषज्ञों के लिए संबंधित खेल में विशेष प्रशिक्षण और कोचिंग प्रदान करना।

ग खेल और खेलकूद को बढ़ावा देने के लिए बुनियादी ढांचे का निर्माण और रख–रखाव करना।

घ खेल और खेलकूद को बढ़ावा देने के लिए संगठनों और व्यक्तियों को खेल उपकरण की आपूर्ति करना।

ड़ खेलों में उत्कृष्टता को सहायता प्रदान करने के लिए समस्याओं की पहचान करना और अनुसंधान और विकास अध्ययन करना।

च अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देना, विशेष रूप से, वे विनिमय केंद्र जो खेल के विकास को बढ़ावा दे सकते हैं।

छ उपरोक्त किसी भी वस्तु से संबंधित परियोजनाओं के लिए अल्प ब्याज अथवा ब्याज मुक्त आधार पर ऋण प्रदान करना।

ऑफ पॉकेट अलाउंस" (ओपीए) की वितरित राशि : –

वर्ष 2017–18 की अवधि के दौरान, एनएसडीएफ ने 399. 50 लाख रुपये की राशि "आउट ऑफ पॉकेट अलाउंस" (ओपीए) के लिए जारी की है जिसमें 178 एथलीट शामिल हैं (220 एथलीटों में से), जिन्हें जनवरी 2018 तक शीर्ष योजना के तहत चयनित किया गया था; एथलीटों के चयन के माह से ओपीए 50,000.00 रुपए प्रति माह है; शेष एथलीटों के लिए, ओपीए रिलीज करने के लिए आवश्यक दस्तावेज एकत्र किए जा रहे हैं।

प्राप्त योगदान : –

वर्ष 2017–18 के दौरान, (31.12.2017 तक) एनएसडीएफ द्वारा 50.05 लाख रुपए का योगदान प्राप्त किया गया; भारत सरकार ने इस अवधि के दौरान 200.00 लाख रुपये का समरूप योगदान दिया।

वितरित नकद पुरस्कार : –

2017–18 की अवधि के दौरान निम्नलिखित खिलाड़ियों को 145 लाख रुपए का नकद पुरस्कार के रूप में वितरण किया गया।

क्रम संख्या	खिलाड़ियों के नाम व प्रयोजन	राशि (लाख रुपए में)
1	नेत्रहीनों के टी –20 विश्व कप क्रिकेट टूर्नामेंट 2017 के सभी 17 सदस्यों में प्रत्येक को 5 लाख रुपए का नकद पुरस्कार– आई अजय कुमार रेड्डी, दीपक मलिक, रामबीर सिंह, सुखराम मांझी, तोम्पाकी दुर्गा राव, सुनील आर, दुना वेंकटेश्वर राव, मोहम्मद फैसल, मोहम्मद फरहान, केतनभाई बाबूभाई पटेल, मोहम्मद जाफर इकबाल, सोनूगोलकर, अनिस फक्ररूला बेग, प्रेम कुमार जी, प्रकाश जयरामैया, गणेशभाई ईश्वरभाई मुहुधकर, गोलू कुमार	85.00
2	फीफा अंडर–17 विश्व कप, 2017 के अवसर पर 12 फुटबॉल विभूतियों में प्रत्येक को 5 लाख रुपए का नकद पुरस्कार – श्री समर बनर्जी, श्री पी. के. बनर्जी, श्री सुबीमल गोस्वामी, श्री सैयद न्यामुद्दीन, श्री मगन सिंह, श्री भास्कर गांगुली, श्री आई एम विजयन, श्री भाईहुंग भुतिया, श्री जोकिम अब्रान्चेस, श्री सुनील छेत्री, श्रीमती बेंबेम देवी, श्री गुरुदेव सिंह गिल	60.00
	कुल	**145.00**

5. मणिपुर में राष्ट्रीय खेल विश्वविद्यालय : –

लक्ष्य : राष्ट्रीय खेल विश्वविद्यालय सोसायटी का उद्देश्य भावी जानकारीयुक्त समाज प्राप्त करने और स्थानीय खेलों के विकास को बढ़ावा देने के लिए विश्व स्तरीय एथलीटों, खेल वैज्ञानिकों, शारीरिक शिक्षाविदों को तैयार करना और अपनी मूल रचनात्मक शैक्षणिक व्यवस्था और अनुसंधान का उपयोग करते हुए एक अग्रणी विश्वविद्यालय बनना है।

मणिपुर में राष्ट्रीय खेल विश्वविद्यालय की स्थापना के प्रस्ताव को 10 जुलाई 2014 को माननीय वित्त मंत्री द्वारा अपने बजट भाषण (2014–15) में औपचारिक रूप से घोषित किया गया था। नीति आयोग ने इस परियोजना के लिए सिद्धांत रूप से स्वीकृति प्रदान कर दी है। यह नई केंद्रीय क्षेत्र योजना पांच वर्षों में लागू की जाएगी। परियोजना की अनुमानित लागत 500 करोड़ रुपए से अधिक होगी। प्रस्तावित स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी के प्रशिक्षण कार्यक्रम को चार स्कूलों के अंतर्गत आयोजित किया जाएगा : स्कूल ऑफ स्पोर्ट्स साइंस और स्पोर्ट्स मेडिसिन, स्कूल ऑफ स्पोर्ट्स मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी, स्कूल ऑफ स्पोर्ट्स एजुकेशन और स्कूल ऑफ इंटरडिसीप्लिनरी स्टडीज। इन चार स्कूलों में उनके तहत तेरह विभाग होंगे।

मणिपुर सरकार ने 29.12.2016 को इस प्रस्तावित विश्वविद्यालय के लिए मणिपुर के पश्चिम इंफाल जिले में 325.90 एकड़ जमीन की भूखंडयुवा मामला और खेल मंत्रालय को प्रदान किया हैं। प्रस्तावित विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए हिंदुस्तान स्टीलवर्क्स कंस्ट्रक्शन लिमिटेड (एचएससीएल) को परियोजना प्रबंधन सलाहकार के रूप में संलग्न किया गया है।

यह सुनिश्चित करने के लिए कि प्रस्तावित विश्वविद्यालय सर्वश्रेष्ठ अंतर्राष्ट्रीय मानकों और व्यवस्थाओं के अनुरूप है, अप्रैल 2017 में युवा मामला और खेल मंत्रालय द्वारा कैनबरा और विक्टोरिया विश्वविद्यालयों के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) को हस्ताक्षरित किया गया है।

एनएसयू विधेयक को अंतिम रूप प्रदान करने के लिए, राष्ट्रीय खेल विश्वविद्यालय सोसाइटी की स्थापना मणिपुर सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम, 1989 के तहत की गई है। शैक्षणिक सत्र 2017–18 के लिए, बीपीईएस और बीएससी (स्पोर्ट्स कोचिंग) पाठ्यक्रम खूमन लैम्पक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के अस्थायी परिसर में आरंभ किया जाएगा, जो राष्ट्रीय खेल विश्वविद्यालय सोसाइटी का मुख्यालय होगा।

6. ओलंपिक टास्क फोर्स (ओटीएफ)

आगामी तीन ओलंपिक खेलों 2020 टोक्यो, 2024 और 2028 में भारतीय खिलाड़ियों की प्रभावी तैयारी के लिए एक व्यापक कार्य योजना तैयार करने के लिए जनवरी, 2017 में एक ओलंपिक टास्क फोर्स (ओटीएफ) की स्थापना की गई थी। इस टास्क फोर्स को कुल मिलाकर खेल की सुविधा, प्रशिक्षण चयन प्रक्रिया और अन्य संबंधित मामलों के लिए एक समग्र रणनीति तैयार करने का कार्य सौंपा गया था! ओटीएफ ने अगस्त, 2017 में अपनी रिपोर्ट सौंपी है।

ओटीएफ के टास्क फोर्स की सिफारिश के अनुसार, भारत सरकार द्वारा एक अधिकार प्राप्त संचालन समिति (ईएससी) को 2020 ओलंपिक, जो टोक्यो (जापान) में आयोजित होने हैं, की उचित तैयारी सुनिश्चित करने के लिए उत्तरदायित्व सहित एकल बिंदु इकाई के रूप में स्थापित किया जाना चाहिए। मुख्य कार्य संबंधी एक अधिसूचना जारी की जा चुकी है।

ईएससी द्वारा ओलंपिक, कॉमनवेल्थ और एशियाई खेलों के लिए संकेंद्रित खेलों की सिफारिश की जाएगी; राष्ट्रमंडल खेलों, एशियाई खेलों और ओलंपिक खेलों के लिए राष्ट्रीय खेल संघों द्वारा अंतिम रूप से तैयार की गई संभावनाओं की समीक्षा की जाएगी और यदि कोई हो तो अतिरिक्त या विलोपन से संबंधित सिफारिशें की जाएंगी; संबंधित राष्ट्रीय खेल महासंघ (एनएसएफ) के साथ परामर्श करते हुए सरकार द्वारा अनुमोदित प्रशिक्षण और प्रतियोगिताओं (एटीसीसी) के वार्षिक कैलेंडर

की समीक्षा की जाएगी और किसी भी अतिरिक्त अथवा पूरक आवश्यकताओं के संबंध में विशिष्ट सिफारिशें की जाएंगी; टीओपीएस (लक्ष्यित ओलंपिक पोडियम स्कीम) के चयनित लाभार्थियों के लिए विशिष्ट योजनाओं / पैकेजों को तैयार किया जाएगा, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों के नामों की सूची तैयार करना और प्रशिक्षण, कोचिंग और टीओपीएस एथलीटों के लिए अन्य सहायता प्रदान करने के लिए दरों को मंजूरी प्रदान की जाएगी; योजना बनाने और राष्ट्रीय कैंपरों को सर्वश्रेष्ठ उपलब्ध खेल विज्ञान सहायता प्रदान करने के लिए अल्प से मध्यम अवधि के लिए आउटसोर्सिंग के माध्यम से खेल विज्ञान सहायता सशक्तिकरण किया जाएगा; एथलीट मॉनिटरिंग और डेटा पर्यवेक्षी कार्य निष्पादित करने के लिए जैसा भी आवश्यक हो उपयुक्त एजेंसी को अनुबंधित किया जाएगा; ओलंपिक / पैराएलिंपिक्स में भागीदारी, प्रगति और मंच समापन के मामले में विभिन्न क्षेत्रों में खेल प्रदर्शन को सुधारने के लिए चयनित पैरा–खेल क्षेत्रों सहित चुने गए खेल क्षेत्रों के लिए विशिष्ट खेल रणनीतियों को तैयार किया जाएगा।

ईएससी में अन्य बातों के साथ साथ भारतीय ओलंपिक एसोसिएशन (आईओए) के प्रतिनिधि, प्रतिष्ठित खिलाड़ी प्रतिनिधि, जो सक्रिय खेल से अधिमानतः ओलंपिक स्तर पर सशक्त मेडल संभावना वाले 3 खेल क्षेत्रों से सेवानिवृत्त हुए हों, सरकार द्वारा आवर्तनशील आधार पर मौजूदा मुख्य कोचों अथवा उच्च निष्पादन निदेशकों में से चयनित करने के लिए एक उच्च प्राथमिकता प्राप्त खेल के एलिट कोच; खेल वैज्ञानिक व खेल चिकित्सा निदेशक शामिल होगे।

अध्याय 18

खिलाड़ियों के लिए प्रोत्साहन से संबंधित योजनाएं

युवा मामले और खेल मंत्रालय द्वारा खेलों को बढ़ावा देने के लिए खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न योजनाओं को लागू किया जाता है :

1. **राजीव गांधी खेल रत्न पुरस्कार** की शुरूआत वर्ष 1991–92 में की गई थी। इस योजना के अंतर्गत, वर्ष के सबसे शानदार और उत्कृष्ट खिलाड़ी को 7.5 लाख रूपए के नकद पुरस्कार के साथ एक पदक प्रदान किया जाता है। सामान्यतः एक वर्ष में केवल एक पुरस्कार प्रदान किया जाता है। इस योजना के प्रारंभ से अब तक 34 खिलाड़ियों को यह पुरस्कार प्रदान किया गया है।

   वर्ष 2017 के दौरान दो खिलाड़ियों को राजीव गांधी खेल रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया :

क्रम संख्य	नाम	खेल क्षेत्र
1.	श्री देवेंद्र	पैरा एथलेटिक्स
2.	श्री सरदार सिंह	हॉकी

2. **अर्जुन पुरस्कार** की स्थापना वर्ष 1961 में की गई थी और यह उन खिलाड़ियों को प्रदान किया जाता है जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पिछले तीन वर्षों में लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है और नेतृत्व, खेलकूद और अनुशासन संबंधी भावनाओं को दर्शाया है। प्रत्येक वर्ष 15 पुरस्कार विजेताओं तक पुरस्कार विजेताओं को एक प्रतिमा, सम्मान पुस्तिका, औपचारिक पोशाक और सामान्यतः 5.00 लाख रुपए की पुरस्कार राशि प्रदान की जाती है। आम तौर पर, प्रत्येक वर्ष 15 पुरस्कारों को दिया जा सकता है। अब तक विभिन्न खेल क्षेत्रों से 831 उत्कृष्ट खिलाडियों को अर्जुन पुरस्कार प्रदान किए गए हैं।

29 अगस्त, 2017 को भारत के राष्ट्रपति द्वारा वर्ष 2017 के लिए निम्नलिखित खिलाड़ियों को अर्जुन पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है : –

क्रम संख्या	उम्मीदवार का नाम	खेल क्षेत्र
1.	सुश्री वी. जे. सुरेखा	तीरंदाजी
2.	सुश्री खुशबीर कौर	एथलेटिक्स
3.	श्री अरोकिया राजीव	एथलेटिक्स
4.	सुश्री प्रशांति सिंह	बास्केटबॉल
5.	सुबेदार लैशराम दैबेंद्रो सिंह	मुक्केबाजी
6.	श्री चेतेश्वर पुजारा	क्रिकेट
7.	सुश्री हरमनप्रीत कौर	क्रिकेट
8.	सुश्री ओइनम बेम्बेम देवी	फुटबॉल
9.	श्री एस. एस. पी. चौरसिया	गोल्फ
10.	श्री एस. वी. सुनील	हॉकी
11.	श्री जसवीर सिंह	कबड्डी
12.	श्री पी. एन. प्रकाश	शूटिंग
13.	श्री ए. अमलराज	टेबल टेनिस
14.	श्री साकेत मायनेनी	टेनिस
15.	श्री सत्यवर्त कादियन	कुश्ती
16.	श्री मारियप्पन	पैरा–एथलीट
17.	श्री वरुण सिंह भाटी	पैरा–एथलीट

3. **द्रोणाचार्य पुरस्कार** को 1985 में स्थापित किया गया था। इस पुरस्कार से उन प्रतिष्ठित कोचों को सम्मानित किया जाता है जिन्होंने अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त करने में राष्ट्रीय एथलीटों और टीमों की सहायता की हो। पुरस्कार विजेताओं को एक प्रतिमा, प्रमाण पत्र, औपचारिक पोशाक और 5 लाख रुपये का नकद पुरस्कार प्रदान किया जाता है। सामान्यतः, प्रत्येक वर्ष 5 पुरस्कार दिए जा सकते हैं। इसकी स्थापना के पश्चात से 100 कोचों को यह पुरस्कार प्रदान किया गया है।

29 अगस्त, 2017 को भारत के राष्ट्रपति द्वारा वर्ष 2017 के लिए द्रोणाचार्य पुरस्कारों के साथ निम्नलिखित खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया है : –

क्रम संख्या	पुरस्कार विजेता का नाम	खेल क्षेत्र
1.	स्वर्गीय डॉ. आर. गांधी	एथलेटिक्स
2.	श्री जी. एस. एस. वी. प्रसाद	बैडमिंटन (लाइफटाइम)
3.	श्री बृज भूषण मोहंती	मुक्केबाजी (लाइफटाइम)
4.	श्री पी .ए. रैफल	हॉकी (लाइफटाइम)
5.	श्री संजय चक्रवर्ती	शूटिंग (लाइफटाइम)
6.	श्री रोशन लाल	कुश्ती (लाइफटाइम)

4. **खेलों और खेलकूद क्षेत्रों में आजीवन उपलब्धियों के लिए ध्यान चंद पुरस्कार** की स्थापना वर्ष 2002 में की गई थी। यह पुरस्कार उन खिलाड़ियों को सम्मानित करने के लिए प्रदान किया जाता है जिन्होंने अपने प्रदर्शन से खेलों में योगदान दिया हो और जिन्होंने खेल कैरियर से अपनी सेवानिवृत्ति के पश्चात भी खेल को बढ़ावा देने में सक्रिय रूप से अपना योगदान जारी रखा है। पुरस्कार विजेताओं को एक प्रतिमा, एक प्रमाण पत्र, औपचारिक पोशाक और 5.00 लाख रुपए की पुरस्कार राशि प्रदान की जाती है। शुरुआत से अब तक 51 खिलाड़ियों को यह पुरस्कार प्रदान किया गया है।

29 अगस्त, 2017 को भारत के राष्ट्रपति ने वर्ष 2017 के लिए ध्यानचंद पुरस्कार से निम्नलिखित खिलाड़ियों को सम्मानित किया है : –

क्रम संख्या	पुरस्कार विजेता का नाम	खेल क्षेत्र
1	भूपेंदर सिंह	एथलेटिक्स
2	सैयद शाहिद हकीम	फुटबॉल
3	सुश्री सुमाराई टेटी	हॉकी

5 **मौलाना अबुल कलाम आजाद (माका) ट्रॉफी :** कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में प्रतियोगी खेलों को बढ़ावा देने के विचार से, मौलाना अब्दुल कलाम आजाद (माका) ट्रॉफी के साथ 10 लाख रुपए का नकद पुरस्कार प्रदान किया जाता है। विश्वविद्यालय के खेल टूर्नामेंट दूसरे और तीसरे स्थान के विश्वविद्यालयों को नकद पुरस्कार के रूप में प्रत्येक को क्रमशः 5 लाख रुपए और 3 लाख रुपए प्रदान किए जाते हैं।

पंजाब विश्वविद्यालय, पटियाला को 29 अगस्त, 2017 को भारत के राष्ट्रपति द्वारा वर्ष 2016–17 के लिए माका ट्राफी प्रदान की गई थी।

6 **राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार :** खिलाड़ियों और कोचों के अलावा अन्य संस्थाओं द्वारा खेल के विकास में किए गए योगदान को पहचानने के लिए, सरकार ने 2009 से राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार नामक एक नया पुरस्कार प्रदान किया है, जिसमें चार श्रेणियां हैं, अर्थात् सामुदायिक खेल विकास, उत्कृष्ट खेल अकादमियों को बढ़ावा देना, विशिष्ट खिलाड़ियों को सहायता प्रदान करना और खिलाड़ियों को रोजगार।

29 अगस्त, 2017 को भारत के राष्ट्रपति ने वर्ष 2017 के लिए निम्नलिखित संस्थाओं को राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान किया था : –

क्रम संख्या	**श्रेणी**	**राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार, 2017 के लिए अनुशंसित संस्था**
1.	उभरती व युवा प्रतिभाओं को पहचानना व उनका पोषण करना	केंद्रीय विद्यालय संगठन (केवीएस)
2.	कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व के माध्यम से खेलों को प्रोत्साहन	ओडीशा इंडस्ट्रीयल इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (आईडीसीओ)
3.	विकास के लिए खेल	द गोल्फ फाउंडेशन; और रिलायंस फाउंडेशन

7. **अंतर्राष्ट्रीय खेल घटनाक्रमों और उनके कोचों में विजेताओं के लिए विशेष पुरस्कार योजना** का आरंभ 1986 में उच्च उपलब्धियों के लिए उत्कृष्ट खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने और उत्साहवर्द्धन करने और युवाओं को खेल को कैरियर बनाने के लिए आकर्षित करने के लिए किया गया था। मंत्रालय ने 29.01.2015 को इस योजना को संशोधित किया है, जिसमें पदक जीतने वाले खिलाड़ियों के नकद पुरस्कार में काफी वृद्धि की गई है और इस योजना के भेदभाव पक्ष जिसके तहत पैरा–ओलंपिक, दिव्यांगों, बधिर, मूक, नेत्रहीन आदि के लिए विशेष ओलंपिक चौंपियनशिप जैसे बंद किए गए कार्यक्रमों में पदक विजेताओं को हटाया गया था, उन्हें संशोधित योजना में पुनः शामिल किया गया था। **इस योजना को 20 जून, 2017 को संशोधित किया गया है जिसके तहत योजना में नेत्रहीन क्रिकेट विश्व कप की श्रेणी को भी शामिल किया गया** है। इस योजना के अंतर्गत, निम्नलिखित सारणी के अनुसार मान्यताप्राप्त अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों में पदक जीतने के लिए खिलाड़ियों और उनके कोचों को विशेष पुरस्कार प्रदान किए गए हैं:

क श्रेणी : ओपन श्रेणी के खेल

क्रम संख्या	**कार्यक्रम का नाम**	**स्वर्ण पदक**	**रजत पदक**	**कांस्य पदक**
1.	ओलंपिक खेल (ग्रीष्मकालीन और शीतकालीन)	75 लाख	50 लाख	30 लाख
2.	एशियाई खेल	30 लाख	20 लाख	10 लाख
3.	राष्ट्रमंडल खेल	30 लाख	20 लाख	10 लाख
4.	विश्व चौंपियनशिप या विश्व कप (चार वर्षीय चक्र में आयोजित)	40 लाख	25 लाख	15 लाख
5.	विश्व चौंपियनशिप/विश्व कप (दो वर्ष में एक बार आयोजित)	20 लाख	14 लाख	8 लाख
6.	विश्व चौंपियनशिप/विश्व कप (वार्षिक रूप से आयोजित)/ऑल इंग्लैंड बैडमिंटन चौंपियनशिप	10 लाख	7 लाख	4 लाख
7.	एशियाई चौंपियनशिप (4 वर्ष में एक बार आयोजित)	15 लाख	10 लाख	5 लाख
8.	एशियाई चौंपियनशिप (2 वर्ष में एक बार आयोजित)	7.5 लाख	5 लाख	2.5 लाख
9.	एशियाई चौंपियनशिप (वार्षिक रूप से आयोजित)	3.75 लाख	2.5 लाख	1.25 लाख

10.	राष्ट्रमंडल चौंपियनशिप (4 वर्ष में एक बार आयोजित)	15 लाख	10 लाख	5 लाख
11.	राष्ट्रमंडल चौंपियनशिप (2 वर्ष में एक बार आयोजित)	7.5 लाख	5 लाख	2.5 लाख
12.	राष्ट्रमंडल चौंपियनशिप (वार्षिक आयोजन)	3.75 लाख	2.5 लाख	1.25 लाख
13.	विश्व विश्वविद्यालय खेल	3.75 लाख	2.5 लाख	1.25 लाख

ख श्रेणी : पैरा–स्पोर्ट्स

क्रम संख्या	कार्यक्रम का नाम	स्वर्ण पदक	रजत पदक	कांस्य पदक
1.	पैरालम्पिक्स खेल (ग्रीष्मकालीन और शीतकालीन)	75 लाख	50 लाख	30 लाख
2.	पैरा एशियाई खेल	30 लाख	20 लाख	10 लाख
3.	राष्ट्रमंडल खेल (पैरा एथलीट)	30 लाख	20 लाख	10 लाख
4.	आईपीसी विश्व कप/चौंपियनशिप (दो वर्ष में एक बार आयोजित)	20 लाख	14 लाख	8 लाख
5.	आईपीसी विश्व कप/चौंपियनशिप (वार्षिक रूप से आयोजित)	10 लाख	7 लाख	4 लाख

ग श्रेणी : नेत्रहीनों के लिए खेल

क्रम संख्या	कार्यक्रम का नाम	स्वर्ण पदक	रजत पदक	कांस्य पदक
1.	आईबीएसए विश्व चौम्पियनशिप	10 लाख	7 लाख	4 लाख

घ श्रेणी : बधिरों के लिए खेल

क्रम संख्या	कार्यक्रम का नाम	स्वर्ण पदक	रजत पदक	कांस्य पदक
1	डेफेलम्पिक	15 लाख	10 लाख	5 लाख

ड़ श्रेणी : विशेष ओलंपिक– खेल

क्रम संख्या	कार्यक्रम का नाम	स्वर्ण पदक	रजत पदक	कांस्य पदक
1	विशेष ओलंपिक– खेल	5 लाख	3 लाख	1 लाख

च श्रेणी : ब्लाइंड क्रिकेट विश्व कप

क्रम संख्या	कार्यक्रम का नाम	विजेता के लिए पुरस्कार की राशि
1	ब्लाइंड क्रिकेट विश्व कप (4 साल में एक बार आयोजित)	5 लाख

नकद पुरस्कार उन कोचों को भी प्रदान किया जाता है जिन्होंने टूर्नामेंट से एकदम पूर्व न्यूनतम 180 दिनों के लिए पदक विजेताओं को प्रशिक्षित किया हो। किसी कोच के लिए पुरस्कार की राशि उस खिलाड़ी को दिए गए पुरस्कार की राशि का 50 प्रतिशत होती है जिसे उन्होंने प्रशिक्षित किया हो। यदि कोचों की संख्या एक से अधिक हैं तो पुरस्कार की राशि उनके बीच समान रूप से वितरित की जाती है।

पुरस्कार की राशि में वृद्धि के लिए एक खंड शामिल किया गया है जिसके तहत चार वर्ष में एक बार पुरस्कार की राशि को प्रभारी मंत्री युवा मामला और खेल मंत्रालय द्वारा खेल सचिव (खेल) की अध्यक्षता में गठित एक समिति की सिफारिशों के आधार पर बढ़ाया जा सकता है इस समिति में अन्य बातों के साथ–साथ मंत्रालय के वित्तीय सलाहकार को भी शामिल किया जाएगा।

नकद पुरस्कार योजना के लिए 2017–18 के दौरान 10 करोड़ रूपये का बजटीय आवंटन किया गया है। जिसमें से 9,37,28,947/– रुपए की राशि दिसंबर 2017 तक इस योजना के तहत 428 खिलाड़ियों और उनके कोचों को प्रदान की गई है।

8. प्रशंसनीय खिलाड़ियों के लिए पेंशन योजना :

इस योजना को वर्ष 1994 में आरंभ किया गया था। इस योजना के अंतर्गत, उन खिलाड़ियों को, जो भारतीय नागरिक हैं और ओलंपिक खेलों, विश्व कप /विश्व चौंपियनशिप, एशियाई खेलों, राष्ट्रमंडल खेलों और पैरालम्पिक खेलों में स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक जीत चुके हैं; जिनकी आयु 30 वर्ष हो गई है और सक्रिय खेल कैरियर से सेवानिवृत्त हो गए है वे आजीवन पेंशन के लिए पात्र हैं। पेंशन की वर्तमान दरें इस प्रकार है :

क्रम संख्या	प्रशंसनीय खिलाड़ियों की श्रेणी	पेंशन की दरें (रुपए प्रति माह)
1.	ओलिंपिक खेलों में पदक विजेता	10000
2.	ओलंपिक और एशियाई खेलों क्षेत्रों में विश्व कप / विश्व चौंपियनशिप के स्वर्ण पदक विजेता	8000
3.	ओलंपिक और एशियाई खेलों क्षेत्रों में विश्व कप / विश्व चौंपियनशिप के रजत व कांस्य पदक विजेता	7000
4.	एशियाई / राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता	7000
5.	एशियाई / राष्ट्रमंडल खेलों के रजत और कांस्य पदक विजेता	6000
6.	पैरा–ओलिंपिक खेलों के स्वर्ण पदक विजेता	5000
7.	पैरा–ओलिंपिक खेलों के रजत पदक विजेता	4000
8.	पैरा–ओलंपिक खेलों के कांस्य पदक विजेता	3000

पेंशन का भुगतान भारतीय जीवन बीमा निगम द्वारा किया जाता है, जिसके लिए एलआईसी को एकमुश्त भुगतान का भुगतान करके मंत्रालय द्वारा व्यक्तिगत पेंशनरों के लिए वार्षिकियां क्रय की जाती हैं।

प्रशंसनीय खिलाड़ियों के लिए इस पेंशन योजना के लिए 2017–18 के दौरान 2 करोड़ रुपए का बजट आवंटन किया गया है।

9. **खिलाड़ियों के लिए पंडित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय कल्याण निधि (पीडीएनडब्ल्यूएफएस)** की स्थापना मार्च 1982 में पूर्व खिलाड़ियों को सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से की गई थी जिन्होंने देश में खेलों के माध्यम से महिमामंडित कियाा था, जो वंचित परिस्थितियों में जीवनयापन कर रहे हैं। इस योजना की अंतिम समीक्षा और संशोधन जुलाई 2009 में किया गया था। राष्ट्रीय खिलाड़ी कल्याण कोष योजना की पुनः समीक्षा की गई है और इसे मई 2016 में बड़े पैमाने पर संशोधित किया गया है।

संशोधित योजना के अंतर्गत, कोष से वित्तीय सहायता प्राप्त करने के पात्र व्यक्ति की वार्षिक आय की राशि को मौजूदा 2 रुपए से बढ़ा कर 4 लाख रुपए कर दिया गया है।

इस योजना के दायरे को भी बढ़ा दिया गया है जिसमें अधिक खिलाड़ियों को इस निधि से वित्तीय सहायता प्राप्त करने के लिए शामिल किया गया है। इस योजना का पुनः नामकरण 22 सितंबर, 2017 को पंडित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय खिलाडी कल्याण योजना के रूप में किया गया है।

इस निधि से सहायता के मात्रा को भी काफी बढ़ा दिया गया है।

संशोधित योजना के अंतर्गत, वंचित परिस्थितियों में जीवनयापन कर रहे खिलाड़ी व उनके परिवार के सदस्य वित्तीय सहायता के लिए निम्नलिखित राशियों के पात्र होंगे :

1 अब अमान्य परिस्थितियों में जीवनयापन कर रहे एक उत्कृष्ट खिलाड़ी को वित्तीय सहायता दी जा सकती है, जो कि अधिकतम 5 लाख रुपए होगी। इसके अलावा, किसी पूर्व उत्कृष्ट खिलाड़ी को जो अब अमान्य परिस्थितियों में जीवनयापन कर रहे हैं को 5000 रुपए की मासिक पेंशन प्रदान करने का प्रावधान किया गया है।

2 प्रतियोगिताओं में प्रशिक्षण और भागीदारी के दौरान घायल होने पर वंचित परिस्थितियों में जीवनयापन कर रहे किसी उत्कृष्ट खिलाड़ी को अधिकतम 10 लाख रुपए की वित्तीय सहायता प्रदान की जा सकती हैं।

3 वंचित परिस्थितियों में जीवनयापन कर रहे किसी मृत उत्कृष्ट खिलाड़ी के परिवार के सदस्यों को अधिकतम 5 लाख रुपए की वित्तीय सहायता प्रदान की जा सकती हैं।

4 वंचित परिस्थितियों में जीवनयापन कर रहे किसी उत्कृष्ट खिलाड़ी अथवा उसके परिवार के सदस्यों को चिकित्सीय सहायता के रूप में अधिकतम 10 लाख रुपए की वित्तीय सहायता प्रदान की जा सकती हैं।

5 वंचित परिस्थितियों में जीवनयापन कर रहे किसी भी कोच तथा सहायक कार्मिक को वित्तीय सहायता के रूप में अधिकतम 2 लाख रुपए प्रदान किए जा सकते हैं जैसे कि खेल चिकित्सक, खेल मनोचिकित्सक, खेल सलाहकार, फिजियोथेरेपिस्ट, मसाजकर्ता जो वरिष्ठ श्रेणी के खिलाड़ियों और राष्ट्रीय टीमों (वरिष्ठ श्रेणी) के लिए राष्ट्रीय कोच शिविर से संलग्न रहे हों तथा वे अंपायर, रेफरी और मैच अधिकारी जो स्वयं वंचित परिस्थितियों में जीवनयापन कर रहे हों अथवा उनके परिवार के सदस्य उनकी मृत्यु के पश्चात वंचित परिस्थितियों में जीवनयापन कर रहे हों, जिन्होंने ओलंपिक खेलों, एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों सहित खेल क्षेत्र में किसी मान्य राष्ट्रीय चौम्पियनशिप (सीनियर कैटेगरी) और अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट (सीनियर कैटेगरी) के साथ जुड़े रहे हों।

वर्तमान वित्तीय वर्ष 2017–18 के दौरान, पीडीएनडब्ल्यूएफएस योजना के तहत निम्नलिखित को एकमुश्त वित्तीय सहायता प्रदान की गई थी : –

- श्री मोहम्मद हबीब, पूर्व फुटबॉलर को मेडिकल ट्रीटमेंट के लिए 5 लाख रुपए।
- श्री एन के मिश्रा, पूर्व वॉलीबॉल खिलाड़ी को अपनी वित्तीय स्थिति सुधारने के लिए लिए 5 लाख रुपए।
- श्री कौर सिंह पूर्व बॉक्सर को अपनी वित्तीय स्थिति सुधारने के लिए लिए 5 लाख रुपए।
- स्वर्गीय नितिशं नेगी, फुटबॉल खिलाड़ी के परिवार को अपनी वित्तीय स्थिति सुधारने के लिए लिए 5 लाख रुपए।
- स्वर्गीय मास्टर प्रवीण के परिवार को अपनी वित्तीय स्थिति सुधारने के लिए लिए 2 लाख रुपए।
- सुश्री गोहेला बोड़ो, तीरंदाज़ को मेडिकल ट्रीटमेंट के लिए 2.5 लाख रुपए।''

निष्पक्ष खेल

एमवाईएएस 2017-18 की वार्षिक रिपोर्ट के लिए सामग्री / सूचना राष्ट्रीय एन्टी डोपिंग एजेंसी (अप्रैल 2017 से दिसंबर 2017)

डोप टेस्टिंग

वर्ष 2017–18 के प्रथम तीन तिमाहियों (अप्रैल–दिसंबर 2017) के दौरान नाडा ने डोप विश्लेषण के उद्देश्य से खिलाड़ियों के 2331 मूत्र और 117 रक्त नमूने एकत्र किए हैं। चालू वर्ष की चौथी तिमाही के दौरान न्यूनतम 1500 अन्य नमूने एकत्र किए जाने की संभावना है, जिसके परिणामस्वरूप वर्ष 2017–18 के लिए लगभग 4000 नमूनें होंगे। ये नमूने भारत भर में आयोजित विभिन्न चौम्पियनशिप में तथा साथ ही साथ भारतीय खेल प्राधिकरण केन्द्रों और अन्य खेलों संगठनों द्वारा आयोजित प्रशिक्षण शिविर के दौरान निम्नलिखित विवरण के अनुसार एकत्र किए गए थे :

2017-18 के विभिन्न कई महत्वपूर्ण राष्ट्रीय / अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रमों में नाडा द्वारा किया गया नमूना संग्रह

दिनांक	कार्यक्रम	प्रतियोगिता
10 से 14 मई 2017	यूडब्ल्यूडब्ल्यू सीनियर एशियाई कुश्ती चौंपियनशिप 2017, नई दिल्ली	अतर्राष्ट्रीय
21 मई 2017	टीसीएस वर्ल्ड 10 किलोमीटर बेंगलुरू	अतर्राष्ट्रीय
1 से 4 जून 2017	21वीं फैडरेशन कप नेशनल एथलेटिक्स चौम्पियनशिप 2017, पटियाला	राष्ट्रीय
25 जून 2017	आईएफएससी विश्व कप बॉल्डिंग 2017, मुंबई	अतर्राष्ट्रीय
6 से 9 जुलाई 2017	सीनियर एशियाई एथलेटिक्स चौम्पियनशिप 2017, भुवनेश्वर	अतर्राष्ट्रीय
15 से 18 जुलाई 2017	57वीं राष्ट्रीय अंतरराज्यीय सीनियर एथलेटिक्स चौम्पियनशिप 2017, गुंटूर	राष्ट्रीय
27 से 29 जुलाई 2017	फीबा एशिया महिला बास्केटबाल चौम्पियनशिप, बैंगलोर	अतर्राष्ट्रीय
14 से 19 अगस्त 17	सीनियर राष्ट्रीय पावरलिफ्टिंग चौम्पियनशिप, एलेप्पी	राष्ट्रीय
22 से 25 अगस्त 17	67वीं इंटर सर्विस एथलेटिक्स चौम्पियनशिप 2017, बैंगलोर	राष्ट्रीय
16 सितंबर 17	इंटर सर्विस क्रिकेट चौम्पियनशिप 2017, नई दिल्ली	राष्ट्रीय
4 नवंबर 17	आईएसटीएएफ वर्ल्ड कप सेपाक्ट्रा हैदराबाद	अतर्राष्ट्रीय
15 से 18 नवंबर 17	सीनियर राष्ट्रीय कुश्ती चौंपियनशिप 2017, इंदौर	राष्ट्रीय
19 नवंबर 17	एयरटेल दिल्ली हाफ मैराथन, नई दिल्ली	अतर्राष्ट्रीय
24 से 26 नवंबर 17	एआईबीए युवा महिला विश्व मुक्केबाजी चौम्पियनशिप 2017, गुवाहाटी	अतर्राष्ट्रीय
24 से 26 नवंबर 17	आईएसएल फुटबॉल लीग 2017	अतर्राष्ट्रीय
5से 9 दिसंबर 17	एशियाई क्लासिक पावर लिफ्टिंग चौम्पियनशिप, एलेप्पी	अतर्राष्ट्रीय

17 दिसंबर 17	टाटा स्टील 25 किलोमीटर मैराथन, कोलकाता	अतर्राष्ट्रीय
19 से 22 दिसंबर 2017	63वीं एसजीएफआई स्कूल एथलेटिक्स चौम्पियनशिप 2017, रोहतक	राष्ट्रीय

नये पैनल में शामिल डोपिंग नियंत्रण अधिकारी (डीस. ीओज़) के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

19.05.2017 को कोलकाता के साई ईस्टर्न सेंटर में नये पैनल के डोपिंग नियंत्रण अधिकारियों के लिए नाडा द्वारा एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया था। आवेदकों का पहले नाडा और साई कोलकाता के तकनीकी अधिकारियों द्वारा 19.05.2017 को प्रशिक्षण के पूर्व साक्षात्कार लिया गया था।

डोप कंट्रोल ऑफिसर (डीसीओ) के लिए रिफ्रेशर ट्रेनिंग सह एंटी डोपिंग वर्कशॉपरू

10.11.2017 को नई दिल्ली में नाडा द्वारा अद्यतन वाडा दिशानिर्देशों के लिए एक दिवसीय रिफ्रेशर ट्रेनिंग एवं वर्कशॉप का आयोजन किया गया था। उपरोक्त कार्यशाला में नवीनतम वाडा दिशानिर्देशों के अनुसार डीसीओज़ को प्रशिक्षित किया गया था।

ऑस्ट्रेलियाई विशेषज्ञों द्वारा जोखिम आकलन प्रशिक्षण और क्रमशः मई 2017 और नवंबर 2017 में आयोजित डीसीओ प्रशिक्षण कार्यक्रम

टेस्ट वितरण योजना और जोखिम आकलन प्रशिक्षण कार्यशाला

नाडा–वाडा–एएसएडीए संयुक्त परियोजना सहयोग के एक भाग के रूप में, वितरण योजना और जोखिम आकलन के विकास के लिए परीक्षण एवं बैठक का नाडा द्वारा नई दिल्ली में 8 से 12 मई, 2017 तक आयोजन किया गया था। ऑस्ट्रेलिया के आसाडा के खेल प्रचालन प्रबंधक श्री स्टीवन माइकल नॉदे तथा आसाडा के खेल प्रचालन प्रबंधक श्री स्टीवन रिचर्ड जोन्स डोपिंग नियंत्रण अधिकारी ने नाडा अधिकारियों को प्रशिक्षण प्रदान किया और जोखिम आकलन के आधार पर टीडीपी के विकास से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। 10 से 14 जनवरी, 2017 तक नई दिल्ली में आयोजित एशियाई कुश्ती चौम्पियनशिप के दौरान पूर्व राष्ट्रमंडल खेलों के डोपिंगरोधी टास्क फोर्स द्वारा पहलवानों के डोप के नमूने भी एकत्र किए गए। नाडा के अधिकारियों और डीसीओज़ ने इस कार्यक्रम के दौरान डोप परीक्षण के लिए आसाडा विशेषज्ञों को समन्वित किया।

एंटी डॉपिंग नियम उल्लंघन

वर्ष 2017–18 के प्रथम तीन तिमाहियों में, कुल 39 खिलाड़ियों को नाडा के डोपिंगरोधी नियमों का उल्लंघन करते हुए पाया गया, जिसके लिए उन्हें अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया था :

क्रम संख्या	खेल क्षेत्र	संख्या
1.	एथलेटिक्स	18
2.	बॉडी बिल्डिंग	08
3.	पॉवरलिफ्टिंग	06

4.	कुश्ती	04
5.	भारोत्तोलन	01
6.	क्रॉस कंट्री	01
7.	कबड्डी	01
	कुल	**39**

एंटी डोपिंग नियम उल्लंघन का परिणाम प्रबंधन

एंटी डोपिंग नियम के उल्लंघन के मामलों के बारे में निष्पक्ष सुनवाई करने के लिए दो नए पैनल, नामतः डोपिंग अनुशासनिक पैनल (एडीडीपी) और एंटी डोपिंग अपील पैनल (एडीएपी) का 16.10.2017 को गठन किया गया है। एंटी डोपिंग नियम 2015 के अनुच्छेद 8 और अनुच्छेद 13 के अनुसार इस पैनल का गठन किया गया है।

एंटी डोपिंग अनुशासनिक पैनल : पैनल की अध्यक्षता सेवानिवृत जिला और सत्र न्यायाधीश द्वारा की जाती है तथा इसमें कानूनी, चिकित्सा और खेल पृष्ठभूमि से सदस्य शामिल हैं। वर्ष 2017–18 के दौरान इस पैनल ने 57 बैठकों का आयोजन किया। कुल 50 मामलों पर निर्णय लिया गया और एथलीटों पर प्रतिबंध लागू किया गया। शेष मामलों में सुनवाई की प्रक्रिया चल रही है।

एंटी डोपिंग अपील पैनल : इय पैनल के अध्यक्ष उच्च न्यायालय के एक सेवानिवृत न्यायाधीश और सर्वोच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता हैं, जो अध्यक्ष /उपाध्यक्ष के रूप में कार्य करते हैं और इसमें चिकित्सा और खेल क्षेत्र के प्रमुख व्यक्ति सदस्यों के रूप में कार्य करते हैं। वर्ष 2017–18 के दौरान, इस पैनल ने 7 बैठकें आयोजित कीं और 10 मामलों पर निर्णय दिया।

एंटी डोपिंग पैनल के नवनिर्वाचित सदस्यों के साथ वार्ता व संक्षिप्त बैठक

डोपिंग संबंधी अनुशासनात्मक पैनल और एंटी डोपिंग अपील पैनल के नवनियुक्त अध्यक्ष/सदस्यों के साथ राष्ट्रीय एक्टिंग डोपिंग एजेंसी (नाडा) की एक वार्ता एवं बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक के दौरान नवनियुक्त सदस्यों को नाडा के एंटी डोपिंग नियमों के विभिन्न प्रावधानों के बारे में बताया गया। यह बैठक 09.11.2017 को नई दिल्ली में राष्ट्रीय एन्टी डोपिंग एजेंसी के सम्मेलन कक्ष में आयोजित की गई थी।

09.11.2017 को आयोजित नए पैनल के सदस्यों के साथ बातचीत की बैठक और 20.11.2017 को नई नाडा वेबसाइट की शुरूआत

नवनिर्मित नाडा वेबसाइट का शुभारंभ

डोपिंगरोधी जागरूकता का प्रसार करने और एथलीट और एथलीट समर्थन कर्मियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से राष्ट्रीय एंटी डोपिंग एजेंसी ने अपनी वेबसाइट का पुनः निर्माण किया है जिसकी प्रमुख विशेषताएं खिलाड़ियों के साथ संवाद करने में सहायक हैं। श्री राहुल भटनागर, सचिव, खेल विभाग, युवा मामले और खेल मंत्रालय ने 20.11.2017 को नाडा की नई डिजाइन वेबसाइट की अपने कार्यालय के चौंबर से शुरूआत की। इस कार्यक्रम के दौरान श्री नवीन अग्रवाल, महानिदेशक, नाडा भी उपस्थित थे और उन्होंने इस नई वेबसाइट में उपलब्ध नई सुविधाओं के बारे में जानकारी प्रदान की जो एथलीटों के लिए उपयोगी है।

परिणाम प्रबंधन वार्ता बैठक एवं प्रशिक्षण

देश में डोपिंगरोधी संरचना को और प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने के अपने प्रयासों को जारी रखने के उद्देश्य से इसे विश्व मानकों के समकक्ष करने के लिए, राष्ट्रीय डोपिंगरोधी एजेंसी ने एंटी डोपिंग अनुशासनिक पैनल और एंटी डोपिंग अपील पैनल के सदस्यों के साथ समीक्षा की। ऑस्ट्रेलियाई खेल डोपिंगरोधी प्राधिकरण के निदेशक – कानूनी सेवा, श्री डैरेन मुल्लाले को भी वर्तमान नाडा भारत और ऑस्ट्रेलिया सहयोग बैठक में विचार विमर्श के लिए भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया था। नाडा के महानिदेशक श्री नवीन अग्रवाल ने प्रतिभागियों को बताने हुए कोड के अनुसार डोपिंगरोधी नियमों के उल्लंघन के मामलों के त्वरित निपटान की आवश्यकता के साथ साथ उचित निर्णय संबंधी पैनल के समक्ष प्रस्तुति के लिए एक उचित साक्ष्य गणना तैयार करने की आवश्यकता पर भी बल दिय।

श्री नवीन अग्रवाल, महानिदेशक, एटी–डोपिंग पैनल विशेषज्ञ, नाडा के अधिकारीगण और एएसएडीए कानूनी निदेशक 20.06.2017 को हुई वार्ता एवं बैठक के दौरान

डॉपिंग के विरोधी सामूहिक एथलीट जागृति कार्यक्रम (एमएएपीएडी)

नाडा द्वारा खिलाड़ियों, युवा एथलीटों, कोच और सहायक स्टॉफ के लिए पूरे देश में खेल में निषिद्ध दवाओं / पदार्थों और पद्धतियों के संबंध में डोपिंगरोधी कार्यशालाओं, शैक्षिक और जागरूकता कार्यक्रमों का संचालन किया जा रहा है। 2017–18 (दिसंबर 2017 तक) की अवधि के दौरान, नाडा द्वारा इस प्रकार की 50 डोपिंगरोधी जागरूकता एवं शैक्षिक कार्यशाला का आयोजन किया था। इस प्रकार के लगभग 30 कार्यक्रमों का आयोजन वर्ष 2017–18 की चौथी तिमाही में किया जाना है।

पीस ताइक्वांडों अकादमी, दिल्ली में 30.06.2017 को एंटी–डोपिंग जागरूकता सत्र

जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम, नई दिल्ली और एनआईएस पटियाला में 14.07.2017 तथा 26.07.2017 को एंटी–डोपिंग जागरूकता सत्र

जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम, नई दिल्ली में 30.08.2017 शूटरों के लिए एंटी–डोपिंग जागरूकता सत्र

मैरीकॉम बॉक्सिंग अकादमी, इम्फाल, मणिपुर में 09.11.2017 को आयोजित एंटी–डोपिंग जागरूकता सत्र

एआईबीए महिला युवा विश्व बॉक्सिंग चैम्पियनशिप, गुवाहाटी में 18.11.2017 का एंटी–डोपिंग जागरूकता प्रवर्तन कार्यक्रम

डोपिंगरोधी कानून से संबंधित परामर्श बैठक

एनएडीए द्वारा 27 अप्रैल, 2017 को विज्ञान भवन एनेक्सी, नई दिल्ली में ''डोपिंगरोधी कानून : डोपिंग एक आपराधिक मामले की भांति'' का मसौदा तैयार करने के लिए एक परामर्श बैठक आयोजित की गई। श्री विजय गोयल, माननीय खेल मंत्री द्वारा उद्घाटन भाषण दिया गया, जबकि प्रमुख सूचना श्री इंजेटी श्रीनिवास, खेल सचिव द्वारा प्रदान की गई थी। मुद्दों पर विस्तृत चर्चा के लिए बैठक में एंटी डोपिंग पैनलों के कानूनी विशेषज्ञ और विभिन्न हितधारक उपस्थित थे।

27 अप्रैल, 2017 को विज्ञान भवन एनेक्सी में एंटी डोपिंग कानून के लिए परामर्श बैठक

डोपिंगरोधी कानून का मसौदा तैयार करने के लिए समिति

डोपिंगरोधी कानून के प्रारूप तैयार करने की समिति ने न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) मुकुल मुदगल की अध्यक्षता में अपनी बैठक का आयोजन किया। समिति के उपाध्यक्ष श्री नवीन अग्रवाल, महानिदेशक, नाडा ने समिति के प्रमुख सदस्य के रूप में समिति के सदस्यों से विचार–विमर्श और उनसे प्राप्त सूचनाओं के पश्चात, डोपिंगरोधी कानून के लिए प्रथम मसौदा तैयार किया, जो कि परामर्श के अगले चरण में है।

एथलीट जैविक पासपोर्ट के कार्यान्वयन के लिए परामर्श बैठक

एथलीट जैविक पासपोर्ट (एबीपी) के कार्यान्वयन के लिए नाबा द्वारा 18 मई 2017 को एक बैठक का आयोजन भारतीय खेल प्राधिकरण, नई दिल्ली के सम्मेलन कक्ष में किया गया था। प्रमुख सूचना संबंधी संभाषण श्री इंजेटी श्रीनिवास, खेल सचिव द्वारा दिया गया था, जबकि नाडा के महानिदेशक द्वारा एक प्रारंभिक संक्षिप्त जानकारी प्रदान की गई थी। पद्धतियों के संबंध में विस्तृत चर्चा करने के लिए बैठक के दौरान विभिन्न मेडिकल कॉलेजों और संस्थानों के मेडिकल और वैज्ञानिक विशेषज्ञ उपस्थित थे।

18 मई, 2017 को भारतीय खेल प्राधिकरण में एथलीट जैविक पासपोर्ट के लिए परामर्श बैठक

एबीपी के कार्यान्वयन के लिए जापानी डोपिंगरोधी प्रयोगशाला के साथ सहयोग

जापान की एंटी डोपिंग प्रयोगशाला एवं राष्ट्रीय एन्टी–डोपिंग एजेंसी द्वारा समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर करने के पश्चात एथलीट जैविक पासपोर्ट के संदर्भ में अभिज्ञात चिकित्सा विशेषज्ञों को प्रशिक्षित करने लिए नाडा द्वारा जापानी एन्टी–डोपिंग प्रयोगशाला एवं एथलीट पासपोर्ट प्रबंधन इकाई (एपीएमयू) के प्रबंधक निदेशक डॉ ओकानों मासातो को को आमंत्रित किया गया। नई दिल्ली में 18–19 दिसंबर 2017 को आयोजित की गई इस दो दिवसीय प्रशिक्षण बैठक में नाडा अधिकारीगण, एनडीटीएल के वैज्ञानिक और अभिज्ञात चिकित्सकीय विशेषज्ञ उपस्थित थे।

18–19 दिसंबर, 2017 को जापान एंटी डोपिंग लैबोरेटरी के निदेशक डा. ओसाको मातैनो के साथ आयोजित एथलीट बायोलॉजिकल पासपोर्ट के कार्यान्वयन की वार्ता एवं प्रशिक्षण बैठक

खेलों में पोषक पूरक आहार पर सम्मेलन : एक डोप मुक्त मॉडल

खेल में पोषक तत्वों के पूरक आहार पर एक दिवसीय सम्मेलन : नई दिल्ली के विज्ञान भवन में 29 जून 2017 को नाडा द्वारा एक डोप मुक्त मॉडल के लिए आयोजन किया गया। श्री विजय गोयल, तत्कालीन माननीय, राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) युवा मामले और खेल, श्री नवीन अग्रवाल, महानिदेशक, नाडा, श्री पवन कुमार अग्रवाल, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) और देश के विभिन्न भागों एक दिवसीय सम्मेलन में भाग लेने आए प्रसिद्ध वैज्ञानिक, पोषण विशेषज्ञ, खिलाड़ी, खेल संघों के पदाधिकारी, प्रयोगशाला निदेशक और नियामक प्राधिकारी।

श्री विजय गोयल, माननीय राज्य मंत्री, युवा मामले व खेल, खेलों में पोषक पूरक आहार विषयक सम्मेलन के दौरान : नाडा द्वारा दिल्ली के विज्ञान भवन में 29 जून, 2017 को आयोजित एक डोप मुक्त मॉडल

एफएसएसएआई और नाडा के लिए खेल पोषण में डोपिंग पदार्थों के उपयोग पर संयुक्त रूप से कार्य करना

नेशनल एंटी डोपिंग एजेंसी (नाडा) ने भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के साथ संयुक्त रूप से खेल पेशेवरों के लिए उनकी स्वास्थ्य और पोषण संबंधी आवश्यकताओं की पूर्ति करने के सुरक्षित और डोप–मुक्त आहार / पोषक तत्वों की खुराक की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए पहल का सामना करने के लिए पहल की है। नाडा ने 14 सितंबर, 2017 को, खेल में उपयोग किए जा रहे डोपिंग पदार्थों और अन्य मिलावटी तत्वों /खाद्य पूरकों में संदूषित तत्वों / पोषण संबंधी उत्पादों के मुद्दे को सुलझाने के लिए सरकारी एजेंसियों के भीतर सहकारी गतिविधियों के समन्वय को सुनिश्चित करने पर ध्यान देने के प्रयास करने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करते हुए एफएसएसएआई के साथ समझौता किया है।

श्री नवीन अग्रवाल, महानिदेशक, नाडा ने 14 सितंबर, 2017 को एफएसएसएआई के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री पवन कुमार अग्रवाल के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

नाडा द्वारा प्रतिबंधित दवाओं के बारे में जानकारी प्रदान करना

29 अगस्त 2017 को खेल दिवस के अवसर पर, राष्ट्रीय एंटी डोपिंग एजेंसी के महानिदेशक श्री नवीन अग्रवाल ने राष्ट्रीय फार्मास्युटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी (एनपीपीए) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। यह ज्ञापन वस्तुतः भारतीय एथलीटों के लिए एक सुगम विकल्प प्रदान किए जाने योग्य जानकारी के लिए है कि क्या भारतीय बाजारों में बेची गई किसी भी दवा में वाडा कोड के अनुसार कोई प्रतिबंधित पदार्थ शामिल है। इस अवसर पर श्री इन्जेटी श्रीनिवास, तत्कालीन सचिव, खेल, खेल विभाग तथा एनपीपीए के अध्यक्ष श्री भूपेंद्र सिंह भी उपस्थित थे।

श्री नवीन अग्रवाल, महानिदेशक, नाडा द्वारा श्री इंजेटी श्रीनिवास, सचिव (खेल) की उपस्थिति में एनपीपीए के सदस्य सचिव राकेश रंजन के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करते हुए

अंतरराष्ट्रीय सहयोग

यूनेस्को द्वारा 25–26 सितंबर, 2017 को पेरिस में खेलों में डोपिंग के विरूद्ध अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के पक्षकारों के 6वें सम्मेलन का आयोजन किया गया। भारत का प्रतिनिधित्व श्री नवीन अग्रवाल, महानिदेशक नाडा द्वारा किया गया था। इसमें खेल के अखंडता और खेल के माध्यम से शिक्षा के महत्व से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई। खेल में डोपिंग के विरूद्ध अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का अनुपालन करने के उद्देश्य से किए गए उपायों पर राज्य पक्षकारों की 2017 की एडलोजिक राष्ट्रीय रिपोर्टों पर भी बहस हुई। डोपिंग के विरूद्ध सम्मेलन की निगरानी और कार्यान्वयन पर बल दिया गया। भारत के नवीनतम 71 प्रतिशत अनुपालन संबंधी सुधार को स्वीकार किया गया। भारत ने अन्य सदस्य राष्ट्रों से अनुपालन में सुधार करने के लिए भी कहा।

नाडा महानिदेशक 25–26 सितंबर, 2017 को पेरिस में आयोजित खेलों में डोपिंग के विरूद्ध अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के पक्षकारों के 6वें सम्मेलन के दौरान

डॉ. अंकुश गुप्ता, परियोजना अधिकारी, नाडा को 5 से 6 दिसंबर 2017 को चिबा, जापान में आयोजित ''2020 के लिए प्रभावी शिक्षा गतिविधियां और रणनीतियां, डीसीओ प्रबंधन लागू करना'' विषयक सेमिनार में भाग लेने के लिए नियुक्त किया गया। यह सेमिनार टोक्यो 2020 ओलंपिक के लक्ष्य सहित प्रभावी शिक्षा और जागरूकता गतिविधियों और डीसीओ प्रबंधन के मूल विषय पर संकेंद्रित था।

डॉ. अंकुश गुप्ता, परियोजना अधिकारी, नाडा 5 से 6 दिसंबर, 2017 को चिबा, जापान में आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान

अध्याय –20

राष्ट्रीय डोप टेस्टिंग लैबोरेटरी (एनडीटीएल)

1.0: परिचय

राष्ट्रीय डोप परीक्षण प्रयोगशाला (एनडीटीएल) युवा मामले और खेल मंत्रालय, भारत सरकार, के तत्वाबधान में स्थापित एक स्वायत्त निकाय है। इसे मानवीय खेलों से मूत्र और रक्त के नमूनों के परीक्षण के लिए आईएसओ : आईईसी 17025 : 2005 हेतु राष्ट्रीय परीक्षण एवं अंशांकन प्रयोगशाला प्रत्यायन बोर्ड (एनएबीएल) से तथा विश्व एंटी डोपिंग एजेंसी (वाडा) से मान्यता प्राप्त है। एनडीटीएल विश्व की 32 वाडा मान्यता प्राप्त प्रयोगशालाओं में और एशिया की छह में एक है। एनडीटीएल में नियमित और अनुसंधान दोनों प्रकार की गतिविधियों के लिए नवीनतम सुविधाएं स्थापित हैं। एनडीटीएल को 2008 में सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, 1860 के तहत पंजीकृत किया गया था। मानव डोप परीक्षण के अलावा, एनडीटीएल ने हॉर्स डोप टेस्टिंग के क्षेत्र में भी विविधता प्राप्त की है। अश्वों का डोप परीक्षण की यह नई सुविधा वर्ष 2014 में अस्तित्व में आई थी और भारत व इसके पड़ोसी देशों के सभी घुड़दौड़ क्लबों को परीक्षण सेवाएं प्रदान करता है।

2.0: ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य

भारत में डोप परीक्षण प्रयोगशाला की स्थापना 1990 में भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) के तहत डोप कंट्रोल सेंटर (डीसीसी) के रूप में की गई थी। इस प्रयोगशाला को आईएसओ / आईईसी 17025 प्रमाणन के लिए वर्ष 2003 में राष्ट्रीय परीक्षण एवं अंशांकन प्रयोगशाला प्रत्यायन बोर्ड (एनएबीएल) से तथा सितंबर 2008 में विश्व एंटी डोपिंग एजेंसी (वाडा) से मान्यता प्राप्त हुई। एनडीटीएल की मान्यता संबंधी स्थिति को दोनों प्रत्यायन निकायों (एनएबीएल और वाडा) के नवीनतम दिशानिर्देशों के अनुसार समय के साथ साथ नवीनीकृत किया गया है। इससे पूर्व यह प्रयोगशाला जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम के भीतर 900 वर्ग मीटर के एक लघु कार्य क्षेत्र में स्थित थी। मई 2009 में आधुनिक और पूर्णतः सुसज्जित बुनियादी सुविधाओं से युक्त इस प्रयोगशाला को नए स्वतंत्र परिसर में स्थानांतरित कर दिया गया था। नई एनडीटीएल प्रयोगशाला का क्षेत्रफल पूर्व के मात्र 900 वर्ग मीटर क्षेत्रफल की तुलना में मात्र 2700 वर्ग मीटर है। एनडीटीएल ने मानवीय डोप परीक्षण के क्षेत्र में नियमित परीक्षण एवं शोध के रूप में विकास और होर्स डोप टेस्टिंग के क्षेत्र में विविधता प्राप्त कर ली थी। एनडीटीएल ने प्रथम एफ्रो–एशियाई खेल, 2003 से आरंभ करते हुए 2017 में आयोजित नवीनतम फीफा अंडर –17 विश्वकप तक विभिन्न विशालतम खेल कार्यक्रमों में डोप टेस्ट संबंधी कार्य संभालने का अनुभव भी प्राप्त कर लिया है।

3.0: एनडीटीएल की संरचना संबंधी सुविधाएं

3.1 उपकरण व प्रौद्योगिकियां

राष्ट्रीय डोप परीक्षण प्रयोगशाला (एनडीटीएल) नवीनतम प्रौद्योगिकियों और आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित है। एनडीटीएल की उपकरण संबंधी आवश्यकताएं नवीनतम के साथ साथ वाडा द्वारा लागू परीक्षण दिशानिर्देशों पर आधारित अत्याधिक संवेदनशील और सशक्त विश्लेषणात्मक उपकरणों की आवश्यकता से संलग्न हैं और अन्य वाडा द्वारा मान्यता प्राप्त प्रयोगशालाओं में उपलब्धता पर भी आधारित है।

गैस क्रोमैटोग्राफ – मास सेलेक्टिव डिटेक्टर (जीसी–एमएसडी उपकरण)

तरल क्रोमैटोग्राफी – मास स्पेक्ट्रोमेट्री (एलसी–एमएस/एमएस उपकरण)

एनडीटीएल में उपलब्ध उपकरणों को समय के साथ साथ वाडा मान्यता प्राप्त प्रयोगशालाओं के समकक्ष उन्नयत किया गया है, तत्संबंधी विवरण निम्नानुसार है : –

एनडीटीएल में उपलब्ध प्रमुख विश्लेषण संबंधी उपकरणों की सूची		
1.	गैस क्रोमैटोग्राफ – नाइट्रोजन फॉस्फोरस डिटेक्टर (जीसी एनपीडी)	संख्या 01
2.	गैस क्रोमैटोग्राफ – नाइट्रोजन फास्फोरस डिटेक्टर / मास सेलेक्टिव डिटेक्टर (जीसी एनपीडी /एमएसडी)	संख्या 02
3.	गैस क्रोमैटोग्राफ – मास सेलेक्टिव डिटेक्टर (जीसी एमएसडी)	संख्या 06
4.	गैस क्रोमैटोग्राफ – मास स्पेक्ट्रोमेट्री / टेंडेम मास स्पेक्ट्रोमेट्री (जीसी एमएस / एमएस)	संख्या 06
5.	उच्च–निष्पादन युक्त तरल क्रोमैटोग्राफी (एचपीएलसी)	संख्या 03
6.	इम्यूनोएस्से सिस्टम	संख्या 02
7.	गैस क्रोमैटोग्राफी–दहन–आइसोटोप अनुपात मास स्पेक्ट्रोमेट्री (जीसी/सी/आईआरएमएस)	संख्या 02
8.	तरल क्रोमैटोग्राफी– मास स्पेक्ट्रोमेट्री (एलसी–एमएस / एमएस)	संख्या 06
9.	ग्रोथ हार्मोन टेस्टिंग के लिए लैमिनोमीटर	संख्या 01
10.	सीबीसी / रक्त पैरामीटर के लिए सिस्मैक्स एक्स टी 2000 आई	संख्या 01
11.	एरिथ्रोपोइटीन (ईपीओ) परीक्षण के लिए इलैक्ट्रोफोरेसिस उपकरण	संख्या 02
12.	स्वचालित गिल्सन ठोस चरण निकासी प्रणाली	संख्या 02
13.	गिल्सन ऑटो सैंपलर	संख्या 02
14.	रक्त संक्रमण के लिए फ्लो साइटोमीटर	संख्या 01
15.	बायोमेकर्स के लिए रेडियोमुनुओसै	संख्या 01

अनुसंधान उद्देश्यों के साथ ही नियमित कार्य के लिए एक एलसी–एमएस / एमएस और 01 एलसी–एचआरएमएस की खरीद का कार्य प्रगति पर है।

4.0: नमूना परीक्षण

4.1 नियमित नमूना परीक्षण

1. **मानव डोप परीक्षण:** यह प्रयोगशाला प्रत्येक वर्ष राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के अभिजात वर्ग के खिलाड़ियों के औसतन 7000 (लगभग) नमूनों के डोपिंग के नमूनों के परीक्षण कार्य में संलग्न है। एनडीटीएल वाडा आईएसएल संस्करण 9.0 के अनुसार मानव डोपिंग नियंत्रण से प्राप्त नमूने की जांच करता है और इसके लिए लागू वाडा तकनीकी दस्तावेज हैं :

– मूत्र परीक्षण

– रक्त परीक्षण

एनडीटीएल के ग्राहक

वर्तमान स्थिति के अनुसार, निम्नलिखित परीक्षण प्राधिकारण एनडीटीएल को मानव डोपिंग नमूने भेज रहे हैं:

- राष्ट्रीय एंटी डोपिंग एजेंसी (नाडा), नई दिल्ली
- भारतीय क्रिकेट काउंसिल बोर्ड (बीसीसीआई)
- अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी)
- स्पोर्टस ड्रग टैस्टिंग इंटरनेशनल (एसडीटीआई)
- एंटी डोपिंग सिंगापुर (एडीएस)
- एडीएएमएएस, मलेशिया
- एडीओपी, पाकिस्तान
- बहरीन एंटी डोपिंग कमेटी
- एशियाई फुटबॉल संघ (एएफसी)
- दक्षिण पूर्व एशिया आरएडीओ (एसईए आरएडीओ)
- यूनियन साइक्लिस्ट इंटरनेशनेल (यूसीआई)
- लाम्बगा एंटी डोपिंग इंडोनेशिया (एलएडीआई)
- श्रीलंका डोपिंगरोधी एजेंसी (एसएलएडीए) आदि

एनडीटीएल द्वारा इससे पूर्व निम्नलिखित प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रमों में परीक्षण कार्य किया है :

(i) प्रथम राष्ट्रमंडल युवा खेल, 2008 (पुणे)

(ii) सिंगापुर युवा ओलंपिक खेल, 2010 (सिंगापुर)

(iii) 19वें राष्ट्रमंडल खेल, 2010 (दिल्ली)

(iv) एशियन बीच गेम्स, 2010

(v) 12वें राष्ट्रीय खेल, 2010 (मलेशिया)

(vi) दक्षिण–पूर्व एशियाई (एसईए) खेल, 2015 (सिंगापुर)

(vii) इंडोनेशिया राष्ट्रीय खेल और पैरालम्पिक गेम्स, 2016

(viii) सुकमा गेम्स, मलेशिया, 2016

(ix) **29वं एसईए खेल, मलेशिया, 2017**

(x) **17वां अंडर–17 फीफा विश्व कप, भारत, 2017**

2. **हॉर्स डोप टैस्टिंग :** धारा 6.10 के तहत पृथक रूप से उल्लिखित किया गया है।

नमूना परीक्षण सांख्यिकी (मानव) :

1 अप्रैल 2017 से 31 दिसंबर 2017 तक किए गए परीक्षण ों में नमूनों की संख्या 6044 (मूत्र एवं रक्त) थी। इस अवधि के दौरान परीक्षण किए गए कुल 6044 नमूनों में अब तक राष्ट्रीय निकायों से 3015 नमूने तथा अब तक अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों से 3029 नमूने प्राप्त हुए और इनके परीक्षण किए गए। नमूना प्राप्त करने और उनका परीक्षण करने से संबंधित विवरण निम्नानुसार है :

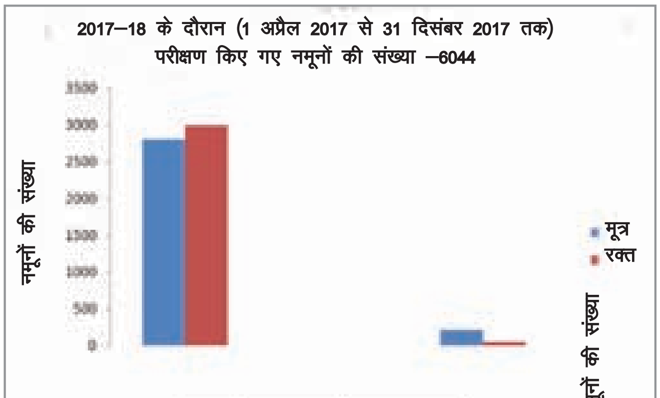

	राष्ट्रीय	अंतरराष्ट्रीय
मूत्र	2796	2977
रक्त	219	52

वित्तीय वर्ष	राष्ट्रीय			अंतरराष्ट्रीय			कुल योग
	मूत्र	रक्त	कुल	मूत्र	रक्त	कुल	
2009—10	2438	76	2514	1190	12	1202	3716
2010—11	2946	321	2990	3873	35	3908	7175
2011—12	2868	48	2916	1325	12	1337	4243
2012—13	3426	275	3701	2121	11	2132	5833
2013—14	3465	240	3705	1920	18	1938	5643
2014—15	3840	305	4145	2742	9	2751	6896
2015—16	4588	250	4838	3875	15	3890	8728
2016—17	2286	153	2439	3031	14	3045	5484
2017 (01 अप्रैल 17 से 31 दिसंबर 17 तक)	2796	219	3015	2977	52	3029	6044

नमूना परीक्षण सांख्यिकी (अश्व) :

2. **हार्स डोप टेस्टिंग :** एनडीटीएल ने अश्व डोप परीक्षण की सफलतापूर्वक शुरूआत की और 2014 में आईएसओ : आईईसी 17025 : 2005 की मान्यता प्राप्त की। जुलाई 2014 में विभिन्न घुड़दौड़ क्लबों के लिए नियमित परीक्षण कार्य आरंभ कर दिया गया था। नीचे दिए गए ग्राफ में **नमूने में रिकॉर्ड दर्शाया गया है** :

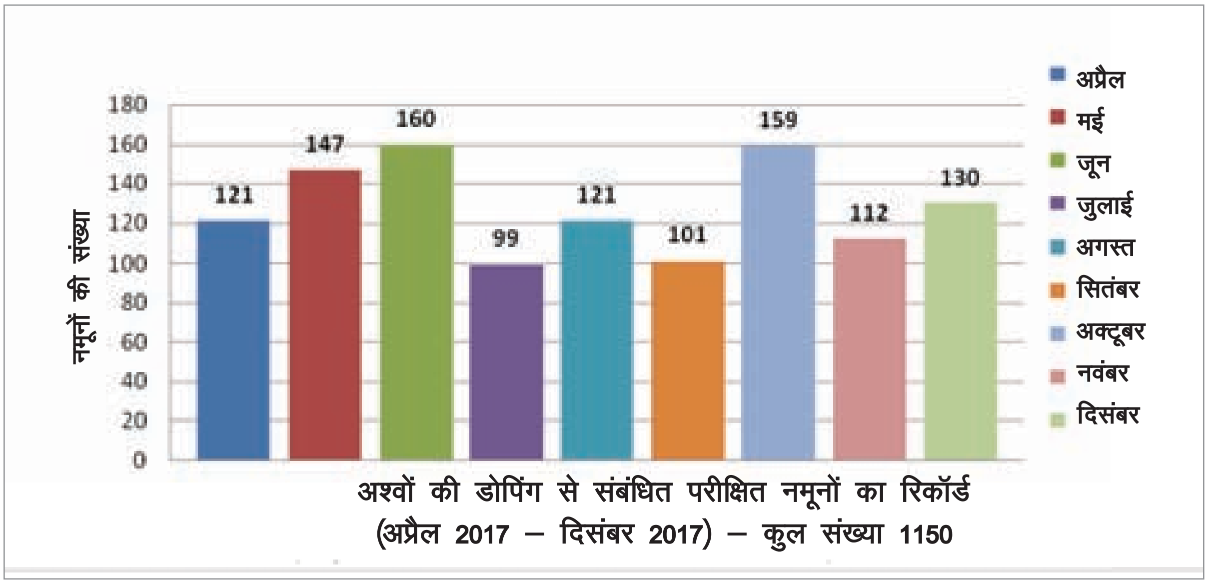

(कुल संख्या 1150) अश्वों की डोपिंग (अप्रैल 2017 – दिसंबर 2017)

4.2 नमूना परीक्षण प्रवीणता

एनडीटीएल ने वाडा की बाह्य गुणवत्ता आश्वासन योजना (ईक्यूएएस) दौरों में भाग लिया, यह भागीदारी वाडा प्रमाण ान बनाए रखने के लिए अनिवार्य होती है। नियमित नमूना परीक्षण के अलावा, एनडीटीएल विभिन्न परीक्षण प्रवीणता दौरों में भी भाग लेता है जो डोप के नमूनों के परीक्षण में इसकी तकनीकी क्षमता और विश्वसनीयता को सुनिश्चित करता है।

बाह्य गुणवत्ता मूल्यांकन योजना में भागीदारी का विवरण निम्नानुसार है :

क्रम संख्या	नमूनों की किस्में	एजेंसी		(नमूनों के दौर /संख्या)	एनडीटीएल की भागीदारी
1.	मूत्र	वाडा	मूत्र	03 (15)	03 (15)
			दोहरे अज्ञात	02 (5)	02 (5)
		डब्ल्यूएडीएस (विश्व एंटी डोपिंग वैज्ञानिक संगठन)		01 (11)	01 (11)
		सीएपी (अमरीकी पैथोलाजिस्ट कॉलेज)		03 (15)	03 (15)
2.	रक्त	सीएससीक्यू (स्विज़ गुणवत्ता नियंत्रण केंद्र)		12 (2)	12 (2)
3.	अश्व डोपिंग	आधिकारिक घुड़दौड कैमिस्ट संघ (एओआरसी)	मूत्र	01 (08) मूत्र – 06 नमूने रक्त – 02 नमूने	01 (08)
			रक्त		

5.0 : गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली

5.1 गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली

क आईएसओ / आईईसी 17025 : 2005 के अनुसार डेस्कटॉप जांच : आईएसओ : आईईसी 17025 : 2005 के अनुसार एनडीटीएल की रासायनिक और जैविक परीक्षण के क्षेत्र में डेस्कटॉप निगरानी जांच अप्रैल 2017 माह में होनी अपेक्षित थी। डेस्कटॉप निगरानी जांच की रिपोर्ट तैयार कर दी गई थी और इसे एनएबीएल दस्तावेज 218 के अनुसार 03 अप्रैल, 2017 को एनएबीएल को सौंप दिया गया था। मूल्यांकन दल ने एनडीटीएल की मान्यता को 22 अप्रैल, 2018 तक मान्य रखने की अनुशंसा की है।

ख आंतरिक जांच और प्रबंधन संबंधी समीक्षा बैठक :

- एनडीटीएल की गुणवत्ता प्रणाली की समीक्षा के लिए, एनएडीएल अनिवार्यताओं के अनुसार नियमित आधार पर एनडीटीएल के प्रशिक्षित मूल्यांकनकर्ताओं और आंतरिक जांचकर्ताओं द्वारा आंतरिक जांचें की गईं थीं।
- **प्रबंधन समीक्षा समूह (एमआरजी) बैठक**

3 मार्च 2017 को आयोजित एमआरजी बैठक के कार्यवृत को एमआरजी बैठक के सभी सदस्यों के साथ साझा किया गया था। इस बैठक का उद्देश्य गुणवत्ता प्रणाली की उपयुक्तता और प्रभाविता को सुनिश्चित करना और सुधार के लिए आवश्यक परिवर्तनों को प्रस्तुत करना था।

5.2 (i) सतर्कता मामले :

2017 के दौरान किसी सतर्कता मामले की सूचना प्राप्त नहीं हुई थी (1 अप्रैल, – 31 दिसंबर, 2017)।

(ii) सूचना का अधिकार (आरटीआई) :

20 आरटीआई मामले दर्ज किए गए और 2017 के दौरान उनका उत्तर दिया गया (1 अप्रैल – 31 दिसंबर, 17)।

6.0 : एनडीटीएल की प्रमुख उपलब्धियां

6.1 29वें एसईए खेल के डोप परीक्षण, मलेशिया :

16 से 31 अगस्त, 2017 तक मलेशिया के कुआलालंपुर में आयोजित एसईए खेलों के डोप विश्लेषण के लिए नमूना परीक्षण कार्य एनडीटीएल, भारत को सौंपा गया था। इस अवधि के दौरान मूत्र और रक्त के क्रमशः 804 और 32 नमूने प्राप्त किए गए और उनके परीक्षण किए गए। मलेशिया से इस परीक्षण के लिए अनुबंध प्राप्त करना प्रतिष्ठित का विषय था

और यह भारतीय प्रयोगशाला में अंतर्राष्ट्रीय ग्राहकों के विश्वास को दर्शाता है।

6.2 आसियान पैरा गेम्स में डोप परीक्षण, मलेशिया :

17 से 23 सितंबर 2017 तक मलेशिया के कुआलालंपुर में आयोजित एशियान खेलों से डोप विश्लेषण के लिए नमूना परीक्षण संबंधी कार्य एनडीटीएल, भारत को सौंपा गया था। इस अवधि के दौरान मूत्र और रक्त के क्रमशः 160 और 8 नमूने प्राप्त किए गए और उनकी जांच की गई।

6.3 17वें अंडर -17 फीफा विश्व कप, भारत के डोप परीक्षण :

भारत में तथा सात अन्य स्थानों पर 6 व 28 अक्टूबर, 2017 तक आयोजित 17वें अंडर–17 फीफा विश्व कप के डोप विश्लेषण के लिए नमूना परीक्षण संबंधी कार्य एनडीटीएल, भारत को सौंपे गए थे। इस अवधि के दौरान मूत्र और रक्त के कुल क्रमशः 192 और 16 नमूने प्राप्त हुए और उनके परीक्षण किए गए थे।

6.4 एनडीटीएल लेखों की आंतरिक लेखा परीक्षा :

एनडीटीएल की 2017–18 के लिए आंतरिक लेखा परीक्षा वर्ष – चार्टर्ड एकाउंटेंट फर्म द्वारा 22 से 25.08.2017 के दौरान की गई थी।

6.5 2016–17 के लिए सीएजी द्वारा वार्षिक लेखाओं का लेखा परीक्षण

सीएजी के लेखा परीक्षण दल द्वारा दिनांक 01 से 11.12.2017 तक (7 कार्य दिवस) वर्ष 2016–17 के लिए एनडीटीएल के वार्षिक लेखा प्रमाणन का आयोजन किया था।

6.6 गवर्निंग बॉडी और जनरल बॉडी बैठक, एनडीटीएल (2017-18)

राष्ट्रीय डोप टेस्टिंग लैबोरेटरी (एनडीटीएल) की 10वीं शासी निकाय की और 9वीं जनरल बॉडी की बैठक, 26 सितंबर, 2017 को एनडीटीएल, नई दिल्ली के सम्मेलन हॉल में आयोजित की गई, जिसमें माननीय युवा मामले और खेल मंत्री (प्रभारी) की अध्यक्षता में की गई तथा इसका संचालन मुख्य कार्यकारी अधिकारी, एनडीटीएल द्वारा किया गया। इनके कार्यवृतों को एनडीटीएल के शासी निकाय द्वारा अनुमादित किया गया तथा उन्हें परिपत्रित कर दिया गया है।

6.7 डॉक्टरल समिति के सदस्य का नामांकन

डॉ. शोभा अही, वैज्ञानिक सी, एनडीटीएल को पीएचडी छात्र (व्यसन मनोचिकित्सा), एम्स, दिल्ली के लिए डॉक्टरेट समिति (डीसी) के सदस्य के रूप में नामित किया गया था।

6.8 राजस्व सृजन

एनडीटीएल द्वारा राष्ट्रीय परीक्षणों से 1.32 करोड़ रुपए का और अंतरराष्ट्रीय परीक्षण से 3.98 करोड़ रुपए का राजस्व अर्जित किया गया है, इस प्रकार 2017 में (01 अप्रैल, 2017 से 31 नवंबर, 2017 तक) 5.31 करोड रुपए का राजस्व अर्जित किया गया है।

6.9 वित्त समिति की बैठक : एनडीटीएल की वित्त समिति की छठी बैठक दिनांक 07 सितंबर, 2017 को आयोजित की गई थी। एनडीटीएल में सातवें केंद्रीय वेतन आयोग की सिफारिशों को लागू कर दिया गया है। समिति ने 2016–17 के लिए एनडीटीएल के वार्षिक लेखों और वित्तीय विवरणों को मंजूरी प्रदान कर दी है।

6.10 एनडीटीएल में दौरे

- जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी, सोनीपत, हरियाणा के 30 छात्रों और फैकल्टी के एक समूह ने 28 सितंबर, 2017 को एनडीटीएल का दौरा किया। उन्होंने उन्नत फॉरेन्सिक विज्ञान और उन्नत स्पोर्ट्स लॉ और गवर्नेंस पाठ्यक्रमों के अपने पाठ्यचर्या के भाग के रूप में एनडीटीएल का दौरा किया था।
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ क्रिमिनोलॉजी और फॉरेंसिक साइंस (एनआईसीएफएस) के छात्रों (एम.एससी फॉरेंसिक साइंस) ने 24 और 25 अक्टूबर, 2017 को एनडीटीएल का दौरा किया। एनडीटीएल वैज्ञानिकों ने लैब यात्रा के पश्चात छात्रों को निम्नलिखित विषयों पर व्याख्यान दिया।
- 24 अक्टूबर, 2017– दो व्याख्यान
  - i. डिजाइनर ड्रग्स, क्लब ड्रग्स। उनकी रासायनिक संरचना और क्रियाएं – संकाय : डॉ शोभा आही, वैज्ञानिक सी, एनडीटीएल
  - ii. खेल के ड्रग्स। उनकी रासायनिक संरचना और क्रियाएं – संकाय : डॉ. शीला जैन, प्रयोगशाला निदेशक, एनडीटीएल
- 25 अक्टूबर, 2017– लैब के दौरे के पश्चात एक व्याख्यान
  - iii. खेलों की ड्रग्स के विश्लेषण – संकाय – डॉ. सचिन दुबे, वैज्ञानिक सी, एनडीटीएल
- भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) के युवा पेशेवरों ने 25 अक्टूबर, 2017 को एनडीटीएल का दौरा किया।
- क्षेत्रीय फोरेंसिक लैबोरेटरीज के वैज्ञानिकों ने 27 अक्टूबर, 2017 को एनडीटीएल का दौरा किया।

6.11 थीसिस प्रस्तुति

दो पीएच.डी. छात्रों : दिल्ली विश्वविद्यालय से सुश्री वंदना और जीएनडीयू, अमृतसर से सुश्री महुवा ने वर्ष 2017 में अपनी थीसिस प्रस्तुत की।

6.12 अश्वों के डोप परीक्षण में उपलब्धियां :

एनडीटीएल केवल एकमात्र संगठन है जिसने देश में हॉर्स डोप टेस्टिंग के लिए केमिकल टेस्टिंग (ड्रग्स) के क्षेत्र में एनएबीएल से आईएएसओ/आईईसी 17025/2005 मान्यता प्राप्त की है।

1. अप्रैल 2014 में अश्व डोप परीक्षण सुविधा के लिए एनएबीएल से प्रत्यायन प्राप्त करने के पश्चात, वर्तमान स्थिति के अनुसार, एनडीटीएल द्वारा भारत के सभी रेसिंग क्लबों से परीक्षण के लिए नमूने निम्नलिखित विवरण के अनुसार प्राप्त किए जा रहे हैं : –

क्रम संख्या	रेस क्लब	01 अप्रैल 2017 से 31 दिसंबर 2017 तक परीक्षण के लिए प्राप्त नमूनों की संख्या
1.	हैदराबाद रेस क्लब	166
2.	रॉयल वेस्टर्न इंडिया टर्फ क्लब, मुंबई	276
3.	रॉयल कलकत्ता टर्फ क्लब	127
4.	बेंगलौर टर्फ क्लब	88
5.	मैसूर रेस क्लब	165
6.	मद्रास रेस क्लब	281
7.	दिल्ली रेस क्लब	47
	01 अप्रैल, 2017 से 31 दिसंबर, 2017 तक कुल 1150 नमूनों का परीक्षण किया गया	**1150**

2. **एनडीटीएल में हॉर्स डोप परीक्षण सुविधा के आधिकारिक रेसिंग केमिस्ट एसोसिएशन (एओआरसी) पीटी दौर में भागीदारी :**

क्रम संख्या	नमूनो की किस्म	एजेंसी	(नमूनों के दौर / संख्या)	एनडीटीएल की भागीदारी
1.	अश्व मूत्र	एओआरसी	01 (06)	01 (06)
2.	अश्व रक्त	एओआरसी	01 (02)	01 (02)

नमूनों का परीक्षण कार्य संपन्न किया गया तथा मई, 2017 माह में रिपोर्ट प्रदान कर दी गई। इनके परिणाम एनडीटीएल द्वारा जून, 2017 माह में भेज दिए गए थे।

7.0: अनुसंधान गतिविधियां

7.1 प्रकाशन :

अनुसंधान प्रकाशन : एनडीटीएल ने वर्ष 2017 में विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में शोध पत्र प्रकाशित किए हैं।

- महुआ चक्रवर्ती, सचिन दुबे, अलका बोएत्रा, सारिका, जसपाल एस. संधू: हर्बल मिश्रणों के प्रयोग से अज्ञात डोपिंग: क्या यह एक वास्तविकता है? इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फार्मास्युटिकल केमिस्ट्री एंड एनालिसिस, 4(1) : 20–23।
- आही. शोभा, साहू कपेंदर, नासारे महेश, सिंह सत्येंद्र, बोएत्रा अलका और जैन शीला : एलसी–एमएस / एमएस द्वारा मानव बालों में अल्कोहल चिन्हक एथिलीन–ग्रुकोरुनाइड (ईटीजी) का मात्रात्मक आकलन : डोपिंग नियंत्रण और फोरेंसिक विज्ञान के लिए अनुप्रयोग, जे क्रोमोटोग्र सेप टेक 2017, वॉल्यूम 8, अंक 3

8.0: शिक्षा कार्यक्रम

8.1 डोपिंग नियंत्रण संबंधी पुस्तिकाएं

एनडीटीएल द्वारा निम्नलिखित विषयों पर डोपिंग नियंत्रण संबंधी पुस्तिकाएं तैयार और प्रकाशित की गईः

- डोपिंग संबंधी परिचय
- वाडा प्रतिबंधित सूची
- वाडा संबंधी जानकारी
- चिकित्सीय उपयोग से रिआयतें
- एंड्रोजेनिक अनाबोलिक स्टेरॉयड
- रक्त डोपिंग
- डोपिंग के संदर्भ में सामान्यता पूछे जाने योग्य प्रश्न
- पोषक तत्वों की अनुपूरक खुराकें

8.2 सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला / प्रशिक्षण पाठ्यक्रम (अंतर्राष्ट्रीय) :

- डॉ. शीला जैन, एलडी, एनडीटीएल ने 5 से 6 अप्रैल, 2017 तक बॉन्ड विश्वविद्यालय, गोल्ड कोस्ट, क्वींसलैंड, ऑस्ट्रेलिया द्वारा आयोजित ''एंटी–डोपिंग अनुसंधान और विनियमन, विश्व विशेषज्ञों द्वारा प्रदान किए गए तथ्य'' विषयक सम्मेलन में भाग लिया। इस सम्मेलन का उद्देश्य डोपिंग को रोकने और ज्ञात करने के लिए नवीनतम सर्वोत्तम कार्यवाहियों व उभरती तकनीकों पर चर्चा करने के लिए – वाडा, एआईएस के शीर्ष वैज्ञानिकों और ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता मेलानी राइट सहित – अपने क्षेत्र के शीर्षस्थों को एक साथ लाना था।

- एनडीटीएल ने भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) द्वारा इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट, ग्रेटर नोएडा में 17 से 20 अप्रैल, 2017 तक आयोजित सेवाओं संबंधी वैश्विक प्रदर्शनी में अपनी विभिन्न गतिविधियों का प्रदर्शन किया। युवा मामले और खेल मंत्री श्री विजय गोयल ने 18 अप्रैल, 2017 को एनडीटीएल स्टाल का दौरा किया और डोप टेस्टिंग और शोध के क्षेत्र में एनडीटीएल के प्रयासों की सराहना की।

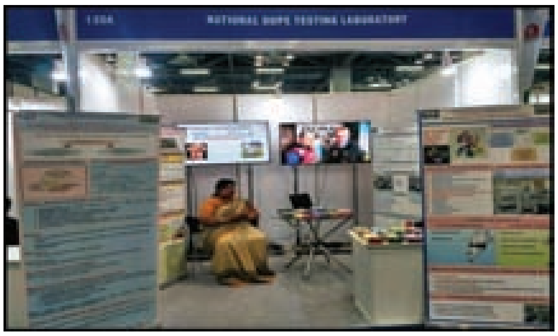

- श्री हसीन जमाल, वरिष्ठ विश्लेषक, एनडीटीएल ने 24 से 25 अप्रैल, 2017 को विएना, ऑस्ट्रिया मे सेईबर्सडोर्फ प्रयोगशालाओं द्वारा आयोजित चौथी डब्ल्यूएडीएस क्यूए प्रबंधक बैठक में भाग लिया।

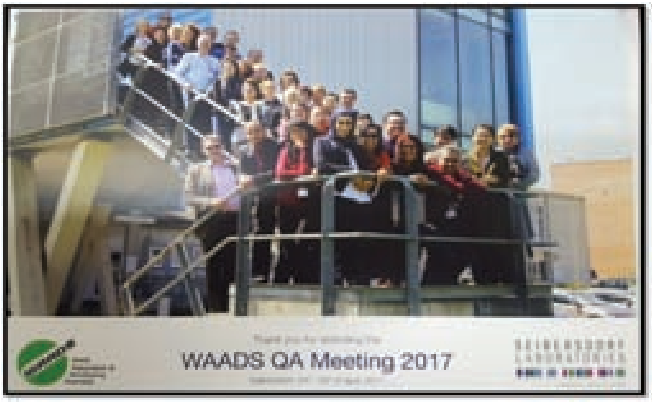

- एनडीटीएल ने 15 सितंबर 2017 को डॉ. थॉमस पाइपर, वैज्ञानिक, कोलोन लेबोरेटरी, जर्मनी द्वारा अधिकतम एकीकरण और आंकड़ा व्याख्या विषयक आईआरएमएस समूह के लिए स्काइप प्रशिक्षण का आयोजन किया।
- दो एनडीटीएल वैज्ञानिकों (श्री हसीन जमाल और श्री अभिनव श्रीवास्तव) ने 19 और 20 सितंबर, 2017 को एंटी डोपिंग लैब, कतर (एडीएलक्यू) में ''आईआरएमएस पर प्रथम कार्यशाला'' विषयक दो दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया।

- एनडीटीएल के वैज्ञानिकों ने 6 अक्टूबर 2017 को वाडा द्वारा आयोजित डॉ. ओसवेल बैरोसो, उप निदेशक विज्ञान और चिकित्सा द्वारा प्रस्तुत वाडा–मान्यता प्राप्त प्रयोगशालाओं के लिए तकनीकी दस्तावेजों से संबंधित वेबिनार में भाग लिया।

- एनडीटीएल वैज्ञानिकों ने 26 अक्टूबर, 2017 को मैसर्स फेनोमेनेक्स द्वारा आयोजित टिमोथी एंडरसन उत्पाद प्रबंधक, गैस क्रोमैटोग्राफी की प्रस्तुति जीसी समस्या निवारण के लिए टिप्स एंड ट्रिक्स – एपीएसी से संबंधित वेबिनार में भाग लिया।

- एनडीटीएल वैज्ञानिक एनडीटीएल के वैज्ञानिकों ने श्री मोहन लाल हेन्क, प्रबंधक, एडीएएमएस, वाडा द्वारा प्रस्तुत **डोप परीक्षण के परिणामों की प्रविष्टी के लिए एडीएएमएस के प्रचालन और प्रबंधन** विषयक वेबिनार में भाग लिया।

8.3 सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशाला/प्रशिक्षण पाठ्यक्रम (राष्ट्रीय) :

- डॉ. शीला जैन, एलडी, एनडीटीएल ने **29 मई 2017 को समिति हॉल संख्या 2–3, विज्ञान भवन, नई दिल्ली में राष्ट्रमंडल खेलों 2018, एशियाई खेलों 2018 और ओलंपिक खेलों 2020 की तैयारी के लिए हितधारकों की बैठक में भाग लिया। इस बैठक की अध्यक्षता में युवा मामले और खेल राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री विजय गोयल ने की थी।** यह बैठक राष्ट्रीय खेल संघ (एनएसएफ) के अधिकारियों सहित, सभी हितधारकों के साथ 2018 के राष्ट्रमंडल और एशियाई खेलों में भारत के पदकों के स्तर को बढ़ाने में सहायता के उद्देश्य से आयोजित की गई थी।
- डॉ. शीला जैन, एलडी, एनडीटीएल को 29 जून 2017 को राष्ट्रीय एंटी डोपिंग एजेंसी, युवा मामले व खेल मंत्रालय द्वारा खेलों में पोषक अनुपूरक : एक डोप मुक्त मॉडल विषय पर आयोजित एक सम्मेलन में **परीक्षण के लिए क्षमता निर्माण : एक प्रयोगशाला दृष्टिकोण** पर एक चर्चा करने के लिए अध्यक्ष के रूप में आमंत्रित किया गया था।
- डॉ. शोभा आही, वैज्ञानिक–सी, एनडीटीएल को 10 अगस्त, 2017 को नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ क्रिमिनोलॉजी एंड फॉरेंसिक साइंसन द्वारा आयोजित **दवाओं और विस्फोटों के विश्लेषण के लिए एलसी–मास संबंधी कार्यशाला में "एलसी–एमएस / एमएस द्वारा दवाओं का विश्लेषण"** पर चर्चा करने के लिए आमंत्रित किया गया था। इस कार्यशाला का आयोजन केन्द्रीय विश्वविद्यालय और संस्थानों के साथ–साथ अंतर्राष्ट्रीय फॉरेन्सिक विज्ञान प्रयोगशालाओं के जेएसओ और सीएफएसएलज़/ एफएसएलज़ से वरिष्ठ तथा शिक्षकों / तकनीकी अधिकारियों के लिए किया गया था।
- डॉ. शीला जैन, एलडी, एनडीटीएल को 24 अगस्त, 2017 को लेडी श्रीराम कॉलेज (एलएसआर) के राष्ट्रीय खेल संगठन द्वारा आयोजित **"खेलों में आहार व दवा का दुरुपयोग"** पर चर्चा करने के लिए आमंत्रित किया गया था।
- 31 अगस्त, 2017 को राष्ट्रीय एंटी डोपिंग संगठन (नाडा–इंडिया) द्वारा आयोजित वाडा के दिशानिर्देशों तथा तकनीकी दस्तावेजों के अनुसार भारतीय एथलीटों के लिए **एथलीट बायोलॉजिकल पासपोर्ट यूनिट (एपीएमयू)** की स्थापना के लिए आयोजित बैठक में डॉ. शिला जैन, एलडी, एनडीटीएल ने भाग लिया। डॉ. शीला जैन स्टेरॉयडल पासपोर्ट के लिए विशेषज्ञ के रूप में नामित हैं।
- एनडीटीएल द्वारा 27 से 30 नवम्बर 2017 तक भारतीय खाद्य सुरक्षा मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के तहत विभिन्न राष्ट्रीय संस्थानों / प्रयोगशालाओं के वैज्ञानिकों के लिए खाद्य / पोषण / हर्बल अनुपूरकों के

परीक्षण से संबंधित 4 दिवसीय प्रशिक्षण एवं कार्यशाला का आयोजन किया गया।

- डा. शीला जैन, एलडी, डॉ. तेजिंदर कौर वैज्ञानिक सलाहकार और डॉ. सचिन दुबे वैज्ञानिक–सी, द्वारा भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई कॉन) द्वारा 6 से 9 दिसंबर 2017 तक जेएलएन स्टेडियम कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली में आयोजित पूर्व–सम्मेलन के दौरान व्याख्यान दिया गया।
- भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा 6 से 9 दिसंबर, 2017 तक जेएलएन स्टेडियम कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली में आयोजित खेल चिकित्सा एवं खेल विज्ञान (एसआईआईसीओएन–2017) के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान डा. तेजिंदर कौर, वैज्ञानिक सलाहकार और डॉ शोभा आही, वैज्ञानिक–सी ने व्याख्यान दिए।
- डॉ. शीला जैन, एलडी और एनडीटीएल के वैज्ञानिकों ने वाडा दिशानिर्देशों और राष्ट्रीय एंटी डोपिंग संगठन (नाडा–भारत) द्वारा आयोजित तकनीकी दस्तावेजों के अनुसार 18–19 दिसंबर 2017 के दौरान भारतीय एथलीटों के लिए एथलीट बॉयोलॉजिकल पासपोर्ट यूनिट (एपीएमयू) की स्थापना से संबंधित एक बैठक में भाग लिया। डॉ. मसातो ओकानो, निदेशक, जापान डोपिंगरोधी एजेंसी ने भी इस बैठक में भाग लिया।
- श्रीमती मधु जोशी, कनिष्ठ विश्लेषक एनडीटीएल ने 28 से 30 दिसंबर, 2017 तक जवाहरलाल नेहरू सेंटर फॉर एडवांस्ड साइंटिफिक रिसर्च (जेएनसीएएसआर), बंगलौर द्वारा आयोजित 3 दिवसीय हैंड ऑन फ्लो साइटोमेट्री कोर्स में भाग लिया।

9.0: भावी दृष्टिकोण योजना :

i) मानवीय डोप परीक्षण में नियमित और अनुसंध ाान स्कंध में विस्तार।

ii) अश्व डोप परीक्षण में नियमित परीक्षण और अनुसंधान स्कंध में विस्तार।

भविष्य दृष्टिकोण योजना, एनडीटीएल के पुनर्गठन से जुड़ी हुई है।

10.0: एनडीटीएल का प्रबंधन / स्टाफ

10.1 जनरल बॉडी के सदस्यों की सूची

जनरल बॉडी के सदस्य		
क्रम संख्या	**नाम / पदनाम / पता**	**पदनाम**
1.	कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ माननीय युवा मामले व खेल राज्य मंत्री (प्रभारी) कमरा संख्या 401 – सी विंग, शास्त्री भवन, नई दिल्ली फोन – 23386520, फैक्स – 23381898 ई–मेल : उपदपेजमत.लें/दपब.पद	अध्यक्ष पदेन
2.	श्री राहुल भटनागर सचिव, खेल विभाग, महानिदेशक, साई और सीईओ, एनडीटीएल एनडीटीएल भवन, जेएलएन स्टेडियम, नई दिल्ली – 110003, फोन – 24364213 / 24364142, ईमेलरू –`मबल–`चवतजे/दपब.पद, कहेंप2005/लीवव.बव.पद	उपाध्यक्ष पदेन
3.	श्री इंदर धामिजा संयुक्त सचिव (खेल), कमरा संख्या 103, सी विंग, शास्त्री भवन, नई दिल्ली फोन – 23381025 ईमेल – कींउपरं.प60/हवअ.पद सदस्य	सदस्य पदेन

4.	डॉ. (प्रो) जगदीश प्रसाद स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, निर्माण भवन, नई दिल्ली फोन – 23061438 / 23061063 ईमेल – रंहकपी.चतेंक55/दपब.पद, कही/दपब.पद	सदस्य पदेन
5.	श्री नवीन अग्रवाल महानिदेशक, नाडा प्रगति विहार हॉस्टल, सीजीओ कॉम्प्लेक्स, लोदी रोड, नई दिल्ली – 110003 टेलीफैक्स – 2339277	सदस्य पदेन
6.	श्री राजीव मेहता भारतीय महासचिव, भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ओलंपिक भवन, बी –29, कुतुब इंस्टीट्यूशनल एरिया नई दिल्ली –110016 फैक्स – 26852386, फोन 26852480	सदस्य पदेन
7.	न्यायमूर्ति वी. के. जैन प्रख्यात न्यायविद्, 26, लोदी एस्टेट, लोदी रोड, नई दिल्ली – 110003	मनोनीत सदस्य
8.'	डॉ वेस पेस एंटी डोपिंग सलाहकार, बोर्ड ऑफ कंट्रोल फॉर क्रिकेट इन इंडिया (बीसीसीआई)	मनोनीत सदस्य
9.	डॉ (कर्नल) राणा के. चेंगप्पा सेना के पूर्व खेल चिकित्सा विशेषज्ञ ए –57, सोम विहार, आर.के. पुरम, नई दिल्ली – 110022	मनोनीत सदस्य
10.	प्रो. एन.के. गांगुली पूर्व महानिदेशक, आईसीएमआर और प्रसिद्ध वैज्ञानिक बायोटेक फेलो, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इम्यूनोलॉजी, जेएनयू कैंपस, नई दिल्ली मोबाइल फोन – 9811504314	मनोनीत सदस्य
11.	डॉ एस. के. रजा पूर्व निदेशक, आईपीएफटी और पूर्व संयुक्त निदेशक, डीआरडीओ	मनोनीत सदस्य
12.	श्री जफर इकबाल ओलंपियन	मनोनीत सदस्य
13.	श्री भूपिंदर सिंह बाजवा अध्यक्ष, भारतीय वुशु एसोसिएशन (डब्ल्यूएआई), 524, चौपातिया, आर के कैकर पार्क, लखनऊ, उत्तर प्रदेश – 226003	मनोनीत सदस्य
14.	श्री वागीश पाठक अध्यक्ष, नेटबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया (एनएफआई) 15, पूसा रोड, प्रथम तल, नई दिल्ली –110005 फोन – 28041430–31–33, मोबाइल – 9811801407 ईमेल – होकंपर्फि/जीम–पर्फि.बिवउ	मनोनीत सदस्य

15.	श्री अनिल खन्ना उपाध्यक्ष, आईटीएफ, आर. के. खन्ना स्टेडियम, आर के पुरम, अफ्रीका एवेन्यू, नई दिल्ली – 110029	मनोनीत सदस्य

10.2 एनडीटीएल के प्रशासनिक निकाय के सदस्य

शासी निकाय के सदस्य		
क्रम संख्या	**नाम / पदनाम / पता**	**पदनाम**
1.	कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ माननीय युवा मामले व खेल राज्य मंत्री (प्रभारी) कमरा संख्या 401 – सी विंग, शास्त्री भवन, नई दिल्ली फोन – 23386520, फैक्स – 23381898 ई–मेल : उपदपेजमत.लें/दपब.पद	अध्यक्ष पदेन
2.	श्री राहुल भटनागर सचिव, खेल विभाग, महानिदेशक, साई और सीईओ, एनडीटीएल एनडीटीएल भवन, जेएलएन स्टेडियम, नई दिल्ली – 110003, फोन – 24364213 / 24364142, ईमेलरू – `मबल–`चवतजे/दपब.पद, कहेंप2005/लीवव.बव.पद	उपाध्यक्ष पदेन
3.	श्रीमती किरण सोनी गुप्ता अपर सचिव और वित्तीय सलाहकार युवा मामले व खेल मंत्रालय साई बिल्डिंग, जेएलएन स्टेडियम नई दिल्ली – 110003, फोन – 24362721ध्22 ईमेल ापतंदेवदप.हनचजं/दपब.पद	सदस्य पदेन
4.	श्री इंदर धामिजा संयुक्त सचिव (खेल), कमरा संख्या 103, सी विंग, शास्त्री भवन, नई दिल्ली फोन – 23381025 ईमेल – कींउपरं.प60/हवअ.पद सदस्य	सदस्य पदेन
5.	डॉ. (प्रो) जगदीश प्रसाद स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, निर्माण भवन, नई दिल्ली फोन – 23061438 / 23061063 ईमेल – रंहकपी.चतंक55/दपब.पद, कही/दपब.पद	सदस्य पदेन
6.	श्री राजीव मेहता भारतीय महासचिव, भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ओलंपिक भवन, बी –29, कुतुब इंस्टीट्यूशनल एरिया नई दिल्ली –110016 फैक्स – 26852386, फोन 26852480	सदस्य पदेन
7.	न्यायमूर्ति वी. के. जैन प्रख्यात न्यायविद्, 26, लोदी एस्टेट, लोदी रोड, नई दिल्ली – 110003	मनोनीत सदस्य

8.	डॉ वेस पेस एंटी डोपिंग सलाहकार, बोर्ड ऑफ कंट्रोल फॉर क्रिकेट इन इंडिया (बीसीसीआई)	मनोनीत सदस्य
9.	डॉ (कर्नल) राणा के. चेंगप्पा सेना के पूर्व खेल चिकित्सा विशेषज्ञ ए –57, सोम विहार, आर.के. पुरम, नई दिल्ली – 110022	मनोनीत सदस्य
10.	प्रो. एन.के. गांगुली पूर्व महानिदेशक, आईसीएमआर और प्रसिद्ध वैज्ञानिक बायोटेक फेलो, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इम्यूनोलॉजी, जेएनयू कैंपस, नई दिल्ली मोबाइल फोन – 9811504314	मनोनीत सदस्य
11.	डॉ एस. के. रजा पूर्व निदेशक, आईपीएफटी और पूर्व संयुक्त निदेशक, डीआरडीओ	मनोनीत सदस्य
12.	डॉ. सागर प्रीत हुड्डा निदेशक (खेल) और अतिरिक्त सीईओ, एनडीटीएल कमरा संख्या 520, सी–विंग, शास्त्री भवन, नई दिल्ली – 110001	सदस्य
13.	डॉ. शीला जैन प्रयोगशाला निदेशक, एनडीटीएल जेएलएन स्ट्रोडियम कॉम्प्लेक्स, ईस्ट गेट संख्या 10, लोदी रोड नई दिल्ली – 110003	सदस्य सचिव पदेन

10.3 एनडीटीएल प्रबंधन / स्टाफ

क्रम संख्या	नाम	पदनाम
1.	श्री इंदर धमीजा श्री राहुल भटनागर	सीईओ, एनडीटीएल (2017) सीईओ, एनडीटीएल (2017–18)
2.	डॉ शीला जैन	प्रयोगशाला निदेशक 03.11.16 से
3.	श्री आर. आर. भारती डा राजीव साईंन	उप निदेशक उप निदेशक 1.11.17 से
4.	डॉ तेजिंदर कौर	वैज्ञानिक सलाहकार
5.	श्रीमती मरियम ओमेन	वित्त अधिकारी
6.	श्री जगदीश चंदर	वित्तीय परामर्शदाता
7.	श्री बी रणजीत लाल	तकनीकी अधिकारी
8.	डॉ सचिन दुबे	वैज्ञानिक सी
9.	डॉ शोभा आही	वैज्ञानिक सी
10.	डॉ कपेंदर साहू	वैज्ञानिक बी
11.	श्री अवनीस उपाध्याय	वैज्ञानिक बी
12.	श्री हसीन जमाल	वरिष्ठ विश्लेषक
13.	श्री चंदन कुमार सिंह	डीईओ
14.	श्री पी एस गुप्ता	एलडीसी
15.	श्री अशोक सिंह	जूनियर विश्लेषक

16.	श्रीमती मधु जोशी	जूनियर विश्लेषक
17.	श्रीमती उषा सक्सेना	स्टोर कीपर
18.	श्री राहुल प्रियदर्शी	रिसर्च एसोसिएट– 1
19.	सुश्री महुआ चक्रवर्ती	अनुसंधान सहयोगी – 1
20.	श्री सत्येंद्र सिंह	रिसर्च एसोसिएट – 1
21.	सुश्री वंदना	रिसर्च एसोसिएट – 1
22.	श्री आनंद राज	रिसर्च एसोसिएट – 1
23.	श्री अभिनव श्रीवास्तव	रिसर्च एसोसिएट – 1
24.	श्री अरविंद सोनी	रिसर्च एसोसिएट – 1
25.	श्री महेश नसर	वरिष्ठ रिसर्च फेलो
26.	सुश्री प्रीती सिंह	वरिष्ठ रिसर्च फेलो
27.	श्री वी. जय प्रकाश	आईटी विश्लेषक
28.	सुश्री रैनो शर्मा	जूनियर विश्लेषक
29.	सुश्री अखिलेश भारद्वाज	जूनियर विश्लेषक
30.	श्री सुबोध विश्नोई	जूनियर विश्लेषक
31.	डॉ सीमा शाह	जूनियर विश्लेषक
32.	श्री रामदास	जूनियर विश्लेषक
33.	सुश्री अंजू मलिक	जूनियर विश्लेषक
34.	सुश्री अमृता जैन	जूनियर विश्लेषक
35.	सुश्री भावन नरूला	जूनियर विश्लेषक
36.	सुश्री साक्षी जेठी	जूनियर विश्लेषक
37.	सुश्री एकता वशिष्ठ	जूनियर विश्लेषक
38.	सुश्री किरण पटेल	जूनियर विश्लेषक
39.	श्री संजय सिंह	जूनियर विश्लेषक
40.	सुश्री स्नेहप्रभा गिरि	जूनियर विश्लेषक
41.	सुश्री लवलीन	जूनियर विश्लेषक
42.	श्री कमलेश के यादव	जूनियर विश्लेषक
43.	सुश्री पूजा	जूनियर विश्लेषक
44.	श्री जगदीश चंदर	वित्तीय सलाहकार
45.	सुश्री शिबु यादव	डीईओ
46.	श्री जर्विश	स्टेनोग्राफर
47.	श्री जयेश यादव	अटेंडेंट
48.	श्री हरीश	जूनियर अकाउंटेंट
49.	श्रीमती सीता देवी	लेडी अटेंडेंट
50.	श्री सुनील	लैब सहायक
51.	श्री गौरव	लैब सहायक

अध्याय 21

अंतरराष्ट्रीय सहयोग

खेल क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय संबंधों के माध्यम से द्विपक्षीय और बहुपक्षीय संबंधों को सुदृढ़ बनाने के लिए शारीरिक शिक्षा और खेल क्षेत्रों में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को महत्व प्रदान किया जाता है। एथलीटों, प्रशिक्षकों, प्रबंधकों, प्रशासकों, तकनीकी अधिकारीगणों, संकाय सदस्यों, शोधकर्ताओं, खेल वैज्ञानिकों और सहायक स्टाफ आदि के लिए विनिमय कार्यक्रमों के माध्यम से पाठ्यचर्या डिज़ायनिंग, पेशेवर विकास के क्षेत्र में रणनीतिक रूपरेखा के माध्यम से विभिन्न समझौतों में प्रोत्साहन प्राप्त हुआ है।

समझौता ज्ञापन और समझौते के अलावा, खेल विभाग ने कोरिया, ग्रीस आदि जैसे अन्य देशों के साथ शारीरिक शिक्षा, खेल विज्ञान और ओलंपिक क्षेत्र में सहयोग के बारे में अन्य विभागों को भी टिप्पणियां प्रदान की हैं।

समझौता ज्ञापन

जापान

भारतीय खेल प्राधिकरण और निप्पॉन स्पोर्ट्स साइंस यूनिवर्सिटी (एनएसएसयू), जापान के बीच समझौता ज्ञापन पर सितंबर, 2017 में नई दिल्ली में हस्ताक्षर किए गए थे।

लक्ष्मीबाई नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन और निप्पॉन स्पोर्ट्स साइंस यूनिवर्सिटी (एनएसएसयू) जापान के बीच समझौता ज्ञापन पर सितंबर, 2017 में नई दिल्ली में हस्ताक्षर किए गए थे।

भारतीय खेल प्राधिकरण और सुकुबा विश्वविद्यालय जापान के बीच आशय पत्र पर सितंबर, 2017 में नई दिल्ली में हस्ताक्षर किए गए थे।

लक्ष्मीबाई नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन और सुकुबा विश्वविद्यालय जापान के बीच आशय पत्र पर सितंबर, 2017 में नई दिल्ली में हस्ताक्षर किए गए थे।

ऑस्ट्रेलिया

अप्रैल, 2017 में नई दिल्ली में ऑस्ट्रेलिया के साथ खेल क्षेत्र में सरकारों के बीच समझौता ज्ञापन का नवीकरण किया गया।

अप्रैल, 2017 में नई दिल्ली में कैनबरा विश्वविद्यालय तथा युवा मामले और खेल मंत्रालय के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

अप्रैल 2017 में नई दिल्ली में विक्टोरिया विश्वविद्यालय के साथ युवा मामले और खेल मंत्रालय के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

अप्रैल, 2017 में नई दिल्ली में भारतीय खेल प्राधिकरण और ऑस्ट्रेलियाई खेल आयोग के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

अप्रैल, 2017 में नई दिल्ली में संकाय और छात्रों के आदान–प्रदान के लिए भारतीय खेल प्राधिकरण और विक्टोरिया विश्वविद्यालय के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

मलेशिया

अप्रैल, 2017 में नई दिल्ली में खेल सहयोग पर मलेशिया सरकार और भारत सरकार के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए थे।

अध्याय 22

।2017–18 के दौरान विभाग की खेल से संबंधित उपलब्धियां और पहलें

खेल विभाग की महत्वपूर्ण उपलब्धियां:

1. **पैरा एथलीटों के लिए प्रशिक्षण केंद्र :** खेल मंत्री ने 5 फरवरी, 2017 को पैरा एथलीटों के लिए समर्पित सर्वप्रथम प्रशिक्षण केंद्र का गांधीनगर, गुजरात में शिलान्यास किया। इस केंद्र की प्रस्तावित अनुमानित लागत 50 करोड़ रुपए से अधिक है। इसमें विश्व स्तरीय सुविधाएं रहेंगी जिनमें पैरा एथलीटों को एशियाई खेलों, राष्ट्रमंडल खेलों और ओलंपिक खेलों सहित विभिन्न अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा। इस केंद्र में पैरा एथलीटों के लिए निम्नलिखित सुविधाएं होंगी :

   (i) इंडोर हॉल (64 मीटर गुणा 42 मीटर) पूर्णत्या वातानुकूलित

   (ii) एलिट हॉस्टल (100 बिस्तरयुक्त) पूर्णत्या वातानुकूलित

   (iii) विदेशी अतिथि के लिए वीआईपी आवास (संख्या 20) वातानुकूलित

   (iv) गर्म पानी के लिए खुला स्थान

2. **अंतर्राष्ट्रीय मुक्केबाजी अकादमी** : इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम, नई दिल्ली और राजीव गांधी खेल परिसर, रोहतक में मुक्केबाजी अकादमी की स्थापना करने के लिए इंटरनेशनल बॉक्सिंग एसोसिएशन (एआईबीए), बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (बीएफआई) और भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) को शामिल करते एक त्रिपक्षीय सहमति पत्र (एमओयू) पर 1 मार्च 2017 को नई दिल्ली में हस्ताक्षर किए गए थे।

3. **22वीं एशियाई एथलेटिक चौंपियनशिप, 2017 का सफल आयोजन** : भारत ने 22वीं एशियाई एथलेटिक चौंपियनशिप, 2017 का 06 से 09 जुलाई, 2017 तक भुवनेश्वर, ओडिशा में सफलतापूर्वक आयोजन किया। भारत ने 29 पदक (12 स्वर्ण, 5 रजत, 12 कांस्य) जीतकर पदक तालिका में शीर्ष स्थान प्राप्त किया।

4. **ग्रामीण मैराथन :** मंत्रालय द्वारा 6 अगस्त को ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं के लिए दिल्ली (निजामपुर गांव) में प्रथम ग्रामीण मैराथन का आयोजन किया गया जिसमें लगभग 15,000 प्रतिभागी शामिल हुए थे। इसमें दिल्ली के ग्रामीण क्षेत्रों के लड़कों और लड़कियों को शामिल किया गया और इसने जीवन के मार्ग के रूप में खेल और शारीरिक गतिविधि का संदेश प्रसारित करने में सहायता प्रदान की। इस प्रकार के खेल आयोजनों का उद्देश्य ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों से प्रतिभाशाली युवाओं को एक मंच प्रदान करना और उन्हें विकसित होने में सहायता प्रदान करना है और हमें उन्हें भविष्य में प्रशिक्षित करने का अवसर प्रदान करना है ताकि वे विश्व स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व कर सकें।

5. **ग्रामीण खेल :** दिल्ली के निजामपुर गांव में 28 अगस्त से 3 सितंबर, 2017 के बीच ग्रामीण खेलों के प्रथम संस्करण अथवा ग्रामीण खेल महोत्सव का आयोजन किया गया। इन ग्रामीण खेलों का उद्देश्य कुश्ती, एथलेटिक्स आदि जैसे स्वदेशी खेलों को लोकप्रिय बनाना है और वरिष्ठ नागरिकों के लिए मटका रेस, रस्साकशी जैसे रोचक खेलों को भी रखा गया था ताकि इन खेलों में रोचकता का तत्व भी स्थापित करते हुए यह संदेश प्रसारित किया जाए कि प्रत्येक आयु वर्ग को खेलों में शामिल होने और अभ्यास करने की आवश्यकता है।

6. **भारत ऑस्ट्रेलिया खेल भागीदारी :** ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री श्री मैल्कम टर्नबुल की भारत यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच खेल के मैदान संबंधों के विकास के संदर्भ में 10 अप्रैल, 2017 को नई दिल्ली में भारत सरकार और ऑस्ट्रेलिया सरकार के बीच 5 समझौता ज्ञापनों (एमओयूज़) पर हस्ताक्षर किए गए थे।

   इसके अलावा, 12 अप्रैल, 2017 को भारत और ऑस्ट्रेलिया ने खेलों में सहयोग बढ़ाने के उद्देश्य से मुंबई में खेल साझेदारी की शुरुआत की। यह साझेदारी भारत–ऑस्ट्रेलिया सहयोग को चार क्षेत्रों – एथलीट / कोच प्रशिक्षण और विकास, खेल

विज्ञान, खेल प्रशासन और अखंडता व जमीनी स्तर की भागीदारी में आगे बढ़ाएगी।

7. **"सभी के लिए खेल" विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला** : "सभी के लिए खेल" विषयक पर एक राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन दिनांक 26.09.2017 को नई दिल्ली में किया गया था, जिसमें राज्य सरकारों, राष्ट्रीय खेल संघों, भारतीय ओलंपिक संघ, खेल विभाग, भारतीय खेल प्राधिकरण, राष्ट्रीय पर्यवेक्षकों आदि से संबंधित लगभग 80 प्रतिनिधियों ने भाग लिया था। इस कार्यशाला के प्रमुख उद्देश्यों में से एक उद्देश्य सभी हितधारकों के बीच अभिसरण लाने और खेल प्रस्तावों के विभिन्न लाभों का उपयोग करने के लिए एक साझा दृष्टिकोण तैयार करना था। खेल इंग्लैंड के विशेषज्ञों ने सामुदायिक खेलों और लैंगिक समानता पर प्रस्तुति दी। ब्रिटेन की प्रतिभाशाली एथलीट छात्रवृत्ति योजना (टीएएसएस) के प्रमुख ने प्रतिभा की पहचान और विकास प्रणाली के संबंध में एक प्रस्तुति दी। मैजिक बस और ईशा फाउंडेशन (एनजीओज़) द्वारा सामुदायिक खेलों पर प्रस्तुतियां तैयार की गईं।

8. **फीफा अंडर–17 विश्व कप का सफल समापन**

फीफा अंडर –17 विश्व कप का 17वां संस्करण सफलतापूर्वक 6 से 28 अक्टूबर 2017 तक आयोजित किया गया। इतिहास में पहली बार, भारत ने इस प्रकार की एक बड़ी अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल प्रतियोगिता की मेजबानी की थी। प्रतियोगिता का स्थान जेएलएन स्टेडियम– नई दिल्ली, पीजेएन स्टेडियम, फतोरदा–गोवा, जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम–कोच्चि, इंदिरा गांधी एथलेटिक्स स्टेडियम–गुवाहाटी, विवेकानंद युवा भारती क्रीरंगन, साल्ट लेक– कोलकाता, डी वाई पाटिल स्टेडियम– नवी मुंबई थे। विश्व भर से चौबीस टीमों ने इस टूर्नामेंट में भाग लिया। 28 अक्टूबर, 2017 को कोलकाता के साल्ट लेक में एक भरे हुए युबा भारती क्रीरंगन स्टेडियम में इंग्लैंड और स्पेन के बीच अंतिम मैच खेला गया जिसमें इंग्लैंड को फीफा अंडर–17 विश्व कप का चौंपियन घोषित किया गया था।

9. **मिशन इलेवन मिलियन**

मिशन इलेवन मिलियन का लक्ष्य फीफा अंडर–17 विश्व कप भारत 2017 के लिए तैयार करने के उद्देश्य से 11 मिलियन स्कूली बच्चों को फुटबॉल से जोड़ना है। सरकार ने अखिल भारतीय फुटबॉल परिसंघ (एआईएफएफ) और फेडरेशन इंटरनेशनल डी फुटबॉल एसोसिएशन (फीफा) के सहयोग से "मिशन इलेवन मिलियन", एक प्रगतिशील कार्यक्रम के माध्यम से फुटबॉल को बढ़ावा दिया है। इस कार्यक्रम का 10 फरवरी, 2017 को आधिकारिक तौर पर उद्घाटन किया गया। इस कार्यक्रम में 11 मिलियन छात्रों तक पहुंचने के लिए सितंबर 2017 तक भारत भर के लगभग 15,000 स्कूलों में 10 से 18 वर्ष के बीच की आयु के लड़कों और लड़कियों को लक्षित करने की परिकल्पना की गई।

इस कार्यक्रम के तहत, 31 अक्टूबर, 2017 की स्थिति के अनुसार, 20,977 स्कूलों और 21,279 शिक्षकों को सफलतापूर्वक पंजीकृत किया गया और 29 राज्यों और 2 संघ राज्य क्षेत्रों के 11,008,561 बच्चों तक पहुंच बनाई। इस कार्यक्रम के तहत 262 शिक्षक कार्यशालाएं आयोजित की गई और 42,229 फुटबॉल वितरित की गईं।

मिशन इलेवन मिलियन का प्रमुख उद्देश्य भारत में स्कूली समुदायों के बीच धारणा में परिवर्तन लाना था कि फुटबॉल को किसी भी स्थान पर, किसी भी सतह पर कितनी भी संख्या में बच्चों द्वारा खेला जा सकता है। इसका आशय पूरे देश में इस संदेश को फैलाना था और गली फुटबॉल के बारे में भारतीय स्कूलों में सामान्य जानकारी देना था।

खेल विभाग द्वारा की गई महत्वपूर्ण पहलें :

1. **खेल प्रतिभा खोज पोर्टल का शुभारंभ** : भारत के उपराष्ट्रपति श्री एम.वेंकैया नायडू ने देश की युवा जनसंख्या में से सर्वश्रेष्ठ प्रतिभा को चिन्हित करने के लिए 28 अगस्त, 2017 को नई दिल्ली के इंदिरा गांधी स्टेडियम में आयोजित समारोह में युवा मामले व खेल राज्य मंत्री (प्रभारी), अर्जुन पुरस्कार विजेताओं और हजारों स्कूली बच्चों की उपस्थिति में खेल प्रतिभा खोज पोर्टल का शुभारंभ किया। यह पोर्टल प्रतिभाशाली युवाओं के लिए अपनी उपलब्धियों को अपलोड करने के लिए एक पारदर्शी मंच प्रदान

करेगा। शॉर्टलिस्ट किए गए आवेदकों को चयन परीक्षा से गुजरना होगा और जो ये परीक्षाएं पास करेंगे उन्हें एसएआई योजनाओं में प्रवेश प्रदान किया जाएगा।

2. **उत्कृष्ट एथलीटों को प्रति माह 50,000 रुपए का स्टेपेंड** : ओलंपिक टास्क फोर्स की सिफारिश पर, मंत्रालय ने 15.09.2017 को अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों में भागीदारी के लिए अपनी तैयारी के दौरान जेब खर्च की पूर्ति के लिए लक्ष्यित ओलंपिक पोडियम स्कीम के तहत सभी चयनित एथलीटों को प्रति माह 50,000 रुपये की छात्रवृति प्रदान करने का निर्णय लिया है।

3. **पुनर्स्थापित खेलो इंडिया कार्यक्रम** : केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने 2017–18 से 2019–20 की अवधि के लिए 1,756 करोड़ रुपए की लागत से पुनर्स्थापित खेलो इंडिया कार्यक्रम को मंजूरी प्रदान कर दी है। यह भारतीय खेलों के इतिहास में एक ऐतिहासिक क्षण की भांति प्रतीक हो रहा है, क्योंकि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य खेलों को व्यक्तिगत विकास, सामुदायिक विकास, आर्थिक विकास और राष्ट्रीय विकास के लिए एक उपकरण के रूप में मुख्यध ाारा में लाना है। पुनर्स्थापित खेलो इंडिया कार्यक्रम संपूर्ण खेल पारिस्थितिक तंत्र को प्रभावित करेगा, जिसमें बुनियादी ढांचे, सामुदायिक खेल, प्रतिभा की पहचान, उत्कृष्टता के लिए प्रशिक्षण, प्रतियोगिता संरचना और खेल अर्थव्यवस्था शामिल है।

4 **मणिपुर में राष्ट्रीय खेल विश्वविद्यालय** : –

लक्ष्य : राष्ट्रीय खेल विश्वविद्यालय सोसायटी का उद्देश्य भावी जानकारीयुक्त समाज प्राप्त करने और स्थानीय खेलों के विकास को बढ़ावा देने के लिए विश्व स्तरीय एथलीटों, खेल वैज्ञानिकों, शारीरिक शिक्षाविदों को तैयार करना और अपनी मूल रचनात्मक शैक्षणिक व्यवस्था और अनुसंधान का उपयोग करते हुए एक अग्रणी विश्वविद्यालय बनना है।

मणिपुर में राष्ट्रीय खेल विश्वविद्यालय की स्थापना के प्रस्ताव को 10 जुलाई 2014 को माननीय वित्त मंत्री द्वारा अपने बजट भाषण (2014–15) में औपचारिक रूप से घोषित किया गया था। नीति आयोग ने इस परियोजना के लिए सिद्धांत रूप से स्वीकृति प्रदान कर दी है। यह नई केंद्रीय क्षेत्र योजना पांच वर्षों में लागू की जाएगी। परियोजना की अनुमानित लागत 500 करोड़ रुपए से अधिक होगी। प्रस्तावित स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी के प्रशिक्षण कार्यक्रम को चार स्कूलों के अंतर्गत आयोजित किया जाएगा : स्कूल ऑफ स्पोर्ट्स साइंस और स्पोर्ट्स मेडिसिन, स्कूल ऑफ स्पोर्ट्स मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी, स्कूल ऑफ स्पोर्ट्स एजुकेशन और स्कूल ऑफ इंटरडिसीप्लिनरी स्टडीज। इन चार स्कूलों में उनके तहत तेरह विभाग होंगे।

मणिपुर सरकार ने 29.12.2016 को इस प्रस्तावित विश्वविद्यालय के लिए मणिपुर के पश्चिम इंफाल जिले में 325.90 एकड़ जमीन की भूखंडयुवा मामला और खेल मंत्रालय को प्रदान किया हैं। प्रस्तावित विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए हिंदुस्तान स्टीलवर्क्स कंस्ट्रक्शन लिमिटेड (एचएससीएल) को परियोजना प्रबंधन सलाहकार के रूप में संलग्न किया गया है।

यह सुनिश्चित करने के लिए कि प्रस्तावित विश्वविद्यालय सर्वश्रेष्ठ अंतर्राष्ट्रीय मानकों और व्यवस्थाओं के अनुरूप है, अप्रैल 2017 में युवा मामला और खेल मंत्रालय द्वारा कैनबरा और विक्टोरिया विश्वविद्यालयों के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) को हस्ताक्षरित किया गया है।

एनएसयू विधेयक को अंतिम रूप प्रदान करने के लिए, राष्ट्रीय खेल विश्वविद्यालय सोसाइटी की स्थापना मणिपुर सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम, 1989 के तहत की गई है। शैक्षणिक सत्र 2017–18 के लिए, बीपीईएस और बीएससी (स्पोर्ट्स कोचिंग) पाठ्यक्रम खूमन लैम्पक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के अस्थायी परिसर में आरंभ किया जाएगा, जो राष्ट्रीय खेल विश्वविद्यालय सोसाइटी का मुख्यालय होगा।

5. **ओलंपिक टास्क फोर्स (ओटीएफ)**

आगामी तीन ओलंपिक खेलों 2020 टोक्यो, 2024 और 2028 में भारतीय खिलाड़ियों की प्रभावी तैयारी के लिए एक व्यापक कार्य योजना तैयार करने के

लिए जनवरी, 2017 में एक ओलंपिक टास्क फोर्स (ओटीएफ) की स्थापना की गई थी। इस टास्क फोर्स को कुल मिलाकर खेल की सुविधा, प्रशिक्षण चयन प्रक्रिया और अन्य संबंधित मामलों के लिए एक समग्र रणनीति तैयार करने का कार्य सौंपा गया था! ओटीएफ ने अगस्त, 2017 में अपनी रिपोर्ट सौंपी है।

ओटीएफ के टास्क फोर्स की सिफारिश के अनुसार, भारत सरकार द्वारा एक अधिकार प्राप्त संचालन समिति (ईएससी) को 2020 ओलंपिक, जो टोक्यो (जापान) में आयोजित होने हैं, की उचित तैयारी सुनिश्चित करने के लिए उत्तरदायित्व सहित एकल बिंदु इकाई के रूप में स्थापित किया जाना चाहिए। मुख्य कार्य संबंधी एक अधिसूचना जारी की जा चुकी है।

ईएससी द्वारा ओलंपिक, कॉमनवेल्थ और एशियाई खेलों के लिए संकेंद्रित खेलों की सिफारिश की जाएगी; राष्ट्रमंडल खेलों, एशियाई खेलों और ओलंपिक खेलों के लिए राष्ट्रीय खेल संघों द्वारा अंतिम रूप से तैयार की गई संभावनाओं की समीक्षा की जाएगी और यदि कोई हो तो अतिरिक्त या विलोपन से संबंधित सिफारिशें की जाएंगी; संबंधित राष्ट्रीय खेल महासंघ (एनएसएफ) के साथ परामर्श करते हुए सरकार द्वारा अनुमोदित प्रशिक्षण और प्रतियोगिताओं (एटीसीसी) के वार्षिक कैलेंडर की समीक्षा की जाएगी और किसी भी अतिरिक्त अथवा पूरक आवश्यकताओं के संबंध में विशिष्ट सिफारिशें की जाएंगी; टीओपीएस (लक्ष्यित ओलंपिक पोडियम स्कीम) के चयनित लाभार्थियों के लिए विशिष्ट योजनाओं / पैकेजों को तैयार किया जाएगा, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों के नामों की सूची तैयार करना और प्रशिक्षण, कोचिंग और टीओपीएस एथलीटों के लिए अन्य सहायता प्रदान करने के लिए दरों को मंजूरी प्रदान की जाएगी; योजना बनाने और राष्ट्रीय कैंपरों को सर्वश्रेष्ठ उपलब्ध खेल विज्ञान सहायता प्रदान करने के लिए अल्प से मध्यम अवधि के लिए आउटसोर्सिंग के माध्यम से खेल विज्ञान सहायता सशक्तिकरण किया जाएगा; एथलीट मॉनिटरिंग और डेटा पर्यवेक्षी कार्य निष्पादित करने के लिए जैसा भी आवश्यक हो उपयुक्त एजेंसी को अनुबंधित किया जाएगा; ओलंपिक / पैराएलिंपिक्स में भागीदारी, प्रगति और मंच समापन के मामले में विभिन्न क्षेत्रों में खेल प्रदर्शन को सुधारने के लिए चयनित पैरा–खेल क्षेत्रों सहित चुने गए खेल क्षेत्रों के लिए विशिष्ट खेल रणनीतियों को तैयार किया जाएगा।

ईएससी में अन्य बातों के साथ साथ भारतीय ओलंपिक एसोसिएशन (आईओए) के प्रतिनिधि, प्रतिष्ठित खिलाड़ी प्रतिनिधि, जो सक्रिय खेल से अधिमानतः ओलंपिक स्तर पर सशक्त मेडल संभावना वाले 3 खेल क्षेत्रों से सेवानिवृत्त हुए हों, सरकार द्वारा आवर्तनशील आधार पर मौजूदा मुख्य कोचों अथवा उच्च निष्पादन निदेशकों में से चयनित करने के लिए एक उच्च प्राथमिकता प्राप्त खेल के एलिट कोच; खेल वैज्ञानिक व खेल चिकित्सा निदेशक शामिल होंगे।

6. राष्ट्रमंडल खेल 2018 और एशियाई खेल 2018 की तैयारी

क्सींसलैंड, ऑस्ट्रेलिया के गोल्ड कोस्ट में अप्रैल 2018 में 21वें राष्ट्रमंडल खेलों का आयोजन किया जाएगा। तत्पश्चात, अगस्त–सितंबर 2018 के दौरान जकार्ता – पालेम्बांग, इंडोनेशिया में 18वें एशियाई खेलों का आयोजन किया जाएगा।

तथापि भारत की आबादी बहुत अधिक है, अंतरराष्ट्रीय खेलों में इसकी उपलब्धियां इसके आकार और क्षमता से अनुरूप नहीं हैं। भारत में किसी पावरहाउस को चिन्हित करने की विकासशील भारत में काफी संभावनाएं हैं। खेलों में सफलता न केवल देश को गौरांवित करती और प्रसिद्धि प्रदान करती है वरन् युवाओं को खेलों और शारीरिक गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित भी करती हैं।

भावी राष्ट्रमंडल खेलों और एशियाई खेलों में सभी खेल क्षेत्रों के लिए एक स्तरीय खेल क्षेत्र सुनिश्चित करने और अधिकाधिक पदक आरक्षित करने के लिए, सरकार इन कार्यक्रमों में राष्ट्रीय टीमों की तैयारी और भागीदारी के लिए सभी प्रकार की सहायताएं व वित्तीय सहायता प्रदान कर रही है। विदेशों में प्रशिक्षण और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उनकी भागीदारी के लिए वित्तीय सहायता के अलावा राष्ट्रीय कोचिंग शिविरों का आयोजन निरंतर आधार पर किया जा रहा है, जिसमें खिलाड़ियों की तैयारी के लिए सभी प्रकार की आवश्यक सुविधाएं

उपलब्ध कराई जाती हैं, जैसे कि पौष्टिक आहार, अनुपूरक खुराक, उपकरण, अत्याधुनिक अवसंरचना, आवास और यात्रा संबंधी सुविधाएं, प्रतिष्ठित भारतीय और विदेशी कोच /सहायक स्टाफ की सेवाएं, वैज्ञानिक एवं चिकित्सा सहायता, खेल किट आदि।

इस सहायता का प्रयास खिलाड़ियों को सर्वोत्तम संभव अवसर प्रदान करना होता है।

7. खेलो इंडिया

'राजीव गांधी खेल अभियान' (पूर्व नाम 'युवा क्रीडा व खेल अभियान') 'शहरी खेल संरचना योजना' और राष्ट्रीय खेल प्रतिभा खोज व्यवस्था कार्य क्रम' का एकीकरण करते हुए खेलो इंडिया नामक एक केंद्रीय क्षेत्र योजना – खेलों के विकास के राष्ट्रीय कार्यक्रम को 2016–17 में कार्यान्वित किया गया था।

इन योजनाओं के तीन निम्नलिखित घटक थे : –

क) जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर वार्षिक खेल प्रतियोगिताओं में युवाओं की बड़ी संख्या में भागीदारी।

ख) संपूर्ण भारत में खेल संरचना का सृजन

ग) प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की पहचान

खेलो इंडिया स्कीम को संशोधित कर दिया गया है और एक पुनर्स्थापित खेलो इंडिया योजना को 20. 09..2017 को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने मंजूरी प्रदान कर दी है और 14.10.2017 को इसे भारत के राजपत्र में ई–प्रकाशित कर दिया गया है। पुनर्स्थापित खेलो इंडिया योजना में निम्नलिखित बारह घटकों को शामिल किया गया है : –

(i) खेल के मैदानों का विकास

(ii) सामुदायिक प्रशिक्षण विकास

(iii) राज्य स्तरीय खेलो इंडिया केंद्र

(iv) वार्षिक खेल प्रतियोगिताएं

(v) प्रतिभा पहचान और विकास

(vi) खेल संरचना का सृजन / उन्नयन

(vii) राष्ट्रीय खेल अकादमियों को सहायता

(viii) शारीरिक फिटनेस

(ix) महिलाओं के लिए खेल

(x) शांति और विकास के लिए खेल

(xi) दिव्यांगों के बीच खेलों का प्रसार

(xii) ग्रामीण और घरेलू /जनजातीय खेलों का प्रचार

इस पुनर्स्थापित खेलो इंडिया स्कीम को नए दिशा–निर्देशों के अनुसार लागू किया जा रहा है।

8. आयोजन समिति, राष्ट्रमंडल खेल 2010

आयोजन समिति, राष्ट्रमंडल खेलों 2010 (ओसी सीडब्ल्यूजी 2010), जो मुख्य रूप से सीडब्ल्यूजी 2010 के आयोजन और संचालन के के उद्देश्य से अस्तित्व में आई थी जिसे 07.08.2017 को भंग कर दिया गया और तत्पश्चात उसकी समस्त संपत्तियों और देनदारियों को युवा मामले व खेल मंत्रालय को हस्तांतरित कर दिया गया था। एक पृथक सीडब्ल्यूजी प्रकोष्ठ को सीडब्ल्यूजी 2010 के अवशिष्ट कार्य की निगरानी के लिए विशेषतौर पर लंबित 43 मध्यस्थता / न्यायिक मामलों के संदर्भ में युवा मामले व खेल मंत्रालय के तहत स्थापित किया गया।

9. नेशनल सेंटर फॉर स्पोर्ट्स कोचिंग

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्ट्स, पटियाला के तहत स्थापित नेशनल सेंटर फॉर स्पोर्ट्स कोचिंग (एनसीएससी) का उद्देश्य देश में खेल कोचिंग शिक्षा को बढ़ाने और इसके अलावा देश के एक व्यापक कोचिंग विकास फ्रेमवर्क को तैयार करने और कोचिंग व एथलीटों के प्रशिक्षण के आयाम के तकनीकी, नीतिपरक तथा कौशल विकास के लिए अनुसंधान का आयोजन करना है। इसका लक्ष्य खेल क्षेत्र के लिए सक्षम व आत्मविश्वास से पूर्ण कोचों को सृजित करना होगा। यह एथलेटिक्स का उसकी अधिकतम संभावना तक विकास करने में तथा उनके स्पर्धात्मक खेल कैरियर को लंबा करने में योगदान करेगा। एनसीएससी का उद्देश्य उच्च प्रदर्शनकारी कोचों की मांग को पूरा करना और दीर्घकालिक एथलीट विकास योजना को कार्यान्वित करना है। एनसीएससी से योग्यता प्राप्त कोचों की सेवाओं का उपयोग देश में भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई), राज्य सरकारों, खेल परिषद, राष्ट्रीय खेल संघों (एनएसएफज़) और विभिन्न खेल अकादमियों व शिक्षण संस्थानों में किया जाएगा।

इस योजना की कुल लागत 81 करोड़ रुपए होगी और योजना की प्रस्तावित अवधि 2017–18 से

2019–20 तक होगी। यह एक केंद्रीय क्षेत्र की योजना होगी। उपर्युक्त योजना के लिए 2 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं।

10. **नेशनल सेंटर फॉर स्पोर्ट्स साइंसेज एंड रिसर्च (एनसीएसएसआर)**

इस योजना का उद्देश्य कुलीन एथलीटों के उच्च प्रदर्शन के संबंध में उच्च स्तरीय अनुसंधान, शिक्षा और नवीनता संबंधी सहायता प्रदान करना है। इस उद्देश्य का अनुसरण करने के लिए, इस योजना को निम्नलिखित संस्थागत तंत्र के निर्माण / समर्थन के माध्यम से खेल विज्ञान और खेल चिकित्सा सहित खेल विज्ञान पर संकेंद्रित किया गया है :

i. नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्ट्स साइंस एंड रिसर्च (एनसीएसएसआर) को राष्ट्रीय खेल संस्थान, पटियाला (खेल कोचिंग, शिक्षा, खेल विज्ञान, स्पोर्ट्स मेडिसिन और भारतीय खेल प्राधिकरण के तहत एथलीट प्रशिक्षण की एक मौजूदा संस्था) में स्थापित किया जाएगा।

ii. चुनिंदा विश्वविद्यालयों में खेल विज्ञान विभाग को सहायता

iii. चयनित संस्थानों / मेडिकल कॉलेजों में खेल चिकित्सा विभाग को सहायता

2. एनसीएसएसआर के लिए प्रस्तावित योजना की कुल लागत 107 करोड़ रुपए और चुनिंदा विश्वविद्यालयों और मेडिकल कॉलेजों में खेल विज्ञान और खेल चिकित्सा विभागों के सहायता प्रदान करने के लिए 237 करोड़ रुपए होगी। इसकी अवधि 2017–18 से 2019–20 तक रहेगी। यह एक केंद्रीय क्षेत्र की योजना होगी।

3. एनसीएसएसआर के लिए उपकरणों की खरीद के लिए 3.0525 करोड़ रुपए जारी किए गए हैं। इसमें एंथ्रोपोमेट्री, पोषण, फिजियोलॉजी, मनोविज्ञान, जैव–रसायन विज्ञान, जीटीएमटी और जैव–यांत्रिकी के उपकरण शामिल हैं।

4. पात्र विश्वविद्यालयों और संस्थानों / चिकित्सा महाविद्यालयों / अस्पतालों के वित्तपोषण के लिए हित अभिव्यक्ति (ईओआई) को आमंत्रित किया गया था। दो विश्वविद्यालय अर्थात गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर; लक्ष्मीबाई नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन, ग्वालियर; और नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूट्रिशन, हैदराबाद को उनमें स्पोर्ट्स साइंसेज विभाग स्थापित करने के लिए / बढ़ावा देने के लिए चुना गया है और वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज और सफदरजंग अस्पताल और किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी, लखनऊ को उनमें खेल–कूद चिकित्सा विभागों को बढ़ावा देने के लिए चुना गया है। उपकरणों की खरीद के लिए लगभग 5.8 करोड़ रुपए उपर्युक्त संस्थानों को जारी किए गए हैं।

11. प्रधानमंत्री विकास पैकेज के तहत जम्मू–कश्मीर में खेल संरचना के विकास के लिए विशेष पैकेज:

1. इस पैकेज के तहत किए जा रहे कार्यों की मदें :–

क्रम संख्या	कार्य का नाम	करोड़ रुपए में
1.	बख्शी स्टेडियम का नवीनीकरण और विकास और श्रीनगर में अन्य कार्य	44.00
2.	एमए स्टेडियम जम्मू का नवीनीकरण और विकास और अन्य कार्य	40.00
3.	पुंछ और राजौरी में मौजूदा स्टेडियम का उन्नयन और 22 जिलों में इनडोर हॉल का निर्माण	92.00
4.	उधमपुर में आउटडोर स्टेडियम का कार्य समापन और निर्माण	10.00
5.	गनी मेमोरियल स्टेडियम श्रीनगर में प्रकाश व्यवस्था और टीआरसी श्रीनगर में कृत्रिम फुटबॉल मैदान	2.63
6.	पहलगाम और मंसार झील में जल क्रीड़ा संबंधी गतिविधियों के बुनियादी ढांचे का विकास	6.00
7.	खेल उपकरण, फर्नीचर, कोच / प्रशिक्षक	5.37
	कुल	**200.00**

2. युवा मामले और खेल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा निष्पादित किए जा रहे कार्य :

1. बक्शी स्टेडियम का नवीकरण और विकास और अन्य कार्य
   = 44 करोड़ रुपए
2. एमए स्टेडियम का नवीनीकरण एवं विकास और अन्य कार्य
   = 40 करोड़ रुपए
3.. पहलगाम और मंसार में जल क्रीड़ाओं का विकास
   = 6.00 करोड़ रुपए
4.. खेल उपकरण, फर्नीचर, कोच / प्रशिक्षक आदि
   = .5.37 करोड़ रुपए
5.. टीआरसी ग्राउंड / गनी स्टेडियम में प्रकाश व्यवस्था
   = 2.63 करोड़ रुपए

कुल = 98.00 करोड़ रुपए

3. राज्य सरकार द्वारा निष्पादित किए जा रहे कार्य :

1. 22 इनडोर हॉलों का निर्माण कार्य
   = 88.00 करोड़ रुपए
2. राजौरी और पुंछ में मौजूदा स्टेडियम का उन्नयन
   = 4.00 करोड़ रुपए
3. उधमपुर में आउटडोर स्टेडियम का निर्माण
   = 10.00 करोड़ रुपए
4.. टीआरसी फुटबाल मैदान और गनी स्मारक स्टेडियम मे प्रकाश व्यवस्था
   = 2.63 करोड़ रुपए

उपरोक्त कार्यों की वर्तमान स्थिति

क. 22 इनडोर हॉलों का निर्माण कार्य

क्रम संख्या	इनडोर हॉल का नाम	कार्यान्वयन एजेंसी	स्थिति
1.	पट्टन, बारामूला	जेकेपीसीसी	कार्य आरंभ किया गया
2.	राजपुरा, पुलवामा	जेकेपीसीसी	कार्य आरंभ किया गया
3.	सहपोरा, गंदरबल	जेकेएसएससी	कार्य आरंभ किया गया
4.	ाादीपोरा, बांदीपोरा	जेकेएसएससी	कार्य आरंभ किया गया
5.	डोडा, डोडा	जेकेपीसीसी	कार्य आरंभ किया गया
6.	कोटारान्का, राजौरी	जेकेपीसीसी	कार्य आरंभ किया गया
7.	रियासी	जेकेपीसीसी	कार्य आरंभ किया गया
8.	खर्बाथंग, कारगिल	जेकेपीसीसी	कार्य आरंभ किया गया
9.	सोइबग, बडगाम	जेकेपीसीसी	कार्य आरंभ किया गया
10.	शॉपियान	जेकेपीसीसी	कार्य आरंभ किया जाना शेष है
11.	सांबा	जेकेएसएससी	कार्य आरंभ किया गया
12.	रामनगर, उधमपुर	जेकेएसएससी	कार्य आरंभ किया गया
13.	गोओल, रामबन	जेकेपीसीसी	कार्य आरंभ किया गया
14.	किश्तवाड	जेकेपीसीसी	कार्य आरंभ किया गया
15.	भगवती, नगर जम्मू	जेकेएसएससी	रेट कॉन्ट्रैक्ट प्रक्रियाधीन
16.	बिलवाड़, कठुआ	जेकेएसएससी	कार्य आरंभ किया गया
17.	ज़ादिबिल, श्रीनगर	जेकेपीसीसी	कार्य आरंभ किया जाना शेष है
18.	हंडवारा, कुपवाड़ा	जेकेएसएससी	भूमि स्थानांतरण प्रक्रियाधीन है
19.	पुंच	जेकेपीसीसी	स्थल पहचान कार्य अंतिम चरण में
20 से 22	कुलगाम, त्राल और बिजबेहाड़ा		न्यायाधीन

ख **राजौरी के मौजूदा स्टेडियम का उन्नयन : काम प्रगति पर है।**

ग **पुंछ के मौजूदा स्टेडियम का उन्नयन : काम प्रगति पर है।**

घ **उधमपुर के आउटडोर स्टेडियम को का कार्य समापन** .– उधमपुर में सुभाष खेल स्टेडियम का कार्य समाप्त करने के लिए डीपीआर की 1000.04 लाख रुपए की राशि अनुमोदन हेतु इस विभाग के पत्र संख्या एचआर. ईडीयू/प्लान/टेक/36/2010 दिनांक 17.11.2017 द्वारा महानिदेशक, नाडा, युवा मामले व खेल मंत्रालय, भारत सरकार के पास जमा है।

ड़ **खेल उपकरण, फर्नीचर, कोच / प्रशिक्षक** : विभिन्न खेल क्षेत्रों के लिए 8 सप्ताह के प्रमाण पत्र पाठ्यक्रमों के लिए एन आई एस पटियाला को – 100 पीईटी और पीईएम की सिफारिश की गई है। इन प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों में प्रत्येक के लिए 50 व्यक्तियों के दो बैच होंगे। विभाग इस योजना को कुछ समय के लिए जारी रखने के लिए कड़े प्रयास कर रहा है। प्रस्ताव प्रतीक्षित है।

पूर्व शहरी खेल बुनियादी ढांचा योजना (यूएसआईएस) (2011–12 और 2013–14) और मौजूदा खेलो इंडिया योजना (2017–18) के तहत जम्मू और कश्मीर राज्य के लिए स्वीकृत परियोजनाओं की सूची

2011–12 **(करोड़ रूपए में)**

क्रम संख्या	परियोजना	संस्वीकृत अनुदान (तिथि)
1.	टीआरसी ग्राउंड, श्रीनगर में फुटबॉल टर्फ ग्राउंड का निर्माण कार्य	4.50 (28.03.2012)

2013–14 **(करोड़ रूपए में)**

क्रम संख्या	परियोजना	संस्वीकृत अनुदान (तिथि)
1.	लेह, लद्दाख, जम्मू और कश्मीर में बहु उद्देशीय इंडोर हॉल का निर्माण कार्य	6.00 (05.11.2013)

2017–18 (15.12.2017 तक) **(करोड़ रूपए में)**

क्रम संख्या	परियोजना	संस्वीकृत अनुदान (तिथि)
1.	इस्लामिक यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टैक्नोलॉजी (आईयूएसटी) अवंतीपोरा, पुलवामा में सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक बिछाने का कार्य	6.09 (28.07.2017)

12 खेलो इंडिया नेशनल स्कूल गेम्स

- खेलो इंडिया राष्ट्रीय स्कूल गेम्स 2017–18 का आयोजन से 31.01.2018 से 08.02.2018 तक किया जाएगा।
- इन खेलों का आयोजन 16 खेल क्षेत्रों के लिए किया जाएगा अर्थात (तीरंदाजी, एथलेटिक्स, बैडमिंटन, बास्केटबॉल, मुक्केबाजी, फुटबॉल, हॉकी, जूडो, कबड्डी, खो–खो, शूटिंग, तैराकी, टेनिस, वॉलीबॉल, भारोत्तोलन, कुश्ती)।
- पुनर्स्थापित खेलो इंडिया स्कीम के अंतर्गत इन खेलों के लिए निधियों के रूप में 35 करोड़ रुपए की राशि को निर्धारित किया गया है।
- 20 करोड़ रूपए की एक राशि की एक निधि एसएआई के लिए खेलो इंडिया नेशनल स्कूल गेम्स (केआईएनएसजी) 2017–18 के प्रयोजनार्थ अब तक जारी कर दी गई है।
- 31 जनवरी, 2018 को आईजीआई स्टेडियम, नई दिल्ली में इसका उद्घाटन समारोह आयोजित किया जाएगा।
- सर्बिया गणराज्य के माननीय युवा मामले और खेल मंत्री, श्री वांजा उडोविसिक इस उद्घाटन समारोह के सम्मानित अतिथि होंगे। (हालांकि आज की तारीख तक इसकी पुष्टि नहीं हुई है)
- टीम खेलों की सर्वश्रेष्ठ 08 टीमें (07 राज्यों से है तथा 01 सीबीएसई से) और एथलीट इन खेलों में भाग लेंगे।

अनुबंध

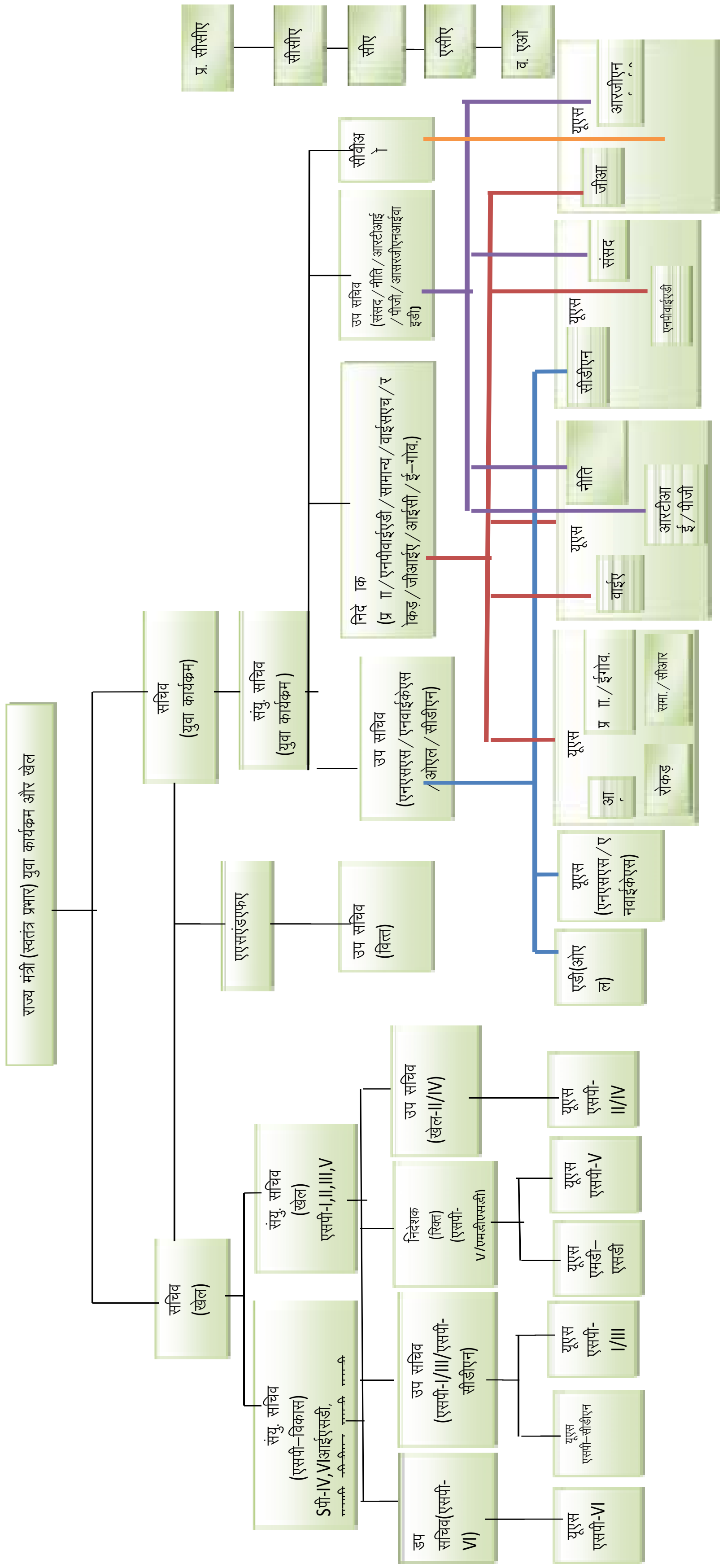
राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) युवा कार्यक्रम और खेल
सचिव (खेल)
सचिव (युवा कार्यक्रम)
एएसएंडएफए
संयु. सचिव (युवा कार्यक्रम)
संयु. सचिव (एसपी–विकास) Sपी-IV,VIआईएसडी,
संयु. सचिव (खेल) एसपी-I,II,III,V
उप सचिव (वित्त)
उप सचिव (एनएसएस/एनवाईकेएस/ओएल/सीडीएन)
उप सचिव (संसद/नीति/आरटीआई/पीजी/आसरजीएनआईवाइडी)
सीवीअो
डप सचिव(एसपी-VI)
उप सचिव (एसपी-I/III/एसपी-सीडीएन)
निदेशक (रिक्त) (एसपी-V/एमडीएसडी)
उप सचिव (खेल-II/IV)
यूएस एसपी-VI
यूएस एसपी–सीडीएन
यूएस एसपी-I/III
यूएस एमडी–एसडी
यूएस एसपी-V
यूएस एसपी-II/IV
एडी(ओएल)
यूएस (एनएसएस/एनवाईकेएस)
यूएस
आ
प्र ।।./ईगोव.
रोकड़
समा./सीआर
यूएस
वाईए
नीति
आरटीआई/पीजी
सीडीएन
यूएस
संसद
एनपीवाईएडी
जीआ
यूएस
आरजीएन
प्र. सीसीए
सीसीए
सीए
एसीए
व. एओ

संकेताक्षर

एएसएंडएफए	:	अपर सचिव और वित्तीय सलाहकार
सं. सचि.	:	संयुक्त सचिव
सीसीए	:	मुख्य लेखा नियंत्रक
डीएस	:	उप सचिव
डीसीए	:	उप लेखा नियंत्रक
यूएस	:	अवर सचिव
वाईए	:	युवा कार्यक्रम
डीडी	:	उप निदेशक
आईसी	:	अंतरराष्ट्रीय सहयोग
ओएल	:	राजभाषा
एनपीवाईएडी	:	राष्ट्रीय युवा एवं कि ाोर विकास कार्यक्रम
एनएसएस	:	राष्ट्रीय सेवा योजना
एसपी	:	खेल
एडीएमएन	:	प्रशासन
वीआईजी	:	सतर्कता
पीएआरएल	:	संसद
एसएआइ	:	भारतीय खेल प्राधिकरण
एनवाईकेएस	:	नेहरू युवा केन्द्र संगठन
आरजीकेए	:	राजीव गांधी खेल अभियान
जीईएन	:	सामान्य
पीओएल	:	नीति
पीयूबी	:	प्रकाशन
वाईएच	:	युवा हॉस्टल
आरजीएनआईवाईडी	:	राजीव गांधी राश्ट्रीय युवा विकास संस्थान
सीडीएन	:	समन्वय
एडी	:	सहायक निदेशक
सीआर	:	केंद्रीय रजिस्ट्री

वित्तीय परिव्यय 2018–19

बजट अनुमान 2017–18 तथा संशोधित अनुमान 2017–18 और बजट अनुमान 2018–19 के लिए वित्तीय परिव्यय निम्नलि खित तालिका में दिया गया है।

(रुपए करोड़ में)

बजट अनुमान तथा संशोधित अनुमान 2017–18 और बजट अनुमान 2018–19 का विवरण				
क्रम सं.	**योजना का नाम**	**बजट अनुमान 2017–18 @**	**संशोधित अनुमान 2017–18 @**	**बजट अनुमान 2018–19 @**
	युवा कार्यक्रम विभाग:			
1	**2**	**3**	**4**	**5**
क.	सचिवालय–सामाजिक सेवाएं	**28.00**	**27.03**	**30.00**
ख.	राष्ट्रीय युवा सशक्तीकरण कार्यक्रम (आरवाईएसके)			
1.	नेहरु युवा केंद्र संगठन	215.00	225.54	255.00
2.	राष्ट्रीय युवा कोरपस	60.00	60.00	80.00
3.	युवा नेता कार्यक्रम	25.00	14.14	20.00
4.	राष्ट्रीय युवा एवं किशोर विकास	18.00	24.00	25.00
5.	अंतर्राष्ट्रीय सहयोग	16.00	18.00	20.00
6.	युवा छात्रावास	1.50	1.62	1.70
7.	राष्ट्रीय अनुशासन योजना	5.00	5.00	5.00
8′	स्काउटिंग एवं गाइडिंग	1.50	1.50	1.50
	कुल (ख) आरवाईएसके	**342.00**	**349.80**	**408.20**
ग.	राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस)	**144.00**	**146.12**	**160.00**
घ.	राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान (आरजीएनआईवाईडी)	**36.00**	**22.00**	**23.00**
	सकल योग (क़ख़ग़घ)	**550.00**	**544.95**	**621.20**

@–पूर्वोत्तर क्षेत्र सहित

वित्तीय परिव्यय 2018–19

बजट अनुमान 2017–18 तथा संशोधित अनुमान 2017–18 और बजट अनुमान 2018–19 के लिए वित्तीय परिव्यय निम्नलिखित तालिका में दिया गया है।

(रुपए करोड़ में)

बजट अनुमान 2017–18 तथा संशोधित अनुमान 2017–18 और बजट अनुमान 2018–19 के लिए वित्तीय परिव्यय				
क्र.सं.	**योजना का नाम**	**बजट अनुमान 2017–18 @**	**संशोधित अनुमान 2017–18 @**	**बजट अनुमान 2018–19 @**
	खेल विभाग:			
1	**2**	**3**	**4**	**5**
ड.	**खेल संस्थाओं में विकास**			
1.	भारतीय खेल प्राधिकरण	481.00	495.73	429.56
2.	लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा यूनिवर्सिटी	45.02	45.02	45.00
3.	राष्ट्रीय डोप परीक्षण प्रयोगभाला	10.00	10.00	4.00
4.	राश्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी	4.00	4.15	10.00
5.	राष्ट्रीय खेल विज्ञान और भोध (एनसीएसएसआर) (पूर्व भारतीय खेल विज्ञान और भोध संस्थान)	20.00	20.00	40.00
6.	राष्ट्रीय खेल कोचिंग केन्द्र (पूर्व राष्ट्रीय खेल कोचिंग संस्थान)	5.00	10.00	30.00
7.	पूर्वोत्तर में खेल विश्वविद्यालय	50.00	30.00	65.00
8.	विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी	1.00	1.00	1.00
	कुल (ड.)	**616.02**	**615.90**	**624.56**
च.	खिलाड़ियों को प्रोत्साहन और पुरस्कार			
1.	पुरस्कार	12.00	16.13	13.00
2.	प्रतिभावान खिलाड़ियों को पेंशन	2.00	2.00	10.00
3.	राष्ट्रीय खेल संघ को सहायता	302.18	302.18	342.00
4.	खेलों में मानव संसाधन विकास	10.00	10.00	5.00
5.	राष्ट्रीय खेल विकास निधि	2.00	2.00	2.00
6.	निशक्त व्यक्तियों में खेलों का संवर्धन	0.01	0.00	0.00
7.	निशक्त व्यक्तियों के लिए राष्ट्रीय कल्याण निधि	2.00	2.00	2.00
	कुल (च)	**330.19**	**334.31**	**374.00**
ज.	खेलो इंडिया–राष्ट्रीय खेल विकास कार्यक्रम			
1.	खेलो इंडिया	350.00	350.00	520.09
2.	साई स्टेडिया नवीकरण–सीडब्लयूजी 2010	0.50	0.50	0.50
3.	राष्ट्रीय भारीरिक फिटनेस कार्यक्रम–एलएनआईपीई, ग्वालियर का संसाधन केन्द्र	5.00	2.00	0.00
4.	देश में खेल प्रतिभा की पहचान और पोषण की योजना	0.50	0.00	0.00
5.	जम्मू और कश्मीर में खेल सुविधाओं की वृद्धि	75.00	75.00	50.00
6.	हिमालयी क्षेत्र खेल उत्सव योजना	15.00	15.00	5.00
7.	सेमीनार, समिति की बैठकों इत्यादि पर व्यय	1.00	0.50	1.00
	कुल (छ)	**447.00**	**443.00**	**576.59**
	सकल योग (ड.चछ)	**1393.21**	**1393.21**	**1575.15**

@ – पूर्वोत्तर क्षेत्र सहित

अनुबंध–III

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय से संबंधित बकाया सीएंडएजी पैरा और उनकी वर्तमान स्थिति दर्शाने वाला विवरण (19.1.2018 के अनुसार)

क्र.सं.	रिपोर्ट संख्या और वर्ष	पैरा सं. अथवा अध्याय सं.	संक्षिप्त विषय अथवा टिप्पणियों का सार	कृत कार्रवाई की वर्तमान स्थिति
क. युवाकार्यक्रम विभाग				
1.	2017 की रिपोर्ट संख्या 12	अध्याय XXIII पैरा 23.1	नेहरू युवा केन्द्र संगठन में वित्तीय प्रबंधन	एटीएन तैयार किया गया और आईएफडी को प्रस्तुत किया गया जिसने कुछ टिप्पणियां की है, उनकी जांच की जा रही है
ख. खेल विभाग				
1.	2013 की रिपोर्ट संख्या 19	पैरा 16.1	अनुदान की अप्रभावी मॉनीटरिंग: मंत्रालय राष्ट्रमंडल खेल 2010 से संबंधित अनुदान जारी करने की निगरानी करने में विफल रहा। इसके परिणाम स्वरूप 191.86 करोड़ रू. की राशि 17 से 26 महीने तक की अवधि के लिए एसएआ.ई के पास पड़ी रही। यह अनुदान के उपयोग का भासन करने वाली स्वीकृति के प्रावधानों का उलंघन है। इसके अतिरिक्त मंत्रालय एसएआ.ई को तदंतर राशि जारी करने से पहले 22.12 करोड़ रू. के अव्यतित अनुदान पर अर्जित व्यय को ध्यान में लेने में विफल रहा।	युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय ने भारतीय खेल प्राधिकरण को राश्ट्रमंडल खेल 2010 से संबंधित खेल अवसंरचना के नवीकरण/उन्नयन के लिए तथा सीडब्ल्यूजी 2010 के लिए भारतीय टीम की तैयारी की योजना के तहत भारतीय टीम तैयार करने हेतु भारतीय खेल प्राधिकरण को क्रमशः 2604.84 करोड़ रू. और 248.77 करोड़ रू. की राशि जारी की हैं इसमें से साई ने मंत्रालय को 1.37 करोड रूपए की राशि वापस कर दी है और साई द्वारा मंत्रालय को जारी की गयी निधियों पर अर्जित ब्याज को विनियमित करने का अनुराध किया गया था। वित्त मंत्रालय से अर्जित ब्याज के नियमतिकरण पर विचार करने का अनुरोध किया है चूंकि साई ने यह राशि अन्य उद्देश्यों के लिए प्रयोग की है। साथ ही 29 जून 2017 को आयोजित बैठक में लेखापरीक्षा पैरा की जांच की गयी थी और जैसा कि मांग की गयी है प्रश्नावली का उत्तर 15.12.2017 के पत्र द्वारा पीएसी को भेजा गया है। ब्याज के नियमतिकरण का मामला वित्त मंत्रालय के विचाराधीन है।
2.	2014 की रिपोर्ट संख्या–25	पैरा 20.1	चिकित्सा बिल की धोखाधड़ी पूर्ण निकासी एसएआई के कनिष्ठ लेखा अधिकारी जिसे भुगतान हेतू बिलों की जॉच का कार्य सौंपा गया था ने अपने पद का लाभ उठाया और स्वयं के लिए 11.10 लाख रू. की राशि के गलत चिकित्सा बिलों को पारित कर दिया।	श्री अंजन बोर ठाकुर, जे.ए.ओ. को 21.07.2014 से एस.ए.आ.ई. की सेवाओं से निलंबित कर दिया गया है। साथ ही साई को आव यक कार्रवाई करने के लिए कहा गया है और इसने 11,61,215/– रूपए की वसूली के लिए उनके विरूद्ध मुकदमा दायर किया है! चूंकि यह मामला न्यायाधीन है इसलिए अब तक इस मामले में वसूली नहीं की गयी है।

3.	2015 की रिपोर्ट संख्या–18	पैरा 14.1	भारतीय खेल प्राधिकरण – व्यय का निश्क्रिय रहना सुरक्षा मुद्दों पर समुचित ध्यान दिए बगैर खेल अवसंरचना के निर्माण से 14.15 करोड़ रू. की अवसंरचना की निश्क्रिय हो गई और 1.28 करोड़ रू. का अलाभकारी व्यय हुआ। इसके अतिरिक्त जनजातिय युवाओं को खेल प्रशिक्षण प्रदान करने का उद्देश्य भी पूरा नहीं हुआ।	हजारीबाग में एसएआई प्रशिक्षण केन्द्र की स्थापना सुदूर और उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में प्रतिभा के दोहन के उद्देश्य से की गई थी परन्तु दुर्भाग्यवश केन्द्र सुरक्षा हितों में यथाकल्पित तरीकों से कार्य नहीं कर पाया। साई केन्द्रीय पुलिस संगठन से बॉयस स्पोर्टस कंपनी योजना जिसे भारतीय सेना के सहयोग से चलाया जा रहा है, के तहत पदमा कॉम्पलेक्स, हजारीबाग में खेल अवसंरचना को संयुक्त रूप से अनुरोध करती रही है। कार्यों का पहना चरण जिसमें प्रशासनिक भवन, लड़कों और लड़कियों के लिए खेल छात्रावास, 400 मीटर एथलेटिक्स ट्रैक, फुटबाल मैदान, तीरंदाजी मैदान, वॉलीबाल कोर्ट, हॉकी मैदान, कोचों तथा स्टाफ के लिए क्वार्टर, चारदीवारी भीघ्र ही पूरा हो जाएगा और बहुउद्देश्य हाल का निर्माण दूसरे चरण में किया जाएगा। ऑडिट पैरा के बारे में 26 जून 2017 को आयोजित पीएसी की बैठक में विचार किया गया था और प्रश्नावली के संबंध में उत्तर को भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) की टिप्पणी प्राप्त होने के पश्चात दिया जाएगा।
4.	2015 की रिपोर्ट संख्या–18	पैरा 14.2	भारतीय खेल प्राधिकरण – निश्फल व्यय एसएआई द्वारा नॉर्थ ईस्टर्न हिल विश्वविद्यालय, शिलांग में एस्ट्रो टर्फ हॉकी फील्ड की स्थापना उसके उपयोग की व्यवहार्यता का पता लगाए बगैर, करने का अनुमोदन करना जिससे कार्य को रद्द करना पड़ा। जिसके फलस्वरूप रू. 82 लाख का व्यय निश्फल रहा।	स्थानीय लोगों को हॉकी खेलने के लिए प्रेरित करने, जोकि भारत में अत्यधिक लोकप्रिय खेलों में से एक है, के लिए पूर्वोत्तर पहाड़ी विश्वविद्यालय (नेहू), शिलांग में हॉकी सर्फेस बिछाने की योजना बनाई गई थी। यह सच है कि हॉकी के लिए सिंथेटिक सर्फेस बिछाने और खेल मैदान का उक्त कार्य वित्तीय संसाधनों की अत्यधिक कमी के कारण अक्तूबर, 2012 में बंद कर दिया गया। इस समय तक परियोजना निरस्त कर दी गयी और 82 लाख रूपए की राशि पहले ही सिंथेटिक हॉकी सर्फेस के लिए आधार कार्य के सृजन पर खर्च हो चुकी है। तैयार किए गए बेस का फुटबाल टर्फ की तैयारी के लिए प्रयोग किया जाएगा और इसे साई की 79वीं वित्त समिति द्वारा 5.9.2017 की बैठक में अनुमोदित किया गया है। इस कार्य के छ माह की अवधि में पूरा हो जाने की संभावना है। साथ ही 29 जून 2017 की बैठक में पीएसी द्वारा उठाए गए प्रश्नों का उत्तर पहले ही 7.9.2017 के पत्र द्वारा भेज दिया गया है।
5.	2016 की रिपोर्ट संख्या–11	पैरा 21.1	लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय भारीरिक शिक्षा संस्थान, ग्वालियर एलएनआईपीई, ग्वालियर भारतीय खेल प्राधिकरण/राज्य खेल प्राधिकरण के जरिए सिथैंटिक एथलैटिक ट्रैक सामग्री का आयात करने की मंत्रालय की सलाह का अनुसरण करने में विफल रहा जिससे ब्याज, क्षति और अन्य प्रभारों सहित 1.06 करोड़ रू. के परिहार्य सीमा शुल्क का भुगतान किया गया।	एलएनआईपीई द्वारा लेखापरीक्षा को 22.3.2017 को उत्तर दिया गया था। तथापि, पीएसी द्वारा जांच हेतु इस पैरा को चुना गया है।

विभाग के सीधे निमंत्रण में युवा छात्रावासों की सूची

क्र.सं.	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र का नाम	युवा छात्रावासों की संख्या	युवा छात्रावासों का स्थान
1.	असम	2	गुवाहाटी, तेजपुर
2.	अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	1	पोर्ट ब्लेयर
3.	आंध्र प्रदेश	5	कडपा, तिरुपति, विजयवाड़ा, विशाखापट्टनम, विजयनगरम
4.	अरुणाचल प्रदेश	1	नहरलगुन
5.	बिहार	1	पटना
6.	गोवा	2	पणजी, पदम मापुसा
7.	गुजरात	1	गांधीनगर
8.	हरियाणा	7	भिवानी, गुड़गांव, कुरुक्षेत्र, पंचकुला, रेवाड़ी, सिरसा, यमुना नगर
9.	हिमाचल प्रदेश	1	डलहौजी
10.	जम्मू और कश्मीर	2	पत्निटॉप (उधमपुर), श्रीनगर
11.	कर्नाटक	4	हसन, मैसूर, सोगलु, तीर्थरामेश्वर
12.	केरल	3	कालीकट (कोझिकोड), कोच्चि (एरनाकुलम), तिरुवंनतपुरम
13.	मध्य प्रदेश	3	भोपाल, जबलपुर, खजुराहो
14.	महाराष्ट्र	1	औरंगाबाद
15.	मणिपुर	3	इम्फाल, चुराचांदपुर, थोबल
16.	मेघालय	1	शिलांग
17.	मिजोरम	1	आइजोल
18.	नागालैंड	1	दीमापुर
19.	ओडिशा	4	गोपालपुर–ऑन–सी, जोशीपुर, कोरापुट, पुरी
20.	पुद्दुचेरी	1	पुद्दुचेरी
21.	पंजाब	6	अमृतसर, जालंधर, पटियाला, रोपड़, संगरुर, तरणतारण
22.	राजस्थान	4	अजमेर, जयपुर, जोधपुर, उदयपुर
23.	सिक्किम	1	गंगटोक
24.	तमिलनाडु	5	चेन्नई, मदुरै, ऊटी, तंजावुर, त्रिची
25.	तेलंगाना	3	नागार्जुनसागर, सिकंदराबाद, वारंगल
26	त्रिपुरा	1	अगरतला
.27.	उत्तर प्रदेश	2	आगरा, लखनऊ
28.	उत्तराखंड	4	बद्रीनाथ, मसूरी, नैनीताल, उत्तरकाशी
29.	पश्चिम बंगाल	1	दार्जिलिंग
	कुल	72	

अनुबंध–V

एनवाईकेएस/एसएआई/राज्य सरकारों को हस्तांतरित युवा छात्रावासों की सूची

क्र.स.	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र का नाम	युवा छात्रावासों की संख्या	युवा छात्रावासों का स्थान
1.	असम	2	गोलघाट, नाओगांव
2.	हिमाचल प्रदेश	1	बिलासपुर
3.	जम्मू और कश्मीर	1	नगरोटा
4.	महारा ट्र	1	बुलढाणा
5.	मणिपुर	1	उखरूल
6.	मेघालय	1	तूरा
7.	नागालैंड	1	मेकोकचुंग
8.	सिक्किम	1	नमची
9.	पश्चिम बंगाल	2	चुरुलिया, बर्धवान
कुल		11	

अनुबंध – VI

निर्माणाधीन युवा छात्रावासों की सूची

(31.12.2017 के अनुसार)

क्रम सं.	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र का नाम	निर्माणाधीन युवा छात्रावासों की संख्या	युवा छात्रावासों का स्थान
1.	अरूणाचल प्रदेश	1	रोईंग
	कुलः	**1**	

आवर्ती और गैर आवर्ती दोनों प्रकार के अनुमानित व्यय से संबंधित एक सांकेतिक विस्तृत आंकड़ा

(करोड़ रूपए में)

क्र.स.	घटक	2017–18		2018–19		2019–20		योग
		आवर्ती	गैर आवर्ती	आवर्ती	गैर आवर्ती	आवर्ती	गैर आवर्ती	
1.	खेल के मैदानों का विकास	25	0	25	0	25	0	75.00
2.	सामुदायिक कोचिंग	25	5	25	0	25	0	80.00
3.	राज्य स्तरीय खेलो इंडिया केंद्र	35	0	50	0	75	0	160.00
4.	वार्षिक खेल स्पर्धाएं	70	0	70	0	70	0	210.00
5.	प्रतिभा खोज व विकास	60	0	110	0	160	0	330.00
6.	खेल संरचना की उपयोगिता व सृजन							
	1. विश्वविद्यालय उत्कृष्टता कार्यक्रम केंद्र	0	50	0	50	0	50	150.00
	2. उपयुक्त खेल संरचना उपयोगिता व सृजन	0	95	0	95	0	95	285.00
7.	राष्ट्रीय / प्रादेशिक / राज्य स्तरीय खेल अकादमियों को सहायता	40	20	40	20	40	20	180.00
8.	स्कूल जा रहे बच्चों की शारीरिक फिटनेस	25	0	25	0	25	0	75.00
9.	महिलाओं के लिए खेल	10	0	10	0	10	0	30.00
10.	शांति एवं विकास के लिए खेल	15	0	15	0	15	0	45.00
11.	दिव्यांगों के लिए खेलों का संवर्धन	5	10	5	10	5	10	45.00
12.	ग्रामीण व स्वदेशी / जनजातिय खेलों का संवर्धन	20	0	15	0	15	0	50.00
13.	मॉनीटरिंग	2	0	2	0	2	0	6.00
14.	तकनीकी सहायता व क्षमता निर्माण	15	0	10	0	10	0	35.00
	योग	347	180	402	175	477	175	1756
	कुल योग	527		577		652		1756.00

(टिप्पणी : आर – आवर्ती तथा एनआर – गैर आवर्ती)

अनुबंध VIII(i)

यूएसआईएस के तहत मंजूरी प्राप्त परियोजना के लिए जारी राशि

(करोड़ रूपए में)

क्रम संख्या	राज्य	अनुदानकर्ता	परियोजना का नाम	राशि
1.	आंध्र प्रदेश	आचार्य नागार्जुन विश्वविद्यालय, जिला गुंटूर, आंध्र प्रदेश	आचार्य नागार्जुन विश्वविद्यालय, जिला गुंटूर, आंध्र प्रदेश में सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक बिछाने का कार्य	1,50,00,000
2.	अरुणाचल प्रदेश	अरुणाचल खेल प्राधिकरण	एसएलएसए कॉम्प्लेक्स चिम्पू, इटानगर, अरुणाचल प्रदेश में फुटबॉल टर्फ बिछाने का कार्य	
3.	असम	डिबरूगढ़ नगर पालिका बोर्ड	राजकीय बाल हॉयर सैकेण्डरी स्कूल, डिबरूगढ़, असम में बहुउद्देशीय हॉल का निर्माण कार्य	2,00,00,000
4.	हरियाणा	महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक (हरियाणा)	महर्षि दयानंद यूनिवर्सिटी, रोहतक (हरियाणा) में सिंथे. टिक एथलेटिक ट्रैक बिछाने का कार्य	2,50,00,000
5.	हरियाणा	हरियाणा खेल विकास निधि	नहिम स्टेडियम भिवानी हरियाणा में सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक बिछाने का कार्य	1,50,00,000
6.	कर्नाटक	कर्नाटक खेल प्राधिकरण	कर्नाटक के चामराजा नगर जिले में सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक की बिछाने का कार्य	1,75,34,000
7.	कर्नाटक	कर्नाटक खेल प्राधिकरण	बेलगाम, कर्नाटक में बहुउद्देशीय हॉल का निर्माण कार्य	1,00,00,000
8.	महाराष्ट्र	सशस्त्र बल मेडिकल कॉलेज (एएफएमसी), पुणे महाराष्ट्र	सशस्त्र बल मेडिकल कॉलेज (एएफएमसी), पुणे महाराष्ट्र में सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक का बिछाने का कार्य	1,00,00,000
9.	महाराष्ट्र	नासिक नगर निगम महाराष्ट्र	नासिक महानगरपालिका में बहुउद्देशीय इंडोर हॉल	3,00,00,000
10.	मणिपुर	मणिपुर खेल विकास प्राधिकरण	सेनापति जिला मुख्यालय मणिपुर में बहुउद्देशीय इंडोर हॉल का निर्माण कार्य	1,79,00,000
11.	मिजोरम	मिजोरम राज्य खेल परिषद	सजायकॉवन, लयंजलेई टाउन, मिजोरम	1,80,00,000
12.	नगालैंड	नागालैंड राज्य खेल परिषद	जलुकें, पेरेन जिला, नागालैंड में सिंथेटिक फुटबॉल टर्फ का बिछाने का कार्य	1,00,00,000
13.	राजस्थान	रजिस्ट्रार, मोहनलाल सुखादिया विश्वविद्यालय, उदयपुर, राजस्थान	मोहनलाल सुखादिया विश्वविद्यालय, उदयपुर, राजस्थान में बहुउद्देशीय इंडोर हॉल	1,80,00,000
14.	राजस्थान	राजस्थान राज्य खेल परिषद	इंदिरा गांधी स्टेडियम अलवर, राजस्थान में बहुउद्देशीय इंडोर हॉल	2,46,00,000
15.	राजस्थान	राजस्थान राज्य खेल परिषद	करौली, राजस्थान में बहुउद्देशीय हॉल का निर्माण कार्य	1,80,00,000
16.	उत्तराखंड	राज्य युवा कल्याण बोर्ड उत्तराखंड	काशीपुर, जिला–उधम सिंह नगर में बहुउद्देशीय हॉल का निर्माण कार्य	30,00,000
		कुल		27,45,34,000

खेलो इंडिया के तहत मंजूरी प्राप्त परियोजना के लिए जारी राशि

(करोड़ रूपए में)

क्रम संख्या	राज्य	अनुदानकर्ता	परियोजना का नाम	राशि
1.	आंध्र प्रदेश	आंध्र प्रदेश खेल प्राधिकरण	जिला खेल प्राधिकरण ग्राउंड, काकीनाडा, पूर्वी गोदावरी जिले में एस्ट्रो टर्फ हॉकी फील्ड बिछाना।	2,50,00,000
2.	आंध्र प्रदेश	आंध्र प्रदेश खेल प्राधिकरण	स्टेडियम परिसर, मछलीपट्टनम, कृ णा जिला (आंध्र प्रदेश) में स्विमिंग पूल का निर्माण	2,50,00,000
3.	आंध्र प्रदेश	आंध्र प्रदेश खेल प्राधिकरण	स्टेडियम कॉम्प्लेक्स, मछलीपट्टनम, कृ णा जिला (आंध्र प्रदेश) में बहुउद्देशीय इंडोर हॉल का निर्माण	2,50,00,000
4.	अरुणाचल प्रदेश	अरुणाचल खेल प्राधिकरण	लोहित जिले के तहत वार्को में बहुउद्देशीय हॉल का निर्माण	4,00,00,000
5.	असम	भारतीय खेल प्राधिकरण	एसएआई एसएजी केंद्र कोकरझार में सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक बिछाना	2,00,00,000
6.	असम	असम खेल प्राधिकरण	मौलाना मोहम्मद तायबुल्लाह हॉकी स्टेडियम, बीतापाड़ा, गुवाहाटी (व्यय की प्रतिपूर्ति) में सिंथे. टिक हॉकी फील्ड बिछाने सहित नवीकरण / उन्नयन कार्य।	4,50,00,000
7.	असम	भारतीय खेल प्राधिकरण,	एसएजी तिनसुखिया असम में उप–आधार, जल निकासी और चेन लिंक के निर्माण सहित 40 मीटर के सिंथेटिक आठ लेन एथलेटिक ट्रैक बिछाने के खेल संरचना कार्य	3,00,00,000
8.	असम	भारतीय खेल प्राधिकरण	एसएआई एसएजी केंद्र कोकराझार, असम में एफआईएच द्वारा स्वीकृत सिंथेटिक हॉकी टर्फ	2,50,00,000
9.	छत्तीसगढ़	मुख्य मंत्री युवा भारत दर्शन योजना	जैशपुर में सिंथेटिक हॉकी टर्फ का बिछाना	2,50,00,000
10.	दिल्ली, साई	भारतीय खेल प्राधिकरण	जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम, नई दिल्ली में सिंथे. टक एथलेटिक ट्रैक को बदलना।	2,00,00,000
11.	गुजरात	गुजरात खेल प्राधिकरण	देवगढ़ बरिया, जिला दाहोद में सिंथेटिक हॉकी टर्फ बिछाना	2,50,00,000
12.	गुजरात	स्वर्णिम गुजरात स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी	वालावाव, जिला वडोदरा, गुजरात में स्वर्णिम गुज. रात स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी के परिसर में बहुद्देशीय इनडोर हॉल का निर्माण	3,00,00,000
13.	गुजरात	गुजरात खेल प्राधिकरण	कानपुर, व्यारा, जिला वापी, गुजरात में बहुद्देशीय इनडोर हॉल का निर्माण	3,00,00,000
14.	हरियाणा	भारतीय खेल प्राधिकरण,	साई उत्तरी क्षेत्र केंद्र सोनीपत में बहुउद्देशीय इंडोर हॉल का निर्माण	3,00,00,000
15.	हरियाणा	सीसीएस हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार	चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार में सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक को बदलना।	2,50,00,000

16.	हरियाणा	भारतीय खेल प्राधिकरण	चौधरी चरण सिंह, हरियाणा में बहुउद्देशीय इंडोर हॉल रूप में खेल संरचना निर्माण कार्य	3,00,00,000
17.	जम्मू एवं कश्मीर	इस्लामिक यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टैक्नोलॉजी (आ. ईयूएसटी)	आईयूएसटी अवंतीपुरा पुलवामा में सिंथेटिक एथले. टिक ट्रैक का निर्माण	1,00,00,000
18.	कर्नाटक	भारतीय खेल प्राधिकरण	साई, दक्षिणी क्षेत्र केंद्र, बंगलौर में बहुउद्देशीय इंडोर हॉल का निर्माण।	3,00,00,000
19.	कर्नाटक	कर्नाटकय खेल प्राधिकरण	हलियाल तालुक स्टेडियम में बहु उद्देशीय इंडोर हॉल का निर्माण	3,00,00,000
20.	मध्य प्रदेश	मध्य प्रदेश खेल प्राधिकरण	टी.टी. नगर स्टेडियम भोपाल में बहुउद्देशीय इंडोर हॉल का निर्माण	3,00,00,000
21.	मध्यप्रदेश	भारतीय खेल प्राधिकरण	भारतीय खेल प्राधिकरण केंद्रीय प्रादेशिक केंद्र भोपाल में स्विमिंग पूल का निर्माण कार्य	2,00,00,000
22.	मध्यप्रदेश	भारतीय खेल प्राधिकरण	शूटिंग रेंज, गांव गौरा, भोपाल में 50 मीटर ाूटिंग रेंज का विस्तार कार्य	2,50,00,000
23.	मध्यप्रदेश	मध्य प्रदेश खेल प्राधिकरण	टी.टी. नगर स्टेडियम, भोपाल में सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक को पुनः बिछाने का कार्य	2,00,00,000
24.	महाराष्ट्र	भारतीय खेल प्राधिकरण,	साई क्षेत्रीय केंद्र, मुंबई में बहुउद्देशीय इंडोर हॉल का निर्माण	3,00,00,000
25.	मणिपुर	स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया	एसएआई एनईआरसी टकेल, इम्फाल में सिंथेटिक फुटबॉल टर्फ बिछाना	1,50,00,000
26.	मणिपुर	स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया	साई पूर्वोत्तर क्षेत्र केंद्र इंफाल में फुटबॉल अकादमी के लिए बाड़ सहित विविध कार्य	2,00,00,000
27.	मिजोरम	स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया	साई एसएजी सेंटर, थेंजवाल, मिजोरम में सिंथेटिक फुटबॉल टर्फ बिछाने का कार्य	2,50,00,000
28.	नागालैंड	स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया	एसएआई एसएजी सेंटर दीमापुर में सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक बिछाने का कार्य	2,00,00,000
29.	ओडिशा	स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया	स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने भुवनेश्वर में जुलाई 2017 में 22 वां एशियाई एथलेटिक्स चा. ँपियनशिप आयोजित करने के लिए उपकरणों की खरीद की।	2,06,00,000
30.	ओडिशा	ओडिशा खेल परिषद	जिला मुख्यालय, जिला बोध में तरण ताल का निर्माण कार्य	2,50,00,000
31.	ओडिशा	ओडिशा खेल परिषद	जिला खेल परिसर, बुरला में बहु उद्देशीय इंडोर हॉल	3,00,00,000
32.	ओडिशा	ओडिशा खेल परिषद	जिला खेल परिसर, पुरी, ओडिशा में बहुउद्देशीय इनडोर हॉल का निर्माण	4,00,00,000
33.	पंजाब	पंजाब राज्य खेल परिषद	श्रीमती लाजवन्ती स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, होशियारपुर में बहुउद्देश्यीय इंडोर हॉल का निर्माण	3,00,00,000
34.	पंजाब	पंजाब राज्य खेल परिषद	वॉर हीरो स्टेडियम संगरूर में बहुउद्देशीय इंडोर हॉल का निर्माण	3,00,00,000

35.	राजस्थान	राजस्थान राज्य स्पोर्ट्स का. उंसिल	महाराणा प्रताप खेल ग्राम, उदयपुर में सिंथेटिक हॉकी फील्ड की बिछाने का कार्य	2,50,00,000
36.	राजस्थान	भारतीय खेल प्राधिकरण	एसटीसी जयपुर में बहुउद्देश्यीय हॉल में सिंथेटिक फर्श बिछाना और प्रकाश व्यवस्था	98,50,000
37.	राजस्थान	राजस्थान राज्य खेल परिषद	जोधपुर, नागौर, झालावाड़, जैतराम, अन्ता में पांच ब्लॉक मुख्यालय में बहुउद्देशीय इंडोर हॉल	3,00,00,000
38.	राजस्थान	राजस्थान राज्य खेल परिषद	महाराजा गंगा सिंह स्टेडियम, श्री गंगा नगर में सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक बिछाना	3,00,00,000
39.	राजस्थान	राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय जामवा रामगढ़	वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय जामवा रामगढ़ में बहु. उद्देशीय इंडोर हॉल का निर्माण कार्य	1,50,00,000
40.	राजस्थान	राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल प्रागपुरा	सीनियर सेकेंडरी स्कूल प्रागपुरा में बहुउद्देश्यीय इंडोर हॉल का निर्माण कार्य	1,50,00,000
41.	साई (नई दिल्ली)	भारतीय खेल प्राधिकरण	राष्ट्रीय हॉकी अकादमी के लिए मेजर ध्यानचंद स्टेडियम नई दिल्ली में सिंथेटिक हॉकी टर्फ का प्रतिस्थापन	3,00,00,000
42.	साई (नई दिल्ली)	भारतीय खेल प्राधिकरण	जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम, नई दिल्ली में नेशनल एथलेटिक और फुटबॉल अकादमियों के लिए 100 बिस्तर युक्त खेल छात्रावास का निर्माण	4,00,00,000
43.	साई (नई दिल्ली)	भारतीय खेल प्राधिकरण	डॉ. करनी सिंह शूटिंग रेंज, तुगलकलाबाद नई दिल्ली में राष्ट्रीय शूटिंग अकादमी के लिए में 100 बिस्तर युक्त खेल छात्रावास का निर्माण	4,00,00,000
44.	तमिलनाडु	तमिलनाडु शारीरिक शिक्षा और खेल विश्वविद्यालय	तमिलनाडु शारीरिक शिक्षा और खेल विश्वविद्यालय, वांदलूर, केलांमबक्कम रोड, मेलाकोट्टैयूर पोस्ट, चेन्नई में सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक बिछाना।	3,50,00,000
45.	तमिलनाडु	तमिलनाडु खेल विकास प्राधिकरण	जिला स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, थंजावुर में सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक बिछाना	3,50,00,000
46.	तमिलनाडु	तमिलनाडु खेल विकास प्राधिकरण	जिला स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, इरोड, तमिलनाडु में सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक बिछाना	3,00,00,000
47.	तेलंगाना	तेलंगाना खेल प्राधिकरण	करीम नगर में सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक बिछाना	3,50,00,000
48.	त्रिपुरा	त्रिपुरा राज्य खेल परिषद	गोमती जिला त्रिपुरा के अंतर्गत चंद्रपुर फुटबॉल ग्राउंड, उदयपुर में सिंथेटिक फुटबॉल टर्फ	2,50,00,000
49.	उत्तर प्रदेश	राज्य युवा कल्याण परिषद, उत्तर प्रदेश	डा. भीमराव अंबेडकर स्पोर्टस काम्पलैक्स लालपुर, वाराणसी उत्तर प्रदेश में सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक बिछाना	3,50,00,000
51.	उत्तराखंड	राज्य युवा कल्याण बोर्ड उत्तराखंड	रोशनाबाद सलेमपुर हरिद्वारा में खेल स्टेडियम के हॉकी के मैदान में सिंथेटिक ट्रैक बिछाना	2,50,00,000
52.	उत्तराखंड	भारतीय खेल प्राधिकरण	प्रशासनिक मसूरी की लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय अकादमी में एथलेटिक सिंथेटिक ट्रैक बिछाना	4,00,00,000
53.	पश्चिम बंगाल	भारतीय खेल प्राधिकरण	एस ए आई प्रशिक्षण केंद्र, जलपाईगुड़ी पश्चिम बंगाल में सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक बिछाना	3,50,00,000
	कुल			143,04,50,000

अनुबंध VIII(iii)

विगत वर्षों के दौरान आयोजित खेल प्रतिस्पर्धाओं से संबंधित प्रतिबद्ध देयता के लिए जारी राशि

(करोड़ रूपए में)

क्रम संख्या	राज्य	अनुदानकर्ता	परियोजना का नाम	राशि
1.	हरियाणा	हरियाणा खेल विकास निधि	वर्ष 2015–16 के दौरान राष्ट्रीय स्तर की ग्रामीण खेल प्रतिस्पर्धा के समूह 4 के आयोजन के लिए हरियाणा सरकार द्वारा किए गए व्यय की प्रतिपूर्ति	29,77,393
2.	उत्तराखंड	राज्य युवा कल्याण बोर्ड उत्तराखंड	वर्ष 2016–17 के दौरान आयोजित खेल प्रतिस्पर्धा के दौरान मेडल विजेताओं को पुरस्कार राशि का वितरण	9,72,650
3.	गोवा	गोवा खेल प्राधिकरण	वर्ष 2016–17 के दौरान खेलो इंडिया के अंतर्गत जिला व राज्य स्तर की खेल प्रतिस्पर्धा का आयोजन	11,67,241
	कुल			51,17,284

अनुबंध VIII(iv)

पुनर्स्थापित खेलो इंडिया योजना के अन्य उन्नयनों के तहत जारी किया गया अनुदान

(करोड़ रूपए में)

क्रम संख्या	राज्य	अनुदानकर्ता	परियोजना का नाम	राशि
1.	साई (नई दिल्ली)	भारतीय खेल प्राधिकरण	खेलो इंडिया स्कीम के तहत खेल अकादमियों पर व्यय	13,44,68,000
2.	साई (नई दिल्ली)	भारतीय खेल प्राधिकरण	खेलो इंडिया 2017–18 के तहत रा ट्रीय स्कूल खेलों के आयोजन के लिए	20,00,00,000
3.	दिल्ली	विशेष ओलम्पिक भारत	दिव्यांगों के लिए खेल व खेलकूद योजना के तहत गतिविधियों के आयोजन के लिए वर्ष 2016–17 के दौरान किया गया व्यय	83,70,337
4.	जम्मू और कश्मीर युवा सेवा व खेल निदेशालय, जम्मू और कश्मीर खेलो इंडिया योजना के तहत जम्मू और कश्मीर में फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन			2,16,00,000
5.	साई (नई दिल्ली)	भारतीय खेल प्राधिकरण	खेलो इंडिया योजना के तहत राष्ट्रीय विश्वविद्यालय खेलों 2017–18 के आयोजन के लिए	15,00,00,000
6.	साई (नई दिल्ली)	भारतीय खेल प्राधिकरण	खेलो इंडिया योजना के तहत वृहत कवरेज के लिए स्कूल व कॉलेजों को कवर करने के लिए एसटीसी / एसएजी विस्तार केंद्र से संबंधित	16,81,00,000
कुल				68,25,38,337

दिनांक 01.01.2018 की स्थिति के अनुसार पूर्व आरजीकेए, पूर्व पीवाईकेकेए, पूर्व यूएसआईएस व खेलो इंडिया के तहत बकाया उपयोगिता प्रमाणपत्र का राज्यवार ब्यौरा

क्रम संख्या	राज्य / संघ शासित प्रदेभा का नाम	पीवाईकेके			आरजीकेए			यूएसआइ.एस	खेलो इंडिया	कुल योग
		संरचना	प्रतिस्पर्धा	कुल	संरचना	प्रतिस्पर्धा	कुल		प्रतिस्पर्धा	
1.	आंध्र प्रदेश			0	80,00,000		80,00,000	3,00,00,000	2,48,11,000	6,28,11,000
2.	अरुणाचल प्रदेश			0			0	3,75,00,000	65,66,000	4,40,66,000
3.	असम			0		1,27,00,000	1,27,00,000	4,40,00,000	2,62,42,000	8,29,42,000
4.	छत्तीसगढ़			0			0		1,51,74,000	1,51,74,000
5.	गुजरात			0		5,83,70,000	5,83,70,000		2,46,00,000	8,29,70,000
6.	गेवा			0			0			0
7.	हरियाणा	1,59,43,900		1,59,43,900			0	0		1,59,43,900
8.	हिमाचल प्रदेश			0			0	3,00,00,000	53,14,475	3,53,14,475
9	जम्मू और कश्मीर			0			0		6,06,87,000	6,06,87,000
10.	झारखंड	48,95,000	2,54,30,000	3,03,25,000			0	62,00,000	1,55,99,000	5,21,24,000
11.	कर्नाटक			0			0			0
12.	केरल			0			0	3,92,50,000	1,19,82,000	5,12,32,000
13.	महाराष्ट्र			0		7,08,89,437	7,08,89,437	2,80,00,000		9,88,89,437
14.	मध्य प्रदेश			0			0	0	3,37,83,000	3,37,83,000
15.	मणिपुर			0			0			0
16.	मेघालय			0			0	3,00,00,000		3,00,00,000
17.	मिज़ोरम			0			0	2,40,00,000		2,40,00,000
18.	नागालैण्ड			0			0		44,83,000	44,83,000
19.	ओडिशा			0			0	1,80,00,000	0	1,80,00,000
20.	पंजाब			0	40,00,000		40,00,000		1,37,76,000	1,77,76,000
21.	राजस्थान			0			0		0	0
22.	तमिलनाडु			0	40,00,000		40,00,000	4,50,00,000	99,00,000	5,89,00,000
23.	तेलंगाना			0			0		2,07,89,000	2,07,89,000
24.	त्रिपुरा			0			0			0
25.	उत्तराखंड			0			0			0
26.	उत्तर प्रदेश			0			0			0
27.	पश्चिम बंगाल			0			0	58,00,000	2,57,81,000	3,15,81,000

28.	पुड्डुचेरी			0			0		17,39,000	17,39,000
29.	लक्षद्वीप			0			0		7,00,000	7,00,000
30.	अंडमान निकोबार	99,02,631		99,02,631			0			99,02,631
31.	दमन दीव	14,00,000		14,00,000			0			14,00,000
32.	भारतीय खेल प्राधिकरण			0			0		4,52,63,233	4,52,63,233
33.	जवाहरलाल नेहरू हॉकी टूर्नामेंट सा. सायटी			0			0			0
कुल		3,21,41,531	2,54,30,000	5,75,71,531	1,60,00,000	14,19,59,437	15,79,59,437	33,77,50,000	34,71,89,708	90,04,70,676

खेल विकास निदेशालय मिशन से संबंधित दिसंबर 2017 माह के लिए मासिक रिटर्न से सं. बंधित लेखा परीक्षा पैरा पुनरीक्षा

क्रम संख्या	विभाग / योजना का नाम	माह के आरंभ में लंबित पै. राओं की संख्या	माह के दौरान निपटाये गए पैराओं की संख्या	माह के अंत में लंबित पैराओं की संख्या	लंबित पैराओं के निपटान की समय सीमा
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
	सीएजी पैरा				
1.	पंचायत युवा क्रीड़ा और खेल अभियान (पीवाईकेकेए) – भाग 2(ए) 2011–13 का पैरा 1	1	0	1	सीएजी कार्यालय को 10. 01.2017 को उत्तर व अन्य स्प टीकरण भेज दिए गए थे। उत्तर प्रती. क्षित
2.	भारतीय राष्ट्रीय खेल क्षेत्र संघ पैरा 3 (वर्तमान लेखा परीक्षा)	1	0	1	–वही–
3.	पंचायत युवा क्रीडा और खेल अभियान (पीवाईकेकेए) – पैरा 12 (1) (वर्तमान लेखा परीक्षा)	1	0	1	–वही–
4.	पंचायत युवा क्रीडा और खेल अभियान (पीवाईकेकेए) – पैरा 12 (2) (वर्तमान लेखा परीक्षा)	1	0	1	–वही–
5.	पंचायत युवा क्रीडा और खेल अभियान (पीवाईकेकेए), राजीव गांधी खेल अभियान (आरजीकेए), राष्ट्रीय खेल विकास निधि (एनएसडीएफ) – पैरा 13 (वर्तमान लेखा परीक्षा)	1	0	1	–वही–
	(i) कुल कैग पैरा	5	0	5	
	आंतरिक ऑडिट पेरा				

1	पीवाईकेकेए योजना के तहत बिहार राज्य खेल प्राधिकरण को जारी अनुदानः	6	0	6	पीएओ, मानव संसाधन विभाग को 04.09.2017 को उत्तर व अन्य स्प टीकरण भेज दिए गए थे। उत्तर प्रती. क्षित
	(1) ब्लॉक स्तरीय और ग्राम स्तरीय काया. न्वयन एजेंसियों को निधियों के वितरण में अप्रत्याशित विलंब				–वही–
	(2) केन्द्रीय सरकार से सहायता अनुदान में गैर वितरित 2.83 करोड़ रूपए				–वही–
	(3) विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने के लिए प्रदान की गई अनुदान सहायता की स्थिति				–वही–
	(4) 2008–09 और 2009–10 के दौरान बिहार खेल प्राधिकरण को प्रदान की गई अनुदान सहायता की स्थिति				–वही–
	(5) 2010–11 के दौरान निम्न स्तरीय ग्रामीण प्रतियोगिताओं के लिए प्रदान किए गए 6,18,90,000 रुपए के प्रतिस्पर्धा अनुदान की स्थिति; और				–वही–
	(6) इस योजना को कार्यान्वित करने के लिए प्रशासनिक अभिच्छा का अभाव।				–वही–